सामान्य विवरणिका

जुलाई-2019

स्नातकोत्तर उपाधि

स्नातक उपाधि

डिप्लोमा

प्रमाणपत्र

bfnjk xk/kh jk"Vh; eDr fo'ofo|ky;

enku x<h] ubZ fnYyh&110068] Hkkjr / www.ignou.ac.in

इस विवरणिका का इलेक्ट्रॉनिक रूप डाउनलोड करने के लिए **http://www.ignou.ac.in** पर उपलब्ध है।

मान्यता

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) 1985 में संसद के अधिनियम (1985 का अधिनियम 50) द्वारा स्थापित एक राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय है। इग्नू की उपाधियाँ/डिप्लोमा/प्रमाणपत्र भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सभी सदस्य संस्थानों द्वारा मान्यताप्राप्त हैं और सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयों, संस्थानों की उपाधियों/डिप्लोमा/प्रमाणपत्रों के समतुल्य हैं ।

fuek.k ,o iujh{k.k %

विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग

lidyu ,o l?kVu

डॉ. बी.पी. रूपम, उप–निदेशक, वि.प.प्र.
डॉ. एस. के. पुलिस्त, उप–निदेशक, वि.प.प्र.
श्री विकास कुमार, सहायक कुलसचिव, वि.प.प्र.

हिंदी रूपांतरण

श्री वीरेन्द्र सिंह बिष्ट, सहायक कुलसचिव (रा.भा.)
सुश्री नीरज काजला, वि.प.प्र. हिन्दी शब्द संशाधन

मुद्रण :
श्री के.एन. मोहनन, सहायक कुलसचिव (प्रकाशन), एम.पी.डी.डी.
श्री बाबू लाल रेवाड़िया, अनुभाग अधिकारी (प्रकाशन), एम.पी.डी.डी.

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस कार्य के किसी भी अंश को किसी भी रूप से कापीराइट धारक से लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ या किसी अन्य माध्यम से पुनरुत्पादित न किया जाए।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के बारे में अन्य सूचना विश्वविद्यालय के मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 स्थित कार्यालय या इसकी वेबसाइट http://www.ignou.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग द्वारा मुद्रित और प्रकाशित।

लेज़र टाइपसेट :
राजश्री कंप्यूटर्स
वी–166ए, भगवती विहार (नजदीक सेक्टर–2, द्वारका)
उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059

समय सीमाः

कृपया जनवरी और जुलाई सत्र में फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख के लिए राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों एवं इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in देखें।

विषय सूची

1. विश्वविद्यालय

1.1 प्रस्तावना 9
1.2 प्रमुख विशेषताएँ 9
1.3 महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ 9
1.4 अध्ययन विद्यापीठ 10
1.5 शैक्षिक कार्यक्रम 11
1.6 पाठ्यक्रम निर्माण 11
1.7 क्रेडिट पद्धति 11
1.8 सहायता सेवाएँ 12
1.9 कार्यक्रम वितरण 12
1.10 मूल्यांकन पद्धति 13
1.11 एसोसिएट स्टूडेंटशिप 15
1.12 भारत में निवास कर रहे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी 15
1.13 अनंतिम प्रवेश 15
1.14 ऑन–लाइन प्रवेश प्रणाली 16
1.15 ई–ज्ञान कोश 16
1.16 विद्या लक्ष्मी पोर्टल 17

2. स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

2.1. स्नातकोत्तर उपाधि कंप्यूटर अनुप्रयोग (एम.सी.ए.) 18
2.2 एम.एस.सी. (भोजन पोषण) (एम.एस.सी.डी.एफ.एस.एम.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 19
2.3 एम.ए. (ग्राम विकास) (एम.ए.आर.डी.) 21
2.4 एम.एससी. (परामर्श एवं परिवार चिकित्सा) (एम.एस.सी.सी.एफ.टी.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 22
2.5 एम.ए. पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध (एम.टी.टी.एम.) 23
2.6 एम.ए. (अंग्रेजी) (एम.ई.जी.) 24
2.7 एम.ए. (हिन्दी) (एम.एच.डी.) 25
2.8 एम.ए. समाज कार्य (एम.एस.डब्ल्यू.) 26
2.9 एम.ए. समाज कार्य (परामर्श) (एम.एस.डब्ल्यू.सी.) 27
2.10 एम.ए. (दर्शनशास्त्र) (एम.ए.पी.वाई) 29
2.11 एम.ए. (शिक्षा) (एम.ए.ई.डी.यू.) 30
2.12 एम.ए. (अर्थशास्त्र) (एम.ई.सी.) 32
2.13 एम.ए. (इतिहास) (एम.ए.एच.) 33
2.14 एम.ए. (राजनीति विज्ञान) (एम.पी.एस.) 34
2.15 एम.ए. (लोक प्रशासन) (एम.पी.ए.) 35
2.16 एम.ए. (समाजशास्त्र) (एम.एस.ओ.) 36
2.17 एम.ए. (गाँधी और शांति अध्ययन) (एम.जी.पी.एस.) 37
2.18 एम.ए. (मनोविज्ञान) (एम.ए.पी.सी.) 38
2.19 स्नातकोत्तर उपाधि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एम.एल.आई.एस) 39
2.20 एम.ए. (मानव विज्ञान) (नृविज्ञान) (एम.ए.ए.एन.) 40
2.21 एम.ए. (विकास अध्ययन) (एम.ए.डी.वी.एस.) 40
2.22 एम.ए. (प्रौढ़ शिक्षा (एम.ए.ए.ई.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 41
2.23 एम.ए. (जेंडर एवं विकास अध्ययन) (एम.ए.जी.डी.) 42
2.24 एम.ए. (महिला एवं जेंडर अध्ययन) (एम.ए.डब्ल्यू.जी.एस.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में) 44

2.25 एम.ए. (दूर शिक्षा) (एम.ए.डी.ई.) 46
2.26 स्नातकोत्तर उपाधि वाणिज्य (एम.कॉम.) 46
2.27 एम.एससी. (गणित) (एम.एस.सी.एम.ए.सी.एस.) (प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 47
2.28 एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (एम.ए.टी.एस.) 49

3. स्नातक उपाधि कार्यक्रम

3.1 स्नातक कंप्यूटर अनुप्रयोग (बी.सी.ए.) 51
3.2 स्नातक सामाजिक कार्य (बी.एस.डब्ल्यू.) 52
3.3 स्नातक पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (बी.एल.आई.एस.) 54
3.4 स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बी.पी.पी.) 54

सी.बी.सी.एस. आधारित स्नातक उपाधि कार्यक्रम

3.5 कला स्नातक (बी.ए.जी.) 55
3.6 वाणिज्य स्नातक (बी.कॉम.जी.) 65
3.7 विज्ञान स्नातक (बी.एस.सी.जी.) 67

4. डिप्लोमा कार्यक्रम

4.1 पुस्तकालय ऑटोमेशन और नेटवर्किंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एल.ए.एन.) 75
4.2 आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.एम.) 76
4.3 गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.जी.पी.एस.) 77
4.4 ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आर.डी.) 77
4.5 परामर्श एवं परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.एफ.टी.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 78
4.6 अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.टी.) 79
4.7 अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय संचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.बी.ओ.) 80
4.8 पर्यावरण और सतत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.एस.डी.) 80
4.9 विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.सी.) 81
4.10 अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.एस.टी.) 82
4.11 पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.जे.एम.सी.) 83
4.12 ऑडियो कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.पी.पी.) 84
4.13 उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.ई.) 84
4.14 शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.टी.) 85
4.15 विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एस.एल.एम.) 86
4.16 शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.एम.ए.) 87
4.17 पूर्व-प्राथमिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.पी.ई.डी.) 88
4.18 प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.ई.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 88
4.19 औषधि विक्रय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.एस.एम.) 89
4.20 सूचना सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.एस.) 90
4.21 बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.पी.आर.) 91
4.22 आपराधिक न्याय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.जे.) 91
4.23 शहरी नियोजन एवं विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.यू.पी.डी.एल.) 92
4.24 लोकतत्व और संस्कृति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एफ.सी.एस.) 93
4.25 अस्पताल और स्वास्थ्य प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.एच.एम.) (प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 94
4.26 जेरियाट्रिक मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.जी.एम.) (प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 95
4.27 मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एम.सी.एच.)

(प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 96
4.28 एचआईवी मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.आई.वी.एम)
(प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 97
4.29 खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एफ.एस.क्यू.एम.)
(प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 97
4.30 वृक्षारोपण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.एम.)
(प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 99
4.31 पुस्तक प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.बी.पी.)
(प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 99
4.32 महिला और जेंडर अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डब्ल्यू.जी.एस.)
(प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 100
4.33 संधारणीयता विज्ञान (सस्टेनेबिलिट साइंस) में स्नातकोत्तर (पी.जी.डी.एस.एस.) 101
4.34 समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.ओ.यू.एन.) 102
4.35 मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एम.एच.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 102
4.36 विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.वी.एस.) 103
4.37 पर्यावरण और व्यावसायिक स्वास्थ में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.ओ.एच.) 104
4.38 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ई.सी.ई.) 105
4.39 पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा (डी.एन.एच.ई.) 105
4.40 पंचायत स्तरीय प्रशासन और विकास में डिप्लोमा (डी.पी.एल.ए.डी.) 106
4.41 पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (डी.टी.एस.) 107
4.42 जलकृषि में डिप्लोमा (डी.ए.क्यू.) 108
4.43 अंग्रेजी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा (डी.सी.ई.) 108
4.44 उर्दू में डिप्लोमा कार्यक्रम (डी.यू.एल.) 109
4.45 एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ए.एफ.ई.) 109
4.46 बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग – फाइनेंस ऐंड एकाउंटिंग में डिप्लोमा (डी.बी.पी.ओ.एफ.ए.) 110
4.47 महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा (डी.डब्ल्यू.ई.डी.) 111
4.48 पैरा लीगल प्रैक्टिस में डिप्लोमा (डी.आई.पी.पी.) 112
4.49 नर्सिंग प्रशासन में डिप्लोमा (डी.एन.ए.) (प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 112
4.50 गहन देखभाल नर्सिंग में डिप्लोमा (डी.सी.सी.एन.) (प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 113
4.51 फलों और सब्जियों से मूल्य संवर्धित उत्पाद में डिप्लोमा (डी.वी.ए.पी.एफ.वी.)
(प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 114
4.52 डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डी.डी.टी.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 115
4.53 मांस प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डी.एम.टी.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 116
4.54 अनाजों, दालों और तिलहनों से प्राप्त मूल्य–संवर्धित उत्पाद में डिप्लोमा (डी.पी.वी.सी.पी.ओ)
(प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 117
4.55 मछली उत्पाद प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डी.एफ.पी.टी.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 118
4.56 जलसंभर (वाटरशेड) प्रबंधन में डिप्लोमा (डी.डब्ल्यू.एम.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 119
4.57 विदेशी भाषा के रूप में जर्मन भाषा अध्यापन में डिप्लोमा (डी.टी.जी.) (प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध) 120
4.58 रिटेलिंग (खुदरा व्यापार) में डिप्लोमा (डी.आई.आर.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 121
4.59 समारोह प्रबंधन (इवेंट मैनेजमेंट) में डिप्लोमा (डी.ई.वी.एम.टी.) 121

5. प्रमाणपत्र कार्यक्रम

5.1 विद्युत वितरण प्रबंधन में उच्च प्रमाणपत्र (ए.सी.पी.डी.एम.) 123
5.2 सूचना सुरक्षा में उच्च प्रमाणपत्र (ए.सी.आई.एस.ई.) 123

5.3 प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.ई.) 124
5.4 साइबर कानून में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.सी.एल.) 125
5.5 पेटेंट प्रैक्टिस में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.पी.पी.) 125
5.6 बांग्ला–हिन्दी अनुवाद में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.बी.एच.टी.) 126
5.7 मलयालम–हिन्दी अनुवाद में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.एम.एच.टी.) 126
5.8 कृषि नीति में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.पी.) 127
5.9 गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.जी.पी.एस.) 127
5.10 दृष्टिदोष वाले व्यक्तियों के अनुदेशकों के लिए सूचना एवं सहायक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.आई.ए.टी.आई.वी.आई.) 128
5.11 जियोइंफॉरमेटिक्स में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.जी.आई.) 129
5.12 अक्युपंक्चर में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.सी.पी.) 129
5.13 जलवायु परिवर्तन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.सी.सी.) 130
5.14 दृश्य कला–चित्रकारी में प्रमाणपत्र (सी.वी.ए.पी.) 131
5.15 दृश्य कला–अनुप्रयुक्त कला में प्रमाणपत्र (सी.वी.ए.ए.) 131
5.16 प्रदर्शनपरक कला–रंगमंच कला में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.टी.एच.ए.) 132
5.17 प्रदर्शनपरक कला–हिंदुस्तानी संगीत में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.एच.एम.) 132
5.18 प्रदर्शनपरक कला–कर्नाटक संगीत में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.के.एम.) 133
5.19 प्रदर्शनपरक कला–भरतनाट्यम में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.बी.एन.) 133
5.20 अरबी भाषा में प्रमाणपत्र (सी.ए.एल.) 134
5.21 फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (सी.एफ.एल) 134
5.22 रूसी भाषा में प्रमाणपत्र (सी.आर.यू.एल) 135
5.23 आपदा प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.डी.एम.) 135
5.24 पर्यावरण अध्ययन में प्रमाणपत्र (सी.ई.एस.) 136
5.25 गैर–सरकारी संगठन प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.एन.एम.) 136
5.26 व्यवसाय कौशल में प्रमाणपत्र (सी.बी.एस.) 137
5.27 द्वितीय भाषा के रूप में अंग्रेजी शिक्षण में प्रमाणपत्र (सी.टी.ई.) 137
5.28 प्रयोजनमूलक अंग्रेजी में प्रमाणपत्र (बेसिक लेवल) (सी.एफ.ई.) 138
5.29 उर्दू भाषा में प्रमाणपत्र (सी.यू.एल.) 138
5.30 एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में प्रमाणपत्र (सी.ए.एफ.ई.) 139
5.31 समाज कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रमाणपत्र (सी.एस.डब्ल्यू.सी.जे.एस.) 139
5.32 स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.एच.सी.डब्ल्यू.एम.) 140
5.33 नवजात शिशु और बच्चों की देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एन.आई.एन.) 140
5.34 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एम.सी.एच.एन.) 141
5.35 गृह आधारित देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एच.बी.एच.सी.) 141
5.36 सामुदायिक रेडियो में प्रमाणपत्र (सी.सी.आर.) 142
5.37 पर्यटन अध्ययन में प्रमाणपत्र (सी.टी.एस.) 142
5.38 भोजन एवं पोषण में प्रमाणपत्र (सी.एफ.एन.) 143
5.39 पोषण और शिशु देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एन.सी.सी.) 143
5.40 ग्राम विकास में प्रमाणपत्र (सी.आर.डी.) 144
5.41 रेशम कीट पालन में प्रमाणपत्र (सी.आई.एस.) 144
5.42 जैविक खेती में प्रमाणपत्र (सी.ओ.एफ.) 145
5.43 जल संचयन और प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.डब्ल्यू.एच.एम.) 145
5.44 कुक्कुट पालन में प्रमाणपत्र (सी.पी.एफ.) 146
5.45 मधुमक्खी पालन में प्रमाणपत्र (सी.आई.बी.) 147
5.46 मानवाधिकार में प्रमाणपत्र (सी.एच.आर.) 147
5.47 उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाणपत्र (सी.सी.पी.) 148
5.48 सहयोग, सहकारी कानून एवं व्यवसाय कानून में प्रमाणपत्र (सी.सी.एल.बी.एल.) 148
5.49 मानव तस्करी रोकथाम में प्रमाणपत्र (सी.ए.एच.टी.) 149

5.50 अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून में प्रमाणपत्र (सी.आई.एच.एल.) 150
5.51 सूचना प्रौद्योगिकी में प्रमाणपत्र (सी.आई.टी.) 150
5.52 मार्गदर्शन में प्रमाणपत्र (सी.आई.जी.) 151
5.53 संचार एवं आई टी कौशल में प्रमाणपत्र (सी.सी.आई.टी.एस.के.) 151
5.54 प्रयोगशाला तकनीक में प्रमाणपत्र (सी.पी.एल.टी.) 152
5.55 प्राथमिक विद्यालय गणित शिक्षण में प्रमाणपत्र (सी.टी.पी.एम.) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 152
5.56 मूल्य शिक्षा में प्रमाणपत्र (सी.पी.वी.ई) 153
5.57 ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.ई.टी.एम.) 153
5.58 बिजली वितरण में सक्षमता प्रमाणपत्र (विद्युत तकनीशियनों के लिए) (सी.सी.पी.डी.) 154
5.59 पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में प्रमाणपत्र (सी.एल.आई.एस.) 156
5.60 बी.आर. अम्बेडकर का जीवन और विचारधारा पर प्रमाणपत्र (सी.एल.टी.ए.) 157
5.61 प्राथमिक उपचार में प्रमाणपत्र (सी.एफ.ए.आई.डी.) 157
5.62 जनजातीय अध्ययन में प्रमाणपत्र (सी.टी.आर.बी.एस.) 158
5.63 जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (सी.जे.एल..) (प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध) 158
5.64 कोरियाई भाषा में प्रमाणपत्र (सी.के.एल.सी.) 159
5.65 स्पेनी भाषा एवं संस्कृति में प्रमाणपत्र (सी.एस.एल.सी) 159
5.66 जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र (सी.जी.एल.) 160
5.67 फैशन डिजाइन में प्रमाणपत्र (सीएफडीई) 160
5.68 सामान्य ड्यूटी सहायता में प्रमाणपत्र (सी.जी.डी.ए.) 161
5.69 जेरियाट्रिक देखभाल सहायता में प्रमाणपत्र (सी.जी.सी.ए.) 161
5.70 फ्लेबोटॉमी सहायता में प्रमाणपत्र (सी.पी.एच.ए.) 162
5.71 गृह स्वास्थ्य सहायता में प्रमाणपत्र (सी.एच.एच.ए.) 162
5.72 सामुदायिक स्वास्थ्य में प्रमाणपत्र (बी.पी.सी.सी.एच.एन.) 163
5.73 पर्यावरण परिबोध (एप्रीसिएशन) पाठ्यक्रम (ए.सी.ई.) 164
5.74 जनसंख्या और सतत् विकास पर परिबोध पाठ्यक्रम (ए.सी.पी.एस.डी.) 165
5.75 फलों और सब्जियों से मूल्य संवर्धित उत्पाद पर जागरूकता कार्यक्रम (एपीवीपीएफवी.) 165
5.76 डेयरी फार्मिंग पर जागरूकता कार्यक्रम (एपीडीएफ.) 166
5.77 वस्तु एवं सेवाकर पर जागरूकता प्रमाणपत्र (जी.एस.टी) 167

6. विश्वविद्यालय के नियम

6.1 निजी संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई शैक्षिक अर्हताएँ 168
6.2 प्रवेश के लिए उपाधि की वैधता 168
6.3 ''दो वर्षीय स्नातक उपाधि'' की स्वीकार्यता 168
6.4 अपूर्ण एवं विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र 168
6.5 प्रवेश की वैधता 168
6.6 साथ-साथ पंजीकरण 169
6.7 पुनः पंजीकरण 169
6.8 पुनः प्रवेश 169
6.9 दिव्यांग विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय 169
6.10 आरक्षण 170
6.11 छात्रवृत्तियाँ और शुल्क की प्रतिपूर्ति 170
6.12 एस.सी.एस.पी. और टी.एस.पी. योजनाओं के असंगति के अंतर्गत एस.सी./एस.टी. के विद्यार्थियों के लिए शुल्क में छूट ... 170
6.13 शुल्क की वापसी 170
6.14 जेल में रह रहे कैदियों को इग्नू के कार्यक्रमों के शुल्क में छूट 171
6.15 अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य 171
6.16 ऐच्छिक/पाठ्यक्रम में परिवर्तन 171
6.17 माध्यम में परिवर्तन 171
6.18 कार्यक्रम में परिवर्तन 171

6.19 क्रेडिट अंतरण (ट्रांसफर) 172
6.20 परामर्श तथा परीक्षा केन्द्र 172
6.21 पते में संशोधन तथा अध्ययन केंद्र में परिवर्तन 172
6.22 क्षेत्र में परिवर्तन 172
6.23 सत्रांत परीक्षा के लिए पात्रता 173
6.24 विदेशी छात्र के लिए पात्रता 173
6.25 भारत में रह रहे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए प्रवेश से संबंधित दिशा–निर्देश 173
6.26 आफिशियल ट्रांसक्रिप्ट 174
6.27 डिवीजन / श्रेणी में सुधार 174
6.28 परीक्षा-परिणाम की शीघ्र घोषणा 174
6.20 सत्रांत परीक्षा का पुनर्मूल्यांकन 174
6.30 उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो प्रति प्राप्त करना 174
6.31 डुप्लीकेट ग्रेड कार्ड 175
6.32 कैटेगरी (श्रेणी) में परिवर्तन 175
6.33 विद्यार्थी के नाम / उपनाम में परिवर्तन / सुधार 175
6.34 इग्नू आई.जी.आर.ए.एम. (आइग्राम) 175
6.35 प्रवेश और विश्वविद्यालय के अन्य मामलों पर विवाद 175
6.36 इग्नू के कार्यक्रमों की मान्यता 175
6.37 दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रवेश-पूर्व परामर्श 176
6.38 केंद्रीय शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ई.डब्ल्यू.एस.) के लिए आरक्षण 176
6.39 डिजिटल अध्ययन सामग्री 176
6.40 के.वी.एस. के कर्मचारी 176

7. कदाचार की रोकथाम / सार्वजनिक सूचना 187
8. रोजगार सेवा 187
9. किस कार्य के लिए किससे संपर्क करें 188
10. क्षेत्रीय केन्द्रों के पते व कोड 189
11. कोडों की सूची 201
11.1 राज्य कोड 201
11.2 शैक्षिक योग्यता कोड 201
11.3 बोर्ड के कोडों की सूची 202
11.4 गैर–मान्यताप्राप्त स्कूल बोर्डों / स्वैच्छिक हिंदी संस्थानों की सूची 203
12. कार्य.स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न संबंधी इग्नू की नीति 211
13. आवेदन.पत्र, अनुदेश, फार्म, कोड अन्य फार्म और विद्यार्थी कार्ड 213

1. विश्वविद्यालय

1.1 प्रस्तावना

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 1985 में संसद के अधिनियम द्वारा निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए की गई :

- शिक्षा को विद्यार्थियों के द्वार तक पहुँचाकर उच्च शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करना;
- आयु, क्षेत्र, धर्म और जेंडर (लिंग) पर विचार किए बिना शिक्षा पाने के इच्छुक सभी लोगों को उच्च कोटि की शिक्षा सुलभ कराने की व्यवस्था करना;
- वृत्तिक एवं व्यवसायमूलक पाठ्यक्रमों द्वारा आवश्यकता-आधारित शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करना; और
- भारत में दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहित तथा विकसित करना।

1.2 प्रमुख विशेषताएँ

इग्नू की कुछ अद्वितीय विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं :

- अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति के साथ राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार
- लचीले प्रवेश नियम
- व्यक्तिनिष्ठ अध्ययन : स्थान, समय और अध्ययन की अवधि के संबंध में लचीलापन
- नवीनतम सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का प्रयोग
- विद्यार्थी सहायता सेवाओं का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क
- लागत प्रभावी कार्यक्रम
- कार्यक्रमों के लिए माड्यूलर उपागम
- परंपरागत विश्वविद्यालयों, मुक्त विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों/संगठनों के साथ संसाधन आदान-प्रदान, सहयोग और नेटवर्क की स्थापना
- विद्यार्थियों की जरूरतों के अनुसार सामाजिक और शैक्षिक रूप से प्रासंगिक कार्यक्रम; और
- मुक्त एवं परंपरागत शिक्षा पद्धतियों का समागम।

1.3 महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- विश्व में विशालतम मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में इग्नू का आविर्भाव।
- कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग द्वारा दूर शिक्षा में श्रेष्ठता के केन्द्र के रूप में मान्यता (1993)।
- कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग द्वारा दूर शिक्षा सामग्री के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार (1999)।
- शिक्षा चैनल 'ज्ञान दर्शन' का चौबीसों घंटे प्रसारण। इग्नू इन चैनलों के लिए नोडल एजेंसी है और ई.एम.पी.सी. (संचार केंद्र), इग्नू में स्थित स्टूडियो से कार्यक्रमों का नियमित प्रसारण किया जाता है।
- सीधे संवाद के साथ नियमित शैक्षिक प्रसारण।
- तीन मिलियन से अधिक विद्यार्थी।

- यूनेस्को ने 2010 में इग्नू को विश्व में उच्च शिक्षा का सबसे बड़ा संस्थान घोषित किया ।
- अध्ययन सहायता प्रणाली की सबसे बड़ी प्रणाली।
- 45 दिन के अंदर परीक्षा परिणाम की घोषणा।

1.4 अध्ययन विद्यापीठ

विभिन्न विषयों के अध्ययन में पारस्परिक तालमेल विकसित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों के माध्यम से काम करता है। प्रत्येक विद्यापीठ एक निदेशक के अधीन है, जो विद्यापीठ के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षिक, प्रशासनिक एवं सेवा शाखाओं के साथ तालमेल रखते हुए शैक्षिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रमों की योजना तैयार करने, उनका पर्यवेक्षण करने और उन्हें विकसित तथा आयोजित करने का दायित्व संभालते हैं। विभिन्न स्तरों पर पाठ्यक्रमों के व्यापक चयन के अवसर देने पर बल दिया जाता है।

इस समय निम्नलिखित अध्ययन विद्यापीठ कार्यरत हैं :

- मानविकी विद्यापीठ
- सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
- विज्ञान विद्यापीठ
- शिक्षा विद्यापीठ
- सतत शिक्षा विद्यापीठ
- इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
- प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
- स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
- कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ
- कृषि विद्यापीठ
- विधि विद्यापीठ
- पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यापीठ
- जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
- पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
- अंतरविद्याश्रयी एवं बहुविद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ
- सामाजिक कार्य विद्यापीठ
- व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
- विस्तार एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
- विदेशी भाषा विद्यापीठ
- अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
- प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ

1.5 शैक्षिक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय परंपरागत तथा नवीन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, उच्च डिप्लोमा, सहायक उपाधि और उपाधि के कार्यक्रम प्रदान करता है। इनमें से अधिकांश कार्यक्रम इस प्रकार के कार्यक्रमों की मांग के प्रारंभिक सर्वेक्षण के बाद विकसित किए गए हैं। ये विद्यार्थियों की निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से प्रारंभ किए गए हैं:

- प्रमाणन,
- दक्षता में सुधार,
- व्यावसायिक योग्यता का अर्जन,
- कार्यस्थल पर सतत शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास,
- व्यक्तित्व विकास,
- ज्ञान का विविधीकरण एवं नवीनीकरण/अद्यतनीकरण, और
- सशक्तिकरण।

1.6 पाठ्यक्रम निर्माण

शिक्षा सामग्री देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/विशेषज्ञ संस्थानों तथा अपने ही विश्वविद्यालय के संकायों के समूह द्वारा विशेष रूप से तैयार की जाती है। अंत में, प्रेस में भेजने से पहले इस सामग्री की इं.गां.रा.मु.वि. में विषय विशेषज्ञों द्वारा जाँच की जाती है, अनुदेशकों/यूनिट डिज़ाइनर द्वारा इनका पर्यवेक्षण किया जाता है और भाषा विशेषज्ञों द्वारा इसका संपादन किया जाता है। इसी प्रकार, पाठ्यक्रम लेखकों, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं प्रोड्यूसरों के परामर्श से श्रव्य और दृश्य कैसेट तैयार किए जाते हैं। छात्रों एवं अध्ययन केन्द्रों को भेजने और ज्ञान दर्शन पर प्रसारण से पहले संकाय तथा अन्य बाहरी विशेषज्ञों द्वारा भी इस सामग्री का पूर्वावलोकन एवं पुनरावलोकन किया जाता है और जहाँ कहीं आवश्यक हो इसका संपादन अथवा संशोधन भी किया जाता है।

1.7 क्रेडिट पद्धति

d½ vkMh,y e: ØfMV dh ifjHkk"kk

विश्वविद्यालय अपने अधिकांश कार्यक्रमों के लिए ''क्रेडिट पद्धति'' का अनुसरण करता है। हमारी शिक्षण पद्धति में प्रत्येक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के बराबर होता है जिसमें सभी शिक्षण गतिविधियाँ (अर्थात मुद्रित सामग्री पढ़ना और समझना, श्रव्य कार्यक्रम सुनना, दृश्य कार्यक्रम देखना, परामर्श सत्रों, टेलीकान्फ्रेसिंग में भाग लेना और सत्रीय कार्यों के उत्तर देना) शामिल हैं। इस प्रकार, 4 क्रेडिट वाले पाठ्यक्रम में 120 घंटे और 6 क्रेडिट वाले पाठ्यक्रम में 180 घंटे का अध्ययन अपेक्षित है। इससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिलती है कि किसी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए उन्हें कितना प्रयास करना है। किसी शैक्षिक कार्यक्रम (उपाधि अथवा डिप्लोमा) को पूरा करने के लिए विद्यार्थी को कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य, प्रायोगिक कार्य, परियोजना और सत्रांत परीक्षा को सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य है।

[k½ vfHk:fp vk/kkfjr ØfMV i:.kkyh ¼lhchlh,l½

इस विवरणिका के माध्यम से प्रस्तुत किए गए स्नातक उपाधि कार्यक्रम यूजीसी द्वारा शुरू किए गए अभिरूचि आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) का अनुसरण करते हैं। सीबीसीएस शिक्षार्थियों को अपनी गति से विषयों/पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करता है, अंतर–विषयक, अंतरा–विषयक और कौशल–आधारित पाठ्यक्रमों का अधिक विकल्प प्रदान करता है और अध्ययन के लिए एक संस्थान से दूसरे संस्थान में जाने की गतिशीलता प्रदान करता है। इस प्रणाली के लाभ इस प्रकार हैं:

- शिक्षार्थियों को अंतर–विषयक, अंतरा–विषयक, पाठ्यक्रमों, कौशल उन्मुख पाठ्यक्रमों के संयोजन का चयन करने की अनुमति देता है।

- (यहां तक कि उनकी पढ़ाई की जरूरतों, रुचियों और योग्यता के अनुसार अन्य विषयों से भी)।

- वैश्विक मानकों के साथ शिक्षा को व्यापक आधार प्रदान करता है।

- कार्यक्रम को पूरा करने के लिए शिक्षार्थियों को अलग–अलग समय और अलग–अलग संस्थानों में अध्ययन हेतु लचीलापन प्रदान करता है। एक संस्थान म अर्जित क्रेडिट को दूसरे संस्थान में स्थानांतरित किया जा सकता है।

1.8 सहायता सेवाएँ

अपने विद्यार्थियों को निजी तौर पर सहायता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने पूरे देश में कई अध्ययन केंद्र स्थापित किए है। इन अध्ययन केंद्रों का संचालन 67 क्षेत्रीय केंद्रों और मान्यताप्राप्त क्षेत्रीय केंन्द्रों द्वारा किया जाता है। अध्ययन केंन्द्रों में विद्यार्थी शैक्षिक परामर्शदाताओं और अन्य विद्यार्थियों से संपर्क करते हैं, पुस्तकालय में पुस्तकें पढते हैं, दृश्य–श्रव्य कार्यकम देखते/सुनते हैं और प्रशासनिक तथा शिक्षा संबंधी विषयों पर समन्वयक से परामर्श करते है। क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची इस पुस्तिका में दी गई है। सहायता सेवाएँ कार्य केन्द्रों, कार्यकम अध्ययन केन्द्रों और दक्षता विकास केन्द्रों एवं विशेष अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से भी दी जाती है।

1.9 कार्यक्रम वितरण

इस विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति परंपरागत विश्वविद्यालयों से भिन्न है। मुक्त विश्वविद्यालय की पद्धति अपेक्षाकृत अधिक छात्रोन्मुखी है और शिक्षण (अध्ययन–अध्यापन) प्रक्रिया में विद्यार्थी सक्रिय रूप से भागीदार होता है। आवश्यकतानुसार अधिकांश शिक्षा दूर शिक्षा माध्यमों से दी जाती है।

शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय बहु-माध्यम दृष्टिकोण का उपयोग करता है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं :

क) **स्वशिक्षण लिखित सामग्री** : कार्यक्रम के सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक दोनों प्रकार के घटकों के लिए विद्यार्थियों को प्रत्येक पाठ्यक्रम (औसतन एक क्रेडिट के लिए एक खंड) के लिए मुद्रित अध्ययन सामग्री पुस्तक और/या ई–बुक (स्व-शिक्षण पद्धति में लिखी गई) खंड-समूह में प्रेषित की जाती है। पुस्तिका के रूप में प्रकाशित एक खंड में सामान्यतया 3 से 5 इकाइयां होती हैं।

दृश्य.श्रव्य सामग्री : इस प्रकार की शिक्षण सामग्री में दृश्य-श्रव्य कार्यक्रम होते हैं, जिनका निर्माण विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को प्रेषित पाठ्य सामग्री को अच्छी तरह से स्पष्ट करने तथा समझाने के लिए किया जाता है। दृश्य सामग्री की अवधि सामान्यता 25-30 मिनट की होती है।

ख) दृश्य सामग्री ई–ज्ञान कोश (www.egyankosh.ac.in) पर उपलब्ध है, जो विश्वविद्यालय का डिजिटल शिक्षण भंडार है। njn'ku vkj Kku n'ku d jk"Vh; uVod ij n'; dk;Øek dk ilkj.k fd;k tkrk gA Kku ok.kh के सभी केन्द्र पहले से अधिसूचित अनुसूची के अनुसार पाठ्यक्रमों पर आधारित श्रव्य कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। इसके अलावा, आकाशवाणी के कुछ चुने गए केन्द्र भी श्रव्य कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। विद्यार्थी इन कार्यक्रमों की तिथियों की जानकारी अपने अध्ययन केन्द्रों से ज्ञात कर सकते हैं। इसकी सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी दी जाती है।

ग) **परामर्श सत्र** : सामान्यतया परामर्श सत्रों का आयोजन अध्ययन केन्द्र द्वारा तैयार की गई समय–सारणी के अनुसार किया जाता है। इनका आयोजन आमतौर पर जिस संस्थान में अध्ययन केन्द्र स्थित है, उस संस्थान के नियमित कामकाज के घंटों के बाद किया जाता है।

घ) **टेलीकॉन्फ्रेंस** : परस्पर सक्रिय ज्ञान दर्शन चैनल के माध्यम से उपग्रह से टेलीकॉन्फ्रेंस सत्रों का सीधे संचालन किया जाता है और साथ-साथ www.ignou.ac.in पर भी प्रसारित किया जाता है। इसकी समय सारणी अध्ययन केन्द्रों में उपलब्ध होती है।

च) **प्रयोगात्मक/परियोजना कार्य** : शिक्षण की अपेक्षाओं के अनुसार कुछ कार्यक्रमों में प्रयोगात्मक/परियोजना घटक भी होते हैं। प्रयोगात्मक कार्य निर्दिष्ट संस्थाओं में किए जाते हैं जिनके लिए समय-सारणी अध्ययन केन्द्र द्वारा प्रदान की जाती है। प्रयोगात्मक कार्यों में विद्यार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। परियोजना कार्य के लिए, विद्यार्थी को अध्ययन सामग्री के साथ पुस्तिका के रूप में एक संपूर्ण परियोजना दिग्दर्शिका/दर्शिका पुस्तिका दी जाती है।

1.10 मूल्यांकन पद्धति

इग्नू में मूल्यांकन की पद्धति परंपरागत विश्वविद्यालयों से भिन्न है। इग्नू में बहु-स्तरीय मूल्यांकन पद्धति है।

1. अध्ययन की प्रत्येक इकाई में स्व-मूल्यांकन अभ्यास।
2. मुख्यतया सत्रीय कार्यों के माध्यम से सतत मूल्यांकन किया जाता है जिनमें अध्यापक जाँच, प्रयोगात्मक सत्रीय कार्य तथा सेमीनार/कार्यशालाएं/विस्तारित संपर्क कार्यक्रम शामिल हैं।
3. सत्रांत परीक्षाएँ।
4. परियोजना/सत्रांत प्रैक्टिकल परीक्षण।

विद्यार्थियों का मूल्यांकन उनके द्वारा किए गए विभिन्न शैक्षिक कार्यों पर निर्भर करता है। प्रत्येक विद्यार्थी को शैक्षिक कार्यक्रम पूरा करने के लिए समय-समय पर सत्रांत परीक्षा में बैठने से पहले सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक विद्यार्थी को संबंधित अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य भेजना आवश्यक है जिससे वह संबद्ध है। l=kr ijh{kk n'k vkj fon'k e Qy fofHkUu ijh{kk dUnk ij tu vkj fnlcj e vk;kftr dh tkrh gA

इग्नू विद्यार्थियों की उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित ''ग्रेड'' पद्धति का प्रयोग करता है :

अक्षर ग्रेड	गुणात्मक स्तर	बिन्दु ग्रेड
A	उत्कृष्ट	5
B	बहुत अच्छा	4
C	अच्छा	3
D	संतोषजनक	2
E	असंतोषजनक	1

स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रमों के लिए सामान्यतया अंकन पद्धति का अनुसरण किया जाता है और सत्रीय कार्यों एवं सत्रांत परीक्षा आदि में प्राप्त अंकों को बाद में उपर्युक्त वर्णित पाँच बिंदु ग्रेड स्केल के अनुसार ग्रेडों में परिवर्तित किया जाता है। यद्यपि विद्यार्थी की आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय द्वारा अंक एवं श्रेणी (I, II या उत्तीर्ण) भी प्रदान की जाती है

इग्नू सी.बी.सी.एस. के अंतर्गत स्नातक उपाधि के लिए विद्यार्थियों की उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए 10 बिंदु ग्रेडिंग प्रणाली का प्रयोग करता है :

fo|kfFk;k dh miyfCèk dk eY;kdu dju d fy, 10 fcn xfMx i.kkyh dk i;kx djrk g %

अक्षर ग्रेड	संख्यात्मक ग्रेड	प्रतिशत
O (सर्वोकृष्ट)	10	> 85
A+ (उत्कृष्ट)	9	> 75 < 85
A (बहुत अच्छा)	8	> 65 < 75
B+ (अच्छा)	7	> 55 < 65
B (औसत से ऊपर)	6	> 50 < 55
C (औसत)	5	> 40 < 50
D (उत्तीर्ण)	4	> 35 < 40
F (अनुर्तीर्ण)	0	< 35
AB (अनुपस्थित)	0	अनुपस्थित

सत्रांत परीक्षा और परीक्षा शुल्क का भुगतान

विश्वविद्यालय वर्ष में दो बार जून और दिसंबर माह में सत्रांत परीक्षा आयोजित करता है। विद्यार्थी को सत्रांत परीक्षा में निम्नलिखित शर्तों पर बैठने दिया जाता है :

(1) पाठ्यक्रमों का पंजीकरण मान्य है और समयावधि समाप्त नहीं हुई है।

(2) अपेक्षित संख्या में, लागू होने पर, नियत तारीख तक इन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य जमा करा दिए हैं।

(3) कार्यक्रम के प्रावधानों के अनुसार इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने की न्यूनतम अवधि पूरी कर ली है।

(4) विद्यार्थी ने उन सभी पाठ्यक्रमों का परीक्षा शुल्क जमा करा दिया है, जिनकी सत्रांत परीक्षा में वह बैठ रहा है।

उपर्युक्त में से किसी भी शर्त को पूरा न करने पर इस प्रकार के सभी पाठ्यक्रमों का परीक्षाफल घोषित नहीं किया जाएगा।

सत्रांत परीक्षा

सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक समय अर्थात् प्रत्येक परीक्षा (जून/दिसंबर) में नये सिरे से परीक्षा फार्म भरना अपेक्षित है। निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार परीक्षा फार्म केवल ऑन लाइन ही स्वीकार किए जाते हैं:

परीक्षा फार्म जमा कराने की तारीख :

जून सत्रांत परीक्षा के लिए	विलम्ब शुल्क	दिसम्बर सत्रांत परीक्षा के लिए	विलम्ब शुल्क
01 मार्च से 31 मार्च	शून्य	1 सितम्बर से 30 सितम्बर	शून्य
01 अप्रैल से 15 अप्रैल	रु. 1000/- (परीक्षा केंद्र उस शहर में होगा, जिसमें क्षेत्रीय केंद्र स्थित है)	1 अक्तूबर से 15 अक्तूबर	रु. 1000/- (परीक्षा केंद्र उस शहर में होगा, जिसमें आपका क्षेत्रीय केंद्र स्थित है)

कृपया ध्यान दें कि उपर्युक्त तारीखों में परिवर्तन किया जा सकता है। कृपया वास्तविक तारीख विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देंखे।

परीक्षा शुल्क और भुगतान का माध्यम

परीक्षा शुल्क	भुगतान का माध्यम
रु.150/– प्रति पाठ्यक्रम (सिद्धांत)	क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/नेट बैंकिंग
रु.150/– प्रति पाठ्यक्रम (प्रैक्टिकल)	

परीक्षा शुल्क का भुगतान करने पर न तो इसे वापस किया जाएगा और ना ही समायोजित किया जाएगा, चाहे विद्यार्थी परीक्षा में न बैठा हो।

सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा प्रवेश पत्र

परीक्षार्थी को कोई भी परीक्षा प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जाएगा। सभी परीक्षार्थियों के परीक्षा प्रवेश पत्र सत्रांत परीक्षा शुरू होने से 7 से 10 दिन पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ignou.ac.in पर अपलोड कर दिए जाते हैं।

विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ignou.ac.in से अपना नामांकन सं. और अध्ययन कार्यक्रम का नाम लिखकर डाउनलोड कर सकते हैं और क्षेत्रीय केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र के साथ परीक्षा केंद्र में जाकर परीक्षा में बैठ सकते हैं। परीक्षार्थी को क्षेत्रीय केंद्र/विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए मान्य पहचान पत्र के बिना परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा विश्वविद्यालय से दिए गए पहचान पत्र को खो देने की स्थिति में उसे परीक्षा शुरू होने से पर्याप्त समय पहले डुप्लीकेट पहचान पत्र को बनाने के लिए संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को आवेदन करना होगा। जिससे उसे डुप्लीकेट पहचान पत्र समय पर जारी किया जा सके क्योंकि मान्य पहचान पत्र के बिना विद्यार्थी को परीक्षा केंद्र d ifjlj e io'k ugh dju fn;k tk,xkA

1.11 एसोसिएट स्टूडेंटशिप

विश्वविद्यालय में **'एसोसिएट स्टूडेंटशिप'** की योजना है, जिसके अंतर्गत किसी कार्यक्रम के लिए न्यूनतम अपेक्षित योग्यताधारक विद्यार्थी केवल एक पाठ्यक्रम अथवा सीमित संख्या में पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण करा सकता है, बशर्ते पाठ्यक्रम कम से कम 8 क्रेडिट और अधिक-से-अधिक 32 क्रेडिट का होना चाहिए। परामर्श, सत्रीय कार्य मूल्यांकन, पुस्तकालय सुविधा आदि के लिए एसोसिएट विद्यार्थी को किसी अध्ययन केंद्र से संलग्न किया जाता है। पंजीकरण के लिए विवरणिका के अंत में **पृष्ठ सं. 233 पर दिए गए अनुलग्नक VIII** का प्रयोग किया जा सकता है। कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रवेश लेने के लिए शुल्क **850 रु. प्रति 8 क्रेडिट अथवा उसके भाग के रूप में लिया जाता है चाहे यह पाठ्यक्रम 2 क्रेडिट, 4 क्रेडिट, 6 क्रेडिट अथवा 8 क्रेडिट का ही क्यों न हो।** शेष कार्यक्रमों के लिए, शुल्क **यथानुपात आधार** पर लिया जाएगा अर्थात् कार्यक्रम शुल्क को कार्यक्रम के क्रेडिटों की संख्या से विभाजित कर। **1 क्रेडिट के शुल्क से विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम के क्रेडिट से गुणा कर (अगले पचास रुपये में पूर्णांकित कर)।** एसोसिएट स्टूडेंशिप की योजना सीबीसीएस आधारित बैचलर डिग्री कार्यक्रमों में उपलब्ध नहीं होगी।

एसोसिएट विद्यार्थी को अपना पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए न्यूनतम और अधिकतम क्रमशः **6 महीने** तथा **2 वर्ष** का समय दिया जाएगा। एसोसिएट विद्यार्थियों के परामर्श अथवा प्रयोग कार्य के लिए अलग से समय–सारणी नहीं होगी। उन्हें इनमें भाग लेने तथा इसके बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के संपर्क में रहना होगा। **यदि विद्यार्थी द्वारा 16 क्रेडिट तक के पाठ्यक्रम लिए गए हैं, तो उसे कम–से–कम 6 महीने का समय दिया जाएगा। यदि 16 क्रेडिट से अधिक पाठ्यक्रमों का चयन किया गया है, तो न्यूनतम अवधि एक वर्ष होगी।**

एसोसिएट विद्यार्थी किसी भी प्रवेश–चक्र में प्रवेश ले सकता है और उसे उन्हीं पाठ्यक्रमों का चयन करना है जो जनवरी अथवा जुलाई चक्र में उपलब्ध कराए गए हैं। लेकिन, एसोसिएट विद्यार्थियों के लिए कोई भी परामर्श और/अथवा प्रयोगशाला/प्रयोगात्मक कक्षा अलग से उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। एक ही पाठ्यकम के लिए पंजीकृत अन्य छात्रों के साथ–साथ आवंटित अध्ययन केंद्रों को सिद्धांत/व्याहारिक परामर्श की सुविधा प्रदान की जाएगी।

यदि कोई एसोसिएट विद्यार्थी दोनों में से किसी भी सत्र में 16 से अधिक क्रेडिट के पाठ्यक्रम का चयन करता है तो वह **आगामी सत्र में प्रवेश के लिए तब तक आवेदन नहीं कर सकता है** जब तक निर्धारित न्यूनतम अवधि पूरी नहीं हो जाती है।

एसोसिएट विद्यार्थी ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश के पात्र नहीं हैं जहाँ सीटें सीमित हैं और/अथवा जिनमें प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

एसोसिएट स्टूडेंट **किसी भी प्रकार के 'प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/उपाधि' प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं** हैं। वे स्थिति के अनुसार दूसरे और/अथवा तीसरे वर्ष में पंजीकरण द्वारा अध्ययन को जारी रखने के लिए भी पात्र नहीं हैं। एसोसिएट विद्यार्थियों को केवल **'पाठ्यक्रम पूर्णता प्रस्थिति कार्ड'** प्रदान किया जाएगा।

इस योजना के अंतर्गत पाठ्यक्रम में परिवर्तन की अनुमति नहीं है। इसी तरह से, एसोसिएट विद्यार्थियों को पुनःप्रवेश की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार के विद्यार्थियों को अलग से नामांकन सं. 'AS.....' आवंटित की जाएगी। **"एसोसिएट स्टुडेंटशिप" के भरे हुए फार्म को संबंधित क्षेत्रीय निदेशक को भेजें।** संबंधित क्षेत्रीय निदेशक के अलावा अन्य कार्यालयों में प्राप्त फार्म को निरस्त कर दिया जाएगा।

1.12 भारत में निवास कर रहे अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी

इस प्रकार के विद्यार्थियों को उनके लिए उपलब्ध कार्यक्रमों, कार्यक्रम शुल्क संबंधी अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in का अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी अनुभाग देखने की सलाह दी जाती है। अन्य जानकारी के लिए वे विश्वविद्यालय के मुख्यालय में स्थित अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग से भी संपर्क कर सकते हैं।

1.13 अनंतिम प्रवेश

विश्वविद्यालय में सामान्य विवरणिका के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले कार्यक्रमों (छह महीने की अवधि के प्रमाणपत्र कार्यक्रमों, जागरूकता कार्यक्रमों, क्रेडिटहीन कार्यक्रमों और योग्यता आधारित/प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर) के लिए अनंतिम/अस्थायी प्रवेश का प्रावधान भी है। निर्धारित पात्रता संबंधी मानदंडों को पूरा करने वाले ऐसे उम्मीदवारों, जो अर्हता परीक्षा के परीक्षाफल की घोषणा और/अथवा अंतिम अंक तालिका और प्रोविजनल सर्टिफिकेट की प्रतीक्षा कर रहे हैं और मामले के आधार पर जुलाई/जनवरी चक्र/सत्र में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे अनुसूची के अनुसार अपेक्षित शुल्क के साथ निर्धारित प्रवेश–फार्म जमा करा

सकते हैं ऐसे उम्मीदवारों को **पृष्ठ सं. 221 में अनुलग्नक II** पर दी गई **'घोषणा'** देनी भी अपेक्षित है।

अनंतिम प्रवेश के लिए अन्य सेवा–शर्तें हैं :

i½ ऐसे सभी विद्यार्थियों जिन्होंने घोषणा पत्र के साथ भरा हुआ प्रवेश पत्र जमा कराया है, उन्हें **30 सितम्बर (जुलाई प्रवेश** चक्र के लिए) और **31 मार्च (जनवरी प्रवेश** चक्र के लिए) तक समेकित अंतिम अंक तालिका और अनंतिम प्रमाणपत्र/डिग्री प्रमाणपत्र जमा कराना अपेक्षित है।

ii½ अंतिम अंक तालिका और अनंतिम प्रमाणपत्र/उपाधि प्रमाणपत्र को जमा न कराने पर प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा और दिए गए शुल्क का 25% जब्त कर लिया जाएगा।

iii½ अन्य विद्यार्थियों की तरह, कार्यक्रम शुल्क का भुगतान करने पर 'अनंतिम प्रवेश' लेने वाले सभी विद्यार्थियों को स्व–शिक्षण सामग्री जारी की जाएगी।

iv½ क्षेत्रीय निदेशक द्वारा उपर्युक्त (i) पर दी गई शर्त को पूरा करने पर ही अंतिम प्रवेश की पुष्टि की जाएगी।

v½ ऐसे कार्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा, जो किसी विशेष क्षेत्रीय केंद्र में सक्रिय (उपलब्ध) नहीं है।

ukV % vrjk"Vh; fon'kh fo|kfFk;ksa ds fy, vUufre iksZ'k ugha gSA

1.14 ऑन–लाइन प्रवेश प्रणाली

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को छोडकर प्रवेश फार्म को http://onlineadmission.ignou.ac.in पर ऑन–लाइन प्रवेश प्रणाली द्वारा ऑन लाइन जमा कराया जा सकता है। इस समय, यह सुविधा मेरिट और प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर सामान्य विवरणिका के माध्यम से प्रदान किए जा रहे कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध है। प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थियों को प्रणाली को खोलने, अपेक्षित प्रमाणपत्रों को इसमें डालने और ऑन–लाइन फार्म जमा करने के लिए अपनी एक प्रयोक्ता आईडी और पासवर्ड बनाना होगा। प्रवेश फार्म की मुद्रित प्रति क्षेत्रीय केंद्र के पास भेजने की आवश्यकता नहीं है। नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पेमेंट गेटवे का उपयोग कर कार्यक्रम शुल्क का भुगतान ऑन–लाइन किया जा सकता है। प्रवेश फार्म को ऑन–लाइन जमा करने के बाद विद्यार्थी अपने प्रवेश की प्रगति की निगरानी कर सकता है। प्रवेश की पुष्टि प्रणाली में पंजीकृत मोबाइल नम्बर और ई–मेल आईडी पर संदेश भेजकर की जाती है। प्रवेश फार्म में किसी भी प्रकार की विसंगति होने पर विद्यार्थी को निर्धारित समय के भीतर विसंगति को दूर करने की सलाह दी जाती है। ऐसा न करने पर प्रवेश फार्म को रदद् कर दिया जाएगा।

इस प्रणाली से प्रवेश फार्म जमा कराने के इच्छुक शिक्षार्थी इग्नू की वेब साइट http://www..ignou.ac.in से विवरणिका निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। तथापि, कार्यक्रम शुल्क के साथ #- 200@& पंजीकरण शुल्क के रूप में लिया जाता है।

lhchlh,l ij vk/kkfjr Lukrd mikf/k dk;Øe o"kZ esa ,d ckj vFkkZr tqykbZ esa iksZ'k l= esa gh miyC/k gSA

1.15 ई–ज्ञानकोश

इग्नू ई–ज्ञानकोश (http://www..egyankosh.ac.in) उच्चतर शिक्षा में शैक्षिक संसाधनों का विश्व का वृहत्तम संग्रह है। यह विद्यार्थियों, अध्यापकों और आम जनता के लिए निःशुल्क है। ई–ज्ञानकोश में इग्नू के लगभग 2500 से अधिक पाठ्यक्रमों और इतने ही दृश्य कार्यक्रमों की स्व–शिक्षण सामग्री संग्रहित है। इग्नू के शिक्षार्थियों को अपने अध्ययन के लिए इन संसाधनों का प्रयोग करने के

लिए प्रेरित किया जाता है।

1.16 विद्या लक्ष्मी पोर्टल

विद्या लक्ष्मी पोर्टल शिक्षा के लिए ऋण लेने वाले छात्रों के लिए अपनी तरह का पहला पोर्टल है। अगस्त 2015 में स्थापित, यह छात्रों को जानकारी तक पहुंचने और शैक्षिक ऋण और सरकारी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन तैयार करने के लिए एक एकल खिड़की इलेक्ट्रॉनिक मंच है। पोर्टल में ऋण आवेदन की शुरुआत से लेकर ऋण की मंजूरी होने या न होने तक छात्रों को इसके बारे में जानकारी प्राप्त करने की सुविधा है। छात्र पोर्टल के माध्यम से कहीं भी, कभी भी बैंकों के अपने शिक्षा ऋण के आवेदन देख सकते हैं, आवेदन कर सकते हैं और उनका ट्रैक कर सकते हैं। यह पोर्टल एनएसडीएल ई–गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा विकसित और अनुरक्षित किया जा रहा है।

लगभग 40 बैंकों ने विद्या लक्ष्मी पोर्टल पर 70 l: vf/kd 'kf{kd _.k ;kstukvk के लिए पंजीकरण किया है और छात्रों को ऋण प्रसंस्करण स्थिति प्रदान करने के लिए पोर्टल के साथ अपनी प्रणाली को एकीकृत किया है।

2. स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

2.1 स्नातकोत्तर उपाधि कंप्यूटर अनुप्रयोग (एम.सी.ए.) कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.सी.आई.एस.)

एम.सी.ए. का व्यापक उद्देश्य इस विषय के मूल और विकासशील क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान के लिए एक विशिष्ट परिवेश प्रदान कर सॉफ्टवेयर और शिक्षा उद्योग क्षेत्र में स्नातक विद्यार्थियों को उत्पादक कैरियर के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम का मुख्य केन्द्र बिन्दु विद्यार्थियों को नवीनतम कंप्यूटर सॉफ्टवेयर विकसित करने के लिए सैद्धान्तिक और व्यवहारमूलक पाठ्यक्रमों का संपूर्ण और ठोस धरातल प्रदान करना है। कार्यक्रम में गणितीय, कंप्यूटिंग, संचार/नेटवर्किंग और व्यावसायिक समस्याओं के समाधान के लिए सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर बल दिया गया है।

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम सेमेस्टर उपागम को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विभिन्न प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए कंप्यूटर में दक्षता विकसित करना है, दूसरे वर्ष में संकल्पनात्मक संरचना प्रदान कर मूल (कोर) पाठ्यक्रमों पर अधिक बल दिया गया है और तीसरे वर्ष में विशेषज्ञता और परियोजना कार्य शामिल हैं। प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर विद्यार्थी पी.जी.डी.सी.ए. (कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा) प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा।

पात्रता : α किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 3 (तीन) वर्ष की अवधि की कोई भी स्नातक उपाधि और

10+2 स्तर अथवा स्नातक स्तर पर एक विषय के रूप में गणित; अन्यथा विद्यार्थी को इग्नू के एमसीए के साथ-साथ बीसीएस 12 करना होगा तथा उत्तीर्ण करना होगा।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 10,800/- प्रति सेमेस्टर की दर से रु. 64,800/- पूरे कार्यक्रम के लिए। गणित न पढ़े विद्यार्थियों को प्रथम सेमेस्टर में रु. 1,400/- अतिरिक्त भुगतान करना है।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

कार्यक्रम को प्रतिवर्ष दो सेमेस्टर (जनवरी – जून और जुलाई –दिसंबर) में विभाजित किया गया है। इस तरह प्रत्येक वर्ष दो परीक्षाएँ होंगी। पहली जनवरी–जून सेमेस्टर के पाठ्यक्रमों के लिए जून माह में और दूसरी जुलाई–दिसंबर सेमेस्टर के पाठ्यक्रमों के लिए दिसंबर माह में। कार्यक्रम पूरा करने की न्यूनतम अवधि और अन्य निर्धारित औपचारिकताओं के अधीन विद्यार्थियों को वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली विश्वविद्यालय की किसी भी परीक्षा में बैठने की छूट है।

एमसीए कार्यक्रम की संरचना :

प्रथम वर्ष		
पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
I सेमेस्टर		
एम.सी.एस.11	प्रॉब्लम साल्विंग ऐंड प्रोग्रामिंग	3
एम.सी.एस.12	कम्प्यूटर ऑर्गेनाइजेशन ऐंड एसेंबली लैंग्वेज प्रोग्रामिंग	4
एम.सी.एस.13	डिस्क्रीट मैथेमेटिक्स	2
एम.सी.एस.14	सिस्टम एनालिसिस ऐंड डिजाइन	3
एम.सी.एस.15	कम्यूनिकेशन स्किल्स	2
एम.सी.एस.एल.16	इन्टरनेट कान्सेप्ट्स ऐंड वेब डिजाइन	2
एम.सी.एस.एल.17	सी ऐंड एसेम्बली लैंग्वेज प्रोग्रामिंग लैब	2

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
II सेमेस्टर		
एम.सी.एस.21	डाटा ऐंड फाइल स्ट्रक्चर	4
एम.सी.एस.22	ऑपरेटिंग सिस्टम कान्सेप्ट्स ऐंड नेटवर्किंग मैनेजमेंट	4
एम.सी.एस.23	इंट्रोडक्शन टू डाटा बेस मैनेजमेंट सिस्टम्स	3
एम.सी.एस.24	ऑबजेक्ट ओरिएंटेड टैक्नोलॉजीज ऐंड जावा प्रोग्रामिंग	3
एम.सी.एस.एल.25	लैब (एम.सी.एस.–21, एम.सी.एस.–22, एम.सी.एस.–23 तथा एम.सी.एस.–24 पर आधारित)	4

द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
III सेमेस्टर		
एम.सी.एस.31	डिजाइन ऐंड एनालिसिस ऑफ एलगोरिद्म्स	4
एम.सी.एस.32	ऑबजेक्ट ओरिएंटेड एनालिसिज ऐंड डिजाइन	3
एम.सी.एस.33	एडवांस्ड डिस्क्रीट मैथेमैटिक्स	2
एम.सी.एस.34	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग	3
एम.सी.एस.35	अकाउंटेसी ऐंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट	3
एम.सी.एस.एल.36	लैब (एम.सी.एस.-32, एम.सी.एस.-34 और एम.सी.एस.–35 पर आधारित)	3

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
IV सेमेस्टर		
एम.सी.एस.41	ऑपरेटिंग सिस्टम्स	4
एम.सी.एस.42	डाटा कम्यूनिकेशन ऐंड कंप्यूटर नेटवर्क्स	4
एम.सी.एस.43	एडवांस्ड डाटा बेस मैनेजमेंट सिस्टम्स	4
एम.सी.एस.44	मिनी प्रोजेक्ट (लघु परियोजना)	4
एम.सी.एस.एल.45	लैब (यूनिक्स ऐंड ओरेकल)	2

तृतीय वर्ष

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
V सेमेस्टर		
एम.सी.एस.51	एडवांस्ड इंटरनेट टेक्नोलॉजी	3
एम.सी.एस.52	प्रिंसिपल्स ऑफ मैनेजमेंट ऐंड इंफार्मेशन सिस्टम	2
एम.सी.एस.53	कंप्यूटर ग्राफिक्स ऐंड मल्टीमीडिया	4
एम.सी.एस.एल.54	लैब (एम.सी.एस.–51 और एम.सी.एस.–53 पर आधारित)	2
ऐच्छिक पाठ्यक्रम		
एम.सी.एस.ई.3	आर्टीफिशियल इन्टेलीजेंस ऐंड नॉलेज मैनेजमेंट	3
एम.सी.एस.ई.4	न्यूमेरीकल ऐंड स्टेटिस्टिकल कंप्यूटिंग	3
एम.सी.एस.ई.11	पैरैलल कंप्यूटिंग	3

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
VI सेमेस्टर		
एम.सी.एस.पी.60	परियोजना	16
	कुल क्रेडिट	**108**

कार्यक्रम संयोजक : श्री अक्षय कुमार mca@ignou.ac.in

2.2 ,e.,l-lh- ¼Hkkstu ik"k.k½ ¼,e-,l-lh-Mh-,Q-,l-,e-½

सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई)

आहार–विज्ञान और खाद्य सेवा प्रबंधन के क्षेत्र में एम.एससी. कार्यक्रम का विकास अस्पताल/समुदाय आहार–विज्ञान, खाद्य–सेवा प्रबंधन जैसे रोजगार के उभरते क्षेत्र के लिए श्रम बल की प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करने और श्रम शक्ति (आहार–विशेषज्ञ, पोषण परामर्शदाता, खाद्य–सेवा प्रबंधक इत्यादि) का विकास करने के लिए किया गया है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को बाजार में प्रवेश कर और/अथवा अपनी खाद्य सेवा इकाई आरंभ कर उद्यमिता के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए उच्चतर शिक्षा के अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में खाद्य सेवा संस्थानों में काम कर रहे कर्मियों जैसे आहार–विशेषज्ञों, आहार तकनीशियनों, परामर्शदाताओं इत्यादि की व्यावसायिक क्षमताओं को उन्नत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इससे विद्यार्थी उत्पादक कौशलों के साथ अपनी जानकारी में संवृद्धि कर अपने रोजगार की उन्नति और अभिवृद्धि कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता यह है कि विद्यार्थी 30 क्रेडिट का पाठ्यक्रम कार्य और तीन महीने का इंटर्नशिप कार्यक्रम (16 क्रेडिट) सफलतापूर्वक पूरा करने पर आहार विज्ञान और जन पोषण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.पी.एन.) प्राप्त कर सकता है।

पात्रता : α बी.एससी. (गृहविज्ञान) भोजन और पोषण, डाइटिक्स व क्लीनिकल न्यूट्रिशन में विशेषज्ञता अथवा आहार–विज्ञान और जन स्वास्थ्य पोषण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा अथवा स्नातक (बी.एससी.) अथवा निम्नलिखित विषयों में इसके समतुल्य (एम.बी.बी.एस, बी.एच.एच.एस. आदि) –गृह विज्ञान/आहार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल, फार्मास्युटिकल, केटरिंग के साथ इग्नू द्वारा प्रदत्त डी.एन.एच.ई. अथवा सी.एन.सी.सी. अथवा भोजन और पोषण में प्रमाणपत्र (सीएफएन/सीएनसीसी में साथ–साथ प्रवेश लिया जा सकता है)।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष, प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 32,400/–; रु. 16,200/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.एफ.एन.1	एप्लाइड फिजियोलॉजी	4
एम.एफ.एन.2 एम.एफ.एन.एल.2	न्यूट्रिशनल बायोकेमेस्ट्री	2 2
एम.एफ.एन.3 एम.एफ.एन.एल.3	फूड सेफ्टी ऐंड फूड माइक्रोबायोलॉजी	2 2
एम.एफ.एन.4 एम.एफ.एन.एल.4	एडवांस न्यूट्रिशन	4 2
एम.एफ.एन.5 एम.एफ.एन.एल.5	क्लीनिक ऐंड थेराप्यूटिक न्यूट्रिशन	4 2
एम.एफ.एन.6 एम.एफ.एन.एल.6	पब्लिक न्यूट्रिशन	4 2
एम.एफ.एन.7 एम.एफ.एन.एल.7	एंटरप्रेन्योरशिप ऐंड फूडसर्विस मैनेजमेंट	4 2
एम.एफ.एन.8 एम.एफ.एन.एल.8	प्रिंसिपल्स ऑफ फूड साइंस	2 2
एम.एफ.एन.9	रिसर्च मैथड्स ऐंड बायोस्टेटिक्स	6
एम.एफ.एन.10	अंडरस्टैंडिंग कंप्यूटर एप्लीकेशंस	2
एम.एफ.एन.पी.11	इंटर्नशिप प्रोग्राम	16*
एम.एफ.एन.पी.12	शोध–निबंध	8
	कुल क्रेडिट	**72**

* तीन महीने की इंटर्नशिप

एम.एससी. (डीएफएसएम) कार्यक्रम के लिए :

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम : एम.एफ.एन.1, एम.एफ.एन.2, एम.एफ.एन.एल.2, एम.एफ.एन.3, एम.एफ.एन.एल.3, एम.एफ.एन.6, एम.एफ.एन.एल.6, एम.एफ.एन.8, एम.एफ.एन.एल.8 और एम.एफ.एन.10

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम: एम.एफ.एन.4, एम.एफ.एन.एल.4, एम.एफ.एन.5, एम.एफ.एन.एल.5, एम.एफ.एन.7, एम.एफ.एन.एल.7, एम.एफ.एन.9, एम.एफ.एन.पी.11 और एम.एफ.एन.पी.12

पीजीडीडीपीएन कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम:
एम.एफ.एन.1, एम.एफ.एन.2, एम.एफ.एन.3, एम.एफ.एन.4, एम.एफ.एन.5, एम.एफ.एन.एल.5, एम.एफ.एन.6, एम.एफ.एन.एल.6, एम.एफ.एन.7, एम.एफ.एन.एल.7 और एम.एफ.एन.पी.11

प्रायोगिक कार्यः प्रयोग पाठ्यक्रम एम.एससी. (डी.एफ.एस.एम.) कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग है। प्रयोग सत्रों में भाग लेना नितांत आवश्यक है। प्रत्येक प्रयोग पाठ्यक्रम 2 क्रेडिट का है और प्रयोग सत्र की अवधि 7 दिन की है अर्थात इसमें चार-चार घंटे के 14 सत्र हैं। सत्रांत प्रयोग परीक्षा पंद्रहवें प्रयोग सत्र में आयोजित की जाएगी।

इंटर्नशिपः एम.एससी. (डी.एफ.एस.एम.) उपाधि प्रदान करने के लिए मान्यताप्राप्त अस्पताल/संस्थान के आहार विज्ञान विभाग में तीन महीने की अवधि की इंटर्नशिप अनिवार्य है (क्रेडिट अंतरण के मामलों को छोड़कर)। पी.जी.डी.डी.पी.एन. के विद्यार्थियों के लिए तीन महीने की इंटर्नशिप अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय एम.एससी. (डी.एफ.एम.एम.) कार्यक्रम में उन सेवारत आहार विशेषज्ञों (केवल डाइटेटिक्स ऐंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में उपाधि सहित) के लिए क्रेडिट अंतरण की इजाजत देता है जिन्होंने पिछले पाँच वर्षों में किसी मान्यताप्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से तीन महीने के इंटर्नशिप कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. दीक्षा कपूर, deekshakapur@ignou.ac.in, फोन : 011–29572960/29536347

2.3 ,e-,- ¼xke fodkl½ (एम.ए.आर.डी.)
सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

ग्रामीण समाज से संबंधित विकास के मुद्दों को समझने में ग्राम विकास विषय का अत्यंत महत्व है। ग्राम विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की पाठ्य सामग्री में ऐसे विभिन्न शैक्षणिक विषयों को शामिल किया गया है जो भारतीय परिप्रेक्ष्य में इस विषय के लिए अति आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम का एक अनिवार्य भाग ग्रामीण क्षेत्र में किए गए अनुभवजन्य शोध पर आधारित शोधकार्य है। यह कार्यक्रम ग्रामीण परिवर्तन में संलग्न विभिन्न सरकारी विभागों/ अभिकरणों/ गैर-सरकारी संगठनों, सहकारी समितियों, बैंकों और अन्य संस्थाओं में कार्यरत कर्मियों के लिए उपयोगी होगा। ग्राम विकास के क्षेत्र में काम करने के इच्छुक नव स्नातकों के लिए भी यह कार्यक्रम उपयोगी होगा।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; प्रथम वर्ष रु. 5,400/– और द्वितीय वर्ष रु. 5,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष (अनिवार्य पाठ्यक्रम)		
एम.आर.डी.101	ग्राम विकास – भारतीय संदर्भ	6
एम.आर.डी.102	ग्राम विकास कार्यक्रम	6
एम.आर.डी.103	ग्राम विकास – योजना और प्रबंध	6
एम.आर.डी.4	ग्राम विकास में शोध पद्धतियाँ	6
एम.आर.डी.पी. 1	शोध निबंध	12
द्वितीय वर्ष (कोई पांच चुनिए)		
आर.डी.डी.6	ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल	6
आर.डी.डी.7	ग्राम विकास में संचार और विस्तार	6
एम.आर.डी.ई.101	ग्राम सामाजिक विकास	6
एम.आर.डी.ई.2	ग्राम विकास में स्वैच्छिक कार्य	6
एम.आर.डी.ई.3	भूमि सुधार एवं ग्राम विकास	6
एम.आर.डी.ई.4	उद्यमिता और ग्राम विकास	6
कुल क्रेडिट		**66**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. आर.पी. सिंह, rpsinghignou@yahoo.com.in, rpsingh@ignou.ac.in फोन : 011–29572952

2.4 ,e-,llh- ¼ijke'k ,o ifjokj fpfdRlk½ (एम.एस.सी.सी.एफ.टी.) सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

परामर्श एवं परिवार चिकित्सा के क्षेत्र में एम.एससी. कार्यक्रम का उद्देश्य इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में व्यावसायिकों को तैयार करना है जो वर्तमान समय में समाज और रोजगार की दृष्टि से अधिकाधिक प्रमुखता हासिल करता जा रहा है। समकालिक सामाजिक परिदृश्य के परिणामस्वरूप परामर्श एवं परिवार चिकित्सा के रूप में व्यावसायिकों की सहायता की मांग में वृद्धि हुई है और इसे पारिवारिक सुदृढ़ीकरण, सकारात्मक मातृत्व-पितृत्व का विकास जैसी सोच का संवर्द्धन करने और नाजुक स्थितियों में वैयक्तिक लचीलेपन में वृद्धि करने के साथ–साथ वर्तमान समय में दिखाई देने वाली बढ़ती हुई सामाजिक–मनोवैज्ञानिक समस्याओं, गलत व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य में कमी और साइकोसोमेटिक असंतुलन जैसे नकारात्मक उपागमों को दूर करने के लिए दिन–प्रतिदिन मान्यता प्राप्त हो रही है। यद्यपि परामर्श और परिवार चिकित्सा व्यावसायिकों की नितांत आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है, लेकिन अभी ऐसी व्यावसायिक सहायता और विशेषज्ञों की बहुत कमी है जो सकारात्मक परिवार प्रक्रिया में योगदान दे सकें और व्यापक स्तर पर प्रत्येक परिवार के सदस्य की सहायता कर सकें। इसके परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यापक आवश्यकता महसूस की जा रही है। परामर्श और परिवार चिकित्सा के क्षेत्र में अपेक्षित ज्ञान, समझ, अभिवृत्ति और दक्षता का निर्माण कर इस अद्वितीय अध्ययन कार्यक्रम से इस क्षेत्र में व्यावसायिक संवर्ग को प्रशिक्षित करने में सहायता मिलेगी और उन्हें वैतनिक–रोजगार एवं स्व-रोजगार के लिए सक्षम बनाया जा सकेगा और इस प्रकार मौजूदा कमी को पूरा किया जा सकेगा।

इस अध्ययन कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता अनुप्रयुक्त पहलू पर इसका जोर देना और शिक्षार्थियों के लिए व्यावहारिक अनुभव हेतु अवसर प्रदान करना है। वास्तव में, इस स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के आधे क्रेडिट प्रयोजनमूलक शिक्षा के अवसरों के लिए निर्धारित किए गए हैं। कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में शिक्षार्थी को वैवाहिक एवं परिवार चिकित्सा एवं परामर्श; बाल एवं किशोर परामर्श और परिवार चिकित्सा या मादक द्रव्य दुरुपयोग परामर्श और परिवार चिकित्सा में प्रशिक्षण प्राप्त करने का विकल्प उपलब्ध है। इस कार्यक्रम की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें विद्यार्थी परामर्श एवं परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.एफ.टी.) प्राप्त कर (एक वर्ष के बाद) अपने अध्ययन को समाप्त कर सकता है। कार्यक्रम में सिद्धांत, पर्यवेक्षण प्रयोग, इंटर्नशिप एवं शोध निबंध घटक शामिल हैं।

पात्रता : $^{\alpha}$मानव विकास एवं परिवार अध्ययन, बाल विकास, मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन, बाल विकास एवं परिवार संबंध, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, समाज कार्य, मेडिसिन या अन्य संबद्ध विषयों में विशेषज्ञता के साथ स्नातक उपाधि। ''संबद्ध विषयों'' में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मानव विज्ञान, समाज शास्त्र, शिक्षा, दर्शनशास्त्र, एम.बी.बी.एस. या आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध में समकक्ष योग्यता या होम्योपैथी, मेडिसिन, नर्सिंग आदि शामिल हैं।

अथवा

$^{\alpha}$उपर्युक्त विषयों में से किसी विषय में उच्च उपाधि के साथ स्नातक उपाधि अथवा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मार्गदर्शन और परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के साथ स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 33,600/–; रु. 16,800/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.सी.एफ.टी.1	मानव विकास एवं पारिवारिक संबंध	4
एम.सी.एफ.टी.एल.1	मानव विकास एवं पारिवारिक संबंध – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.2	मानसिक स्वास्थ्य एवं विसंगति	4
एम.सी.एफ.टी.एल.2	मानसिक स्वास्थ्य एवं विसंगति – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.3	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : मूल संकल्पना एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	4
एम.सी.एफ.टी.एल.3	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : मूल संकल्पना एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.4	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुप्रयुक्त पहलू	4
एम.सी.एफ.टी.एल.4	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुप्रयुक्त पहलू – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.5	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुसंधान प्रविधि और सांख्यिकी	4

एम.सी.एफ.टी.एल.5	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुसंधान प्रविधि और सांख्यिकी – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.एल.8	रिफ्लेक्टिव जर्नल	2
द्वितीय वर्ष		
एम.सी.एफ.टी.6	अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान	4
एम.सी.एफ.टी.एल.6	अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.7	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुप्रयोग और अंतःक्षेप	4
एम.सी.एफ.टी.एल.7	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुप्रयोग और अंतःक्षेप – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.पी.1	इंटर्नशिप	6
एम.सी.एफ.टी.पी.2	शोध निबंध	8
वैकल्पिक पेपर (निम्नलिखित में से किसी एक युग्म का चयन कीजिए) :		
एम.सी.एफ.टी.ई.1	वैवाहिक एवं परिवार चिकित्सा एवं परामर्श	2
एम.सी.एफ.टी.ई.4	वैवाहिक एवं परिवार चिकित्सा एवं परामर्श – पर्यवेक्षित प्रयोग	4
	अथवा	
एम.सी.एफ.टी.ई.2	बाल एवं किशोर परामर्श एवं परिवार चिकित्सा	2
एम.सी.एफ.टी.ई.5	बाल एवं किशोर परामर्श एवं परिवार चिकित्सा – पर्यवेक्षित प्रयोग	4
	अथवा	
एम.सी.एफ.टी.ई.3	मादक द्रव्य दुरुपयोग परामर्श और परिवार चिकित्सा	2
एम.सी.एफ.टी.ई.6	मादक द्रव्य दुरुपयोग परामर्श और परिवार चिकित्सा – पर्यवेक्षित प्रयोग	4
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. नीरजा चड्ढा, **neerja_chadha@ignou.ac.in**, फोन : 011– 29572959
डॉ. अमितेश्वर रात्रा, **amiteshwar@ignou.ac.in**

2.5 ,e-,- ¼i ;Vu ,o ;k=k icèk½ (एम.टी.टी.एम.)
पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एच.एस.एम.)

एम.टी.टी.एम. कार्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए बनाया गया है जो प्रबंधकीय स्तर पर पर्यटन में अपना कैरियर आगे बढ़ाना चाहते हैं। यह कार्यक्रम उन महत्त्वाकांक्षी उद्यमियों या उन व्यक्तियों के लिए है जो अपनी स्वयं की पर्यटन एजेंसी चला रहे हों या आरंभ करना चाहते हों। कार्यक्रम में चार सेमेस्टर हैं।

पात्रता :

α **श्रेणी 1 :** बी.टी.एस./बी.ए. (पर्यटन); बीएससी आतिथ्य एवं होटल प्रशासन (बी.एच.एम.); होटल प्रबंधन में स्नातक (ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा मान्यताप्राप्त) और वे विद्यार्थी जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में स्नातक की उपाधि ली हो और साथ ही पर्यटन में डिप्लोमा किया हो जो विश्वविद्यालय प्रणाली अथवा ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा मान्यताप्राप्त हो।

α **श्रेणी 2 :** किसी भी क्षेत्र में स्नातक की उपाधि (लेकिन श्रेणी 2 के सभी विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान चार अतिरिक्त पर्यटन आधार पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने होंगे)।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : **श्रेणी 1** के लिए रु. 10,800/– पूरे कार्यक्रम के लिए; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष भुगतान करना होगा और **श्रेणी 2** के लिए, पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 13,200/–; रु. 7,800/– प्रथम वर्ष और रु. 5,400/ द्वितीय वर्ष के लिए।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
I–सेमेस्टर		
एम.टी.टी.एम.1	पर्यटन में प्रबंध कार्य और व्यवहार	4
एम.टी.टी.एम.2	पर्यटन में मानव संसाधन नियोजन और विकास	4
एम.टी.टी.एम.3	पर्यटन में कार्मिक प्रबंध	4
एम.टी.टी.एम.4	सूचना प्रबंध तंत्र और पर्यटन	4
II–सेमेस्टर		
एम.टी.टी.एम.5	पर्यटन प्रबंधकों के लिए लेखा और वित्त	4
एम.टी.टी.एम.6	पर्यटन प्रबंधकों के लिए विपणन	4
एम.टी.टी.एम.7	पर्यटन में बिक्री और उन्नयन प्रबंधन	4
एम.टी.टी.एम.8	पर्यटन में उद्यमिता और लघु उद्यमों का प्रबंधन	4
द्वितीय वर्ष		
III –सेमेस्टर		
एम.टी.टी.एम.9	पर्यटन बाजार की समझ	4
एम.टी.टी.एम.10	पर्यटन प्रभाव	4
एम.टी.टी.एम.11	पर्यटन योजना और विकास	4
एम.टी.टी.एम.16	शोध निबंध	8
IV–सेमेस्टर		
एम.टी.टी.एम.12	पर्यटन उत्पाद : डिज़ाइन और विकास	4
एम.टी.टी.एम.13	पर्यटन संचालन	4
एम.टी.टी.एम.14	पर्यटक परिवहन प्रचालन (सड़क परिवहन)	4
एम.टी.टी.एम.15	बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और समारोह (एम.आई.सी.ई.)	4
कुल क्रेडिट		**68**

श्रेणी 2 के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों (कार्यक्रमों की तालिका देखें) को अपने अध्ययन की अवधि के दौरान निम्नलिखित चार पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने होंगे:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
टी.एस.1	पर्यटन में आधार पाठ्यक्रम	8
टी.एस.2	पर्यटन विकास : उत्पाद, प्रचालन और प्रकरण (केस अध्ययन)	8
टी.एस.3	पर्यटन में प्रबंध	8
टी.एस.6	पर्यटन विपणन	8
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : फोन : 011–29571756

2.6 ,e-,- ¼vxzsth½ (एम.ई.जी.)

मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

अंग्रेजी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ई.जी.) कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंग्रेजी तथा अमरीकी साहित्य के साथ–साथ साहित्य के अन्य नए क्षेत्रों जैसे कनाडाई, आस्ट्रेलियाई तथा भारतीय अंग्रेजी साहित्य के बारे में गहरी समझ प्रदान करना है। इससे विद्यार्थी अपनी पसंद के

अंग्रेजी और अन्य साहित्य को उनके समुचित ऐतिहासिक–समीक्षात्मक परिप्रेक्ष्य में समझ सकेंगे। पठन, विश्लेषण और लेखन–दक्षता इस पाठ्यक्रम की अपेक्षित आवश्यकता है।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रति वर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
M.E.G.1	British Poetry	8
M.E.G.2	British Drama	8
M.E.G.3	British Novel	8
M.E.G.4	Aspects of Language	8
द्वितीय वर्ष		
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
M.E.G.5	Literary Criticism and Theory	8
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (कोई तीन चुनें)		
M.E.G.6	American Literature	8
M.E.G.7	Indian English Literature	8
M.E.G.8	New Literatures in English	8
M.E.G.9	Australian Literature	8
M.E.G.10	English Studies in India	8
M.E.G.11	American Novel	8
M.E.G.12	A Survey Course in 20th Century Canadian Literature	8
M.E.G.13	Writing from the Margins	8
M.E.G.14	Contemporary Indian Literature in English Translation	8
M.E.G.15	Comparative Literature: Theory and Practice	8
M.E.G.16	Indian Folk Literature	8
कुल क्रेडिट		64

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. मालती माथुर maltimathur@ignou.ac.in, फोन : 011–29572793

2.7 ,e-,- ¼fgUnh½ (एम.एच.डी.)

मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य के क्षेत्रों में विस्तृत जानकारी और विशेषज्ञतापूर्ण ज्ञान प्रदान करना है जिससे वे साहित्य के आस्वादन और विश्लेषण–मूल्यांकन में दक्षता हासिल कर सकें।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : हिन्दी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.एच.डी. 2	आधुनिक हिन्दी कविता	8
एम.एच.डी. 3	उपन्यास एवं कहानी	8
एम.एच.डी. 4	नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	8
एम.एच.डी. 6	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास	8
द्वितीय वर्ष (अनिवार्य पाठ्यक्रम)		
एम.एच.डी. 1	हिन्दी काव्य–1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)	4
एम.एच.डी. 5	साहित्य सिद्धांत और समालोचना	8
एम.एच.डी. 7	भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा	4
वैकल्पिक पाठ्यक्रम		
मॉड्यूल 'क' – कहानी : विशेष अध्ययन		
एम.एच.डी. 09	कहानीः स्वरूप और विकास	4
एम.एच.डी. 10	प्रेमचन्द की कहानियां	4
एम.एच.डी. 11	हिन्दी कहानी	4
एम.एच.डी. 12	भारतीय कहानी	4
मॉड्यूल 'ख' – उपन्यास : विशेष अध्ययन		
एम.एच.डी. 13	उपन्यासः स्वरूप और विकास	4
एम.एच.डी. 14	हिन्दी उपन्यास–1 (प्रेमचन्द का विशेष अध्ययन)	4
एम.एच.डी. 15	हिन्दी उपन्यास–2	4
एम.एच.डी. 16	भारतीय उपन्यास	4
मॉड्यूल 'ग' – दलित साहित्य : विशेष अध्ययन		
एम.एच.डी. 17	भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य	4
एम.एच.डी. 18	दलित साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप	4
एम.एच.डी. 19	हिन्दी दलित साहित्य का विकास	4
एम.एच.डी. 20	भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य	4
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. शत्रुघ्न कुमार, shatrughna72000@yahoo.co.in, फोनः 011–29535160

2.8 ,e-,- lekt dk;l ¼,e-,l-MCY;w-½
समाज कार्य विद्यापीठ (एस.ओ.एस.डब्ल्यू.)

एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावसायिक समाज कार्य में उच्च अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। इसमें पूरे विश्व और भारत में समाज कार्य से संबंधित कोर पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त समाज कार्य के उभरते क्षेत्रों जैसे–वैश्वीकरण, प्रवास, भारत में समाज कार्य का इतिहास, प्रायोगिक समाज कार्य पर सिद्धांत पाठ्यक्रम और एक पाठ्यक्रम एच.आई.वी./एड्स पर है, जो आज के संदर्भ में बहुत उपयोगी हैं। इसके प्रायोगिक घटकों को बड़ी सतर्कता से तैयार किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा सके और उन्हें भारत और विदेशों में उपयुक्त रोजगार मिल सके।

जुलाई, 2018 सत्र से प्रवेश लेने वालों के लिए यह नोट किया जाये की उन्हें एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम का संशोधित संस्करण दिया जा रहा है। संशोधित संस्करण में ब्लॉक प्लेसमेंट और इंटर्नशिप प्रायोगिक घटक में शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा अफ्रीकी संदर्भ में समाज कार्य, आपराधिक न्याय, समकालीन विधियों और समाज कार्य के मूल्यों और अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य पर भी पाठ्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। तदनुसार, एक विद्यार्थी को 72 क्रेडिट सफलतापूर्वक पूरे करने अपेक्षित हैं, जिसमें अनिवार्य पाठ्यक्रम, वैकल्पिक पाठ्यक्रम और क्षेत्र कार्य शामिल हैं। जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि या उच्चतर उपाधि।
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिन्दी
अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 34,000/–; रु. 16,200/– प्रतिवर्ष।
कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष (अनिवार्य पाठ्यक्रम)		
एम.एस.डब्ल्यू.1	समाज कार्य का उद्गम और विकास	4
एम.एस.डब्ल्यू.2	व्यावसायिक समाज कार्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य	4
एम.एस.डब्ल्यू.5	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण	4
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (किन्हीं दो का चयन करें)		
एम.एस.डब्ल्यू.3	आधारभूत सामाजिक विज्ञान की संकल्पना	4
एम.एस.डब्ल्यू.4	समाज कार्य और सामाजिक विकास	4
एम.एस.डब्ल्यू.6	समाज कार्य में अनुसंधान	6
एम.एस.डब्ल्यू.10	अफ्रीकी के संदर्भ में समाज कार्य	4
एम.एस.डब्ल्यू.32	समाज कार्य एवं आपराधिक न्याय	10
फिल्ड वर्क (अनिवार्य)		
एम.एस.डब्ल्यू.एल.13	समाज कार्य प्रयोग -I (प्रायोगिक कार्य)	8
एम.एस.डब्ल्यू.एल.14	ब्लॉक प्लेसमेंट	8
द्वितीय वर्ष (अनिवार्य पाठ्यक्रम)		
एम.एस.डब्ल्यू.7	प्रकरण कार्य और परामर्श : व्यक्तियों के साथ कार्य करना	4
एम.एस.डब्ल्यू.8	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना	4
एम.एस.डब्ल्यू.9	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन	4
एम.एस.डब्ल्यू.17	समकालीन विधियां एवं समाज कार्य के मूल्य	4
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (किसी एक का चयन करें)		
एम.एस.डब्ल्यू.ई.1	एच.आई.वी./एड्सः कलंक, भेदभाव और निवारण	4
एम.एस.डब्ल्यू.ई.7	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य	4
एम.एस.डब्ल्यू.ई.3	आपदा प्रबंधन	4
एम.एस.डब्ल्यू.पी.1	शोध निबंध (परियोजना कार्य)	4
फिल्ड वर्क (अनिवार्य)		
एम.एस.डब्ल्यू.एल.15	समाज कार्य प्रयोग -II (प्रायोगिक कार्य)	8
एम.एस.डब्ल्यू.एल.16	इंटर्नशिप	8
कुल क्रेडिट		**72**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सौम्या, mswinfo@ignou.ac.in, फोन : 011–29571696

2.9 ,e-,- lekt dk;l ¼ijke'k½ (एम.एस.डब्ल्यू.सी.)
समाज कार्य विद्यापीठ (एस.ओ.एस.डब्ल्यू)

समाज कार्य (परामर्श) में एम.ए. कार्यक्रम परामर्श में शैक्षिक अध्ययन और व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जो सैद्धांतिक ज्ञान से काफी आगे है। यह कार्यक्रम संगठनात्मक और सामुदायिक संदर्भों तथा परिवार के व्यक्तियों के साथ काम करने वाले परामर्शदाताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। तेजी से बदलते सामाजिक परिदृश्य के कारण लोग अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। भारत में परामर्श सेवाएँ अपर्याप्त हैं जबकि पश्चिमी देशों में ऐसा नहीं है। विद्यालयों, कारपोरेट क्षेत्रों, स्वास्थ्य देखभाल संगठनों, सामाजिक और कल्याण क्षेत्रों, सुधारात्मक संगठनों इत्यादि में परामर्शदाताओं की मांग निरंतर बढ़ रही है। तथापि, भारत में ऐसे विद्यालय/विश्वविद्यालय बहुत ही कम हैं जहाँ परामर्श पाठ्यक्रम/कार्यक्रम को पढ़ाया जाता है। सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठनों के क्षेत्र में रोजगार के लिए इसकी संभावना बहुत है। कॉल सेंटर, कारपोरेट सेक्टर, परिवार, परिवार अदालतों, सुधारात्मक संगठनों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों, पुनर्वास केंद्रों, शरणार्थी शिविरों, विकलांग व्यक्तियों के संस्थानों, वृद्ध, बाल देखभाल और दत्तक केंद्रों, परिवार नियोजन, स्वैच्छिक परामर्श और परीक्षण (जाँच) केंद्रों, ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों विशेषकर जहाँ किसान आत्महत्या करने की ओर प्रवृत्त होते हैं, नशा-मुक्ति केंद्रों इत्यादि के कर्मचारियों को तनाव मुक्त करने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की अत्यधिक मांग है।

एम.एस.डब्ल्यू.(सी.) कार्यक्रम आरंभ में प्रत्येक क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत एक अथवा दो अध्ययन केंद्रों के माध्यम से चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम को प्रत्येक क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से संचालित अध्ययन केंद्रों या विशेष अध्ययन केंद्रों के माध्यम से ही लिया जा सकता है। यह कार्यक्रम केवल अंग्रेजी में उपलब्ध है। एम.एस.डब्ल्यू. (परामर्श) कार्यक्रम में क्षेत्र कार्य के लिए परामर्श में विशेषज्ञता पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है और प्रैक्टिकल के लिए 40% भारिता निर्धारित की गई है।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि या उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 36,000/–; रु. 18,000/–प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.एस.डब्ल्यू. 1	समाज कार्य का उद्गम और विकास	4
एम.एस.डब्ल्यू. 2	व्यावसायिक समाज कार्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य	4
एम.एस.डब्ल्यू. 5	समाज कार्य प्रयोग और पर्यवेक्षण	4
एम.एस.डब्ल्यू. 8	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना	4
एम.एस.डब्ल्यू. 9	सामुदायिक विकास के लिए सामुदायिक संगठन प्रबंधन	4
एम.एस.डब्ल्यू.एल. 46	समाज कार्य प्रयोग–1	8
एम.एस.डब्ल्यू.एल. 47	ब्लॉक प्लेसमेंट	8
द्वितीय वर्ष		
एम.एस.डब्ल्यू. 12	जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय	4
एम.एस.डब्ल्यू. 13	परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय	4
एम.एस.डब्ल्यू. 14	परामर्श में सामाजिक केस कार्य की प्रासंगिकता	4
एम.एस.डब्ल्यू. 15	परामर्श के मूल तत्व	4
एम.एस.डब्ल्यू. 16	परामर्श के क्षेत्र	4
एम.एस.डब्ल्यू.एल. 48	समाज कार्य प्रयोग–II	8
एम.एस.डब्ल्यू.एल. 49	इंटर्नशिप	8
कुल क्रेडिट		**72**

विशेष निर्देश :

एम.एस.डब्ल्यू. के छात्रों से **खंड 1.11** के अंतर्गत **पृष्ठ 13** पर वर्णित इग्नू की एसोसिएट स्टूडेंटशिप योजना को लेने की सलाह दी जाती है। इनमें से एमएसडब्ल्यू–6 : समाज कार्य अनुसंधान एक महत्वपूर्ण और उपयोगी पाठ्यक्रम होगा। इसे पाठ्यक्रम में सुझाए गए किसी भी 4 क्रेडिट वाले पाठ्यक्रम के साथ लिया जा सकता है। यह समाज कार्य में आगे एम.फिल./पीएच.डी. के लिए शोध करने वाले विद्यार्थियों के लिए अत्यंत सहायक होगा।

एसोसिएट स्टूडेंटशिप के लिए समाज कार्य विषय के पाठ्यक्रमों की सूची

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कोड
एम.एस.डब्ल्यू. 6	समाज कार्य अनुसंधान	6
एम.एस.डब्ल्यू.ई. 1	एच.आई.वी./एड्सः कलंक, भेदभाव और निवारण	4
एम.एस.डब्ल्यू.10	लोकोपकारी सामाजिक कार्यक्रम का परिचय	4
एम.एस.डब्ल्यू. 11	निर्धनतम लोगों के बीच कार्य करना	4
एम.एस.डब्ल्यू.ई. 3	आपदा प्रबंधन	4

कार्यक्रम संयोजक : सुश्री एन. रम्या, ramya@ignou.ac.in, फोन : 011–29571693

2.10 ,e-,- ¼n'ku'kkL=½ (एम.ए.पी.वाई)

अंतरविद्याश्रयी और बहुविद्याश्रयी विद्यापीठ (एस.ओ.आई.टी.एस.)

दूर शिक्षा माध्यम से दर्शनशास्त्र में एम.ए. कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों के लिए आजीविका के अवसरों में वृद्धि करना है, बल्कि मस्तिष्क को बेहतर तार्किक सोच, मानसिक अनुशासन, विश्लेषण और संश्लेषण की योग्यता, सामाजिक एवं राजनीतिक वास्तविकताओं की समीक्षा के लिए लोगों को प्रशिक्षित करना भी है। दर्शनशास्त्र, राष्ट्रीय एकीकरण, दूसरों की 'विश्वदृष्टि' की यथार्थ परख, विभिन्न वैचारिक प्रतिमानों की बेहतर समझ और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के बारे में लोगों के दृष्टिकोण का विस्तार करता है। यह बेहतर राष्ट्र का निर्माण करने और सामाजिक समता को सुनिश्चित करने, मानव की मर्यादा और नागरिकों को मानव अधिकारों से परिचित कराकर सामाजिक परिवर्तन का एक साधन भी बनता है। दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रमुख घटक शामिल हैं: 1) अनिवार्य पाठ्यक्रम–16 क्रेडिट; 2) ऐच्छिक पाठ्यक्रम–48 क्रेडिट। विद्यार्थी प्रथम वर्ष में 6 ऐच्छिक और 6 ऐच्छिक द्वितीय वर्ष में ले सकते हैं। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए विद्यार्थी को सुविधानुसार 2 से 5 वर्ष के भीतर 64 क्रेडिट अर्जित करने होंगे। यह कार्यक्रम केवल अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। तथापि, छात्र परीक्षा हिंदी में भी लिख सकते हैं।

पात्रता : $^{\alpha}$स्नातक उपाधि अथवा इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष (अनिवार्य पाठ्यक्रम)		
एम.पी.वाई.1	भारतीय दर्शनशास्त्र	8
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई छह चुनिए)		
एम.पी.वाई.ई.1	तर्कशास्त्र	4
एम.पी.वाई.ई.2	नीतिशास्त्र	4
एम.पी.वाई.ई.3	ज्ञान मीमांसा	4
एम.पी.वाई.ई.4	मानव व्यक्ति का दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.5	विश्व के धर्म	4
एम.पी.वाई.ई.6	दलित दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.7	दर्शनशास्त्र में शोध प्रविधि	4
एम.जी.पी.5	शांति एवं संघर्ष समाधान का परिचय	4
द्वितीय वर्ष (अनिवार्य पाठ्यक्रम)		
एम.पी.वाई.2	पाश्चात्य दर्शनशास्त्र	8
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई छह चुनिए)		
एम.पी.वाई.ई.8	तत्वमीमांसा	4
एम.पी.वाई.ई.9	विज्ञान और ब्रह्मांड शास्त्र का दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.10	धर्म–दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.11	कला–दर्शन (सौंदर्यशास्त्र)	4
एम.पी.वाई.ई.12	जनजातीय दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.13	प्रौद्योगिकी दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.14	मन दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.15	गाँधीवादी दर्शन	4
एम.पी.वाई.ई.16	श्री अरविन्द का दर्शन	4
एम.पी.वाई.पी.1	शोध निबंध	4
कुल क्रेडिट		66

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. नन्दिनी सिन्हा कपूर, nandini@ignou.ac.in, Ph. 011-29573376

2-11 ,e-,- ¼f'k{kk½ (एम.ए.ई.डी.यू.)
शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

एम.ए. (शिक्षा) कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा और इसके विभिन्न आयामों के क्षेत्र में सुप्रशिक्षित ज्ञान संपन्न व्यक्तियों के दल का निर्माण करना है। विशेष रूप से एम.ए. (शिक्षा) कार्यक्रम के लक्ष्य हैं:

क) शिक्षण अनुभव प्रदान करना, जिससे विद्यार्थियों को शिक्षा की संरचना और शिक्षा के प्रतिमान की व्यापक समझ हो सके;

ख) शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी सहभागिता के लिए व्यावसायिकों को तैयार करना; और

ग) शैक्षिक परिचर्चा में भाग लेने के लिए ज्ञान संपन्न लोगों का एक समुदाय निर्मित करना।

पात्रता : α किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से शिक्षा में अथवा शिक्षा के बिना किसी भी विषय में स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी, परंतु विद्यार्थी सत्रीय कार्य, सत्रांत परीक्षा और शोध निबंध हिंदी में लिख सकते हैं।

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 16,200/– (क्रमशः रु. 9,000/– प्रथम वर्ष और रु. 7,200/– द्वितीय वर्ष के लिए)

कार्यक्रम की संरचना :

एम.ए. (शिक्षा) कार्यक्रम में अलग-अलग भारिता के पाठ्यक्रमों के 4 समूह हैं। इसमें कुल 68 क्रेडिट हैं और प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिवर्ष 34 क्रेडिट पूरे करने हैं।

समूह क : शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम

समूह ख : कोर पाठ्यक्रम

समूह ग : शिक्षा में ज्ञान सृजन संबंधी पाठ्यक्रम

समूह घ : शिक्षा में विशेषीकृत क्षेत्र

कार्यक्रम का ब्यौरा :

समूह क : शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम (4 क्रेडिट)

यह पाठ्यक्रम शिक्षा के बारे में संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित सामग्री उपलब्ध कराता है और विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न पहलुओं एवं कार्यों से परिचित कराता है। यह विविधता एवं सम्मिश्रता के साथ शिक्षा का संकल्पनात्मक विहंगावलोकन भी प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस. 11	शिक्षा को समझना	4

समूह खः कोर पाठ्यक्रम

कोर पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में गहन समझ प्रदान करना है। इनमें समुचित 'शैक्षिक' परिदृश्य में विभिन्न संकल्पनाओं, प्रक्रियाओं एवं कार्यों का उल्लेख किया गया है। इन्हें ध्यान में रखते हुए चार पाठ्यक्रमों का निर्माण किया गया है जो सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.12	शिक्षाः प्रकृति और उद्देश्य	6
एम.ई.एस.13	अध्ययन, विद्यार्थी और विकास	6
एम.ई.एस.14	शिक्षा का सामाजिक संदर्भ	6
एम.ई.एस.15	शिक्षा के प्रचालनात्मक आयाम	6

समूह गः शिक्षा में ज्ञान सृजन संबंधी पाठ्यक्रम

समूह ग की संरचना इस प्रकार से बनाई गई है जिससे शिक्षा में ज्ञान सृजन की प्रक्रिया की सैद्धांतिक समझ के साथ–साथ शोध गतिविधियों के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा सके। शिक्षा में ज्ञान सृजन की सैद्धांतिक समझ को 'शैक्षिक अनुसंधान' पाठ्यक्रम में दिया गया है। इसी तरह से, शैक्षिक अनुसंधान में व्यावहारिक अनुभव को शोध निबंध के रूप में अधिक अर्थपूर्ण एवं सफल अनुभव के रूप में चित्रित किया गया है।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.16	शैक्षिक अनुसंधान	6
एम.ई.एस.पी.1	शोध निबंध	10

समूह घः शिक्षा में विशेषीकृत क्षेत्र

समूह घ के अंतर्गत आपको एक विशेषीकृत क्षेत्र में 24 क्रेडिट के चार अथवा पाँच पाठ्यक्रम पूरे करने हैं। विद्यार्थी को पाँच विशेषीकृत क्षेत्रों में से एक का चयन करना है। विशेषीकृत क्षेत्रों में उच्च शिक्षा, दूर शिक्षा, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रौढ़ शिक्षा शामिल हैं। यदि आपने उपलब्ध विशेषीकृत क्षेत्र में से किसी भी क्षेत्र में डिप्लोमा/स्नातकोत्तर डिप्लोमा अर्जित कर लिया है तो आपको विशेषज्ञता के शेष क्षेत्रों में से किसी एक क्षेत्र का चयन करना है। उदाहरण के लिए, यदि आपने शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.टी.) प्राप्त कर लिया है, तो आपको विशेषज्ञता के शेष क्षेत्रों अर्थात दूर शिक्षा, उच्च शिक्षा, शैक्षिक प्रबंधन और प्रौढ़ शिक्षा में से एक का चयन करना है।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
उच्च शिक्षा		
एम.ई.एस.101	उच्च शिक्षा : इसके संदर्भ और संपर्क	6
एम.ई.एस.102	उच्च शिक्षा में शिक्षण	6
एम.ई.एस.103	उच्च शिक्षा : मनोवैज्ञानिक और सामाजिक संदर्भ	6
एम.ई.एस.104	उच्च शिक्षा का नियोजन और प्रबंध	6
दूर शिक्षा		
एम.ई.एस.111	दूर शिक्षा की संवृद्धि और दर्शन	4
एम.ई.एस.112	स्वशिक्षण मुद्रित सामग्री का अभिकल्प और विकास	4
एम.ई.एस.113	विद्यार्थी सहायता सेवा	4
एम.ई.एस.114	दूर शिक्षा का प्रबंध	6
एम.ई.एस.115	दूर शिक्षा के लिए संचार प्रौद्योगिकी	6
शैक्षिक प्रौद्योगिकी		
एम.ई.एस.31	ई.टी. – विहंगावलोकन	6
एम.ई.एस.32	संचार और सूचना प्रौद्योगिकी	6
एम.ई.एस.33	कंप्यूटर प्रौद्योगिकी	6
एम.ई.एस.34	पाठ्य–सामग्री का अभिकल्प	6
शैक्षिक प्रबंधन		
एम.ई.एस.41	शैक्षिक प्रबंध की संवृद्धि और विकास	6
एम.ई.एस.42	शैक्षिक प्रबंध के आयाम	6
एम.ई.एस.43	संगठनात्मक व्यवहार	6
एम.ई.एस.44	संस्थागत प्रबंध	6
प्रौढ़ शिक्षा		
एम.ए.ई.1	प्रौढ़ शिक्षा की समझ	6
एम.ए.ई.2	भारत में प्रौढ़ शिक्षा का नीति नियोजन एवं कार्यान्वयन	6
एम.ए.ई.3	प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबंधन, सूचना का प्रसार एवं नेटवर्किंग	6
एम.ए.ई.4	विस्तार शिक्षा एवं विकास	6

कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उपलब्ध कार्यक्रम (कुल 34 क्रेडिट) (सभी अनिवार्य हैं) :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.11	शिक्षा की समझ	4
एम.ई.एस.12	शिक्षा : प्रकृति और प्रयोजन	6
एम.ई.एस.13	शिक्षण, शिक्षार्थी और विकास	6
एम.ई.एस.14	शिक्षा का सामाजिक संदर्भ	6
एम.ई.एस.15	शिक्षा के संचालनात्मक आयाम	6
एम.ई.एस.16	शैक्षिक अनुसंधान	6

कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष में उपलब्ध पाठ्यक्रम (कुल 34 क्रेडिट)

1. निम्नलिखित विशेषीकृत क्षेत्रों में से विद्यार्थी को कोई एक विशेषीकृत क्षेत्र चुनना है:
   - (क) उच्च शिक्षा (24 क्रेडिट)
   - (ख) दूर शिक्षा (24 क्रेडिट)
   - (ग) शैक्षिक प्रौद्योगिकी (24 क्रेडिट)
   - (घ) शैक्षिक प्रबंध (24 क्रेडिट)
   - (च) प्रौढ़ शिक्षा (24 क्रेडिट)
2. शोध निबंध कार्य (10 क्रेडिट)

इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑफ लाइन माध्यम से है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट से विवरणिका को डाउनलोड करें, आवेदन पत्र प्रिंट करें और प्रासंगिक दस्तावेजों तथा रु. 400/– पंजीकरण शुल्क (इग्नू के पक्ष में क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट) के साथ भरा हुआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय केंद्र में जमा करायें। चयन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। केवल चुने गए उम्मीदवारों को ही निर्धारित तारीख तक शुल्क जमा कराना होगा, जिसके लिए उन्हें क्षेत्रीय केंद्र से सूचना भेजी जाएगी।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. निरोद कुमार दास, nkdash@ignou.ac.in, फोन : 011–29572931
डॉ. निराधार डे, niradhar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572994

2.12 एम.ए.(अर्थशास्त्र) (एम.ई.सी.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र में उच्च अध्ययन का एक विशेष अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में अन्य विश्वविद्यालयों में उपलब्ध कोर पाठ्यक्रमों के अलावा, बीमा और वित्त जैसे अर्थशास्त्र के कुछ उभरते क्षेत्रों की विषयवस्तु का भी समावेश है और आशा है कि आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण के मौजूदा परिवेश में ये अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। कुछ पाठ्यक्रमों में गणितीय अनुप्रयोगों, विशेष रूप से कैलकुलस और लिनियर ऐलजेबरा की समझ की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों को +2 स्तर पर शामिल आधारिक गणित से परिचित होना जरूरी है।

इस कार्यक्रम में 11 पाठ्यक्रमों (9 अनिवार्य और 2 वैकल्पिक) के माध्यम से 66 क्रेडिटों का समावेश है। प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रम अनिवार्य हैं और द्वितीय वर्ष में, नीचे दी गई सूची के पहले चार पाठ्यक्रम (एम.ई.सी.–6, 7, और 108 और 109)अनिवार्य हैं तथा शेष पाठ्यक्रम वैकल्पिकहै।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 14,400/–; रु. 7,200/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.ई.सी.101	व्यष्टि अर्थशास्त्र विश्लेषण	6
एम.ई.सी.2	समष्टि अर्थशास्त्र विश्लेषण	6
एम.ई.सी.103	परिमाणात्मक विधियाँ	6
एम.ई.सी.4	वृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र	6
एम.ई.सी.105	भारतीय आर्थिक नीति	6

द्वितीय वर्ष		
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.ई.सी.6	लोक अर्थशास्त्र	6
एम.ई.सी.7	अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त	6
एम.ई.सी.108	सामाजिक क्षेत्र एवं पर्यावरण का अर्थशास्त्र	6
एम.ई.सी.109	अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ	6
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (केवल 12 क्रेडिट का चयन करें)		
एम.ई.सी.ई.1	अर्थमिति संबंधी विधियाँ	6
एम.ई.सी.ई.3	बीमांकिक अर्थशास्त्र : सिद्धांत एवं व्यवहार	6
एम.ई.सी.ई.4	वित्तीय संस्थाएं एवं बाजार	6
एम.ई.सी.पी.101	परियोजना कार्य	6
एम.डब्ल्यू.जी.11	अर्थव्यवस्था में महिला } एक साथ लेने हैं	8
एम.जी.एस.ई.9	कार्य रोजगार एवं उत्पादकता में जेंडर मुद्दे } एक साथ लेने हैं	4
एम.ई.डी.एस.ई.46	विकास के मुद्दे और परिप्रेक्ष्य	6
कुल क्रेडिट		**66**

कार्यक्रम संयोजक : श्री सौगतो सेन, ssen@ignou.ac.in, फोन : 011–29572716

2.13 ,e-,- ¼bfrgkl½ (एम.ए.एच.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

यह कार्यक्रम, स्कूलों में कार्यरत अध्यापकों और इतिहास और संस्कृति (संग्रहालय, अभिलेखागार, पुरातत्व सर्वेक्षण आदि) से संबद्ध विभिन्न संस्थाओं के कार्मिकों और विभिन्न संगठनों में कार्यरत व्यक्तियों और इतिहास में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के इच्छुक सभी स्नातकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा।

कार्यक्रम की संरचना

एम.ए. इतिहास कार्यक्रम में, हमने इतिहास के विषयपरक दृष्टिकोण को अपनाया है और इस संदर्भ में हमने प्राचीन, मध्यकालीन या आधुनिक इतिहास के परंपरागत विशिष्टीकरण तक ही अपने विद्यार्थियों को सीमित नहीं रखा है। हमने कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार बनाई है ताकि इससे विश्व इतिहास के साथ–साथ भारतीय इतिहास में आए बदलावों तथा इस दौर के मुख्य विकासात्मक कार्यों की गहन समझ और ज्ञान प्राप्त हो सके। अपनी पाठ्यक्रम सामग्री में हमने नवीनतम शोध कार्यों को शामिल करने का प्रयास भी किया है। अध्ययन सामग्री में हमने विभिन्न पाठ्यक्रमों में शामिल विषयों के नवीनतम सिद्धांतों, विषय की निरंतरता और बदलाव तथा संक्रमण की अवस्थाओं को केंद्र में रखा है।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/–प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.एच.आई.1	प्राचीन और मध्यकालीन समाज	8
एम.एच.आई.2	आधुनिक विश्व	8
एम.एच.आई.4	भारत में राजनीतिक संरचनाएँ	8
एम.एच.आई.5	भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास	8

द्वितीय वर्ष		
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.एच.आई.3	इतिहास लेखन	8
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (केवल 24 क्रेडिट का चयन)		
एम.पी.एस.ई.3	पश्चिमी राजनीतिक चिंतन	4
एम.पी.एस.ई.4	आधुनिक भारत में सामाजिक और राजनीतिक चिंतन	4
एम.एच.आई.6	विभिन्न युगों में भारत में सामाजिक संरचनाओं का विकास	8
एम.एच.आई.8	पारिस्थितिकी और पर्यावरण का इतिहास : भारत	8
एम.एच.आई.9	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन	8
एम.एच.आई.10	भारत में शहरीकरण	8
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. आभा सिंह, programmecoordinatorhistory@gmail.com, फोन : 011–29572717

2.14 ,e-,- ¼jktuhfr foKku½ (एम.पी.एस.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.पी.एस) का उद्देश्य, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक घटनाओं के विस्तृत दायरे में गहन अन्वेषण द्वारा राजनीति अध्ययन में सुदृढ़ आधार प्रदान करना है। कार्यक्रम राजनीति सिद्धांत, तुलनात्मक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंध और भारत सरकार तथा राजनीति में विशेषज्ञता प्राप्त करने के विकल्प प्रदान करता है। अध्ययन के पश्चात शिक्षार्थी राजनीतिक विश्लेषण में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे और साथ–साथ अपनी तार्किक और विश्लेषणात्मक योग्यताओं को बेहतर बना सकेंगे।

अनिवार्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का यह कार्यक्रम 64 क्रेडिट का है। विद्यार्थी को प्रथम वर्ष में 32 क्रेडिट के अनिवार्य पाठ्यक्रम और द्वितीय वर्ष में 32 क्रेडिट के वैकल्पिक पाठ्यक्रम लेने होंगे।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.पी.एस.1	राजनीतिक सिद्धांत	8
एम.पी.एस.2	अंतरराष्ट्रीय संबंधः सिद्धांत और समस्याएं	8
एम.पी.एस.3	भारत : लोकतंत्र और विकास	8
एम.पी.एस.4	तुलनात्मक राजनीति : मुद्दे और प्रवृत्तियाँ	8
द्वितीय वर्ष (केवल 32 क्रेडिट चुनिए)		
एम.पी.एस.ई.1	भारत और विश्व	4
एम.पी.एस.ई.2	लातिन अमेरिका में राज्य और समाज	4
एम.पी.एस.ई.3	पश्चिमी राजनीतिक चिंतन	4
एम.पी.एस.ई.4	आधुनिक भारत में सामाजिक और राजनीतिक चिंतन	4
एम.पी.एस.ई.5	अफ्रीका में राज्य और समाज	4
एम.पी.एस.ई.6	शांति और संघर्ष अध्ययन	4
एम.पी.एस.ई.7	भारत में सामाजिक आंदोलन और राजनीति	4
एम.पी.एस.ई.8	भारत में राज्यों की राजनीति	4
एम.पी.एस.ई.9	कनाडा : राजनीति और समाज	4
एम.पी.एस.ई.11	अन्तरराष्ट्रीय क्षेत्र में यूरोपीय यूनियन	4

एम.पी.एस.ई.12	आस्ट्रेलिया में राज्य और समाज	4
एम.पी.एस.ई.13	आस्ट्रेलिया की विदेश नीति	4
एम.ई.डी.2	सतत विकास – मुद्दे और चुनौतियाँ	4
एम.ई.डी.8	भूमंडलीकरण और पर्यावरण	4
एम.जी.पी.4	गांधीवादी राजनीतिक विचारधारा	4
एम.जी.पी.ई.7	गांधी के बाद अहिंसा आंदोलन	4
एम.जी.पी.ई.8	शांति और संघर्ष समाधान के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण	4
एम.जी.पी.ई.10	संघर्ष प्रबंधन, रूपांतरण और शांति निर्माण	4
एम.जी.पी.ई.11	मानव सुरक्षा	4
एम.जी.पी.ई.13	नागरिक समाज, राजनीतिक व्यवस्था और संघर्ष	4
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. एस.वी.रेड्डी, svreddy@ignou.ac.in, फोन : 011–29572733
प्रो. जगपाल सिंह, jagpal@ignou.ac.in, फोन : 011–29572729

2.15 ,e-,- ¼ykd i'kklu½ (एम.पी.ए.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र और सार्वजनिक तथा निजी अंतराफलक की भूमिका को ध्यान में रखते हुए भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में भारत में लोक प्रशासन की प्रवृत्ति के बारे में व्यापक ज्ञान प्रदान करना है। इसका मुख्य केन्द्र नागरिक समाज के समूहों, मानव संसाधन, ई गवर्नेन्स और लोक प्रणाली प्रबंधन की बढ़ती भूमिका है। यह कार्यक्रम विभिन्न प्रशासनिक सिद्धांतों, आधार–तत्वों, प्रतिरूपों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों उपकरणों, तकनीकों आदि के बारे में विद्यार्थियों में वैचारिक क्षमता विकसित करने में सक्षम होगा।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.पी.ए.11	राज्य, समाज और लोक प्रशासन	8
एम.पी.ए.12	प्रशासनिक सिद्धांत	8
एम.पी.ए.13	लोक–प्रणाली प्रबंधन	8
एम.पी.ए.14	मानव संसाधन प्रबंधन	8
द्वितीय वर्ष		
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.पी.ए.15	लोक नीति और विश्लेषण	8
एम.पी.ए.16	विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन	8
वैकल्पिक पाठ्यक्रम		
एम.पी.ए.17	इलेक्ट्रॉनिक शासन } एक साथ लेने हैं	4
एम.पी.ए.18	आपदा प्रबंधन } एक साथ लेने हैं	4
एम.एस.ओ. 2	शोध पद्धतियाँ तथा विधियाँ	8
एम.पी.एस. 3	भारत : लोकतंत्र और विकास	8
एम.पी.ए.पी. 2	परियोजना कार्य	8
कुल क्रेडिट		**64**

परियोजना कार्य का चयन करने वाले विद्यार्थियों को 10,000 से 15,000 शब्दों का शोध–निबंध लिखना होगा। यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए संस्तुत किया जाता है, जो आगे भी लोक प्रशासन का अध्ययन जारी रखना चाहते हैं।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. ई. वायुनंदन, evayunandan@ignou.ac.in, फोन : 9810333831
प्रो. अलका धमेजा, alkadhemija@ignou.ac.in, फोन : 9811101033

2.16 ,e-,- ¼lekt 'kkL=½ (एम.एस.ओ.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

समाजशास्त्र में एम.ए. कार्यक्रम की रचना दूरस्थ और अगम्य क्षेत्रों के विद्यार्थियों सहित, विद्यार्थियों के व्यापक समूह को उच्च समाजशास्त्रीय ज्ञान, दृष्टिकोण और दक्षता प्रदान करने हेतु की गई है। इसकी विषयवस्तु में प्रमुख रूप से सिद्धांतों की शास्त्रीय और उच्च संकल्पनाओं, अनुसंधान प्रणालियों और परिप्रेक्ष्यों, विकास के सामाजिक मुद्दों, भारत में समाजशास्त्र की स्थिति, शिक्षा, संक्रमणकालीन समुदाय, प्रवास, शहरीकरण और समकालीन समाज में उभरते सरोकारों को सामने लाने के लिए जनसमुदाय के सबसे बड़े भाग के विकास के मुद्दों को केन्द्र बिन्दु बनाया गया है। इस पृष्ठभूमि के साथ इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक ओर विद्यार्थियों की आवश्यकता और दूसरी ओर इस विषय की संज्ञानात्मक क्षमता पर विचार करते हुए इस विषय के उभरते हुए विभिन्न सरोकारों को सामने लाना है। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित किया गया है :

- इन प्रक्रियाओं को समझने के लिए समाजशास्त्रीय सिद्धांत, संकल्पनाएं और पद्धतियाँ।
- सामाजिक प्रक्रियाएं और वैश्विक, क्षेत्रीय तथा स्थानीय अभिव्यक्ति से उनके अंतर्संबंध।
- विकास की प्रक्रिया में शामिल मुद्दे।
- डायसपोरा और अंतरराष्ट्रीय समुदायों की सामाजिक–सांस्कृतिक गतिशीलता।
- धर्म और संबंधित मुद्दे।
- शिक्षा, शहरीकरण, भूमंडलीकरण और इस प्रकार की अन्य सामाजिक प्रक्रियाएं।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.एस.ओ.1	समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं संकल्पनाएँ	8
एम.एस.ओ.2	शोध पद्धति एवं प्रविधियाँ	8
एम.एस.ओ.3	विकास का समाजशास्त्र	8
एम.एस.ओ.4	भारत में समाजशास्त्र	8
द्वितीय वर्ष (केवल 32 क्रेडिट चुनिए)		
एम.एस.ओ.ई.1	शिक्षा का समाजशास्त्र	8
एम.एस.ओ.ई.2	डायसपोरा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय	8
एम.एस.ओ.ई.3	धर्म का समाजशास्त्र	8
एम.एस.ओ.ई.4	शहरी समाजशास्त्र	8
एम.पी.ए.16	विकेन्द्रीकरण और स्थानीय शासन	8
एम.पी.एस.3	भारत : लोकतंत्र और विकास	8
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. देबल के. सिंहाराय, dksingharoy@ignou.ac.in, फोनः 011–29572718
प्रो. त्रिभुवन कपूर, tksociology@yahoo.com, फोन : 011–29572711

2.17 ,e-,- ¼xkèkh vkj 'kkfr vè;;u½ (एम.जी.पी.एस.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

कार्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना।
- सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त गांधी शांति अध्ययन, संघर्ष प्रबंधन और सामाजिक पुनर्निर्माण में स्नातकोत्तर स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- शांति अध्ययन और संघर्ष समाधान के क्षेत्र में गहन जानकारी प्रदान करना और विद्यार्थियों को विकास के गांधीवादी आदर्शों में से किसी एक में विशेषज्ञता प्राप्त करने योग्य बनाना।
- विद्यार्थियों को एम.फिल./पीएच.डी. स्तर पर सतत उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को भावी अनुसंधान, प्रशिक्षण और आर्थिक, सामाजिक, जेंडर, राजनीतिक, पर्यावरण और सतत विकास के मुद्दों पर आजीविका के व्यापक अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को शोध अध्यापन, शांति स्थापना एवं शांति निर्माण में एन.जी.ओ. आदि में कैरियर आरंभ करने के योग्य बनाना।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.जी.पी.1	गाँधी : व्यक्ति और उनका समय	4
एम.जी.पी.2	गाँधी का दर्शनशास्त्र	4
एम.जी.पी.3	गाँधी की सामाजिक विचारधारा	4
एम.जी.पी.4	गाँधी की राजनीतिक विचारधारा	4
एम.जी.पी.ई.6	गाँधी की आर्थिक विचारधारा	4
एम.जी.पी.ई.7	गाँधी के बाद अहिंसा आन्दोलन	4
एम.जी.पी.ई.9	21वीं सदी में गाँधी	4
एम.जी.पी.ई.14	गाँधी, पारिस्थितिकी और सतत विकास	4
द्वितीय वर्ष	**अनिवार्य**	
एम.जी.पी.5	शांति और संघर्ष समाधान का परिचय	4
	वैकल्पिक केवल 28 क्रेडिट का चयन करें	
एम.जी.पी.ई.8	शांति और संघर्ष समाधान से संबंधित गाँधीवादी उपागम	4
एम.जी.पी.ई.10	संघर्ष प्रबंधन परिवर्तन और शांति निर्माण	4
एम.जी.पी.ई.11	मानव सुरक्षा	4
एम.जी.पी.ई.12	महिलाएं और शांति	4
एम.जी.पी.ई.13	नागरिक समाज, राजनीतिक शासन, और संघर्ष	4
एम.जी.पी.ई.15	शोध प्रविधि का परिचय	4
एम.जी.पी.ई.16	मानव अधिकार : भारतीय परिप्रेक्ष्य	4
एम.जी.पी.ई.17	*परियोजना कार्य	8
कुल क्रेडिट		**64**

'शोध निबंध (8 क्रेडिट) : परियोजना कार्य वैकल्पिक है और 4 क्रेडिट के दो पाठ्यक्रमों के बदले में लिया जा सकता है। इसमें अनुभवात्मक आयाम, सामाजिक समस्याएँ और गाँधी आंदोलन आदि शामिल हैं।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. डी. गोपाल, dgopal@ignou.ac.in, फोन : 011–29572704/29535515

2.18 ,e-,- ¼eukfoKku½ (एम.ए.पी.सी.)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों में प्रयुक्त विविध प्रकार के मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, तकनीकों और दक्षता के बारे में गहन खोज के माध्यम से मनोविज्ञान और मानव व्यवहार में ठोस आधार प्रदान करना है।

वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा संस्थानों, पुनर्वास केंद्रों, अस्पतालों से लेकर विभिन्न संगठनों और उद्योगों में मनोवैज्ञानिकों की मांग बढ़ती जा रही है। मनोविज्ञान का प्रयोग खोलकूद, न्याय (forensic), सेना, पुलिस, विमानन जैसे अनेक नए एवं उभरते हुए क्षेत्रों में किया जा सकता है।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और किसी वजह से आगे शिक्षा प्राप्त करने से वंचित लोगों को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की इग्नू की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम विभिन्न लोगों, जैसे–नए स्नातक विद्यार्थियों और साथ ही साथ रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक लोगों और पहले से कार्यरत मनोविज्ञान में आवश्यक शैक्षिक योग्यता न रखने वाले लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 15,600/–; रु. 7,800/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.पी.सी.1	संज्ञानात्मक मनोविज्ञान; अध्ययन और स्मृति	4
एम.पी.सी.2	आजीवन मनोविज्ञान	4
एम.पी.सी.3	व्यक्तित्वः सिद्धांत और मूल्यांकन	4
एम.पी.सी.4	उच्च सामाजिक मनोविज्ञान	4
एम.पी.सी.5	शोध पद्धति	4
एम.पी.सी.6	मनोविज्ञान में सांख्यिकी	4
एम.पी.सी.एल.7	प्रायोगिक मनोविज्ञान और मनोवैज्ञानिक परीक्षण में प्रयोग	8
द्वितीय वर्ष (किसी एक समूह का चयन करें)		
समूह क : नैदानिक मनोविज्ञान		
एम.पी.सी.ई.11	मनोरोग विज्ञान	4
एम.पी.सी.ई.12	मनो नैदानिकी	4
एम.पी.सी.ई.13	मनोचिकित्सा प्रविधि	4
एम.पी.सी.ई.14	नैदानिक मनोविज्ञान में प्रयोग	6
एम.पी.सी.ई.15	इंटर्नशिप	8
एम.पी.सी.ई.16	परियोजना	6
समूह ख : परामर्श मनोविज्ञान		
एम.पी.सी.ई.21	परामर्श मनोविज्ञान	4
एम.पी.सी.ई.22	परामर्श एवं मार्गदर्शन में मूल्यांकन	4
एम.पी.सी.ई.23	परामर्श में हस्तक्षेप	4

एम.पी.सी.ई.24	परामर्श मनोविज्ञान में प्रयोग	6
एम.पी.सी.ई.25	इंटर्नशिप	8
एम.पी.सी.ई.26	परियोजना	6
समूह ग : औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान		
एम.पी.सी.ई.31	संगठनात्मक व्यवहार	4
एम.पी.सी.ई.32	मानव संसाधन विकास	4
एम.पी.सी.ई.33	संगठनात्मक विकास	4
एम.पी.सी.ई.34	औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान में प्रयोग	6
एम.पी.सी.ई.35	इंटर्नशिप	8
एम.पी.सी.ई.36	परियोजना	6
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. स्वाति पात्रा और डॉ. स्मिता गुप्ता, psychology@ignou.ac.in, फोन : 011–29572707/29572761

2.19 LukrdkÙkj mikfèk iLrdky; ,o lpuk foKku (एम.एल.आई.एस)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

इस कार्यक्रम का सामान्य उद्देश्य देश में पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों में सूचना के रखरखाव के लिए विविध प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यावसायिक मानव–संसाधन के निर्माण में योगदान करना है। इस कार्यक्रम में (7) अनिवार्य और (2) ऐच्छिक पाठ्यक्रम हैं।

पात्रता : α पुस्तकालय और/अथवा सूचना विज्ञान में स्नातक उपाधि या एन.आई.एस.सी.ए.आई.आर. अथवा डी.आर.टी.सी. से एसोसिएटशिप।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी , विद्यार्थी हिंदी भाषा में भी सत्रीय कार्य और परीक्षा लिख सकते हैं।

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.एल.आई.101	सूचना, संचार और समाज	4
एम.एल.आई.आई.101	सूचना स्रोत, प्रणालियां और सेवाएं	4
एम.एल.आई.102	पुस्तकालय और सूचना केन्द्रों का प्रबंधन	4
एम.एल.आई.आई.102	सूचना प्रक्रिया और पुनर्प्राप्ति	4
एम.एल.आई.आई.103	सूचना, संचार प्रौद्यौगिकियों के मूलभूत तत्व	4
एम.एल.आई.आई.104	सूचना संचार प्रौद्योगिकीः अनुप्रयोग	4
एम.एल.आई.पी. 2	परियोजना	4
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (केवल 2 चुनिए)		
एम.एल.आई.ई.101	पुस्तकालय सामग्री का परिरक्षण और संरक्षण	4
एम.एल.आई.ई.102	अनुसंधान कार्यप्रणाली	4
एम.एल.आई.ई.103	शैक्षिक पुस्तकालय पद्धति	4
एम.एल.आई.ई.104	तकनीकी लेखन	4
एम.एल.आई.ई.105	इन्फॉर्मेट्रिक्स और साइन्टोमेट्रिक्स	4
एम.एल.आई.ई.106	सार्वजनिक पुस्तकालय पद्धति और सेवाएँ	4
कुल क्रेडिट		**36**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. उमा कांजीलाल, ukanjilal@ignou.ac.in, फोन : 011–29572714

2.20 ,e-,- ¼ekuo foKku½ ¼ufoKku½ (एम.ए.ए.एन.)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

मानव विज्ञान देश एवं काल में मनुष्य का अध्ययन है। यह कार्यक्रम विषय पर एकीकृत उपागम पर आधारित है जिसमें भौतिक, सामाजिक और पुरातात्विक मानव विज्ञान पर प्रकाश डाला गया है। इसमें सैद्धांतिक और व्यावहारिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए मानव विज्ञान की गहन समझ पर जोर दिया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी संगठनों, स्वास्थ्य क्षेत्रों और व्यावहारिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव विज्ञानियों की आवश्यकतानुसार व्यावसायिक सक्षमता का विकास करना है। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों को समकालीन जैव-सामाजिक बदलाव को समझने के लिए मानवशास्त्रीय जानकारी का प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षित करना है। यह बड़ी संख्या में लोगों को विषय का मर्म समझने के लिए अवसर प्रदान करता है।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 16,800/–; रु. 8,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.ए.एन.आई.1	मानव विज्ञान और शोध प्रविधियाँ (सिद्धांत व व्यवहार)	8
एम.ए.एन.आई.2	भौतिक मानव विज्ञान (सिद्धांत व व्यवहार)	8
एम.ए.एन.1	समाजिक मानव विज्ञान (सिद्धांत)	8
एम.ए.एन.2	पुरातत्व मानव विज्ञान (सिद्धांत)	8
द्वितीय वर्ष		
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.ए.एन.पी.1	क्षेत्र कार्य शोध निबंध	8
एम.ए.एन.आई.3	नृविज्ञान का अभ्यास (सिद्धांत और परियोजना)	8
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (केवल कोई 2 चुनिए)		
एम.ए.एन.ई.1	ह्यूमन जेनेटिक्स (सिद्धांत और व्यवहार)	8
एम.ए.एन.ई.2	मानव संवृद्धि एवं विकास (सिद्धांत और व्यवहार)	8
एम.ए.एन.ई.3	तुलनात्मक मानव जाति विज्ञान	8
एम.ए.एन.ई.4	जेंडर एवं समाज	8
एम.ए.एन.ई.5	पर्यावरण मानव विज्ञान	8
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पल्ला वैकंटरमन, फोन : 9013627663

2.21 ,e-,- ¼fodkl vè;;u½ (एम.ए.डी.वी.एस.)

विस्तार एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.ई.डी.एस.)

यह कार्यक्रम विकास अध्ययन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम सभी क्षेत्रों में व्यावसायिकों के विकास के साथ-साथ ऐसे नव-स्नातकों के लिए भी उपयोगी होगा जो विकास पेशेवर के रूप में अपनी आजीविका अर्जित करने के इच्छुक हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- विकास अध्ययन के विभिन्न पहुलओं के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
- व्यावसायिक क्षेत्र विकास अध्ययन में योग्य मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करना।
- विकास परियोजनाओं और कार्यक्रमों के निरूपण, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों में आवश्यक व्यावसायिक कौशल का विकास करना।

पात्रता : कोई भी स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष #		
एम.डी.वी.101	विकास और विकास सिद्धांत का परिचय	4
एम.डी.वी.102	विकास की गतिशीलता	4
एम.डी.वी.103	विकास की समस्याएं और मुद्दे	6
एम.डी.वी. 4	जेंडर और विकास	6
एम.डी.वी.106	विकास अध्ययन में शोध विधियां	6
एम.डी.वी.109	भारत में विकास – एक विहंगावलोकन	6
द्वितीय वर्ष (कोई 36 केडिट चुनें)		
एम.डी.वी.105	विकास नियोजन और प्रबंधन	6
एम.डी.वी.108	विकास संचार और विस्तार	6
एम.डी.वी.110	प्रशिक्षण और विकास	6
एम.डी.वी.111	स्थानीय स्व–शासन और विकास	6
एम.डी.वी.115	स्वास्थ्य और विकास	6
एम.ई.डी.एस. 41	शहरी विकास और परिचय	6
एम.ई.डी.एस. 42	शहरी नियोजन और विकास के मुद्दे और चुनौतियां	6
एम.आर.डी. 101	ग्राम विकास – भारतीय संदर्भ	6
एम.डी.वी.पी. 117	परियोजना कार्य *	12

* परियोजना कार्य 2 पाठ्यक्रम अथवा 12 केडिट के बराबर है।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पी. वी. के. शशिधर, pvksasidhar@ignou.ac.in, फोनः 011–29571665
प्रो. बी. के. पट्टनायक, bkpattanaik@ignou.ac.in, फोनः 011–29571662
डॉ. नेहाल ए. फारूकी, nafarooquee@ignou.ac.in, फोनः 011–29571664

2.22 ,e-,- ¼i`k<+ f'k{kk½ (एम.ए.ए.ई.)
अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

यह कार्यक्रम प्रौढ़ शिक्षा और संबद्ध क्षेत्रों में रुचि रखने और इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों के साथ–साथ औपचारिक, अनौपचारिक संगठनों अथवा अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य प्रौढ़ शिक्षा और इससे संबंधित क्षेत्रों में लोगों की सेवा–पूर्व और कार्य के समय व्यावसायिक दक्षता में वृद्धि करना और क्षमता निर्माण करना है।

कार्यक्रम के उद्देश्यः

- विद्यार्थियों में प्रौढ़ शिक्षा के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पक्षों के विभिन्न पहलुओं के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य का विकास करना।
- प्रौढ़, सतत और विस्तार शिक्षा, विकास और कल्याण नीतियों और कार्यक्रमों आदि के बारे में उनके ज्ञान में वृद्धि करना और नीतियों तथा कार्यक्रमों की समझ का विकास करना।
- प्रौढ़ शिक्षा के विभिन्न पहलुओं और प्रक्रियाओं के बारे में उनकी समझ और प्रलेखन, प्रबंधन और ज्ञान तथा सूचना के प्रचार प्रसार की दक्षता में वृद्धि करना।
- प्रौढ़ शिक्षा संस्थान के संगठन और प्रबंधन से संबंधित उनके ज्ञान, समझ, दक्षता और योग्यता में सुधार करना।
- प्रौढ़ शिक्षा और विकास से संबंधित प्रशिक्षण, मूल्यांकन और शोध प्रक्रिया के साथ–साथ सहभागी नियोजन, विकास और पाठ्यचर्या के आदान-प्रदान में समुदाय को शामिल करने का कौशल प्रदान करना।
- उनके वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक विकास के लिए स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी जानकारी और नेटवर्किंग दक्षता का संवर्धन करना।

- राष्ट्रीय एवं अतंरराष्ट्रीय स्तरों पर रूपांतरण को प्रभावी बनाने के लिए उभरते सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक; विकासीय एवं अन्य स्थितियों में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका का विश्लेषण, संवर्धन और विकास करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना।

पात्रता : α किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 14,400/–; रु. 7,200/– प्रतिवर्ष।

प्रथम वर्ष में पंजीकृत विद्यार्थी द्वितीय वर्ष के लिए निर्धारित पुनः पंजीकरण फार्म भरकर द्वितीय वर्ष में अपना पुनः पंजीकरण कराएंगे और अपेक्षित शुल्क के साथ इसे अपने संबंधित क्षेत्रीय केंद्र में जमा कराएंगे।

कार्यक्रम अध्ययन केंद्र

इग्नू के ऐसे सभी कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (PSC) जहाँ पर इग्नू के एम.ए (शिक्षा) और एम.एड दोनों कार्यक्रम साथ–साथ चलाए जा रहे हैं, अनंतिम रूप से एमएएई कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम अध्ययन केंद्र भी हैं।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.ए.ई.1	प्रौढ़ शिक्षा को समझना	6
एम.ए.ई.2	भारत में प्रौढ़ शिक्षा नीति का नियोजन और कार्यान्वयन	6
एम.ए.ई.3	प्रौढ़ शिक्षा में ज्ञान प्रबंधन, सूचना का प्रचार–प्रसार और नेटवर्किंग	6
एम.ई.एस.16	शैक्षिक शोध	6
एम.ए.ई.एल.1	प्रयोग कार्य घटक	10
द्वितीय वर्ष		
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.ए.ई.4	विस्तार शिक्षा एवं विकास	6
एम.ए.ई.5	जनसंख्या और विकास शिक्षा	6
एम.ए.ई.पी.1	शोध निबंध	10
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (किन्हीं दो से कम न करें)		
एम.ए.ई.ई.1*	सतत विकास	6
एम.ई.एस.ई.61*	मुक्त और दूर शिक्षा प्रणाली	6
एम.ए.ई.ई.2**	कानूनी जागरूकता के मूल तत्व	6
एम.ई.एस.ई.62**	व्यावसायिक शिक्षा	6
कुल क्रेडिट		**68**

* दर्शाता है कि विद्यार्थी को एम.ए.ई.ई.1 और एम.ई.एस.ई.61 पाठ्यक्रमों में से किसी एक का चयन करना है।

** दर्शाता है कि विद्यार्थी को एम.ए.ई.ई.2 और एम.ई.एस.ई.62 पाठ्यक्रमों में से किसी एक का चयन करना है।

प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर विद्यार्थी को प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएई) प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. एम.वी.लक्ष्मी रेड्डी, lakshmireddymv@gmail.com, mvlreddy@ignou.ac.in, फोन : 011–29572935, मोबाइल : 9868956537
डॉ. एलिजाबेथ कुरूविल्ला, elizakuruvilla@ignou.ac.in, फोन : 011–29572933 मो. 9868478902

2.23 ,e-,- ¼tMj ,o fodkl vè;;u½ (एम.ए.जी.डी.)
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.जी.डी.एस.)

यह कार्यक्रम शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, प्रशिक्षकों, सुविधा प्रदाताओं, पर्यवेक्षकों, जेंडर एवं विकास के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों के स्टाफ सदस्यों, सरकारी कार्मिकों और बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं में कार्यरत कार्मिकों की रुचि का है।

विकास नीतियों एवं रीतियों का महिलाओं और पुरुषों पर भिन्न–भिन्न प्रभाव होता है। इसी वजह से संसाधनों, विशेष अधिकारों, हक़दारी और विकल्पों तक ''महिलाओं और पुरुषों की पहुंच के बीच के अंतर'' को समझना अत्यावश्यक है। विकास के प्रमुख क्षेत्रों में ''महिला और पुरुष

के बीच के अंतर'' की खोजबीन कर इसे समझने और इस फासले को कम करने के लिए जानकारों एवं विषय विशेषज्ञों में सहमति का विकास हुआ है। अब विकास प्रक्रिया में जेंडर परिप्रेक्ष्य को मुख्यधारा में लाने पर निरंतर जोर दिया जा रहा है। इससे विकास के जेंडर–संवेदनशील निर्देश निर्माण में योगदान मिलेगा और बेहतर जीवन–यापन मानकों, सामाजिक रूप से उत्तरदायी प्रबंधन और संसाधनों के प्रयोग समाज में नारी की अधीन स्थिति और सामाजिक आर्थिक असमानता को दूर करने के साथ-साथ वांछित बदलाव लाने के लिए आवश्यक संगठनात्मक पुनः संरचना का विकास करने में सहायता मिलेगी।

जेंडर मुद्दों की जांच–पड़ताल करना अधिकतर गैर–सरकारी संगठनों के लिए महत्वपूर्ण गतिविधि बन गई है। अब सरकारी एजेंसियों में महिला–पुरुष अंतर स्थापित करने और महिला–पुरुष समता और समरूपता के प्रति सकारात्मक कार्रवाई करने पर निरंतर जोर दिया जा रहा है। अब इस बात को व्यापक रूप से मान्यता दी जा रही है कि जेंडर संबंधी विचारणीय मुद्दे सभी विकासात्मक योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों में साफ तौर पर झलकने चाहिए। अब इस बात को निरंतर गंभीरता से लिया जा रहा है कि महिलाओं का दायरा शिक्षा, रोज़गार और विकास जैसे क्षेत्रों तक ही सीमित क्यों है। आज आवश्यकता है कि जेंडर संबंधी गंभीर मुद्दे, सभी संगठनों, संस्थानों एवं गतिविधियों में उजागर हों। यद्यपि इस बारे में चिन्ता को स्पष्टतः अभिव्यक्त किया जा चुका है, इसलिए राष्ट्रीय लक्ष्यों और संयुक्त राष्ट्र चिरस्थाई विकास लक्ष्यों की प्राप्ति जेंडर समानता के प्रति ठोस प्रयास किए बिना नहीं की जा सकती।

महिला–पुरुष समानता और समता की प्राप्ति के लिए बहुविध दृष्टिकोणों और रणनीतियों को लागू करना ज़रूरी है। ऐसी एक महत्वपूर्ण कार्यनीति और दृष्टिकोण किसी ऐसे उचित शैक्षिक कार्यक्रम की रूपरेखा के निर्माण एवं विकास के इर्दगिर्द घूमती है, जो नीति–निर्माताओं और विशेषज्ञों को इस क्षेत्र में मूल्यवान योगदान देने की उचित समझबूझ एवं कौशल प्रदान करता हो। स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम या स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम जेंडर–संवेदनशील / जेंडर आधारित शोध एवं व्यवहार को प्रोन्नत करने और मौजूदा विकास अंतःक्षेपों का विश्लेषण करने और इनके तार्किक निर्धारण के लिए उत्कृष्ट आधार प्रदान करेगा। सकारात्मक और ठोस कार्रवाई पर विशेष ध्यान देना महत्वपूर्ण एवं लाभदायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य :

कार्यक्रम का अध्ययन कर विद्यार्थी निम्नलिखित बातों को भलीभांति समझने के योग्य बन सकेंगे:

- विकास अंतःक्षेपों की जेंडर–संवेदनशीलता के विस्तार बिंदु का विश्लेषण;
- जेंडर विश्लेषण का संचालन;
- चुनिंदा विकास क्षेत्रों में महिला–पुरुष आधारित अंतरों का तर्कपूर्ण विश्लेषण;
- भिन्न–भिन्न शोध समस्याओं के लिए उपयुक्त शोध रूपरेखा का निर्माण एवं कार्य–पद्धतियों की पहचान करना;
- महिला–पुरुष समता एवं समानता को बेहतर बनाने के लिए विकास नियोजन एवं व्यावहारिक क्षेत्र में सकारात्मक कार्रवाई लागू करने का सुझाव देना।

पात्रता : मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800 / –; रु. 5,400 / – प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एम.जी.एस.1	जेंडर एवं विकास : संकल्पनाएँ, उपागम एवं कार्यनीतियाँ	6
एम.जी.एस.2	जेंडर विकास लक्ष्य एवं सैद्धान्तिक व्यवहार	6
एम.जी.एस.3	जेंडर विश्लेषण	4
एम.जी.एस.4	जेंडर संवेदनशील नियोजन एवं नीति निर्माण	8
एम.जी.एस.5	जेंडर एवं विकास अध्ययनों में शोध कार्य पद्धतियाँ	8
एम.जी.एस.पी.1	इंटर्नशिप-I/कार्यक्षेत्र आधारित शोध परियोजना-I	4
द्वितीय वर्ष		
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.जी.एस.पी.2	इंटर्नशिप-II/कार्यक्षेत्र आधारित शोध परियोजना-II	4
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई 8 पाठ्यक्रम चुनिए)		
एम.जी.एस.ई.1	जेंडर नियोजन एवं विकास नीतियाँ	4

एम.जी.एस.ई.2	जेंडर लेखा परीक्षा एवं जेंडर बजट निर्माण	4
एम.जी.एस.ई.3	जेंडर मुख्यधारा प्रवाह	4
एम.जी.एस.ई.4	कृषि, ग्रामीण आजीविका अर्जन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में जेंडर मुद्दे	4
एम.जी.एस.ई.6	जेंडर, संसाधन एवं अधिकारिताएं	4
एम.जी.एस.ई.7	जेंडर, संगठन एवं नेतृत्व	4
एम.जी.एस.ई.9	कार्य, रोजगार एवं उत्पादकता में जेंडर मुद्दे	4
एम.जी.एस.ई.10	जेंडर एवं उद्यमिता विकास	4
एम.जी.एस.ई.13	जेंडर प्रशिक्षण और सशक्तीकरण	4
एम.जी.एस.ई.20	वित्तीय समावेशन में जेंडर मुद्दे	4
कुल क्रेडिट		**72**

उपलब्ध 10 ऐच्छिक पाठ्यक्रमों (एम.जी.एस.ई. 1, एम.जी.एस.ई. 2, एम.जी.एस.ई. 3, एम.जी.एस.ई. 4, एम.जी.एस.ई. 6, एम.जी.एस.ई. 7, एम.जी.एस.ई. 9, एम.जी.एस.ई. 10, एम.जी.एस.ई.13 और एम.जी.एस.ई. 20) में से आठ ऐच्छिक पाठ्यक्रम पूरे किए जाने है। एम.ए. (जेंडर एवं विकास अध्ययन) में नामांकित विद्यार्थी यदि पहले वर्ष के पाठ्यक्रमों (एम.जी.एस. 1, एम.जी.एस. 2, एम.जी.एस. 3, एम.जी.एस. 4, एम.जी.एस. 5 और एम.जी.एस.पी. 1) को सफलतापूर्वक पूरा कर कार्यक्रम को इस बिंदु पर छोड़ना चाहें तो उन्हें जेंडर एवं विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की उपाधि मिलेगी।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. अन्नु जे. थामस, athomas@ignou.ac.in, फोन : 011–29571614
प्रो. सविता सिंह, savitasingh@ignou.ac.in, फोन : 011–29571613

2.24 ,e-,- ¼efgyk ,o tsMj vè;;u½ (एम.ए.डब्ल्यू.जी.एस.)
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.जी.डी.एस.)

महिला एवं जेंडर अध्ययन, आज शैक्षणिक जिज्ञासाओं के उभरते एवं निरंतर आगे बढ़ते क्षेत्र हैं। मॉड्यूलर एम.ए.डब्ल्यू.जी.एस. कार्यक्रम ऐसे विद्यार्थियों पर लक्षित हैं, जो इस क्षेत्र में रुचि रखते हैं और साथ ही किसी भी विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को महिला एवं जेंडर अध्ययन के शैक्षणिक क्षेत्र और इसके इतिहास से रू–ब–रू कराने और साथ ही वर्तमान समय में इसके बढ़ते महत्व और इसके सैद्धांतिक आधार को उजागर करने पर लक्षित है। आशा है कि एम.ए. कार्यक्रम पूरा कर लेने वाले विद्यार्थी सशक्तिकरण के सूत्रों को गहराई से समझ पाएंगे। विद्यार्थियों को दो विषेशज्ञताओं में से किसी एक के माध्यम से जेंडर फ्रेमवर्क के भीतर सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनीतिक एवं सामाजिक–आर्थिक आयामों से परिचित कराया जाता है। इस उपाधि का अध्ययन कर विद्यार्थी महिलाओं एवं जेंडर के दृष्टिकोण से समाज में प्रचलित जटिल शक्ति सोपानक्रमों और इनके संबंधों को समाप्त करने की योग्यता विकसित कर सकेंगे।

रोजगार के विकल्प

एम.ए. उपाधि करने वाले विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तरीय अलाभकारी संगठनों के माध्यम से उच्च अध्ययनों एवं शोध कार्यक्रमों और वकालत के क्षेत्रों में रोज़गार प्राप्त करने के योग्य बन सकेंगे। ऐसे विद्यार्थी शिक्षण, लेखन संपादन जन संचार माध्यमों में भी अपना कैरियर बना पाएंगे अथवा अन्य उपयुक्त आजीविका विकल्पों का चयन कर सकेंगे।

मॉड्यूलर संरचना और विशिष्टीकरण

यह 66 क्रेडिट का द्वि–वर्षीय कार्यक्रम है। कार्यक्रम का पहला वर्ष मुख्य आधारभूत पाठ्यक्रमों के अध्ययन से संबंधित है। कार्यक्रम, विद्यार्थियों को अंतःविषयक संदर्भ में महिला एवं जेंडर अध्ययनों से संबद्ध सैद्धांतिक एवं सकल्पनात्मक मुद्दों की वैश्लेषिक एवं तार्किक समझ प्रदान करेगा। चूंकि कार्यक्रम की प्रकृति निरंतर आगे बढ़ने वाली है इसलिए विद्यार्थियों को आगे की उपाधियों की प्राप्ति से पहले सेमेस्टर 1 और सेमेस्टर 2 में क्रमबद्ध रूप से मुख्य आधारभूत पाठ्यक्रमों को पूरा करना होगा। पहले वर्ष के 34 क्रेडिटों को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले विद्यार्थी (पाठ्यक्रम के 32 क्रेडिट + परियोजना के 2 क्रेडिट) महिला एवं जेंडर अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस बिंदु पर विद्यार्थी कार्यक्रम को समाप्त भी कर सकते हैं या निरंतर आगे पढ़ने के इच्छुक विद्यार्थी महिला एवं जेंडर अध्ययन में एम.ए. की उपाधि प्राप्त करने के लिए अध्ययन को द्वितीय वर्ष में भी जारी रख सकते हैं।

पहले वर्ष की पाठ्यचर्या पूरी करने पर विद्यार्थी दो विशिष्ट पाठ्यक्रमों ''जेंडर साहित्य एवं संस्कृति'' अथवा ''महिला अध्ययन'' में से किसी एक का चयन कर सकता है। तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर में प्रस्तुत पाठ्यक्रम व्यक्तिगत विशेषज्ञता पर होंगे। ''जेंडर, साहित्य एवं संस्कृति'' में विशेषज्ञता विद्यार्थी को जेंडर परिप्रेक्ष्य में मानविकी विषय क्षेत्र की प्रमुख विषयवस्तु से स्वयं को परिचित करने योग्य बनाएगी। तीसरे और चौथे सेमेस्टरों के पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने से विद्यार्थी उपेक्षित सांस्कृतिक गहराई, जेंडर एवं राष्ट्र के संबंध, जेंडर एवं संवाद (विशेष रूप

से साहित्यिक) और साहित्य, संस्कृति एवं समाज के पारस्परिक गूढ़ संबंध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति अपनी विवेचना आधारित समझ को बेहतर बना सकेंगे। **"महिला–अध्ययन"** में विशेषज्ञता प्राप्त कर विद्यार्थी ऐतिहासिक एवं समकालीन मुद्दों पर केंद्रित बहुविषयक दृष्टिकोणों से परिचित हो सकेंगे। इससे सिद्धांतों, सैद्धांतिक व्यवहारों, शोध और प्रयोग आदि के माध्यम से महिला संबंधी मुद्दों को समझने के लिए आवश्यक वैश्लेषिक कौशलों को विकसित करने में विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी।

पात्रता : α किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 14,400/–; शुल्क का भुगतान वर्षवार किया जाएगा – रु. 7,200/– प्रथम वर्ष के लिए (सेमेस्टर 1 और 2 के लिए) कार्यक्रम में प्रवेश लेते समय और रु. 7,200/– द्वितीय वर्ष के लिए (सेमेस्टर 3 एवं 4 के लिए) द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेते समय पुनः पंजीकरण के माध्यम से।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
सेमेस्टर–I		
एम.डब्ल्यू.जी.1	थ्योरीज ऑफ विमेन्स एंड जेंडर स्टडीज	8
एम.डब्ल्यू.जी.2	जेंडर एंड पॉवर	8
सेमेस्टर–II		
एम.डब्ल्यू.जी.3	कंस्ट्रक्टिंग जेंडर थ्रू आर्ट्स एंड मीडिया	8
एम.डब्ल्यू.जी.4	जेंडर्ड बॉडीज एंड सैक्शुएलिटीज	8
एम.डब्ल्यू.जी.पी.1	प्रोजेक्ट वर्क	2
द्वितीय वर्ष		
विशेषज्ञता : जेंडर, लिट्रेचर, कल्चर		
सेमेस्टर–III		
एम.डब्ल्यू.जी.5	रिसर्च मैथड्स (दोनों ही विशेषज्ञताओं के लिए सामान्य पाठ्यक्रम**)	8
एम.डब्ल्यू.जी.6	जेंडर्ड नेशन	8
सेमेस्टर–IV		
एम.डब्ल्यू.जी.7	पोस्ट मोर्डनइलज्म एंड जेंडर	8
एम.डब्ल्यू.जी.8	जेंडर एंड लाइफ नैरेटिव्स	8
या		
विशेषज्ञता : विमैन्स स्टीड्स		
सेमेस्टर–III		
एम.डब्ल्यू.जी.5	रिसर्च मैथड्स**	8
एम.डब्ल्यू.जी.9	विमेन एंड सोशल स्ट्रक्चर	8
सेमेस्टर–IV		
एम.डब्ल्यू.जी.10	विमेन एंड पॉलिटिकल प्रोसेस	8
एम.डब्ल्यू.जी.11	विमेन इन इकोनॉमी	8
कुल क्रेडिट		**66**

* विद्यार्थियों को किसी गैर–सरकारी संगठन/अन्य अनुमोदित संगठन में एक माह की इंटर्नशिप पूरा करने अथवा अपनी रूचि/तैयारी और रोजगार की परिस्थितियों के मद्देनजर शोध परियोजना को पूरा करने का विकल्प उपलब्ध है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. अनु अनेजा, anuaneja@ignou.ac.in फोन : 011–29576250, 011–29579050
प्रो. नीलिमा श्रीवास्तव, nilimasrivastav@ignou.ac.in, फोन : 011–29571630

2.25 ,e-,- ¼nj f'k{kk½ (एम.ए.डी.ई.)

दूर शिक्षा स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (स्ट्राइड)

यह कार्यक्रम दूर शिक्षा के विभिन्न विशिष्टीकृत क्षेत्रों में मानव संसाधन का विकास करने के लिए तैयार किया गया है।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय में स्नातक उपाधि धारक इस दो वर्षीय कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं **अथवा** जो पहले से ही इग्नू से पी.जी.डी.डी.ई. कार्यक्रम पूरा कर चुके हैं वे सीधे एम.ए. (दूर शिक्षा) के द्वितीय वर्ष में पार्श्विक प्रवेश ले सकते हैं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–; रु. 5,400/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष *		
एम.डी.ई.411	दूर शिक्षा की वृद्धि और दर्शनशास्त्र	6
एम.डी.ई.412	अनुदेशात्मक डिजाइन	6
एम.डी.ई.413	विद्यार्थी सहायता प्रणाली और सेवा	6
एम.डी.ई.414	दूर शिक्षा का प्रबंधन	6
एम.डी.ई.418	शैक्षिक संचार प्रौद्योगिकी	6
द्वितीय वर्ष		
एम.डी.ई.415	दूर शिक्षा की अनुसंधान प्रविधियाँ	6
एम.डी.ई.416	दूर शिक्षा की पाठ्य सामग्री विकसित करना	6
एम.डी.ई.417	दूर शिक्षा : आर्थिक परिप्रेक्ष्य	6
एम.डी.ई.419	दूर शिक्षा में स्टाफ प्रशिक्षण और विकास	6
एम.डी.ई.420	परियोजना कार्य	6
कुल क्रेडिट		**60**

* जो दो वर्षीय एम.ए. (दूर शिक्षा) कार्यक्रम में प्रवेश लेते हैं, वे प्रथम वर्ष के 05 पाठ्यक्रम (30 क्रेडिट) पूरा करने पर दूर शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.ई.) के साथ अपना अध्ययन समाप्त कर सकते हैं।

\# जो विद्यार्थी सीधे द्वितीय वर्ष (लेट्रल एंट्री) में प्रवेश ले रहे हैं उन्हें विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग द्वारा निर्धारित क्रेडिट ट्रांसफर की प्रक्रिया का पालन और भुगतान करना है।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. अनिता प्रियदर्शिनी anitapriyadarshini@ignou.ac.in, फोन : 011–29572607

2.26 LukrdkÙkj mikfèk okf.kT; (एम.कॉम.)

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.एम.एस.)

यह कार्यक्रम सभी स्तरों पर वाणिज्य शिक्षा में बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ति करता है और वित्त, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय तथा लेखांकन जैसे क्षेत्रों में उद्योग, व्यापार, पी.एस.यू., सरकारी और निजी उद्यमों को आवश्यक जनशक्ति प्रदान करता है। वाणिज्य में स्नातकोत्तर (एम.कॉम) उपाधि प्राप्त करने के लिए, विद्यार्थी को 72 क्रेडिट के समतुल्य 12 पाठ्यक्रम (1 क्रेडिट, 30 घंटे के अध्ययन के बराबर है) पूरे करने होंगे, जिसमें छह कोर और छह विशेषज्ञता पाठ्यक्रम शामिल हैं। विद्यार्थी को 36 क्रेडिट के प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रम पूरे करने पर अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन (इंटरनेशनल बिजनेस ऑपरेशन) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और 72 क्रेडिट पूरे करने पर अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में विशेषज्ञता सहित एम.कॉम. की उपाधि प्रदान की जाएगी।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 13,200/; रु. 6,600/ प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
आई.बी.ओ. 1	अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिवेश	6
आई.बी.ओ. 2	अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन	6
आई.बी.ओ. 3	भारत का विदेश व्यापार	6
आई.बी.ओ. 4	निर्यात–आयात प्रक्रिया और प्रलेखन	6
आई.बी.ओ. 5	अंतरराष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स	6
आई.बी.ओ. 6	अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय वित्त	6
द्वितीय वर्ष		
एम.सी.ओ. 1	संगठन सिद्धांत और व्यवहार	6
एम.सी.ओ. 3	अनुसंधान विधियाँ और सांख्यिकी विश्लेषण	6
एम.सी.ओ. 4	व्यवसाय परिवेश	6
एम.सी.ओ. 5	प्रबंधकीय निर्णय के लिए लेखांकन	6
एम.सी.ओ. 6	विपणन प्रबंध	6
एम.सी.ओ. 7	वित्तीय प्रबंध	6
कुल क्रेडिट		**72**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. एम.एस.एस. राजु, mssraju@ignou.ac.in फोन : 011–29573032

2.27 ,e-,llh- ¼xf.kr½ (एम.एससी. एम.ए.सी.एस.)@ विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

इस कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- अनुप्रयोग की दृष्टि से गणित की प्रासंगिकता और उपयोगिता पर बल देना;
- विद्यार्थियों को अनेक अनुप्रयोग क्षेत्रों के लिए आवश्यक गणित का आधारभूत ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करना;
- विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं से अवगत कराते हुए उद्योग तथा अनुप्रयुक्त विज्ञानों में गणित के उपयोग को बढ़ावा देना;
- एक ऐसा कार्य बल विकसित करना, जो उन गणितीय कौशलों से युक्त हों, जो देश के परिवर्तनशील औद्योगिक और आर्थिक परिदृश्य में आवश्यक हैं;
- गणितीय जीवविज्ञान, कंप्यूटेशनल गणित, गणितीय अर्थशास्त्र आदि जैसे उभरते विषयों में मानव संसाधन विकसित करना;
- उद्योग तथा अन्य प्रयोक्ता एजेंसियों के साथ सहयोगी अनुसंधान को बढ़ावा देना।

पात्रता :

- α न्यूनतम 50% अंकों सहित गणित में मेजर अथवा ऑनर्स के साथ स्नातक।

यदि केंद्र पर सीटें खाली रहती हैं, तो

- α बी.ए./बी.एससी. उपाधिप्राप्त स्नातक जिनके पास तीन मुख्य विषयों में से एक गणित विषय है और जिनके कुल 50% अंक हैं और गणित पाठ्यक्रमों में कुल 55% अंक हैं, उन्हें प्रवेश देने पर विचार किया जाएगा।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 26,400/–; प्रति सेमेस्टर वार रु. 6,600/– का भुगतान किया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया

इस कार्यक्रम में प्रवेश योग्यता सूची के आधार पर किया जाएगा। शुल्क का भुगतान कार्यक्रम में प्रवेश होने पर किया जाएगा और अभ्यर्थियों को आवेदन फॉर्म के साथ केवल रु. 400/– का पंजीकरण शुल्क जमा करना है।

कोर पाठ्यक्रम

कोर पाठ्यक्रम को अनेक अनुप्रयोग क्षेत्रों में प्रयोग के लिए अनिवार्य गणितीय ज्ञान और तकनीकें प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। अपने अध्ययन के प्रथम दो सत्रों के दौरान आप जिन कोर पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे वे आपको तीसरे और चौथे सत्रों के दौरान प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने में मदद करेंगे।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम

ऐच्छिक पाठ्यक्रम आपको कम्प्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में गणित के अनुप्रयोगों की जानकारी देंगे।

परियोजना

परियोजना कार्य आप सभी के लिए अनिवार्य है। इसका लक्ष्य किसी उद्योग/संगठन/अनुसंधान और विकास स्थापना/संस्थान में व्यावहारिक कार्य का अनुभव प्रदान करना है। परियोजना दर्शिका में परियोजना कार्य से संबंधित सभी ब्योरे दिए गए हैं।

प्रायोगिक कार्य

कार्यक्रम के अधिकतर पाठ्यक्रमों में कंप्यूटर प्रयोग घटक है। प्रयोग सत्र कार्यक्रम केंद्रों पर होंगे। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रयोग सत्रों में भाग लेना और उसे पूरा करना अनिवार्य है। प्रति सेमेस्टर में 11 से 36 प्रयोग सत्र होंगे। ये सत्र पूरे सेमेस्टर में आयोजित होंगे। पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए विद्यार्थी की प्रयोग सत्रों में **न्यूनतम 70%** उपस्थिति अनिवार्य है।

अध्ययन योजना

दो वर्षों की न्यूनतम अवधि में एम.एससी (एमएसीएस) कार्यक्रम पूरा करने के लिए, आपको चारों सेमेस्टरों में 16–16 क्रेडिट के पाठ्यक्रम लेने होंगे। कार्यक्रम में पंजीकरण सेमेस्टरवार होता है। पहले/दूसरे/तीसरे सेमेस्टर के बाद चाहे आप सेमेस्टर के सभी पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण हैं या नहीं, आप क्रमशः दूसरे/तीसरे/चौथे सेमेस्टर के पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए आपको अपेक्षित कार्यक्रम शुल्क के साथ पाठ्यक्रम पंजीकरण फार्म भर कर भेजना होगा।

एम.एससी एम.ए.सी.एस के अभ्यर्थियों को नीचे दी गई सूची में से कार्यक्रम केंद्र का चयन करना होगा :

क्र. स.	क्षे.कें. का कोड/नाम	क्षेत्र	कार्यक्रम अध्ययन केंद्र कोड	कार्यक्रम अध्ययन केंद्र का पता
1	14 कोच्चि	दक्षिण	1478 पी	सेंट पॉल कॉलेज, गणित विभाग, कलामासरी, एर्नाकुलम, केरल–683 503
2	25 चेन्नई	दक्षिण	2578	गुरु नानक कॉलेज, वेलाचेरी रोड, चेन्नई, तमिलनाडु–600 042
3	39 नोएडा	उत्तर	07107	महाराजा अग्रसेन कॉलेज वसुंधरा एन्कलेव, दिल्ली–110 096
4	32 राँची	पूर्व	3645 पी	गणित विभाग, मारवाड़ी कॉलेज, लेक रोड, हिंदपीड़ी, राँची, झारखंड–834 001
5	28 कोलकाता	पूर्व	2810	मौलाना आजाद कॉलेज, 8 धर्मतला, आर.ए. किदवई रोड, कोलकाता–700 012, पश्चिम बंगाल
6	15 जबलपुर	पश्चिम	1502	आर.डी.वी.वी. यूनिवर्सिटी, राजशेखर भवन, आर्ट्स ब्लॉक, जबलपुर, म.प्र.–482 001
7	16 पुणे	पश्चिम	1675 पी	पुणे विश्वविद्यालय, गणित विभाग, गणेश खिंड रोड, पुणे, महाराष्ट्र–411 007

कार्यक्रम का ब्यौरा :

एम.एससी. (एम.ए.सीएस.) कार्यक्रम के पाठ्यक्रमों का सेमेस्टरवार ब्यौरा निम्नलिखित है :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
I सेमेस्टर		
एम.एम.टी.1	प्रोग्रामिंग ऐंड डाटा स्ट्रक्चर्स	4
एम.एम.टी.2	लीनियर एल्जेबरा	2
एम.एम.टी.4	रीयल एनालिसिस	4
एम.एम.टी.5	कांम्पलेक्स एनालिसिस	2
एम.एम.टी.7	डिफरेंशियल इक्वेशन ऐंड न्यूमेरिकल साल्यूशंस	4
II सेमेस्टर		
एम.एम.टी.3	एल्जेबरा	4
एम.एम.टी.6	फंक्शनल एनालिसिस	4
एम.एम.टी.8	प्रोबेबिलिटी ऐंड स्टेटिस्टिक्स	8
III सेमेस्टर		
एम.एम.टी.9	मैथेमेटिकल मॉडलिंग	2
एम.एम.टी.ई.1	ग्राफ थ्योरी	4
एम.एम.टी.ई.2	डिजाइन ऐंड एनालिसिस ऑफ ऐलगोरिद्म	4
एम.एम.टी.ई.3	पैटर्न रिक्गनिशन ऐंड इमेज प्रोसेसिंग	4
एम.एम.टी.ई.4	कंप्यूटर ग्राफिक्स	2
IV सेमेस्टर		
एम.एम.टी.ई.5	कोडिंग थ्योरी	4
एम.एम.टी.ई.6	क्रिप्टोग्राफी	4
एम.एम.टी.ई.7	सॉफ्ट कंप्यूटिंग ऐंड एप्लीकेशंस	4
एम.एम.टी.पी.1	परियोजना (अनिवार्य)	4
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. पूर्णिमा मित्तल, pmital@ignou.ac.in फोन : 011–29534251
डॉ. एस. वेंकटरमण, svenkat@ignou.ac.in फोन : 011–29572860

2.28 ,e-,- ¼vuokn v/;;u½ (एम.ए.टी.एस.)
अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एस.टी.)

विद्यार्थियों को अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार से परिचित कराना एम.ए.टी.एस. कार्यक्रम का उद्देश्य है। यह कार्यक्रम आज के समय में अनुवाद व्यवहार के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान के साथ शिक्षण से जोड़ने की अवधारणा पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों/अनुवादकों को अनुवाद अनुशासन में उच्च अध्ययन का अवसर प्रदान करता है और अनुवाद कार्य में कौशल को निखारने का अवसर भी देगा। अनुवाद सांस्कृतिक और ज्ञान के आदान–प्रदान का मूलभूत कार्य है। अपने विविध आयामी रूप में यह ज्ञान तक पहुँचने और उसके प्रबंधन में एक मुख्य कारक बन गया है। इन आयामों में ज्ञान की प्राप्ति, संरक्षण, सृजन, प्रसार और अनुप्रयोग भी शामिल हैं। वैश्विक पटल पर ज्ञान के प्रचार–प्रसार में अनुवाद प्रशिक्षण की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस कार्यक्रम में 12 पाठ्यक्रम और व्यावहारिक कार्य के रूप में एक प्रमुख परियोजना शामिल है।

पात्रता : α हिंदी और अंग्रेजी के पर्याप्त ज्ञान के साथ किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष। यह कार्यक्रम जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध है।

शुल्क संरचना : #- 10,800/– (पूरे कार्यक्रम के लिए) प्रति वर्ष रु. 5,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
एमटीटी 10	अनुवाद सिद्धांत	4
एमटीटी 11	अनुवाद : इतिहास और परंपरा	4
एमटीटी 12	अनुवाद और भाषाविज्ञान	4
एमटीटी 13	अनुवाद के क्षेत्र	4
एमटीटी 14	अनुवाद और भारतीय भाषाएँ	4
एमटीटी 15	अनुवाद और साहित्य	4
एमटीटी 16	अनुवाद और जनसंचार	4
एमटीटी 17	कोशविज्ञान, पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद	4
द्वितीय वर्ष		
एमटीटी 18	अनुवाद और अंतर्सांस्कृतिक अध्ययन	4
एमटीटी 19	अनुवाद की राजनीति	4
एमटीटी 20	अनुवाद प्रक्रिया	4
एमटीटी 21	अनुवाद प्रशिक्षण	4
एमटीटी 22	परियोजना (परियोजना कार्य और मौखिकी)	16
कुल क्रेडिट		**64**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय, rajendrapandey@ignou.ac.in, फोन : 011–29571628/29571624
डॉ. जगदीश शर्मा, jagdishsharma@ignou.ac.in, फोन : 011–29571625

3. स्नातक उपाधि कार्यक्रम

3.1 Lukrd dl;Vj vuqiz;kx (बी.सी.ए.)

कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.सी.आई.एस.)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य उन विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मार्ग खोलना है, जिन्होंने 10+2 किया है और कैरियर के रूप में कंप्यूटिंग/आई.टी. लेने के इच्छुक हैं। इग्नू से स्नातक उपाधि (बीसीए) प्राप्त करने के बाद इग्नू में एम.सी.ए. या अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए आगे शिक्षा के अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। इस कार्यक्रम को पूरा करने पर विद्यार्थी सूचना प्रौद्योगिकी अथवा आई.टी.ई.एस. में प्रवेश स्तर का रोजगार प्राप्त कर सकता है।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी

अवधि : न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 36,000/–; रु. 6,000/– प्रति सेमेस्टर।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
I सेमेस्टर		
एफ.ई.जी.2	अंग्रेजी में आधार पाठ्यक्रम–2	4
ई.सी.ओ.1	व्यापार संगठन	4
बी.सी.एस.11	कंप्यूटर बेसिक्स और पीसी सॉफ्टवेयर	3
बी.सी.एस.12	गणित	4
बी.सी.एस.एल.13	कंप्यूटर बेसिक्स और पीसी सॉफ्टवेयर लैब	2
II सेमेस्टर		
ई.सी.ओ.2	लेखाकरण–**I**	4
एम.सी.एस.11	समस्या समाधान और प्रोग्रामिंग	3
एम.सी.एस.12	कंप्यूटर संगठन और असेम्बली लैंग्वेज प्रोग्रामिंग	4
एम.सी.एस.15	कंप्यूनिकेशन स्किल्स	2
एम.सी.एस.13	डिस्क्रीट गणित	2
बी.सी.एस.एल.21	सी लैंग्वेज प्रोग्रामिंग लैब	1
बी.सी.एस.एल.22	असेम्बली लैंग्वेज प्रोग्रामिंग लैब	1
III सेमेस्टर		
एम.सी.एस.21	डेटा और फाइल संरचनाएं	4
एम.सी.एस.23	डेटाबेस प्रबंधन सिस्टम से परिचय	3
एम.सी.एस.14	प्रणाली विश्लेषण और डिजाइन	3
बी.सी.एस.31	C++ प्रोग्रामिंग	3
बी.सी.एस.एल.32	C++ प्रोग्रामिंग लैब	1
बी.सी.एस.एल.33	डेटा और फाइल संरचना लैब	1
बी.सी.एस.एल.34	डीबीएमएस लैब	1

IV सेमेस्टर		
बी.सी.एस.40	सांख्यिकी तकनीक	4
एम.सी.एस.24	ऑब्जेक्ट ओरिएन्टेड प्रौद्योगिकी और जावा प्रोग्रामिंग	3
बी.सी.एस.41	कंप्यूटर नेटवर्क के मूल तत्व	4
बी.सी.एस.42	एल्गोरिथम डिजाइन का परिचय	2
एम.सी.एस.एल.16	इंटरनेट की अवधारणा और वेब डिजाइन	2
बी.सी.एस.एल.43	जावा प्रोग्रामिंग लैब	1
बी.सी.एस.एल.44	सांख्यिकीय तकनीक लैब	1
बी.सी.एस.एल.45	एल्गोरिथम डिजाइन लैब	1
V सेमेस्टर		
बी.सी.एस.51	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का परिचय	3
बी.सी.एस.52	नेटवर्क प्रोग्रामिंग और प्रशासन	3
बी.सी.एस.53	वेब प्रोग्रामिंग	2
बी.सी.एस.54	कंप्यूटर उन्मुख संख्यात्मक तकनीक	3
बी.सी.एस.55	व्यवसाय संचार	2
बी.सी.एस.एल.56	नेटवर्क प्रोग्रामिंग और प्रशासन लैब	1
बी.सी.एस.एल.57	वेब प्रोग्रामिंग लैब	1
बी.सी.एस.एल.58	कंप्यूटर उन्मुख संख्यात्मक तकनीक लैब	1
VI सेमेस्टर		
बी.सी.एस.62	ई–वाणिज्य	2
एम.सी.एस.22	ऑपरेटिंग सिस्टम अवधारणा और नेटवर्किंग प्रबंधन	4
बी.सी.एस.एल.63	ऑपरेटिंग सिस्टम अवधारणा और नेटवर्किंग प्रबंधन लैब	1
बी.सी.एस.पी. 64	परियोजना	8
कुल क्रेडिट		**99**

कार्यक्रम संयोजक : श्री एम. पी. मिश्रा, bca@ignou.ac.in

3.2 Lukrd lkekftd dk;l (बी.एस.डब्ल्यू.)
समाज कार्य विद्यापीठ (एस.ओ.एस.डब्ल्यू.)

समाजिक कार्य में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एस.डब्ल्यू.) ऐसे व्यक्तियों के लिए है, जो आगे जरूरतमंद व्यक्तियों को व्यावसायिक सहायता प्रदान करना चाहते हैं। सामाजिक कार्य में व्यावसायिक प्रशिक्षण/उपाधि प्राप्त व्यक्ति सामान्य तौर पर स्वास्थ्य देखभाल, सामुदायिक विकास, शिक्षा, उद्योग, परामर्श सेवाएँ, परिवार, सुधार कार्य, सामाजिक प्रतिरक्षा, महिला, बाल उत्थान, अक्षमता आदि, सामाजिक रूप से संबद्ध क्षेत्रों में कार्य करते हैं। भूमंडलीकरण, बाजार अर्थव्यवस्था और उदारीकरण से नए मुद्दे और मानवीय समस्याएँ उभर रही हैं और इनकी तरफ ध्यान देना आवश्यक है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ऐसे व्यक्तियों के लिए उपयोगी होगा जो गैर सरकारी संगठनों में मध्यम और निम्न स्तरों पर कार्यरत हैं। सामाजिक और समाज कल्याण क्षेत्रों में काम करने के इच्छुक नए अभ्यर्थियों के लिए भी यह उपयोगी होगा।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.14,400/–; रु.4,800/– प्रतिवर्ष।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष		
बी.एस.डब्ल्यू.ई.001	सामाजिक कार्य का परिचय (सिद्धांत)	8
बी.एस.डब्ल्यू.एल.001*	सामाजिक कार्य प्रैक्टिकल-I (व्यावहारिक)	8
बी.एस.एच.एफ.101	मानविकी और सामजिक विज्ञान में आधार पाठ्यक्रम	8
बी.ई.जी.एफ.101	अंग्रेजी में आधार पाठ्यक्रम–1	4
	अथवा	
एफ.एच.डी.2	हिंदी में आधार पाठ्यक्रम–2	4
	अथवा	
	आधुनिक भारतीय भाषा (एम.आई.एल.)	4
आधुनिक भारतीय भाषा (कोई एक चुनिए)		
एफ.ई.जी.2	अंग्रेज़ी में आधार पाठ्यक्रम–2	4
एफ.ए.एस.1	असमिया में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.बी.जी.1	बांग्ला में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.टी.जी.1	गुजराती में आधार पाठ्यक्रम	4
बी.एच.डी.एफ.101	हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.के.डी.1	कन्नड़ में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.एम.एल.1	मलयालम में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.एम.टी.1	मराठी में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.ओ.आर.1	उड़िया में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.पी.बी.1	पंजाबी में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.टी.एम.1	तमिल में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.टी.जी.1	तेलुगु में आधार पाठ्यक्रम	4
एफ.यू.डी.1	उर्दू में आधार पाठ्यक्रम	4
द्वितीय वर्ष		
बी.एस.डब्ल्यू.ई.002	व्यक्तियों और समूहों सामाजिक कार्य अंतःक्षेप के साथ (सिद्धांत)	8
बी.एस.डब्ल्यू.एल.002*	सामाजिक कार्य प्रैक्टिकल-II (व्यावहारिक कार्य)	8
बी.एस.डब्ल्यू.ई.004	पारिवारिक जीवन/शिक्षा का परिचय (सिद्धांत)	8
एफ.एस.टी.001	विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधार पाठ्यक्रम	8
तृतीय वर्ष		
बी.एस.डब्ल्यू.ई.003	समुदाय और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप (सिद्धांत)	8
बी.एस.डब्ल्यू.एल.003*	प्रयोगात्मक समाज कार्य – III (प्रैक्टिकल)	8
बी.एस.डब्ल्यू.ई.005	एच.आई.वी./एड्स. का परिचय (सिद्धांत)	8
बी.एस.डब्ल्यू.ई.006	मादक द्रव्य दुरुपयोग और परामर्श (सिद्धांत)	8
कुल क्रेडिट		**96**

*ये पाठ्यक्रम बी.एस.डब्ल्यू. के क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) हैं। द्वितीय वर्ष में प्रैक्टिकल लेने के लिए प्रथम वर्ष का प्रैक्टिकल पूरा करना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार तृतीय वर्ष में प्रैक्टिकल लेने के लिए द्वितीय वर्ष का प्रैक्टिकल पूरा करना अनिवार्य है।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सायन्तनी गुइन, bswinfo@ignou.ac.in, फोन : 011–29571697

3.3 Lukrd iLrdky; vkj lpuk foKku (बी.एल.आई.एस.) (संशोधित)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

इस कार्यक्रम में 9 पाठ्यक्रम हैं जिनमें पांच पाठ्यक्रम (बी.एल.आई.–224, बी.एल.आई.ई.–225, बी.एल.आई.ई.–227, बी.एल.आई.ई.–228 और बी.एल.आई.ई.–229) प्रायोगिक घटक तथा चार पाठ्यक्रम (बी.एल.आई-221, बी.एल.आई-222, बी.एल.आई-223 और बी.एल.आई-226) सिद्धांत आधारित पाठ्यक्रम हैं। कार्यक्रम केवल अंग्रेजी माध्यम में प्रदान किया जा रहा है। तथापि, विद्यार्थी अपने सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा हिंदी माध्यम में भी लिख सकते हैं।

पात्रता :

1. α सामान्य श्रेणी के लिए 50 प्रतिशत और अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / शारीरिक रूप से विकलांग श्रेणी के लिए 45 प्रतिशत अंकों सहित स्नातक उपाधि; **अथवा**
2. α पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमा (एक वर्षीय) के साथ स्नातक उपाधि; अथवा
3. α पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र में कार्य करने के 2 वर्ष के अनुभव के साथ स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी , विद्यार्थी हिंदी भाषा में भी सत्रीय कार्य और परीक्षा लिख सकते हैं।

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,000 / –

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एल.आई.221	पुस्तकालय, सूचना और समाज	4
बी.एल.आई.222	सूचना स्रोत और सेवाएँ	4
बी.एल.आई.223	सूचना का संगठन एवं प्रबंधन	4
बी.एल.आई.224	सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी के मूलाधार	4
बी.एल.आई.225	संप्रेषण कौशल	4
बी.एल.आई.ई.226	पुस्तकालय और सूचना केंद्र का प्रबंधन	4
बी.एल.आई.ई.227	प्रलेख प्रक्रियाकरण अभ्यास	4
बी.एल.आई.ई.228	सूचना उत्पाद एवं सेवाएं	4
बी.एल.आई.ई.229	पुस्तकालयों में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी	4
कुल क्रेडिट		**36**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. जयदीप शर्मा, jaideep@ignou.ac.in, फोन : 011–29572740

3.4 Lukrd mikfèk ikjfEHkd dk;Øe (बी.पी.पी.) ^^**(jkd fn;k x;k½

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एसओएसएस)

स्नातक उपाधि प्रारंभिक कार्यक्रम (बी.पी.पी.) – अनौपचारिक प्रणाली से बी.ए. / बी.कॉम. / बी.एस.डब्ल्यू. / बी.टी.एस. में प्रवेश लेने का माध्यम।

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक उपाधि प्रारंभिक कार्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया जाता है, जो इग्नू से स्नातक की उपाधि अर्जित करना चाहते हैं परंतु 10+2 पास नहीं हैं और जिन्होंने क्रमशः जनवरी और जुलाई सत्र के लिए 1 अप्रैल और 1 अक्तूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है। इस प्रकार के अर्हता प्रमाणपत्र के अभाव में ये विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस श्रेणी के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए इग्नू ने यह प्रारंभिक कार्यक्रम तैयार किया है, लेकिन बी.पी.पी. 10+2 के समतुल्य नहीं है और इसकी कोई क्रेडिट अधिभारिता भी नहीं है। यह इग्नू की बी.ए. / बी.कॉम आदि अनौपचारिक धाराओं में प्रवेश लेने के लिए मान्य है।

पात्रता : कोई औपचारिक शैक्षिक योग्यता नहीं, न्यूनतम आयु 18 वर्ष। आवेदक ने पूर्व जनवरी सत्र के लिए 1 अप्रैल तक और पूर्व जुलाई सत्र के लिए 1 अक्तूबर तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो।

बीपीपी छह महीने की अवधि का एक सेतु पाठ्यक्रम (गैर–क्रेडिट पाठ्यक्रम) है। यह उनके लिए है, जिन्होंने 10+2 न किया हो, लेकिन 1 अप्रैल और 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो और क्रमशः पूर्व जनवरी तथा जुलाई सत्र में प्रवेश लेना चाहते हैं। बीपीपी औपचारिक धारा द्वारा (गैर 10+2 धारा) के अंतर्गत केवल इग्नू में प्रथम उपाधि बीए / बीकॉम आदि में प्रवेश के लिए मान्य है। किसी भी अवस्था में बीपीपी को 10+2 के समकक्ष नहीं माना जाता है। यह मैट्रिक के समकक्ष भी नहीं है। बीपीपी को उत्तीर्ण करने पर कोई भी प्रमाणपत्र नहीं दिया जाता है।

कला, मानविकी, ललित कला, संगीत, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य और विज्ञान संकायों में अनौपचारिक / दूरस्थ शिक्षा द्वारा प्रथम उपाधि प्रदान करने के लिए अनुदेशों के न्यूनतम मानको के संबंध में भारत के राजपत्र में प्रकाशित यूजीसी विनिमय, 1985 (सूचना सं. एफ–1–117 / 83 (पीपी) दिनांक 25 नवं, 1985 में न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष निर्धारित है। कथित संकायों में प्रथम उपाधि अनौपचारिक। दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत प्रवेश के लिए आयु सीमा को घटाकर (भारत सरकार के राजपत्र में यू.जी.सी. द्वारा प्रकाशित) अन्य अधिसूचना सं. एफ1–117 / 88 (सीपीपी–II) दिनांक 18 अक्तूबर, 1995 द्वारा घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया है (भारत सरकार के राजपत्र में यू.जी.सी. द्वारा प्रसारित)

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी, और हिंदी,

अवधि : न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,200 / –

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक
इन पाठ्यक्रमों में से किन्हीं दो का चयन करें	
ओ.एम.टी.101	सामान्य गणित में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
ओ.एस.एस.101	सामाजिक विज्ञान में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
पी.सी.ओ.1	वाणिज्य में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. रूकशाना जमन, **rukshanazaman@ignou.ac.in,** फोन : 011–29572739

lhchlh,l vk/kkfjr Lukrd mikf/k dk;Zdze

विश्वविद्यालय ने अभिरूचि आधारित क्रेडिट प्रणाली के तहत तीन स्नातक उपाधि कार्यक्रम कला स्नातक, विज्ञान स्नातक, वाणिज्य स्नातक, शुरू किए है। ये व्यापक आधार के कार्यक्रम है, जिनमें विषयक, अंतरविषयक और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का मिश्रण है। प्रत्येक कार्यक्रम में 24 पाठ्यक्रमों के साथ कुल 132 क्रेडिट हैं।

3-5 dyk Lukrd ¼ch, th½ lkekftd foKku fo|kihB

विश्वविद्यालय निम्नलिखित विषयों के साथ कला स्नातक की उपाधि प्रदान करता है:

1) नृविज्ञान / मानवविज्ञान
2) अर्थशास्त्र
3) इतिहास
4) राजनीति विज्ञान
5) मनोविज्ञान
6) लोक प्रशासन
7) समाजशास्त्र
8) गणित
9) हिन्दी
10) उर्दू
11) अंग्रेजी, और
12) संस्कृत

mís';% कला स्नातक कार्यक्रम एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें विषयक, अंतःविषयक और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का मिश्रण है। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

1. शिक्षार्थियों को मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषयों की मुख्य संकल्पनाओं और शीर्षकों से परिचित करवाना,
2. शिक्षार्थियों को उनके विषय के बारे में समझ और उसका विश्लेषण करने के लिए आवश्यक जानकारी और कौशल प्रदान करना,
3. उपयुक्त पाठ्यक्रमों के परिचय के माध्यम से शिक्षार्थियों को योग्यता और कौशल में वृद्धि करने में सक्षम बनाना।
4. स्नातक स्तर पर सत्रीय कार्यों और अभ्यास के माध्यम से पठन और लेखन कौशल प्रदान करना।
5. शिक्षार्थी को अंतःविषय के महत्व से परिचित करवाना।

Ikk=rk % 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बीपीपी

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

vof/k % न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष, प्रवेश वर्ष में एक बार केवल जुलाई प्रवेश सत्र में।

'kYd lajpuk % बी.ए.: रुपये 7,200/– पूरे कार्यक्रम के लिए,`रू.2,400/– प्रति वर्ष। प्रथम वर्ष का शुल्क रु.200/– के पंजीकरण शुल्क सहित रु. 2,600/– है।

व्यावहारिक घटक के साथ बी.ए. मनोविज्ञान पाठ्यक्रम का चयन करने वाले शिक्षार्थियों को रू.600/– अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

विश्वविद्यालय अपने सभी कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट प्रणाली का अनुसरण करता है। एक क्रेडिट शिक्षार्थियों के 30 घंटे अध्ययन के समय के बराबर है। स्नातक उपाधि प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थी को न्यूनतम छह सेमेस्टर (तीन वर्ष) में 132 क्रेडिट, प्रति सेमेस्टर 22 क्रेडिट के साथ पूरा करना होता है। 132 क्रेडिट के कार्यक्रम को पाठ्यक्रम की निम्नलिखित श्रेणियों को पूरा कर अर्जित किया जाता है:

क) कोर पाठ्यक्रम (सीसी)

ख) विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)

ग) योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

घ) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)

च) जेनेरिक ऐच्छिक (जीई)

शिक्षार्थी बीए कार्यक्रम पूरा करने के लिए उपर्युक्त बारह विषयों में से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकता है। पहले सेमेस्टर में दो विषयों का चयन करने के बाद विद्यार्थी को निम्नलिखित कार्यक्रम संरचना टेम्पलेट के अनुसार बाद के सभी सेमेस्टर में केवल उन दो विषयों से ही कोर पाठ्यक्रम और विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम लेने होंगे:

ch, dk;Øe dh fy, dk;Øe lajpuk VEIyV

lsesLVj	dkj ikBîØe ¼lhlh½ (12) *	fo"k; fofufn"V ,fPNd ¼Mh, lb½ (4)*	;kX; rk lo/ku vfuok;Z ikBîØe ¼,bZlhlh½ (2) (4ØS)	dk'ky lo/ku ikBîØe ¼,lbZlh½ (4) (4 ØS)	tSufjd ,fPNd ¼thb½ (2)*	ifr lesLVj dqy dzsfMV
I	अंग्रेजी / हिंदी /एमआईएल-1		पर्यावरण अध्ययन			**22** क्रेडिट
	डीसीसी- 1 ए					
	डीसीसी-2 ए					
II	हिंदी/ अंग्रेजी 2		अंग्रेजी / हिंदी / संचार			**22** क्रेडिट
	डीसीसी- 1 बी					
	डीसीसी- 2 बी					
III	हिंदी/ अंग्रेजी 3			एसईसी 1		**22** क्रेडिट
	डीसीसी- 1 सी					
	डीसीसी- 2 सी					
IV	हिंदी/ अंग्रेजी 4			एसईसी 2		**22** क्रेडिट
	डीसीसी- 1 डी					
	डीसीसी- 2 डी					
V		डीएसई-1 ए		एसईसी 3	जीई-1	**22** क्रेडिट
		डीएसई-2 ए				
VI		डीएसई-1 बी		एसईसी 4	जीई-2	**22** क्रेडिट
		डीएसई-2 बी				
dqy	**72** ØfMV	**24** ØfMV	**8** ØfMV	**16** ØfMV	**12** ØfMV	**132** ØfMV

* मनोविज्ञान के सभी कोर पाठ्यक्रमों में 2 क्रेडिट (4 क्रेडिट थ्योरी और 2 क्रेडिट प्रैक्टिकल) या तो प्रैक्टिल घटक अथवा 2 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत और 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) के ट्यूटोरियल घटक हैं। जहाँ कहीं भी प्रैक्टिल है, वहाँ कोई ट्यूटोरियल और इसके विपरीत नहीं होगा।

* * गणित विषय से पाठ्यक्रमों के चयन के लिए 10+2 स्तर पर एक विषय के रूप में गणित आवश्यक है।

ch, th d fy, ikBîØek dh fo"k;okj lph

प्रत्येक पाँच श्रेणियों कोर पाठ्यक्रम (सीसी), विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक (डीएसई), योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी), और जेनेरिक ऐच्छिक (जीई) के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों की सूचियाँ निम्नलिखित तालिकाओं में दी गई हैं:

dkj ikB;Øe

ekuo foKku

ikB;Øe dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	ØfMV dh l-
बीएएनसी 131	मानव विज्ञान और अनुसंधान प्रविधियाँ	6
बीएएनसी 132	जैव मानव विज्ञान के मूलाधार	6
बीएएनसी 133	सामाजिक और सांस्कृतक मानव विज्ञान के मूलाधार	6
बीएएनसी 134	पुरातात्विक मानव विज्ञान के मूलाधार	6

vFk'kkL=

बीईसीसी 131	सूक्ष्म–अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I	6
बीईसीसी 132	सूक्ष्म–अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II	6
बीईसीसी 133	बृहत्–अर्थशास्त्र के सिद्धांत--I	6
बीईसीसी 134	बृहत्–अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II	6

bfrgkl

बीएचआईसी 131	भारत का इतिहास : आदिकाल से 300 ई. तक	6
बीएचआईसी 132	भारत का इतिहास : 300 से 1206 ई. तक	6
बीएचआईसी 133	भारत का इतिहास : 1206 से 1707 ई. तक	6
बीएचआईसी 134	भारत का इतिहास : 1707 से 1950 ई. तक	6

jktuhfr foKku

बीपीएससी 131	राजनीतिक सिद्धांत का परिचय	6
बीपीएससी 132	भारतीय सरकार और राजनीति	6
बीपीएससी 133	तुलनात्मक सरकार और राजनीति	6
बीपीएससी 134	अंतरराष्ट्रीय संबंधों का परिचय	6

eukfoKku

बीपीसीसी 131	मनोविज्ञान के आधार	6
बीपीसीसी 132	सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय	6
बीपीसीसी 133	मनोवैज्ञानिक विकार (Disorders)	6
बीपीसीसी 134	सांख्यिकीय विधियाँ और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान	6

ykd i'kklu

बीपीएसी 131	लोक प्रशासन पर परिप्रेक्ष्य	6
बीपीएसी 132	प्रशासनिक विचारक	6
बीपीएसी 133	संघ स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था	6
बीपीएसी 134	राज्य और जिला स्तर पर प्रशासनिक प्रणाली	6

lekt 'kkL=

बीएसओसी 131	समानशास्त्र का परिचय	6
बीएसओसी 132	भारत का समाजशास्त्र	6
बीएसओसी 133	समाजशास्त्रीय सिद्धांत	6
बीएसओसी 134	समाजशास्त्रीय जांच की विधियाँ	

fgUnh

बीएचडीसी 131	हिंदी साहित्य का इतिहास	6
बीएचडीसी 132	मध्यकालीन हिंदी कविता	6
बीएचडीसी 133	आधुनिक हिंदी कविता	6
बीएचडीसी 134	हिंदी गद्य साहित्य	6
बीएचडीएलए 135	हिंदी भाषा : विविध प्रयोग	6
बीएचडीएलए 136	हिंदी भाषा : लेखन कौशल	6
बीएचडीएलए137	हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल	6
बीएचडीएलए 138	हिंदी साहित्य : विविध विधाएँ	6

mnw

बीयूडीसी 131	उर्दू में गद्य और काव्य रूप का अध्ययन	6
बीयूडीसी 132	उर्दू शास्त्रीय ग़जल का अध्ययन	6
बीयूडीसी 133	उर्दू भाषा की उत्पत्ति और विकास	6
बीयूडीसी 134	उर्दू नज़्म का अध्ययन	6
बीयूडीएलए 135	आधुनिक उर्दू गद्य और कविता का अध्ययन	6

vaxzsth

बीईजीसी 131	Individual & Society	6
बीईजीसी 132	Selections From Indian Writing: Cultural Diversity	6
बीईजीसी 133	British Literature	6
बीईजीसी 134	Reading The Novel	6
बीईजीएलए 135	English In Daily Life	6
बीईजीएलए 136	English At The Work Place	6
बीईजीएलए 137	Language Through Literature	6
बीईजीएलए 138	Reading And Speaking Skills	

lLd`r

बीएसकेसी 131	संस्कृत पद्य साहित्य	6
बीएसकेसी 132	संस्कृत गद्य साहित्य	6
बीएसकेसी 133	संस्कृत नाटक	6
बीएसकेसी 134	संस्कृत व्याकरण	6
बीएसकेएलए 135	संस्कृत साहित्य एवं व्याकरण	6

xf.kr

बीएमटीसी 131	कलन (Calculus)	6
बीएमटीसी 132	विभेदक समीकरण (Differential Equation)	6
बीएमटीसी 133	वास्तविक विश्लेषण (Real Analysis)	6
बीएमटीसी 134	बीजगणित (Algebra)	6

fo"k; fofufn"V ,fPNd

ekuofoKku

बीएएनई 145	अनुप्रयुक्त मानवविज्ञान	6
बीएएनई 146	स्वदेशी लोगों का मानवविज्ञान	6

vFk'kkL=

बीईसीई 145	भारतीय अर्थव्यवस्था – I	6
बीईसीई 146	भारतीय अर्थव्यवस्था – II	6

bfrgkl

बीएचआईई 141	चीन का इतिहास : 1840-1978 ई.	6
बीएचआईई 142	पर्यावरण का इतिहास	6
बीएचआईई 144	भारत में इतिहास लेखन की परंपराएं	6
बीएचआईई 145	यूरोपीय इतिहास के कुछ पहलू : 1789 – 1945 ई	6

jktuhfr foKku

बीपीएसई 141	गांधी और समकालीन विश्व	6
बीपीएसई 142	बदलती दुनिय में भारत की विदेश नीति	6
बीपीएसई 143	भारत में राज्य की राजनीति	6
बीपीएसई 144	दक्षिण एशिया का परिचय	6
बीपीएसई 145	पूर्वोत्तर भारत में लोकतंत्र और विकास	6
बीपीएसई 146	संघर्ष समाधान और शांति निर्माण	6

eukfoKku

बीपीसीई 145	परामर्श मनोविज्ञान	6
बीपीसीई 146	औद्योगिक / संगठनात्मक मनोविज्ञान	6

ykd i'kklu

बीपीएई 141	सूचना का अधिकार	6
बीपीएई 142	संगठनात्मक व्यवहार	6
बीपीएई 143	ब्रिक्स में प्रशासनिक प्रणाली	6
बीपीएई 144	सामाजिक नीतियां और प्रशासन	6

lekt 'kkL=

बीएसओई 145	धर्म और समाज	6
बीएसओई 146	विवाह, परिवार और रिश्तेदारी	6
बीएसओई 148	सामाजिक स्तरीकरण	6

fgnh

बीएचडीई 141	अस्मिता मूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	6
बीएचडीई 142	राष्ट्रीय काव्यधारा	6
बीएचडीई 143	प्रेमचंद	6
बीएचडीई 144	छायावाद	6
बीएचडीई 145	कबीर	6
बीएचडीई 146	छायावादोत्तर हिंदी कविता	6

mnw

बीयूडीई 141	मिर्जा गालिब का अध्ययन	6
बीयूडीई 142	गद्य लेखक मीर अम्मन देहलवी का अध्ययन	6

vaxzsth

बीईजीई 141	Understanding Prose	6
बीईजीई 142	Understanding Drama	6
बीईजीई 143	Understanding Poetry	6
बीईजीई 145	Soft Skills	6

lLdr

बीएसकेई 141	आयुर्वेद के मूल आधार	6
बीएसकेई 142	रंगमंच और नाट्यकला	6

xf.kr

बीएमटीई 141	रैखिक बीजगणित	6
बीएमटीई 144	संख्यात्मक विश्लेषण	6

;kX;rk lo/kd vfuok;l ikB;dze

ikB;Øe dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	ØfMV dh l-
बीईवीएई 181	पर्यावरण अध्ययन	4
बीइजीएई 182	English Communication Skills	4
बीएचडीएई 182	हिंदी भाषा और संप्रेषण	4

;kX;rk lcf/kr ikB;Øe

vFk'kkL=

ikB;Øe dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	ØfMV dh l-
बीईसीएस 184	डाटा विश्लेषण	4

eukfoKku

बीपीसीएस 184	स्कूल मनोविज्ञान	4
बीपीसीएस 185	भावनात्मक क्षमता का विकास करना	4
बीपीसीएस 186	तनाव प्रबंधन	4
बीपीसीएस 187	मानव संसाधन का प्रबंधन	4
बीपीसीएस 188	सामाजिक मनोविज्ञान का अनुप्रयोग	4

ykd i'kklu

बीपीएएस 184	तार्किक प्रबंधन	4
बीपीएएस 186	तनाव और समय प्रबंधन	4

lekt'kkL=

बीएसओएस 184	नृवंशविज्ञान फिल्म बानने की तकनीक	4
बीएसओएस 185	दृश्य के माध्यम से समाज	4

fgnh

बीएचडीएस 183	अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि	4
बीएचडीएस 184	रेडिया लेखन	4
बीएचडीएस 185	टेलीविजन लेखन	4
बीएचडीएस 186	समाचार संकलन और लेखन	4

vxzsth

बीईजीएस 183	Writing And Study Skills	4
बीईजीएस 185	English Language Teaching	4
बीईजीएस 186	Business Communication	4

tSufjd ,fPNd

tSMj vkj fodkl

ikB;Øe dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	ØfMV dh l-
बीजीडीजी 172	tSMj lqonhdj.k % lekt vkj lLdfr	6

eukfoKku

बीपीसीजी 171	सामान्य मनोविज्ञान	6
बीपीसीजी 172	युवा , लिंग और पहचान	6
बीपीसीजी 173	स्वास्थ्य और कल्याण के लिए मनोविज्ञान	6
बीपीसीजी 174	मनोविज्ञान और मीडिया	6
बीपीसीजी 175	आजीवन के लिए मनोविज्ञान	6
बीपीसीजी 176	जेंडर (लिंग का मनोविज्ञान)	6

ykd i'kklu

बीपीएजी 171	आपदा प्रबंधन	6
बीपीएजी 172	शासन : मुद्दे और चुनौतियाँ	6
बीपीएजी 173	ई – गवर्नेंस	6
बीपीएजी 174	सतत विकास	6

lekt 'kkL=

बीएसओजी 171	भारतीय समाजः प्रतिछाया और वास्तविकताएँ	6
बीएसओजी 173	विकास के बारे में पुर्नविचार	6
बीएसओजी 176	अर्थव्यवस्था और समाज	6

vxzsth

बीईजीजी 171	MEDIA AND COMMUNICATION SKILLS	6
बीईजीजी 172	LANGUAGE AND LINGUISTICS	6
बीईजीजी 173	ACADEMIC WRITING & COMPOSITION	6
बीईजीजी 174	CREATIVE WRITING	6

Ckh, th dk fy, lsesLVjokj ikB;dze dk fodYi

स्नातक उपाधि कार्यक्रम के ये 132 क्रेडिट 22–22 क्रेडिट के छह सेमेस्टर में फैला हुआ है। प्रत्येक सेमेस्टर में, शिक्षार्थियों को विभिन्न श्रेणियों के सभी पाठ्यक्रमों में से 4 पाठ्यक्रमों का चयन करना होता है। जबकि सीसी, डीएससी और जीई श्रेणियों के प्रत्येक पाठ्यक्रम 6–6 क्रेडिट के हैं, एईसीसी और एसईसी के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम 4–4 क्रेडिट के हैं। हालांकि, विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए विस्तृत नामकरण और क्रेडिट की संख्या पहले ही प्रस्तुत की गई है, निम्नलिखित तालिका प्रत्येक सेमेस्टर में विकल्प के रूप में उपलब्ध पाठ्यक्रमों के कोड को क्रेडिट भार के साथ विभिन्न श्रेणियों के पाठ्यक्रमों में प्रस्तुत करती है।

ch, dk;ZØe dk fy, dk;ZØe lajpuk VEIysV

lsesLVj@ dkM	dkj ikBîØe	fo"k; fofufn"V ,fPNd	;kX;rk lo/ku ikBîØe	dkS'ky lo/ku ikBîØe	tSofjd vr%fo"k;d ,fPNd
	बीएचडीएलए 135 बीईजीएलए 135 बीयूडीएलए 135 बीएसकेएलए 135 bue l dkbZ nk बीएएनसी 131 बीईसीसी 131 बीएचआईसी 131 बीपीसीसी 131* बीपीएससी 131 बीपीएसी 131 बीएसओसी 131	dkbZ ugh	बीईवीएई 181	dkbZ ugh	dkbZ ugh

	बीईजीसी 131 बीएचडीसी 131 बीयूडीसी 131 बीएसकेसी 131 बीएमटीसी 131**				
II	bue: l: dkbl ,d बीएचडीएलए 136 बीईजीएलए 136 mUgh nk fo"k;k dk nkgjk,: बीएएनसी 132 बीईसीसी 132 बीएचआईसी 132 बीपीसीसी 132 बीपीएससी 132 बीपीएसी 132 बीएसओसी 132 बीईजीसी 132 बीएचडीसी 132 बीयूडीसी 132 बीएसकेसी 132 बीएमटीसी 132	dkbl ugh	bue: l: dkbl ,d बीईजीएई 182 vkj बीएचडीएई 182	dkbl ugh	dkbl ugh
III	bue: l: dkbl nk बीएचडीएलए 137 बीईजीएलए 137 mUgh nk fo"k;k dk nkgjk,: बीएएनसी 133 बीईसीसी 133 बीएचआईसी 133 बीपीसीसी 133 बीपीएससी 133 बीपीएसी 133 बीएसओसी 133 बीईजीसी 133 बीएचडीसी 133 बीयूडीसी 133 बीएसकेसी 133 बीएमटीसी 133	dkbl ugh	dkbl ugh	bue: l: dkbl ,d बीएएनएस 183 बीपीसीएस 185 बीईजीएस 183 बीएचडीएस 183	dkbl ugh
IV	bue: l: dkbl ,d बीएचडीएलए 138 बीईजीएलए 138 mUgh nk fo"k;k dk nkgjk,:			bue: l: dkbl ,d बीएएनएस 184 बीईसीएस 184 बीपीएएस 184	

	बीएएनसी 134 बीईसीसी 134 बीएचआईसी 134 बीपीसीसी 134 बीपीएससी 134 बीपीएसी 134 बीएसओसी 134 बीईजीसी 134 बीएचडीसी 134 बीयूएलसी 134 बीएसकेसी 134 बीएमटीसी 134	dkbZ ugha	dkbZ ugha	बीपीसीएस 184 बीपीसीएस 186 बीएसओएस 184 बीएचडीएस 184	dkbZ ugha
V	dkbZ ugha	mUgha nk fo"k;ksa dk nkgjk,a iR;sd fo"k; ls ,d dk p;u djsa ekuofoKku बीएएनई 145 vFk'kkL= बीईसीई 145 bfrgkl बीएचआईई 141 बीएचआईइ 143 बीएचआईई 145 ykd iz'kklu बीपीएइ 141 बीपीएई 143 eukfoKku बीपीसीई 145 jktuhfr foKku बीपीएसइ 141 बीपीएसई 143 बीपीएसई 145 lekt 'kkL= बीएसओइ 141 बीएसओई 143 बीएसओई 145 vaxzsth बीईजीई 141 बीईजीई 143 बीईजीई 145 fgUnh बीएचडीई 141 बीएचडीई 143 बीएचडीई 145	dkbZ ugha	bues ls dkbZ ,d बीपीसीएस 187 बीएसओएस 185 बीईजीएस 185 बीएचडीएस 185	bues ls dkbZ ,d बीईजीजी 171 बीईजीजी 173 बीपीएजी 171 बीपीएजी 173 बीपीसीजी 171 बीपीसीजी 173 बीपीसीजी 175 बीएसओजी 171 बीएसओजी 173

		mni बीयूडीई 141 lLdr बीएसकेई 141 xf.kr बीएमटीई 141			
VI	dkbZ ugha	mUgha nk fo"k;ksa dk nkgjk,a iR;sd fo"k; ls ,d dk p;u djsa ekuo foKku बीएएनइ 146 eukfoKku बीईसीई 146 bfrgkl बीएचआईई 142 बीएचआईई 144 ykd iz'kklu बीपीएइ 142 बीपीएई 144 eukfoKku बीपीसीई 146 jktuhfr foKku बीपीएसइ 142 बीपीएसई 144 बीपीएसइ 146 lekt 'kkL= बीएसओई 142 बीएसओइ 144 बीएसओई 146 बीएसओई 148 vaxzsth बीईजीई 142 fgUnh बीएचडीई 142 बीएचडीई 144 बीएचडीई 146 mni बीयूडीई 142 lLdr बीएसकेई 142 xf.kr बीएमटीई 144	dkbZ ugha	bues ls dkbZ ,d बीपीएएस 186 बीपीसीएस 188 बीईजीएस 186 बीएचडीएस 186	bues ls dkbZ ,d बीजीडीजी 172 बीईजीजी 172 बीईजीजी 174 बीपीएजी 172 बीपीएजी 174 बीपीसीजी 172 बीपीसीजी 174 बीपीसीजी 176 बीएसओजी 176
dqy	**6×12=72**	**6×4=24**	**4×2=8**	**4×4=16**	**6×2=12**

* मनोविज्ञान के सभी कोर पाठ्यक्रमों में 2 क्रेडिट (4 क्रेडिट थ्योरी और 2 क्रेडिट प्रैक्टिकल) या तो प्रैक्टिल घटक अथवा 2 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत और 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) के ट्यूटोरियल घटक हैं। जहाँ कहीं भी प्रैक्टिल है, वहाँ कोई ट्यूटोरियल और इसके विपरीत नहीं होगा।

** गणित विषय से पाठ्यक्रमों के चयन के लिए 10+2 स्तर पर एक विषय के रूप में गणित आवश्यक है।

3-6 okf.kT; Lukrd ¼chdketh½ ic/k v/;;u fo|kihB

dk;Øe d mís';

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय और वाणिज्य के विभिन्न आयामों की चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षार्थियों में ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति को विकसित करना है।

यह कार्यक्रम वाणिज्य के प्रमुख क्षेत्रों में कौशल विकास पर केंद्रित है और शिक्षार्थियों को स्व–रोजगार के साथ–साथ रोजगार की सुविधा प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य दूर–दराज के क्षेत्रों और विदेशों में चयनित केंद्रों सहित देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों को वाणिज्य शिक्षा प्रदान करना है। वाणिज्य शिक्षा समाज के वंचित और सीमांत समूहों के साथ–साथ जन समूह को प्रदान की जाती है। मल्टीमीडिया और इंटरैक्टिव अध्ययन–अध्यापन प्रणाली शिक्षार्थी को घर पर, लचीले और अपने समयानुसार शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। पहुंच और लचीलापन कार्यक्रम की बहुत महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं, जो बड़ी संख्या में विषम समूहों को मुक्त और दूरस्थ माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य विश्लेषणात्मक कौशल, वित्तीय और लेखांकन कौशल के साथ–साथ प्रबंधकीय कौशल का विकास करना है।

विश्वविद्यालय निम्नलिखित संरचना के साथ वाणिज्य स्नातक उपाधि प्रदान करता है:

mnns';%

lkk=rk% 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बीपीपी

f'k{kk dk ek/;e% अंग्रेजी और हिंदी

vof/k% न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष, प्रवेश केवल जुलाई प्रवेश सत्र में।

'kYd lajpuk% रुपये 7,200/– पूरे कार्यक्रम के लिए, रु. 2,400/– प्रति वर्ष भुगतान किया जाएगा। प्रथम वर्ष का भुल्क रु.200/– के पंजीकरण शुल्क सहित रु. 2,600/– है।

व्यावहारिक घटक के साथ बी.ए. मनोविज्ञान पाठ्यक्रम का चयन करने वाले शिक्षार्थियों को रू.600/– अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

विश्वविद्यालय अपने सभी कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट प्रणाली का अनुसरण करता है। एक क्रेडिट शिक्षार्थियों के 30 घंटे अध्ययन के समय के बराबर है। स्नातक उपाधि प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थी को न्यूनतम छह सेमेस्टर (तीन वर्ष) में 132 क्रेडिट, प्रति सेमेस्टर 22 क्रेडिट के साथ पूरा करना होता है। 132 क्रेडिट प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को पाठ्यक्रम की निम्नलिखित श्रेणियों से सभी पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना होता है:

क) कोर पाठ्यक्रम (सीसी)

ख) विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)

ग) योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

घ) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)

ण) जेनेरिक ऐच्छिक (जीई)

विद्यार्थी को प्रत्येक सेमेस्टर में पाठ्यक्रमों की विभिन्न श्रेणियों से 4 पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना है। सीसी, डीएसई और जीई श्रेणियों के अंतर्गत पाठ्यक्रम 6–6 क्रेडिट के हैं और एईसी और एसईसी के अंतर्गत पाठ्यक्रम 4–4 क्रेडिट के हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन भार 22 क्रेडिट का होगा। निम्नलिखित तालिकाएं क्रेडिट भार के साथ पाठ्यक्रमों की विभिन्न श्रेणियों से प्रत्येक सेमेस्टर में बीकॉम के विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रमों के कोड को प्रदर्शित करती हैं:

lekLVj@ dkM	lekLVj dkj ikBîØe iR;sd 6 dzsfMV	fo"k; fofufn"V ,fPNd iR;sd 6 dzsfMV	;kX;rk lo/ku ikBîØe iR;sd 4 dzsfMV	dk'ky lo/ku iR;sd 6 dzsfMV ikBîØe	dqy dzsfMV
I	बीईजीएलए 135 बीसीओसी 131 बीसीओसी 132	बीईवीएई 181			22 क्रेडिट
II	बीएचडीएलए 136 अथवा बीईजीएलए 136 बीसीओसी 133 बीसीओसी 134	बीएचडीएई 182 एवं बीईजीएई 182			22 क्रेडिट
III	बीएचडीएलए 137 एवं बीईजीएलए 137 बीसीओसी 135 बीसीओसी 136		बीसीओएस 183		22 क्रेडिट
IV	बीसीओएलए 138 बीसीओसी 137 बीसीओसी 138		बीसीओसी 184		22 क्रेडिट

V		बीसीओई 141 बीसीओई 143		बीसीओएस 185	बीसीओजी 171	22 क्रेडिट
VI		बीसीओई 142 बीसीओई 144		बीसीओएस 186	बीसीओजी 172	22 क्रेडिट
	72 क्रेडिट	24 क्रेडिट	8 क्रेडिट	16 क्रेडिट	12 क्रेडिट	132

Ckh-dke- d fy, J.khokj ikB;dek dh lph

बी.कॉम के लिए श्रेणीवार पाठ्यक्रमों की सूची प्रत्येक पाँच श्रेणियों कोर पाठ्यक्रम(सीसी), विशय विनिर्दिट ऐच्छिक (डीएसई), योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम(एईसीसी), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी), और जेनेरिक ऐच्छिक (जीई), के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों का विस्तत विवरण और क्रेडिट का विवरण निम्नलिखित तालिकाओं में दिया गया है:

ch-dke d fy, ikB;dek dh lph

कोर पाठ्यक्रम

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	dzfMV dh l-
बीसीओसी 131	वितीय लेखांकन	6
बीसीओसी 132	व्यापार संगठन और प्रबंधन	6
बीसीओसी 133	व्यापार कानून	6
बीसीओसी 134	व्यापार गणित और सांख्यिकी	6
बीसीओसी 135	कंपनी विधि	6
बीसीओसी 136	आयकर कानून और व्यवहार	6
बीसीओसी 137	निगमित लेखांकन	6
बीसीओसी 138	लागत लेखाकंन	6

fo"k; fofufn'V ,fPNd ikB;dze

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	dzfMV dh l-
बीसीओई 141	विपणन के सिद्धांत	6
बीसीओई 143	वितीय प्रबंधन के बुनियादी तत्व विविध	6
बीसीओई 142	लेखांकन प्रबंधन	6
बीसीओई 144	कार्यालय प्रबंधन और सचिवालयिक अभ्यास	6

dk'ky lo/ku ikB;dze

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	dzfMV dh l-
बीसीओएस 183	व्यापार में कंप्यूटर अनुप्रयोग	4
बीसीओएस 184	ई–कॉमर्स	4
बीसीओएस 185	उद्यमिता	4
बीसीओएस 186	व्यक्तिगत विक्रय और विक्रेयता	4

tufjd ,fPNd

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	dzfMV dh l-
बीसीओजी 171	सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत	6
बीसीओजी 172	भारतीय अर्थव्यवस्था	6

;kX;rk lo/ku vfuok;Z ikB~;dze

i;kZoj.k v/;;u

ikB~;dze dk 'kh"kZd	ikB~;dze dkM	dzsfMV dh la-
बीईवीएई 181	पर्यावरण अध्ययन	4
बीईजीएई 182	English Communication Skills	4
बीएचडीएई 182	हिंदी भाषा और संप्रेषण	4

Hkk"kk ikB~;dze

vaxzsth

ikB~;dze dk 'kh"kZd	ikB~;dze dkM	dzsfMV dh la-
बीईजीएलए 135	English In Daily Life	6
बीईजीएलए 136	English At The Work Place	6
बीईजीएलए 137	Language Through Literature	6
बीसीओएलए 138	Business Communication	6

fgUnh

बीएचडीएलए 135	हिंदी भाषा : विविध प्रयोग	9
बीएचडीएलए 136	हिंदी भाषा : लेखन कौशल	6
बीएचडीएलए 137	हिंदी भाषा : सम्प्रेषण कौशल	6
बीएचडीएलए 138	हिंदी साहित्य : विविध विधाएँ	6

3-7 foKku Lukrd ¼ch, l lhth½

foKku fo|kihB

Ckh-dke- ¼lhchlh, l½ dk;Øe dk mís';

यूजीसी – सीबीसीएस के अनुरूप ऐसे अभ्यर्थियों (वंचित समूहों और दूर–दराज तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों सहित) को बी.एससी. उपाधि के लिए अपेक्षित उच्चतर शिक्षा प्रदान करना, जो रोजगार उच्चतर शिक्षा, आजीविका में पदोन्नति और व्यावसायिक विकास करना चाहते हैं।

विश्वविद्यालय निम्नलिखित विषयों में विज्ञान में स्नातक उपाधि प्रदान करता है:

1) वनस्पति विज्ञान
2) रसायन विज्ञान
3) भूगोल
4) भूविज्ञान
5) गणित
6) भौतिकी, और
7) प्राणिविज्ञान (जूलॉजी)

पात्रता: विज्ञान विषयों में 10+2 या इसके समकक्ष

शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी

अवधि: न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई प्रवेश सत्र में।

शुल्क संरचना: रुपये 12,600/– पूरे कार्यक्रम के लिए, रु. 4,200/– प्रति वर्ष भुगतान किया जाएगा। प्रथम वर्ष का शुल्क रु. 200/– के पंजीकरण शुल्क सहित रु. 4,400/– है।

विश्वविद्यालय अपने सभी कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट प्रणाली का अनुसरण करता है। एक क्रेडिट शिक्षार्थियों के 30 घंटे अध्ययन के समय के बराबर है। स्नातक उपाधि प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थी को न्यूनतम छह सेमेस्टर (तीन वर्ष) में 132 क्रेडिट, प्रति सेमेस्टर 22 क्रेडिट के साथ पूरा करना होता है। 132 क्रेडिट प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को पाठ्यक्रम की निम्नलिखित श्रेणियों से सभी पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना होता है :

क) कोर पाठ्यक्रम (सीसी)

ख) विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)

ग) योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

घ) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)

शिक्षार्थी को बीएससी कार्यक्रम को पूरा करने के लिए उपरोक्त विषयों में से रुचि के अनुसार किन्हीं तीन विषयों का चयन करना है। एक बार चयन करने के बाद, उन्हें निम्नलिखित कार्यक्रम संरचना टेम्पलेट के अनुसार सभी सेमेस्टर में केवल उन तीन विषयों से कोर पाठ्यक्रम और विशय विनिर्दिश्ट वैकल्पिक पाठ्यक्रम लेने होंगे:

ch,llh dk;Øe dh leLVj&okj lajpuk

leLVj	dkj ikB;Øe ¼Mh,llh½	fo"k; fofufn"V ,fPNd ¼Mh,lb½	;kX;rk lo/ku ikBîØe ¼,bZlhlh½	dkS'ky lo/ku ikBîØe ¼,lbZlh½	dqy dzsfMV ifr leLVj
leLVj	¼iR;sd 6 dzsfMV½¼fl)kar 4 dzsfMV½ vkSj i;kZoj.kk;yk 2 dzsfMV lkFk&lkFk yus gSa@5 dzsfMV fl)kar vkSj 1 dzsfMV V;wVksfj;y½	¼iR;sd 6 dzsfMV½¼fl)kar 4 dzsfMV½ vkSj i;kZoj.kk;yk 2 dzsfMV lkFk&lkFk yus gSa@5 dzsfMV fl)kar vkSj 1 dzsfMV V;wVksfj;y½	¼iR;sd 4 dzsfMV½	¼iR;sd 4 dzsfMV½	
I	डीएससी - 1ए डीएससी - 2ए डीएससी - 3ए		पर्यावरण पाठ्यक्रम		22 क्रेडिट
II	डीएससी - 1बी डीएससी - 2बी डीएससी -3बी		अंग्रेजी / हिन्दी (संप्रेषण)		22 क्रेडिट
III	डीएससी - 1सी डीएससी - 2सी डीएससी - 3सी			एसईसी -1	22 क्रेडिट
IV	डीएससी - 1डी डीएससी - 2डी डीएससी - 3डी			एसईसी -2	22 क्रेडिट
V		डीएसई - 1ए डीएसई - 2ए डीएसई - 3ए		एसईसी -3	22 क्रेडिट
VI		डीएसई - 1बी डीएसई - 2बी डीएसई - 3बी		एसईसी -4	22 क्रेडिट
dqy	**72** ØfMV	**36** ØfMV	**8** ØfMV	**16** ØfMV	**132** ØfMV

* 1. सीबीसीएस के अनुसार, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूविज्ञान, भैतिक विज्ञान और प्राणि विज्ञान जैसे विषयों, जहां प्रयोगशाला कार्य अनिवार्य है, एक ही विषय क्षेत्र में दो पाठ्यक्रमों के संयोजन के रूप में एक 06 क्रेडिट पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है: एक 04 क्रेडिट सिद्धांत पाठ्यक्रम और एक 02 क्रेडिट प्रयोगशाला पाठ्यक्रम। एक विषय के दिए गए विषय क्षेत्र में इन दोनों पाठ्यक्रमों को अनिवार्य रूप से एक साथ लिया जाना है।

2. गणित विषय द्वारा उपलब्ध प्रत्येक पाठ्यक्रम, जिसमें प्रयोगशाला कार्य की आवश्यकता नहीं होती है, 06 क्रेडिट का एक एकल पाठ्यक्रम है जिसमें 01 क्रेडिट मूल्य के ट्यूटोरियल शामिल हैं।

3. भूगोल विषय में, कुछ विषय क्षेत्रों में प्रयोगशाला कार्यों की आवश्यकता होती है, जबकि कुछ विषय क्षेत्रों में किसी प्रयोगशाला कार्य की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए, भूगोल विषय के पाठ्यक्रम दो प्रकार के होते हैं: क) जिन पाठ्यक्रमों में प्रयोगशाला कार्य की आवश्यकता होती है – ऐसे प्रत्येक ऐसे पाठ्यक्रम में 04 क्रेडिट सिद्धांत पाठ्यक्रम और 02 क्रेडिट प्रयोगशाला पाठ्यक्रम का संयोजन होता है (इन दोनों को एक साथ अनिवार्य रूप से लिया जाना है), और ख) पाठ्यक्रम, जिनमें प्रयोगशाला कार्य की आवश्यकता नहीं है – ऐसा प्रत्येक पाठ्यक्रम 06 क्रेडिट का है और इसमें 01 क्रेडिट मूल्य के ट्यूटोरियल शामिल है।,

ch,llh dk;Øe d fy, ikB;dek dh fo"k;okj lph

प्रत्येक चार श्रेणियों कोर पाठ्यक्रम (सीसी), विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक (डीएसई), योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी), और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) के तहत उपलब्ध पाठ्यक्रमों की सूची निम्नलिखित तालिकाओं में दी गई है:

fo"k;okj fofufn"V dkj ¼Mh,llh½ ikBîØe

ouLifr foKku

ikB;Øe dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	ØfMV dh l-	vH;fDr
बीबीवाईसीटी 131	जैव विविधता (सूक्ष्मजीव, शैवाल कवक और आकंजोनी)	04	एक साथ लेने है
बीबीवाईसीएल 132	जैव विविधता (सूक्ष्मजीव, शैवाल कवक और आकंजोनी) प्रयोगशाला	02	
बीबीवाईसीटी 133	पादप परिस्थितिकी और वर्गीकरण	04	एक साथ लेने है
बीबीवाईसीएल 134	पादप परिस्थितिकी और वर्गीकरण विज्ञान प्रयोगशाला	02	
बीबीवाईसीटी 135	पादप एनाटॉमी और भ्रूणविज्ञान	04	एक साथ लेने है
बीबीवाईसीएल 136	पादप एनाटॉमी और भ्रूणविज्ञान प्रयोगशाला	02	
बीबीवाईसीटी 137	पादप फिजियोलॉजी और मेटाबॉलिज्म/कायिकी और उपापचय	04	एक साथ लेने है
बीबीवाईसीएल 138	पादप फिजियोलॉजी और मेटाबॉलिज्म/कायिकी और उपापचय प्रयोगशाला	02	

jlk;u foKku

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kd	dfMV dh l-	vH;fDr
बीसीएचसीटी 131	आणविक संरचना, बंधन सामान्य कार्बनिक रसायन शास्त्र और अलफैटिक हाइड्रोकार्बन	04	एक साथ लेने है
बीसीएचसीएल 132	आणविक संरचना, बंधन सामान्य कार्बनिक रसायन शास्त्र और अलफैटिक हाइड्रोकार्बन : प्रयोगशाला	02	
बीसीएचसीटी 133	रासायनिक एनर्जेटिक्स, इक्विलिबिया और प्रकार्यात्मक समूह कार्बनिक रसायन विज्ञान–1	04	एक साथ लेने है
बीसीएचसीएल 134	रासायनिक एनर्जेटिक्स, इक्विलिबिया और प्रकार्यात्मक समूह कार्बनिक रसायन विज्ञान–2 : प्रयोगशाला	02	
बीसीएचसीटी 135	विलयन, चरण संतुलन, चालकता, विद्युत रसायन शास्त्र और प्रकार्यात्मक समूह कार्बनिक रसायन विज्ञान–2	04	एक साथ लेने है
बीसीएचसीएल 136	विलयन, चरण संतुलन, चालकता, विद्युत रसायन शास्त्र और पकार्यात्मक समूह कार्बनिक रसायन विज्ञान–2 : प्रयोगशाला	02	
बीसीएचसीटी 137	समन्वय रसायन विज्ञान, पदार्थ की अवस्थाएं और रासायनिक गतिशीलता	04	एक साथ लेने है
बीसीएचसीएल 138	समन्वय रसायन विज्ञान, पदार्थ की अवस्थाएं और रासायनिक गतिशीलता : प्रयोगशाला	02	

Hkxky

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीजीजीसीटी 131	भौतिक भूगोल	06	
बीजीजीसीटी 132	मानव भूगोल	06	
बीजीजीसीटी 133	सामान्य कार्टोग्राफी	04	एक साथ लेने है
बीजीजीसीएल 134	सामान्य कार्टोग्राफी प्रयोगशाला	02	
बीजीजीसीटी 135	पर्यावरण भूगोल	06	

HkwfoKku

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीजीवाईसीटी 131	भौतिक और संरचनात्मक भूविज्ञान	04	एक साथ लेने है
बीजीवाईसीएल 132	भौतिक और संरचनात्मक भूविज्ञान : प्रयोगशाला	02	
बीजीवाईसीटी 133	क्रिस्टलोग्राफी खनिज विज्ञान और आर्थिक भूविज्ञान	04	एक साथ लेने है
बीजीवाईसीएल 134	क्रिस्टलोग्राफी खनिज विज्ञान और आर्थिक भूविज्ञानः प्रयोगशाला	02	
बीजीवाईसीटी 135	पेट्रोलॉजी	04	एक साथ लेने है
बीजीवाईसीएल 136	पेट्रोलॉजी :प्रयोगशाला	02	
बीजीवाईसीटी 137	स्ट्रैटिग्राफी और पैलियोन्टोलॉजी	04	एक साथ लेने है
बीजीवाईसीएल 138	स्ट्रैटिग्राफी और पैलियोन्टोलॉजी :प्रयोगशाला	02	

xkf.kr

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीएमटीसी 131	गणना/कलन	6	
बीएमटीसी 132	विभेदक समीकरण	6	
बीएमटीसी 133	वास्तविक विश्लेषण	6	
बीएमटीसी 134	बीजगणित	6	

Hkkfrd foKku

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीपीएचसीटी 131	यांत्रिकी	04	एक साथ लेने है
बीपीएचसीएल 132	यांत्रिकी : प्रयोगशाला	02	
बीपीएचसीटी 133	विद्युत और चुंबकत्व	04	एक साथ लेने है
बीपीएचसीएल 134	विद्युत और चुंबकत्व : प्रयोगशाला	02	
बीएचपीसीटी 135	थर्मल भौतिकी और सांख्यिकीय यांत्रिकी	04	एक साथ लेने है
बीपीएचसीएल 136	थर्मल भौतिकी और सांख्यिकीय यांत्रिकी : प्रयोगशाला	02	
बीपीएचसीटी 137	तरंग और प्रकाशिकी	04	एक साथ लेने है
बीपीएचसीएल 138	तरंग और प्रकाशिकी : प्रयोगशाला	02	

ik.kh foKku

ikB;de dkM	ikB;de dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीजेडवाईसीटी 131	प्राणी विविधता	04	एक साथ लेने है
बीजेडवाईसीएल 132	प्राणी विविधता : प्रयोगशाला	02	
बीजेडवाईसीटी 133	कशेरूकी तुलनात्मक शरीरिक रचना और विकासीय जीवविज्ञान	04	एक साथ लेने है
बीजेडवाईसीएल 134	कशेरूकी तुलनात्मक शरीरिक रचना और विकासीय : प्रयोगशाला	02	
बीजेडवाईसीटी 135	कायिकी और जैस रसायन विज्ञान	04	एक साथ लेने है
बीजेडवाईसीएल 136	कायिकी और जैस रसायन विज्ञान : प्रयोगशाला	02	
बीजेडवाईसीटी 137	आनुवंशिकी और विकासवादी जीवविज्ञान	04	एक साथ लेने है
बीजेडवाईसीएल 138	आनुवंशिकी और विकासवादी जीवविज्ञान : प्रयोगशाला	02	

fo"k; fofufn"V ,fPNd ¼Mh,lb½ ikBîØe

ouLifr foKku

ikB;de dkM	ikB;de dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीबीवाईईटी 141	कोशिका और आणविक जीवविज्ञान	04	एक साथ लेने है
बीबीवाईईएल 142	कोशिका और आणविक जीवविज्ञान : प्रयोगशाला	02	
बीबीवाईईटी 143	आर्थिक वनस्पति विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी	04	एक साथ लेने है
बीबीवाईईएल 144	आर्थिक वनस्पति विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी : प्रयोगशाला	02	

jlk;u foKku

ikB;de dkM	ikB;de dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीसीएचईटी 141	रसायन विज्ञान में विश्लेषणात्मक विधियॉ	04	एक साथ लेने है[R]
बीसीएचईएल 142	रसायन विज्ञान में विश्लेषणात्मक विधियॉ : प्रयोगशाला	02	
बीसीएचईटी 149	जीवन का अणु	04	एक साथ लेने है
बीसीएचईएल 150	जीवन का अणु : प्रयोगशाला	02	
बीसीएचईटी 145	मात्रात्मक रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी और फोटोकैमिस्ट्री	04	एक साथ लेने है
बीसीएचईएल 146	मात्रात्मक रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी और फोटोकैमिस्ट्री : प्रयोगशाला	02	
बीसीएचईटी 147	ऑर्गोनोमेटालिक्स, बायोइनऑर्गेनिक केमिस्ट्री पॉलिन्यूक्लिर हाईड्रोरोकार्बन और यूवी, आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी : प्रयोगशाला	04	एक साथ लेने है
बीसीएचईएल 148	ऑर्गोनोमेटालिक्स, बायोइनऑर्गेनिक केमिस्ट्री रसायन पॉलिन्यूक्लिर हाईड्रोरोकार्बन और यूवी, आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी : प्रयोगशाला	02	

Hkxkky

ikB;de dkM	ikB;de dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-	vH;fDr
बीजीजीईटी 141	भारत का भूगोल	06	
बीजीजीईटी 142	भारत की पारिस्थितिकी	06	

HkxHk'kkL=

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la[;k	vH;fDr
बीजीवाईईटी 141	अयस्क भूविज्ञान और औद्योगिक खनिज	04	एक साथ लेने है
बीजीवाईईएल 142	अयस्क भूविज्ञान और औद्योगिक खनिज : प्रयोगशाला	02	
बीजीवाईईटी 147	भू–आकृति विज्ञान और जियोटेक्टोनिक्स	04	एक साथ लेने है
बीजीवाईईएल 148	भू–आकृति विज्ञान और जियोटेक्टोनिक्स : प्रयोगशाला	02	

xf.kr

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la[;k	vH;fDr
बीएमटीई 141	रैखिक बीजगणित	6	
बीएमटीई 144	संख्यात्मक विश्लेषण	6	

Hkkfrd foKku

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la[;k	vH;fDr
बीपीएचईटी 141	आधुनिक भौतिकी के तत्व	04	एक साथ लेने है
बीपीएचईएल 142	आधुनिक भौतिकी के तत्व : प्रयोगशाला	02	
बीपीएचईटी 143	डिजिटल और एनालॉग सर्किट और इंस्ट्रूमेंटेशन	04	एक साथ लेने है
बीपीएचईएल 144	डिजिटल और एनालॉग सर्किट और इंस्ट्रूमेंटेशन : प्रयोगशाला	02	

ik.kh foKku

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la[;k	vH;fDr
बीजेडवाईईटी 141	इम्यूनोलॉजी	04	एक साथ लेने है
बीजेडवाईईएल 142	इम्यूनोलॉजी : प्रयोगशाला	02	
बीजेडवाईईटी 143	कीट वेक्टर और वेक्टर जनित रोग	04	एक साथ लेने है
बीजेडवाइईएल 144	कीट वेक्टर और वेक्टर जनित रोग : प्रयोगशाला	02	

dk'ky lo/ku ikB;dze ¼,lbZlh½

jlk;u foKku

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la[;k	vH;fDr
बीसीएचएस 184	दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स बिक्री की मूल बातें	04	

Hkkxky

ikB;dze dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la[;k	vH;fDr
बीजीजीएसएल 191	क्षेत्र सर्वेक्षण की विधियाँ : प्रयोगशाला	04	
बीजीजीएसएल 192	रिमोट सेसिंग और जीपीएस : प्रयोगशाला	04	
बीजीजीएसएल 193	भौगोलिक सूचना प्रणाली : प्रयोगशाला	04	
बीजीजीएसएल 194	क्षेत्रीय विकास योजना में तकनीक : प्रयोगशाला	04	

;kX;rk lo/ku vfuok;Z ikB~;dze

lk;koj.k v/;;u

ikB~;dze dkM	ikB~;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-
बीईवीएई 181	पर्यावरण अध्ययन हिंदी	4

vaxzsth

ikB~;dze dkM	ikB~;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-
बीईजीएई 182	English Communication Skills	4

fgUnh

ikB~;dze dkM	ikB~;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh la-
बीएचडीएई 182	हिंदी भाषा और संप्रेषण	4

Ckh,llh ds fy, lseLVjokj ikB~;dze dk fodYi

विज्ञान स्नातक उपाधि कार्यक्रम 132 क्रेडिट का है और इसमें 22–22 क्रेडिट के छह सेमेस्टर (तीन वर्ष) हैं। शिक्षार्थियों को अपनी अभिरूचि के अनुसार अध्ययन के लिए उन किन्हीं तीन विषयों का चयन करना है जिनमें वह विज्ञान में स्नातक उपाधि प्राप्त करना चाहते हैं। उन्हें अपने अध्ययन के लिए विषयों का चयन सावधानीपूर्वक करना होगा, क्योंकि पहले सेमेस्टर में चुने गए विषयों का अध्ययन बाद के सेमेस्टर में भी करना होगा। प्रत्येक सेमेस्टर में छात्रों को सभी श्रेणियों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में से 4 पाठ्यक्रमों का चयन करना होता है। जोड़े में दिए गए पाठ्यक्रमों को केवल जोड़े में लिया जाना चाहिए। जबकि सीसी और डीएसई श्रेणियों के अंतर्गत दिए गए प्रत्येक पाठ्यक्रम क्रेडिट के हैं, एईसी और एसईसी के अंतर्गत दिए गए प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट के हैं। इस प्रकार प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन भार 22 क्रेडिट होगा। हालांकि विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए विस्तृत नामकरण और क्रेडिट की संख्या पहले प्रस्तुत की गई है, निम्नलिखित तालिका प्रत्येक सेमेस्टर में विकल्प के रूप में उपलब्ध पाठ्यक्रमों के कोड को क्रेडिट भार के साथ विभिन्न श्रेणियों के पाठ्यक्रमों में प्रस्तुत करती है:

lseLVj	dkj ikB~îØe **(6 x 12=72 dzsfMV.)**	fo"k; fofufn"V ,fPNd **(6x6=36 dzs.)**	;kX;rk lo/ku ikB~îØe **(4x2=8 dzs.)**	dk'ky lo/ku ikB~îØe **(4x4=16 dzs.)**	dqy dzsfMV
I	dkbZ rhu fo"k;&iR;sd ls dkbZ ,d ikB~;dze * बीबीवाईसीटी 131 एवं बीबीवाईसीएल 132 बीसीएचसीटी 131 एवं बीसीएचसीएल 132 बीजीजीसीटी 131 बीजीवाईसीटी 131 एवं बीजीवाईसीएल 132 बीएमटीसी 131 बीपीएचसीटी 131 एवं बीपीएचसीएल 132 बीजेडवाईसीटी 131 एवं बीजेडवाईसीएल 132		बीईवीएई 181		22 क्रेडिट
II	mUgh rhu fo"k;ksa dk nkgjk,A&iR;sd fo"k; ls dkbZ ,d ikB~;dze * बीबीवाईसीटी 133 एवं बीबीवाईसीएल 134 बीसीएचसीटी133 एवं बीसीएचसीएल 134 बीजीजीसीटी 132 बीजीवाईसीटी 133 एवं बीजीवाईसीएल 134 बीएमटीसी 132 बीपीएचसीटी 133 एवं बीपीएचसीएल 134 बीजेडवाईसीटी 133 & बीजेडवाईसीएल 134		कोई एक : बीईजीएई 182 बीएचडीएई 182		22 क्रेडिट
III	mUgh rhu fo"k;ksa dk nkgjk,A&iR;sd fo"k; ls dkbZ ,d ikB~;dze * बीबीवाईसीटी 135 एवं बीबीवाईसीएल 136 बीसीएचसीटी 135 एवं बीसीएचसीएल 136 बीजीजीसीटी 133 एवं बीजीजीसीएल 134 बीजीवाईसीटी 135 एवं बीजीवाईसीएल 136 बीएमटीसी 133 बीएचपीसीटी 135 एवं बीपीएचसीएल 136 बीजेडवाईसीटी 135 एवं बीजेडवाईसीएल 136			कोई एक : बीसीएचसी 184 बीजीजीएसएल 191	22 क्रेडिट

lsesLVj	dkj ikBîØe (6 x 12=72 ØfMV.)	fo"k; fofufn'V ,fPNd (6x6=36 ØfMV.)	;kX;rk lo/ku ikBîØe (4x2=8 ØfMV.)	dk'ky lo/ku ikBîØe (4x4=16 ØfMV.)	dqy ØfMV
IV	mUgh rhu fo"k;k dk nkgjk,&iR;sd fo"k; ls dkbZ ,d ikB;dze * बीबीवाईसीटी 137 एवं बीबीवाईसीएल 138 बीसीएचसीटी 137 एवं बीसीएचसीएल 138 बीजीजीसीटी 135 बीजीवाईसीटी 137 एवं बीजीवाईसीएल 138 बीएमटीसी 134 बीपीएचसीटी 137 एवं बीपीएचसीएल 138 बीजेडवाईसीटी 137 एवं बीजेडवाईसीएल 138			बीजीजीएसएल 192	22 क्रेडिट
V		mUgh rhu fo"k;k dk nkgjk,&iR;sd fo"k; ls dkbZ ,d ikB;dze * बीबीवाईटी 141 एवं बीबीवाईएल 142 बीजीजीईटी 141 बीजीवाईटी 141 एवं बीजीवाईईएल 142 बीएमटीई 141 बीपीएचईटी 141 एव बीपीएचईएल 142 बीजेडवाईटी 141 एवं बीजेडवाईईएल 142 jlk;u¼ dkbZ ,d½ बीसीएचईटी 141 एवं बीसीएचईएल 142 बीसीएचईटी 145 एवं बीसीएचईएल 146		बीजीजीएसएल 193	22 क्रेडिट
VI		mUgh rhu fo"k;k dk nkgjk,&iR;sd fo"k; ls dkbZ ,d ikB;dze * बीबीवाईटी 143 एवं बीबीवाईएल 144 बीजीजीईटी 142 बीजीवाईटी 147 एवं बीजीवाईईएल 148 बीएमटीई 144 बीपीएचईटी 143 एव बीपीएचईएल 144 बीजेडवाईटी 143 एवं बीजेडवाईईएल 144 jlk;u¼ dkbZ ,d½ बीसीएचईटी 149 एवं बीसीएचईएल 150 बीसीएचईटी 147 एवं बीसीएचईएल 148		बीजीजीएसएल 194	22 क्रेडिट
dqy	**72** ØfMV	**36** ØfMV	**8** ØfMV	**16** ØfMV	**132** ØfMV

*जोडें में दिए गए पाठ्यक्रमों को केवल जोडें में ही लें।

4. डिप्लोमा कार्यक्रम

4.1 पुस्तकालय ऑटोमेशन और नेटवर्किंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एल.ए.एन.) सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

पुस्तकालय ऑटोमेशन और नेटवर्किंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एल.ए.एन.) का उद्देश्य ऑटोमेशन और नेटवर्कयुक्त परिवेश में पुस्तकालय और सूचना व्यावसायिकों की व्यावसायिक क्षमताओं को विकसित करना है। इस कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को अपने प्रौद्योगिकीय दक्षता की वृद्धि के लिए गहन प्रयोगात्मक अवसर प्राप्त होंगे, जिनसे वे किसी कंप्यूटरयुक्त पुस्तकालय और सूचना केंद्र को स्वतंत्र रूप से विकसित और प्रबंधित कर सकेंगे।

कार्यक्रम के उद्देश्य:

इस कार्यक्रम का उद्देश्य :

- विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के मूलभूत तत्वों की जानकारी और कौशल प्रदान करना;
- ऑटोमेशनयुक्त पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं और पुस्तकालय ऑटोमेशन के बारे में ज्ञान और कौशल उपलब्ध कराना;
- सूचना प्रणाली के घटकों के बारे में जानकारी, ज्ञान और कौशल प्रदान करना;
- नेटवर्किंग और इंटरनेट प्रौद्योगिकी के बारे में सामान्य रूप से और पुस्तकालय तथा सूचना नेटवर्क के बारे में विशिष्ट रूप से जानकारी और कौशल से अवगत कराना;
- विभिन्न रूपों और विधियों में इंटरनेट पर उपलब्ध सूचना संसाधनों के विशिष्ट संदर्भ सहित, ज्ञान और कौशल विकसित करना;
- वेब–साधित विषयवस्तु को विकसित करने के लिए ज्ञान और कौशलों से परिचित कराना;
- सूचना से संबंधित कानूनी मुद्दों के बारे में जागरूक बनाना;
- जावा अथवा विजुअल बेसिक अथवा सी++ जैसी विशिष्ट भाषाओं पर आधारित प्रोग्रामिंग पर कौशलों की वृद्धि करना और जानकारी प्रदान करना; एवं
- पुस्तकालय ऑटोमेशन और नेटवर्किंग में किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में विशिष्टता प्राप्त करने के लिए प्रयोग आधारित परियोजना को प्रारंभ करने के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करना है।

पात्रता : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.18,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

इस कार्यक्रम में सैद्धांतिक और व्यावहारिक घटकों का विवेकपूर्ण मेल है, ताकि पुस्तकालय एवं सूचना व्यावसायिकों में प्रौद्योगिकी आधारित ज्ञान, कौशल और योग्यता विकसित की जा सके।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.एल.आई.1 एम.एल.आई.एल.1	इंट्रोडक्शन टू कंप्यूटर्स प्रैक्टिकल	4
एम.एल.आई.2 एम.एल.आई.एल.2	लाइब्रेरी ऑटोमेशन प्रैक्टिकल	4
एम.एल.आई.3 एम.एल.आई.एल.3	इंफॉर्मेशन सिस्टम प्रैक्टिकल	4
एम.एल.आई.4 एम.एल.आई.एल.4	नेटवर्किंग एंड इंटरनेट टेक्नॉलॉजी प्रैक्टिकल	4
एम.एल.आई.5 एम.एल.आई.एल.5	इंटरनेट रिसोर्सेस प्रैक्टिकल	4
एम.एल.आई.6 एम.एल.आई.एल.6	कंटेट डेवलपमेंट प्रैक्टिकल	4

एम.एल.आई.7	प्रोग्रामिंग	4
एम.एल.आई.एल.7	प्रैक्टिकल	
एम.एल.आई.पी.8	प्रोजेक्ट	4
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. अर्चना शुक्ला, archna@ignou.ac.in, फोन : 011–29572743

4.2 आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.एम.) सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

इस कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- विद्यार्थी को आपदा तैयारी, प्रशमन और पुनर्वास के संबंध में व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को खतरे का मूल्यांकन और संवेदनशीलता विश्लेषण करने योग्य बनाना।
- समुदाय के प्रति जागरूकता पैदा करना और आपदा प्रबंधन में समुदाय संगठन और सहभागिता के लिए संस्थागत क्रियाविधि को मजबूत करना।
- आपदा तैयारी के लिए संप्रेषण दक्षता विकसित करना।
- विभिन्न आपातकालीन स्थितियों में प्रभावी आपदा अनुक्रिया के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना।
- आपातकालीन चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को साधनों की जानकारी देना।
- लिंग–संवेदी आपदा प्रबंधन उपागम को शामिल करना एवं प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए सरकारी अधिकारियों, स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं, विकास व्यावसायिकों और चुने गए प्रतिनिधियों के विद्यमान कौशलों को और दक्ष बनाना और नए कौशल सम्मिलित करना।

लक्ष्य समूह: पी.जी.डी.डी.एम. निम्नलिखित लक्ष्य समूहों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है:

- सरकारी कार्यकर्ता
- गैर–सरकारी संगठनों के कार्यकर्ता और स्वयंसेवी
- सेना, अर्द्धसैनिक बल, पुलिस, होम गार्ड, नागरिक सुरक्षा कार्मिक
- भू–विज्ञानी, वैज्ञानिक, मौसम–विज्ञानी, इंजीनियर, प्रशासक और अन्य सरकारी तथा सार्वजनिक उपक्रम के अधिकारी
- ग्राम विकास कार्यकर्ता, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यकर्ता, राहत कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यावरणविद आदि

पात्रता : α किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,000/–.

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.पी.ए.1	प्राकृतिक आपदाओं को समझना	4
एम.पी.ए.2	मानव–निर्मित आपदाओं को समझना	4
एम.पी.ए.3	जोखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण	4
एम.पी.ए.4	आपदा प्रतिक्रिया	4
एम.पी.ए.5	आपदा प्रत्युत्तर	4
एम.पी.ए.6	आपदा चिकित्सा	4
एम.पी.ए.7	पुनर्वास, पुनर्निर्माण और पुनरूत्थान	4
एम.पी.ए.पी.1	परियोजना कार्य	4
	अथवा	
एम.ई.डी.4*	सहभागी प्रबंध की ओर	4
कुल क्रेडिट		**32**

*यह पाठ्यक्रम केवल अंग्रेजी में है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. उमा मैदुरी, umamedury@gmail.com, फोन : 011–29572741
डॉ. डोली मैथ्यू, dolly.mathew9@gmail.com, फोन : 011–29572728

4.3 गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.जी.पी.एस.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

उद्देश्य

- आर्थिक, राजनीतिक, स्थायी एवं पर्यावरण के मुद्दों पर गाँधी के विचारों और चिंतन के बारे में विशेष रूप से युवा लोगों को शिक्षा प्रदान करना।
- शांति और निर्माण पर कौशल का विकास करना।
- अंतःविषयक दृष्टिकोणों से शांति की विधियों को विकसित करना।
- प्रतिभागियों को शांति निर्माण और संघर्ष समाधान में प्रशिक्षित करना।
- डिप्लोमा धारकों को मीडिया, गैर-सरकारी संगठनों, शिक्षण और अनुसंधान कार्य करने के लिए सक्षम बनाना।

पात्रता : α किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.जी.पी.1	गाँधी और उनका समय	4
एम.जी.पी.2	गाँधी का दर्शन	4
एम.जी.पी.3	गाँधी की सामाजिक विचारधारा	4
एम.जी.पी.4	गाँधी की राजनीतिक विचारधारा	4
एम.जी.पी.ई.6	गाँधी की आर्थिक विचारधारा	4
एम.जी.पी.ई.7	गाँधी के बाद अहिंसा आंदोलन	4
एम.जी.पी.ई.9	21 वीं सदी में गाँधी	4
एम.जी.पी.ई.14	गाँधी, पारिस्थितिकी और स्थायी विकास	4
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. डी. गोपाल, dgopal@ignou.ac.in, फोन : 011–29572727/29534397

4.4 ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आर.डी.)
सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा ग्राम समाज के परिवर्तन को प्रभावित करने वाले सामाजिक–आर्थिक कारकों का व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। विषयवस्तु को शिक्षार्थियों को ग्राम विकास के महत्वपूर्ण आयाम के बारे में सम्पूर्ण जानकारी देने के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्राम विकास परियोजनाओं और कार्यक्रमों की योजना, प्रतिपादन, निगरानी और मूल्यांकन से संबंधित दक्षता प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अनुसंधान और परियोजना कार्य के बुनियादी पहलुओं का परिचय भी देता है। परियोजना कार्य अपने विद्यार्थियों को उन ग्राम विकास समस्याओं का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे ग्राम विकास में अनुसंधान कार्य आरम्भ करने के लिए आवश्यक दक्षता विकसित कर सकेंगे। पी.जी.डी.आर.डी. के ऐसे छात्र जो ग्राम विकास में एम.ए. (ग्राम विकास) (एम.ए.आर.डी.) करना चाहते हैं, वे डिप्लोमा के पाठ्यक्रमों के क्रेडिट अंतरण (आर.डी.डी. 5 के अतिरिक्त) प्राप्त कर सकते हैं ।

पात्रता : α स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
(क) अनिवार्य पाठ्यक्रम		
एम.आर.डी.101	ग्राम विकास : भारत के संदर्भ में	6
एम.आर.डी.102	ग्राम विकास कार्यक्रम	6
एम.आर.डी.103	ग्राम विकास : योजना और प्रबंध	6
(ख) वैकल्पिक पाठ्यक्रम (निम्नलिखित में से किसी एक को चुनें)		
एमआरडी.ई.101	ग्राम सामाजिक विकास	6
आर.डी.डी. 6	ग्राम स्वास्थ्य देखभाल	6
आर.डी.डी. 7	ग्राम विकास में संचार और विस्तार	6
(ग) परियोजना कार्य		
आर.डी.डी. 5	अनुसंधान और परियोजना कार्य	6
कुल (क+ख+ग)		30

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सौम्य कांति पालित, s.k.palit@gmail.com., फोन : 011–29572956

4.5 परामर्श एवं परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.एफ.टी.) सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

परामर्श एवं परिवार चिकित्सा के क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में व्यावसायिकों को तैयार करना है, जो वर्तमान समय में समाज और रोजगार की दृष्टि से अधिकाधिक प्रमुखता हासिल करता जा रहा है। समकालिक सामाजिक परिदृश्य के परिणामस्वरूप परामर्श एवं परिवार चिकित्सा के रूप में व्यावसायिकों की सहायता की मांग में वृद्धि हुई है और इसे पारिवारिक सुदृढ़ीकरण, सकारात्मक मातृत्व-पितृत्व का विकास जैसी सकारात्मकता का संवर्द्धन करने और नाजुक स्थितियों में वैयक्तिक लचीलेपन में वृद्धि करने के साथ-साथ वर्तमान समय में दिखाई देने वाली बढ़ती हुई सामाजिक-मनोवैज्ञानिक समस्याओं वाले गैर-अनुकूली व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य में कमी और साइकोसोमेटिक असंतुलन जैसे नकारात्मक दृष्टिकोणों को दूर करने के लिए दिन-प्रतिदिन मान्यता प्राप्त हो रही है। यद्यपि परामर्श और परिवार चिकित्सा व्यावसायिकों की नितान्त आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है, लेकिन अभी ऐसी व्यावसायिक सहायता और विशेषज्ञों की बहुत कमी है जो सकारात्मक परिवार प्रक्रियाओं में अपना योगदान दे सकें और व्यापक स्तर पर प्रत्येक परिवार के सदस्य की सहायता कर सकें। इसके परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यापक आवश्यकता महसूस की जा रही है। परामर्श और परिवार चिकित्सा के क्षेत्र में अपेक्षित ज्ञान, समझ, अभिवृत्ति और दक्षता का निर्माण कर इस अद्वितीय अध्ययन कार्यक्रम से इस क्षेत्र में व्यावसायिक संवर्ग को प्रशिक्षित करने में सहायता मिलेगी और उन्हें वेतन-रोज़गार एवं स्व–रोज़गार के लिए सक्षम बनाया जा सकेगा और इस प्रकार इस मौजूदा कमी को पूरा किया जा सकेगा।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की विशेषता यह है कि विद्यार्थी इसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर क्रेडिट ट्रांसफर के माध्यम से परामर्श और परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर उपाधि [एम.एससी. (सी.एफ.टी.)] के द्वितीय वर्ष में नामांकन करा सकता है।

पात्रता : $^{\alpha}$मानव विकास एवं परिवार अध्ययन, बाल विकास, मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन, बाल विकास एवं परिवार संबंध, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, समाज कार्य, मेडिसिन या अन्य संबद्ध विषयों में विशेषज्ञता के साथ स्नातक उपाधि। ''संबद्ध विषयों'' में मानव विज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षा, दर्शनशास्त्र, एम.बी.बी.एस. या आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध में समकक्ष योग्यता या होम्योपैथी मेडिसिन, नर्सिंग आदि (मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से) शामिल हैं।

अथवा

उपर्युक्त विषयों में से किसी एक विषय में उच्च उपाधि के साथ स्नातक उपाधि या मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मार्गदर्शन और परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के साथ स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.16,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.सी.एफ.टी.1	मानव विकास एवं पारिवारिक संबंध	4
एम.सी.एफ.टी.एल.1	मानव विकास एवं पारिवारिक संबंध – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.2	मानसिक स्वास्थ्य एवं विसंगति	4
एम.सी.एफ.टी.एल.2	मानसिक स्वास्थ्य एवं विसंगति – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.3	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : मूल संकल्पना एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	4
एम.सी.एफ.टी.एल.3	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : मूल संकल्पना एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.4	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुप्रयुक्त पहलू	4
एम.सी.एफ.टी.एल.4	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुप्रयुक्त पहलू – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.5	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुसंधान प्रविधि और सांख्यिकी	4
एम.सी.एफ.टी.एल.5	परामर्श एवं परिवार चिकित्सा : अनुसंधान प्रविधि और सांख्यिकी – पर्यवेक्षित प्रयोग	2
एम.सी.एफ.टी.एल.8	रिफ्लेक्टिव जर्नल	**2**
कुल क्रेडिट	**(सिद्धांत 20 क्रेडिट + प्रयोग 12 क्रेडिट)**	**32**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. नीरजा चड्ढा, neerja_chadha@ignou.ac.in, फोन : 011–29572959
डॉ. अमितेश्वर रात्रा, amiteshwar@ignou.ac.in

4.6 अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.टी.)+
अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एस.टी.)

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.टी.) का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद सिखाना है। हमारे देश में अनुवाद एक मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र है और भारतीय संस्कृति और समाज की विविधता को समझने में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा विद्यार्थियों में अनुवाद की दक्षता का विकास करने तथा उन्हें अनुवादक के तौर पर प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के अतिरिक्त, यह विद्यार्थियों को अनुवाद के सामाजिक–सांस्कृतिक आयामों को समझने में सक्षम बनाता है। इस कार्यक्रम में चार पाठ्यक्रम और व्यावहारिक अनुवाद से संबंधित एक परियोजना है।

पात्रता : α स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : हिन्दी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
पी.जी.डी.टी. 1	अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि	6
पी.जी.डी.टी. 2	अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष	6
पी.जी.डी.टी. 3	व्यावहारिक अनुवाद के विविध स्तर और क्षेत्र	6
पी.जी.डी.टी. 4	प्रशासनिक अनुवाद	6
पी.जी.डी.टी. 5	अनुवाद परियोजना	6
कुल क्रेडिट		**30**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. हरीश कुमार सेठी, hksethi@ignou.ac.in, फोन : 011–29571626
डॉ. ज्योति चावला, jyoti_chl@ignou.ac.in, फोन : 011–29571623

4.7 अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.बी.ओ.) प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.एम.एस.)

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ मुक्त शिक्षण प्रणाली की विश्व की सबसे बड़ी व्यावसायिक अध्ययन संस्था है। इसने अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय के क्षेत्र में एक अभिनव कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अन्तरराष्ट्रीय व्यापार संगठन के लिए आवश्यक संकल्पनात्मक, उद्यम संबंधी और विश्लेषणात्मक निपुणता प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के अनुप्रयुक्त पहलुओं को केन्द्र में रखा गया है।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

- अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के प्रचालनात्मक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान
- पाठ्यक्रम अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में शीर्ष कोटि के विद्वानों द्वारा अभिकल्पित और तैयार किए गए हैं
- सुदृढ़ विद्यार्थी सहायता सेवाएँ
- टेलीकॉन्फरेंस के माध्यम से सुप्रसिद्ध विशेषज्ञों से पारस्परिक विचार-विमर्श करने का अवसर

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय में स्नातक उपाधि अथवा इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 7,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
आई.बी.ओ.1	अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश	6
आई.बी.ओ.2	अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन	6
आई.बी.ओ.3	भारत का विदेश व्यापार	6
आई.बी.ओ.4	निर्यात–आयात प्रक्रिया और प्रलेखन	6
आई.बी.ओ.5	अंतरराष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स	6
आई.बी.ओ.6	अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय वित्त	6
कुल क्रेडिट		**36**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. अनुप्रिया पाण्डेय, **anupriya@ignou.ac.in**, फोन : 011–29573106

4.8 पर्यावरण और सतत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.एस.डी.) विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

पर्यावरण और सतत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा इग्नू के विज्ञान विद्यापीठ द्वारा दक्षिण एशिया फाउन्डेशन शिक्षा प्रयास (एस.ए.एफ.एल.आई.) और सार्क क्षेत्रों के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों अर्थात श्रीलंका मुक्त विश्वविद्यालय (ओ.यू.एस.एल.), बंगलादेश मुक्त विश्वविद्यालय (बी.ओ.यू.), अल्लामा इकबाल मुक्त विश्वविद्यालय (ए.आई.ओ.यू.) पाकिस्तान, बी.आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बी.आर.ए.ओ.यू.), हैदराबाद और बी.आर.ए.सी. विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के सहयोग से विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- सतत विकास के लक्ष्य से संबंधित कार्य में प्राप्त अनुभवों और जानकारी का आदान–प्रदान तथा सूचना का प्रसार करना।
- विशेष रूप से पर्यावरणीय प्रबंध के क्षेत्र में पर्यावरणीय क्षमता निर्माण के लिए क्षेत्रीय सहयोग को सुदृढ़ करना।
- विविध व्यवसायों से संबंधित व्यक्तियों जैसे विकास कार्यकर्ताओं, सरकारी कर्मचारियों, पत्रकारों, नीति निर्माताओं, किसानों, उद्योगपतियों, बुनियादी कार्यकर्ताओं और ऐसे पर्यावरणविदों, जो पर्यावरण की सुरक्षा करने तथा अपने देश के निवासियों के लिए बेहतर जीवन शैली सुनिश्चित करने में संलग्न हैं, उन्हें शिक्षित और प्रशिक्षित करना।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.डी.1	पर्यावरण को समझना	4
एम.ई.डी.2	सतत विकास : मुद्दे और चुनौतियाँ	4
एम.ई.डी.3	ऊर्जा और पर्यावरण	4
एम.ई.डी.4	सहभागी प्रबंध की ओर	4
एम.ई.डी.5	एकीकृत पर्यावरण प्रबंध : शहरी और ग्रामीण	4
एम.ई.डी.6	प्राकृतिक संसाधन प्रबंध : भौतिक और जीवीय	4
एम.ई.डी.7	कृषि और पर्यावरण	4
एम.ई.डी.8	भूमंडलीकरण और पर्यावरण	4
कुल क्रेडिट		**32**

विशेष निर्देश

जिस प्रवेश सत्र में आप कार्यक्रम में नामांकन कराते हैं, उसके लिए आपके नामांकन के प्रथम वर्ष में निम्नलिखित शर्तें लागू होती हैं :

जनवरी सत्र : आपको केवल एम.ई.डी.1, एम.ई.डी.2, एम.ई.डी.3 और एम.ई.डी.4 के लिए उस वर्ष के **जून** माह में आयोजित होने वाली सत्रांत परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। आप एम.ई.डी.5 से एम.ई.डी.8 तक के शेष पाठ्यक्रमों की परीक्षा में केवल उसी वर्ष **दिसम्बर** महीने में बैठ सकते हैं।

जुलाई सत्र : आपको केवल एम.ई.डी.1, एम.ई.डी.2, एम.ई.डी.3 और एम.ई.डी.4 के लिए उसी वर्ष के **दिसम्बर** माह में आयोजित होने वाली परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। आप अगले वर्ष **जून** माह में एम.ई.डी.5 से एम.ई.डी.8 के शेष पाठ्यक्रमों की परीक्षा में बैठ सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. शुभकांत महापात्रा, **subhkanta@ignou.ac.in**, फोन : 011–29571680
डॉ. काकोली गोगागई, **kakoligogoi@ignou.ac.in**, फोन : 011–29571679
pgdesd_programme@ignou.ac.in

4.9 विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.सी.) विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएसी) एक सतत शैक्षिक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य उद्योग, अनुसंधान एवं विकास तथा राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में कार्यरत रसायनज्ञों की दक्षता में वृद्धि करना है। यह उन विज्ञान स्नातकों के लिए भी उपयोगी है जो इन प्रयोगशालाओं में रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं।

उद्देश्य

कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्य हैं :

- विद्यार्थियों को आधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करना;
- आधुनिक विश्लेषणात्मक विधियों और उपकरणों का उपयोग कर समुचित सैद्धांतिक पृष्ठभूमि प्रदान करना तथा विश्लेषणात्मक सामग्री में व्यावहारिक कौशल का विकास करना; तथा
- विभिन्न विश्लेषणात्मक तकनीकों का समन्वय कर समस्या-समाधान के उपागम का विकास करना।

पात्रता : एक विषय के रूप में रसायन विज्ञान के साथ विज्ञान स्नातक (बी.फार्मा के लिए भी पात्रता है)।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.9,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.सी.एच.001	आधारिक विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान	6
एम.सी.एच.002	पृथक्करण विधियाँ	6
एम.सी.एच.003	स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियाँ	6
एम.सी.एच.004	इलेक्ट्रोएनालिटिकल और अन्य विधियाँ	6
एम.सी.एच.एल.001	आधारिक विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	2
एम.सी.एच.एल.002	पृथक्करण विधियाँ प्रयोगशाला	2
एम.सी.एच.एल.003	स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियाँ प्रयोगशाला	2
एम.सी.एच.एल.004	इलेक्ट्रोएनालिटिकल और अन्य विधियाँ प्रयोगशाला	2
कुल क्रेडिट		**32**

ukV % इग्नू आपके द्वारा चुने गए अध्ययन केंद्र में कार्यक्रम के लिए प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेगा। परंतु किसी प्रकार की कठिनाई होने पर आपको किसी अन्य अध्ययन केंद्र में प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने की सलाह दी जाती है। आपको ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. ललिता एस. कुमार, lalitaskumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572808
प्रो. जावेद. ए. फारूकी, jafarooqi@ignou.ac.in, फोन : 011–29572822

4.10 अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.एस.टी.) विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

सांख्यिकी तकनीक का संबंध आंकड़ों के अधिग्रहण, निरूपण, विश्लेषण और व्याख्या से है। सांख्यिकी एक उभरता हुआ क्षेत्र है और इस क्षेत्र में कई अन्य क्षेत्रों जैसे ग्रामीण एवं शहरी नियोजन, डाटा मॉनीटरिंग, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक और व्यापारिक समस्याओं का प्रबंधन और सामाजिक तथा कृषि विकास आदि के प्रबंधन में उसके संभावित अनुप्रयोगों के कारण इसके पेशेवरों की मांग दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडीएएसटी) को उद्योगों (जैसे सॉफ्टवेयर, फार्मास्युटिकल उद्योगों), राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, आर ऐंड डी संगठनों और शैक्षिक संस्थानों में रोजगार के इच्छुक पेशेवरों एवं स्नातकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।

इस कार्यक्रम का लक्ष्य सांख्यिकी के चयनित क्षेत्रों में ज्ञान और कम्प्यूटर आधारित अभ्यास प्रदान करना तथा औद्योगिक, सामाजिक और व्यापारिक डाटा के विश्लेषण में सांख्यिकी टूल के उपयोग से विद्यार्थी को परिचित कराना है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- सांख्यिकीय अनुप्रयोग के लिए विद्यार्थियों को अपेक्षित मूल ज्ञान प्रदान करना,
- अनुप्रयुक्त विज्ञान और उद्योगों में विद्यार्थियों को सांख्यिकी के उपयोग से परिचित कराना;
- सांख्यिकी के चुने गए क्षेत्रों में कम्प्यूटर आधारित अभ्यास प्रदान करना; और
- विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपयुक्त सांख्यिकीय अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग करने की दक्षता प्रदान करना।

पात्रता : किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 7,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा : 32 क्रेडिट के कार्यक्रम में 9 पाठ्यक्रम शामिल हैं (सात सिद्धांत के पाठ्यक्रम एवं दो प्रायोगिक पाठ्यक्रम) जिनमें 6 पाठ्यक्रम कोर (अनिवार्य) हैं और 3 पाठ्यक्रम औद्योगिक सांख्यिकीय विशेषज्ञता वाले हैं।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट	कोर (अनिवार्य)
एम.एस.टी. 1	गणित और सांख्यिकी में आधार	4	कोर
एम.एस.टी. 2	विवरणात्मक सांख्यिकी	4	कोर
एम.एस.टी. 3	प्रायिकता सिद्धांत	4	कोर
एम.एस.टी. 4	सांख्यिकीय व्यतिकरण	4	कोर
एम.एस.टी. 5	सांख्यिकीय तकनीकें	4	कोर
एम.एस.टी. एल.1	आधारिक सांख्यिकीय प्रयोगशाला	2	कोर
औद्योगिक सांख्यिकीय विशेषज्ञता पाठ्यक्रम			
एम.एस.टी. ई. 1	औद्योगिक सांख्यिकी-I	4	विशेषज्ञता पाठ्यक्रमों को एक साथ लेना है।
एम.एस.टी. ई. 2	औद्योगिक सांख्यिकी-II	4	
एम.एस.टी. एल. 2	औद्योगिक प्रयोगशाला	2	

विशेष अनुदेश :

जब आप कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में नामांकन कराते हैं, तो निम्नलिखित शर्तें लागू होगी :

जनवरी सत्र : आपको उस वर्ष केवल एमएसटी 1, एमएसटी 2, एमएसटी 3 एवं एमएसटी 4 के लिए **जून** में आयोजिक सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। एमएसटी 5 से एमएसटीएल 2 के शेष पाठ्यक्रमों के लिए उसी वर्ष **दिसंबर** में आयोजित परीक्षा में बैठ सकते हैं।

जुलाई सत्र : आपको उसी वर्ष **दिसंबर** में आयोजित सत्रांत परीक्षा में केवल एमएसटी 1, एमएसटी 2, एमएसटी 3 एवं एमएसटी 4 में परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी। एमएसटी 5 से एमएसटीएल 2 के शेष पाठ्यक्रमों में आप केवल अगले वर्ष **जून** में परीक्षा दे सकेंगे।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. मनीष त्रिवेदी, manish_trivedi@ignou.ac.in, फोन : 011–29572825

4.11 पत्रकारिता और जन संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.जे.एम.सी.) β

पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया विद्यापीठ (एस.ओ.जे.एन.एम.एस.)

पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.जे.एम.सी.) कार्यक्रम पत्रकारिता और जनसंचार में मीडिया संगठनों में प्रशिक्षित लोगों की भारी मांग की पूर्ति करने के लिए अभिकल्पित और तैयार किया गया है। यह पत्रकारिता और जनसंचार के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक पहलुओं का एक समग्र परिदृश्य प्रस्तुत करता है। यह कार्यक्रम उन लोगों की दक्षता और क्षमता को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है जो किसी औपचारिक प्रशिक्षण के बिना मीडिया संगठनों में काम कर रहे हैं।

पात्रता : α मीडिया/संचार संगठन में 2 वर्ष के अनुभव के साथ स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
जे.एम.सी. 1	पत्रकारिता और जनसंचार का परिचय	8
जे.एम.सी. 2	जनसम्पर्क माध्यम और समाज	8
जे.एम.सी. 3	रिपोर्टिंग, लेखन और सम्पादन	8
जे.एम.सी. 4	जनसम्पर्क	8
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. शिखा राय, shikharai@ignou.ac.in, फोन : 011–29572103, 29571601

4.12 ऑडियो कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.पी.पी.)
पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया विद्यापीठ (एस.ओ.जे.एन.एम.एस.)

यह कार्यक्रम सैद्धांतिक और व्यावहारिक अर्थात दोनों प्रकार के कौशल प्रदान करते हुए ऑडियो/रेडियो निर्माण में प्रशिक्षण संबंधी उभरती आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विकसित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रव्य कार्यक्रमों के नियोजन और निर्माण तथा रेडियो स्टेशन का प्रबंधन करना है।

कार्यक्रम निम्नलिखित लक्ष्य समूहों के लिए तैयार किया गया है :

- ऐसे सामान्य विद्यार्थी जो रेडियो–प्रोग्रामर, प्रस्तुतकर्ता, निर्माता और प्रबंधक के रूप में काम करने के लिए श्रव्य निर्माण में कौशल विकसित करने के इच्छुक हैं;
- प्रसार भारती और निजी निर्माण हाउसों में कार्यरत पेशेवर जो अपने कौशल उन्नयन के लिए विषय का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक हैं;
- पत्रकारिता और जनसंचार के विद्यार्थी जो श्रव्य निर्माण और रेडियो स्टेशन प्रबंधन में विषय विशेषज्ञता अर्जित करने के इच्छुक हैं;
- अध्यापक जो ज्ञान–संवर्द्धन के इच्छुक हैं; और
- रेडियो स्टेशन स्थापित करने के इच्छुक व्यक्ति/संस्थाएँ।

पात्रता : α किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.12,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.जे.एम.1	**प्रसारण और प्रोग्रामिंग का परिचय**	**6**
एम.जे.एम.2	निर्माण और प्रस्तुतिकरण	6
एम.जे.एम.3	रिकार्डिंग और संपादन	4
एम.जे.एम.एल.1	प्रायोगिक कार्य	16
कुल क्रेडिट		**32**

प्रायोगिक घटक

यह कार्यक्रम व्यावहारिक अभ्यास पर आधारित है। इस अनिवार्य घटक में कुल 12 प्रायोगिक सत्र हैं जो चौदह दिनों में पूरे किए जाने हैं और इन्हें चुनिंदा आकाशवाणी/ज्ञानवाणी रेडियो केंद्रों अथवा इग्नू मुख्यालय (नई दिल्ली) पर संचालित किया जाएगा। प्रायोगिक सत्र में प्रतिभागिता का खर्च विद्यार्थी को वहन करना होगा।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. ओ.पी. देवल, opdewal@ignou.ac.in, फोन : 011–29571603

4.13 उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.ई.)
शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

कार्यक्रम की कल्पना और विकास विश्वविद्यालय और कॉलेज के संभावित एवं/अथवा सेवारत शिक्षकों को उच्चतर शिक्षा में अध्यापन से संबंधित आवश्यक ज्ञान, जानकारी और दक्षता प्रदान करने की दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) और अनेक उच्च शिक्षा समितियों की संस्तुति के अनुसरण में किया गया है। यह कार्यक्रम निम्नलिखित के लिए बनाया गया है:

- विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्च शिक्षा के अन्य संस्थानों के शिक्षकों।
- कम से कम द्वितीय श्रेणी के साथ किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधिधारकों।
- इंजीनियरी, औषधि, कृषि विज्ञान और विधि इत्यादि क्षेत्रों में व्यावसायिक उपाधिधारकों।

पात्रता : उच्च शिक्षा संस्थाओं के शिक्षक या व्यावसायिक उपाधि सहित किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.101	उच्च शिक्षाः संदर्भ और संपर्क	6
एम.ई.एस.102	उच्च शिक्षा में अनुदेशन	6
एम.ई.एस.103	उच्च शिक्षाः सामाजिक–मनोवैज्ञानिक क्षेत्र	6
एम.ई.एस.104	उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन	6
एम.ई.एस.105	परियोजना कार्य	6
एम.ई.एस.106	विस्तारित संपर्क कार्यक्रम	4
कुल क्रेडिट		**34**

पीजीडीएचई को विभिन्न अनुशासनों के अध्यापकों के लिए एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम के समान और शिक्षा के अध्यापकों के लिए दो पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के समान मानने से संबंधित यू.जी.सी. का पत्र पृ. सं. 164–169 पर है।

कार्यक्रम संयोजकः सुश्री पूनम भूषण, **poonambhushan14@gmail.com**, फोन : 011–29572934

4.14 शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.टी.) शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

हालांकि ब्लैकबोर्ड के साथ कक्षाएं और मुद्रित पुस्तकें अभी भी काफी प्रचलित हैं लेकिन हम तेजी से एक ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ पर प्रौद्योगिकी की सहायता से शिक्षा कभी भी, कहीं भी, उपलब्ध है। शैक्षिक प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की वजह से इसमें क्रांतिकारी परिवर्तन आ रहे हैं। यहाँ तक कि कक्षाओं के अंदर भी एक परिवर्तन आ रहा है और शिक्षक अध्ययन का एक फैसिलिटेटर और प्रबंधक बनता जा रहा है क्योंकि प्रौद्योगिकी एक प्रतिनिधित्व करने वाले अध्यापक की भूमिका निभा रही है। लेकिन, प्रौद्योगिकी को अध्ययन-अध्यापन की परिधि पर रखने और कभी-कभी इसका प्रयोग करने की तुलना में अब शिक्षण और प्रशिक्षण में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर विचार किया जा रहा है। शैक्षिक परिदृश्य में आए इन परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, 21वीं सदी के शिक्षकों और प्रशिक्षकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे शिक्षण प्रणाली में प्रौद्योगिकी के एकीकरण की तकनीकों से भलीभाँति परिचित हों। इग्नू द्वारा शुरू किया गया शैक्षिक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.टी.) कार्यक्रम शिक्षकों, प्रशिक्षकों और विभिन्न माध्यमों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास कार्य में संलग्न व्यक्तियों को शैक्षिक प्रौद्योगिकी के बारे में परिचित कराता है।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उपयुक्त प्रौद्योगिकी की सहायता से शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ज्ञान और कौशल से संपन्न शिक्षकों और अन्य व्यावसायिकों का एक काडर विकसित करना है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :

कार्यक्रम विद्यार्थियों को निम्नलिखित में मदद करेगा :

- शैक्षिक प्रौद्योगिकी की प्रकृति को विकसित करना और अध्ययन-अध्यापन पर इसके प्रभाव को समझना;
- विभिन्न शैक्षणिक प्रौद्योगिकी और उनकी शैक्षिक अद्वितीयता के बारे में जागरूकता विकसित करना;
- प्रौद्योगिकी समर्थित सहयोगी व्यवहारों के सर्वोत्तम उपयोग और शैक्षिक संसाधनों के परस्पर उपयोग के लिए आवश्यक दक्षता विकसित करना;
- प्रौद्योगिकी का समुचित ढंग से चयन करना और शिक्षण प्रणाली में इसे सफलतापूर्वक एकीकृत करना;
- विभिन्न प्रकार के मीडिया के लिए पाठ्यसामग्री की अभिकल्पना एवं विधि विकसित करना।

लक्ष्य समूह

- विभिन्न स्तरों पर शिक्षण कार्य से जुड़े अध्यापक
- विभिन्न प्रकार की मीडिया के लिए शैक्षिक कार्यक्रम के निर्माता
- शैक्षिक प्रशासक
- शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभिरूचि रखने वाले अन्य व्यक्ति।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 6,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.31	ईटी: एक विहंगावलोकन	6
एम.ई.एस.32	संचार और सूचना प्रौद्योगिकी	6
एम.ई.एस.33	कंप्यूटर प्रौद्योगिकी	6
एम.ई.एस.34	पाठ्यसामग्री की अभिकल्पना	6
एम.ई.एस.35	परियोजना	6
कुल क्रेडिट		**30**

पाँचवे पाठ्यक्रम की परियोजना के लिए एक मैनुअल तैयार किया गया है जिसमें कई गतिविधियाँ हैं। विद्यार्थी को कुछ गतिविधियों का चयन करना है। प्रत्येक गतिविधि विस्तृत और चरणबद्ध निर्देशों के साथ दी गई है और प्रासंगिक संसाधनों से जुड़ी हुई है।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सुतापा बोस, sbose@ignou.ac.in, फोन : 011–29572942
प्रो. अजीत कुमार, ajitkumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572940

4.15 विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एस.एल.एम.) शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रभावपूर्ण विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन के लिए आवश्यक कौशल, क्षमताएँ एवं मूल्य विकसित करना है। यह प्रधानाध्यापकों को एक प्रभावी और अनुकूल वातावरण सृजित करने और विद्यालयों की क्षमता और कार्य निष्पादन में सुधार लाने के लिए प्रतिभाशाली और सक्षम प्रधानाचार्यों का कॉडर विकसित करने में सक्षम बनाता है। इस कार्यक्रम को कामनवेल्थ सचिवालय, लंदन के शिक्षा अनुभाग के सहयोग से विकसित किया गया है।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- प्रभावी स्कूली नेतृत्व और प्रबंधन के लिए आवश्यक अनिवार्य कौशल, क्षमताएं और मूल्य विकसित करना;
- प्रधान अध्यापकों/प्रधानाचार्यों को प्रभावी और अनुकूल परिवेश सृजित करने में समर्थ बनाना;
- विद्यालय के समस्त कार्य निष्पादन को सुधारना; और
- प्रधान अध्यापकों/प्रधानाचार्यों के प्रशिक्षित और सक्षम कॉडर को विकसित करना।

पात्रता : i) $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि सहित भावी एवं सेवारत मुख्य अध्यापक/प्रिंसिपल

अथवा

ii) $^{\alpha}$स्नातक/स्नातकोत्तर अध्यापक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिन्दी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 2 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.4	स्कूल लीडर के रूप में प्रधानाचार्य	6
एम.ई.एस.5	मानव संसाधन विकास	6
एम.ई.एस.6	अध्ययन-अध्यापन का प्रबंधन	6
एम.ई.एस.7	स्कूल गवर्नेंस और वित्तीय प्रबंधन	6
एम.ई.एस.8	बेहतर विद्यालय के लिए नेतृत्व	6
कुल क्रेडिट		**30**

विस्तारित संपर्क कार्यक्रम (ई.सी.पी.)

विस्तारित संपर्क कार्यक्रम पीजीडीएसएलएम का एक गैर-क्रेडिट किंतु अनिवार्य घटक है। यह पीजीडीएसएलएम के सैद्धांतिक घटकों पर आधारित है। इसका लक्ष्य प्रभावी विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन के लिए आवश्यक कौशल और क्षमताएँ विकसित करना है। इसमें व्याख्यान, परिचर्चा, विचार-विमर्श, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियाँ शामिल हैं।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. ईशा कन्नडी, **ekannadi@ignou.ac.in**, फोन : 011–29572938
डॉ. एलिजाबेथ कुरूविल्ला, **elizakuruvilla@ignou.ac.in**, फोन : 011–29572933

4.16 शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.एम.ए.) शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

इस कार्यक्रम का निर्माण विभिन्न शैक्षिक पद्धतियों और संगठनों में प्रशासनिक और प्रबंधकीय पदों पर कार्यरत श्रमशक्ति को प्रशिक्षित करने की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए किया गया है। इस कार्यक्रम में मौजूदा और उभरते हुए शैक्षिक परिदृश्य में शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं के बारे में विस्तृत दृष्टिकोण प्रदान किया गया है।

उद्देश्य:

- प्रबंध की बुनियादी अवधारणाओं की समझ विकसित करना और शैक्षिक परिवेश में उन्हें लागू करना।
- शैक्षिक, प्रबंधक और प्रमुख के रूप में व्यक्तिगत प्रदर्शन में सुधार करना।
- शैक्षिक संगठनों की प्रभावशीलता और क्षमता बढ़ाना।
- प्रभावी प्रबंधन के लिए अंतःवैयक्तिक संबंध, नेतृत्व और दल निर्माण, कार्यनीति योजना और नीति निर्माण हेतु कौशल का उन्नयन करना।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.41	शैक्षिक प्रबंधन की वृद्धि और विकास	6
एम.ई.एस.42	शैक्षिक प्रबंधन के आयाम	6
एम.ई.एस.43	संगठनात्मक व्यवहार	6
एम.ई.एस.44	संस्थागत प्रबंधन	6
एम.ई.एस.पी.49	परियोजना कार्य	6
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (निम्नलिखित में से कोई एक चुनिए)		
एम.ई.एस.45	स्कूली शिक्षा	4
एम.ई.एस.46	उच्च शिक्षा	4
एम.ई.एस.47	दूर और मुक्त शिक्षा	4
एम.ई.एस.48	वैकल्पिक शिक्षा	4
कुल क्रेडिट		**34**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. भारती डोगरा, **bhartidogra@ignou.ac.in**, फोन : 011–29572993
डॉ. वंदना सिंह **vandana@ignou.ac.in**, फोन : 011–29572932

4.17 पूर्व.प्राथमिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.पी.ई.डी.) शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

पूर्व-प्राथमिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.पी.ई.डी.) पूर्व-प्राथमिक स्तर के लिए अध्यापक तैयार करने वाला एक विशेषीकृत कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम को पूर्व-प्राथमिक शिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षित जन-शक्ति की भारी मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इसे विद्यमान और उभरते हुए शैक्षिक परिदृश्य में शालापूर्व शिक्षा के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों पर व्यापक दृष्टिकोण उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है।

उद्देश्य :

- शालापूर्व अध्यापकों के अनुभवों को व्यवस्थित करना और व्यावसायिक सक्षमताओं को सुदृढ़ करना;
- अध्यापकों को शालापूर्व बच्चों के लिए सार्थक अध्यापन अनुभव प्रदान करने योग्य बनाना;
- अध्यापन अनुभव चुनने और आयोजित करने के लिए अपेक्षित कौशल विकसित करना;
- शालापूर्व बच्चों की विकास संबंधी जरूरतों को समझना; और
- शालापूर्व प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के बारे में ज्ञान प्रदान करना एवं समझ विकसित करना।

पात्रता : α किसी भी विषय में स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 9,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.एस.81	इंट्रोडक्शन टू प्री-स्कूल एजुकेशन	4
एम.ई.एस.82	ह्यूमन डेवलपमेंट डयूरिंग अर्ली चाइल्डहुड	4
एम.ई.एस.83	प्रिंसिपल्स ऑफ चाइल्डहुड एजुकेशन	4
एम.ई.एस.84	प्रैक्टिसिस इन मॉडर्न प्री-स्कूल एजुकेशन	4
एम.ई.एस.पी.85	प्रोजेक्ट	16
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सुतापा बोस, sbose@ignou.ac.in, फोन : 011–29572942
डॉ. वंदना सिंह vandana@ignou.ac.in, फोन : 011–29572932

4.18 प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.ई.) शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

यह कार्यक्रम इग्नू, यूनेस्को और जेएनयू के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है। इसका उद्देश्य सहभागी प्रौढ़ शिक्षा, प्रलेखीकरण, सूचना का प्रसार और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्किंग पर जोर देते हुए प्रौढ़ शिक्षा में क्षमता निर्माण और व्यावसायिक विकास करना है।

उद्देश्य :

क) प्रौढ़ शिक्षा के कार्यकर्त्ताओं के साथ-साथ प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में अभिरुचि रखने वाले गैर-सेवारत व्यक्तियों में व्यावसायिक दक्षता और क्षमता को बढ़ावा देना।

ख) प्रौढ़ शिक्षा के विभिन्न सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं के बारे में उनके ज्ञान और समझ का विकास करना।

ग) प्रौढ़ शिक्षा नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में उनकी समझ का संवर्द्धन करना।

घ) प्रौढ़ शिक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं और प्रक्रियाओं के बारे में ज्ञान और सूचना का प्रलेखीकरण, प्रबंधन और प्रचार-प्रसार करने में उन्हें सक्षम बनाना।

च) प्रौढ़ शिक्षा संस्थान में आयोजन और प्रबंध करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों के साथ-साथ उनके ज्ञान, समझ और कौशल को बढ़ाना।

छ) प्रौढ़ शिक्षा में सहभागी नियोजन और विकास तथा पाठ्यचर्या के आदान-प्रदान एवं सहभागी प्रशिक्षण, मूल्यांकन और अनुसंधान में समुदाय को शामिल कर उन्हें कौशलों से परिचित कराना।

ज) उनके व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक विकास के लिए नेटवर्किंग की समझ और कौशल को बढ़ाना।

झ) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर उभरती सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक स्थिति के संदर्भ में प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका का निर्णायक ढंग से विश्लेषण, संवर्द्धन और विकास की योग्यता विकसित करना।

कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र (पीएससी)

इग्नू के सभी कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र जहाँ पर एम.ए. (शिक्षा) कार्यक्रम उपलब्ध हैं, इस कार्यक्रम के लिए भी अनंतिम रूप से कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र के रूप में उपलब्ध हैं।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 7,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

इस कार्यक्रम में 34 क्रेडिट हैं (एक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के बराबर है)। इस कार्यक्रम में 5 पाठ्यक्रम है, जिनमें से 4 सिद्धांत पाठ्यक्रम और एक व्यावहारिक पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम कोड, शीर्षक, स्वरूप और क्रेडिट नीचे दिए गए है :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सिद्धांत पाठ्यक्रम		
एम.ए.ई.1	प्रौढ़ शिक्षा को समझना	6
एम.ए.ई.2	भारत में प्रौढ़ शिक्षा की नीति योजना और कार्यान्वयन	6
एम.ए.ई.3	ज्ञान प्रबंधन, सूचना-प्रसार और प्रौढ़ शिक्षा में नेटवर्किंग	6
एम.ई.एस.16	शैक्षिक अनुसंधान	6
व्यावहारिक पाठ्यक्रम		
एम.ए.ई.एल.1	व्यावहारिक कार्य घटक	10
कुल क्रेडिट		**34**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. एम.वी.लक्ष्मी रेड्डी, lakshmireddymv@gmail.com, mvlreddy@ignou.ac.in,
फोन : 011–29572935/मो. –9868956537
डॉ. निराधार डे, niradhar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572994 मो. : 9968391145

4.19 औषधि विक्रय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.एस.एम.)
व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.वी.ई.टी.)

इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विज्ञान और गैर-विज्ञान स्नातकों के लिए आजीविका के अवसरों में सुधार करना है। यह कार्यक्रम दवा उद्योग में कार्य करने के इच्छुक विद्यार्थियों के साथ-साथ पहले से ही इस व्यवसाय में कार्य कर रहे व्यक्तियों को अपना ज्ञान और दक्षता बढ़ाने में मदद करेगा। विज्ञान स्नातक के साथ गैर-विज्ञान स्नातक इस कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

पात्रता : $^{\alpha}$10+2 में विज्ञान सहित किसी भी विषय में स्नातक उपाधि। **अथवा**

$^{\alpha}$10+2 में विज्ञान के बिना किसी भी विषय में स्नातक उपाधि के साथ फार्मा उद्योग में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में 2 वर्ष का कार्य-अनुभव।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 8,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.वी.ई.1	एनाटोमी, फिजिओलॉजी और फार्मास्युटिकल रसायनविज्ञान का परिचय	6
एम.वी.ई.2	फार्माकोलॉजी और टॉक्सीकोलॉजी	6
एम.वी.ई.3	फार्मास्यूटिक्स	4
एम.वी.ई.4	औषध नियामक मामले	4
एम.वी.ई.5	प्रबंधन का परिचय	6
एम.वी.ई.6	बिक्री प्रबंधन	6
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. जावेद ए. फारूकी, jafarooqi@ignou.ac.in, फोन : 011–29572822
डॉ. रचना अग्रवाल, rachna_agarwal@ignou.ac.in, फोन : 011–29571647/29571650

4.20 सूचना सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.एस.)

व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.वी.ई.टी.)

सूचना सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.एस.) (प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद सूचना सुरक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.आई.एस.) के साथ छोड़ने के विकल्प के साथ) कार्यक्रम को सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के प्रबंधन और उनके उपयोग के लिए उत्तरदायी सूचना सुरक्षा के अपेक्षाकृत गहन पहलुओं के बारे में विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी समर्थ सेवाओं और इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं के रूप में लोगों की विभिन्न श्रेणियों द्वारा अपेक्षित क्षमताओं में अंतराल को भरने के लिए विकसित किया गया है। यह एक स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का कार्यक्रम है और प्रथम सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा करने और कुल 32 क्रेडिट अर्जित करने के बाद विद्यार्थियों के पास इस कार्यक्रम को बीच में छोड़ने का भी विकल्प है। इस स्थिति में विद्यार्थियों को ''सूचना सुरक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र'' (पी.जी.सी.आई.एस.) दिया जाएगा। इस कार्यक्रम को कम से कम एक और अधिकतम तीन वर्षों में पूरा किया जा सकता है।

कार्यक्रम के उद्देश्य हैं :

- सूचना सुरक्षा और संरक्षण के बारे में जागरूकता का प्रसार करना;
- व्यक्तिगत आँकड़ों का संरक्षण और सुरक्षा तथा कंपनियों में आँकड़ा-उन्मुख आधारभूत संरचना निर्मित करना;
- सूचना सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए व्यक्तियों और विद्यार्थियों में उच्च व्यावसायिक नैतिकता बढ़ाना;
- हमारी सूचना को संरक्षण और सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीकों का प्रयोग और अध्ययन करना।

पात्रता

1. $^{\alpha}$बी.एससी. (कंप्यूटर सांइस)/बी.सी.ए./बी.टेक (कंप्यूटर सांइस)/बी.टेक(आई.टी.) या इसके समकक्ष। **अथवा**
2. $^{\alpha}$किसी विषय में स्नातक उपाधि या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से समकक्ष योग्यता के साथ इग्नू से सीआईटी/सीआईसी/ए.सी.आई.एस.ई. अथवा किसी सरकारी मान्यताप्राप्त संस्थान से कंप्यूटर सांइस/कंप्यूटर अनुप्रयोग में 6 महीने की अवधि का प्रमाणपत्र अथवा स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि के पाठ्यचर्या के भाग के रूप में कंप्यूटर पाठ्यक्रम का अध्ययन किया हो। **अथवा**
3. $^{\alpha}$किसी विषय में स्नातक उपाधि या मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से समकक्ष योग्यता के साथ कंप्यूटर अनुप्रयोग/आईटी में 1 वर्ष का अनुभव।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.21,600/–; रु.10,800/– प्रति सेमेस्टर।

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट
सेमेस्टर–I		
एम.एस.ई.आई. 21 एम.एस.ई.आई. 21 (पी)	इंट्रोडक्शन टू इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी	4
एम.एस.ई.आई. 22 एम.एस.ई.आई. 22 (पी)	नेटवर्क सिक्योरिटी	4
एम.एस.ई.आई. 23 एम.एस.ई.आई. 23	साइबर सिक्योरिटी	4
एम.एस.ई. 24	पॉलिसी, स्टैंडर्ड्स ऐंड लॉज़	4
सेमेस्टर– II		
एम.एस.ई.आई. 25 एम.एस.ई.आई. 25 (पी)	एप्लीकेशनस, एंड बिजनेस सिक्योरिटी डेवलपमेंट्स	4

एम.एस.ई.आई. 26 एम.एस.ई.आई. 26 (पी)	बी.सी.पी., डी.आर. प्लानिंग एंड ऑडिट	4
एम.एस.ई.आई. 27 एम.एस.ई.आई. 27 (पी)	डिजीटल फॉरेंसिक	4
एम.एस.ई.पी. 28	परियोजना	4
	कुल क्रेडिट	**32**

कार्यक्रम संयोजक : सुश्री उर्शला कांत, urshlakant@ignou.ac.in, फोन : 011–29571648

4.21 बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.पी.आर.) विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम को विधि विद्यापीठ द्वारा संशोधित किया गया है और इसे जुलाई, 2013 में आरंभ किया गया।

कार्यक्रम के उद्देश्य हैं :

- विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों की बुनियादी संकल्पनाओं से परिचित कराना;
- विद्यार्थियों में बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञता विकसित करना; और
- विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों में उभरते मुद्दों और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के संरक्षण के तर्काधार से परिचित कराना।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.आई.पी.101	बौद्धिक संपदा अधिकारों का सामान्य परिचय	4
एम.आई.पी.102	पेटेंट्स	4
एम.आई.पी.103	एकीकृत सर्किट और उपयोगिता मॉडल के औद्योगिक डिजाइन एवं लेआउट डिजाइन	4
एम.आई.पी.104	ट्रेड मार्क्स, डोमेन (क्षेत्रों) के नाम, भौगोलिक सूचक	4
एम.आई.पी.105	कॉपीराइट एवं संबंधित अधिकार	4
एम.आई.पी.106	पादप विविधता संरक्षण, जैव प्रौद्योगिकी एवं पारंपरिक ज्ञान	4
एम.आई.पी.107	ट्रेड रहस्य, प्रतियोगिता, कानून एवं टीसीई का संरक्षण	4
एम.आई.पी.108	बौद्धिक संपदा अधिकारों का प्रबंधन	4
	कुल क्रेडिट	**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सुनीत कश्यप श्रीवास्तव, suneetkashyap@ignou.ac.in, फोन : 011–29572990

4.22 आपराधिक न्याय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.जे.) विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य हैं :

- आपराधिक न्याय में उभरते विकासों के साथ चलना।
- आपराधिक न्याय के क्षेत्र में जानकार नागरिक और पेशेवर तैयार करना।
- आपराधिक न्याय प्रणाली के क्षेत्र में पहले से काम कर रहे पेशेवरों की क्षमता में वृद्धि करना।

पात्रता : $^{\alpha}$कोई स्नातक, अपराध शास्त्र, समाज कार्य में स्नातक और आपराधिक न्याय प्रशासन के कार्यकर्ता।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.एल.ई.11	आपराधिक न्याय प्रणाली	4
एम.एल.ई.12	भारतीय दंड संहिता	4
एम.एल.ई.13	आपराधिक न्याय प्रक्रिया	4
एम.एल.ई.14	आपराधिक न्याय प्रशासन	4
एम.एल.ई.15	आपराधिक न्याय प्रणाली की चुनौतियां	4
एम.एल.ई.16	आपराधिक न्याय शोध और वकालत	4
एम.एल.ई.पी.17	परियोजना	8
कुल क्रेडिट		**32**

रोजगार के अवसर :
- सरकारी संगठनों, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय गै.स.सं. में आपराधिक न्याय प्रशासन से संबंधित कार्य।
- महिलाओं, बच्चों और अन्य संवेदनशील समूहों आदि से संबंधित आपराधिक न्याय में वकील विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. मानसी शर्मा, mansisharma@ignou.ac.in, फोन : 011–29572992

4.23 शहरी नियोजन एवं विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.यू.पी.डी.एल.) विस्तार एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.ई.डी.एस.)

भारत विश्व में दूसरी सबसे बड़ी शहरी व्यवस्था है जिसकी 30 प्रतिशत से अधिक शहरी जनसंख्या है। यह अपेक्षा की जाती है कि वर्ष 2025 तक भारत की आधी जनसंख्या शहरी हो जाएगी। शहरीकरण ने अनेक समस्याएँ उत्पन्न की हैं जैसे परिवहन, गरीबी, बेरोजगारी, अनधिकृत आवास कालोनियाँ, मलीन बस्तियाँ और घनी बस्तियाँ। शहरी समस्याओं को स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर शैक्षिक पाठ्यचर्या में शहरी विकास के मुद्दों पर कम बल दिए जाने के कारण उचित ढंग से नहीं समझा गया है। अतः पी.जी.डी.यू.पी.डी.एल. कार्यक्रम शहरी विकास कार्यक्रमों में लगे लोगों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ उन स्नातकों के लिए भी उपयोगी होगा जो शहरी विकास को एक रोजगार के रूप में अपनाना चाहते हैं। स्नातकोत्तर डिप्लोमा धारक शहरी नियोजन और विकास से संबंधित विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों में कार्य करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे। यह कार्यक्रम सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, निजी और कार्पोरेट क्षेत्रों तथा विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों की देखरेख कर रहे लोगों जैसे निगम परिषदों, निगमों, नगर निगम तथा नगर पंचायतों के कर्मियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों; वास्तुविदों (architects), शहर एवं नगर योजनाकारों (वास्तुकला, नियोजन और संबंधित विषय में स्नातक और स्नातकोत्तर; सिविल इंजीनियर, कार्पोरेट रियल एस्टेट प्रोफेशनल; विभिन्न शहरी विकास क्षेत्रों में कार्यरत स्वायत्त संस्थाओं/गैर-सरकारी संगठनों, निजी अथवा कार्पोरेट क्षेत्रों के कर्मचारियों; विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों में शहरी विकास से संबंधित कार्यक्रम अधिकारियों, परियोजना अधिकारियों, अनुसंधान अन्वेषकों तथा अनुसंधान सहायकों की दक्षता और प्रभावकारिता को सुदृढ़ करेगा। इसके अतिरिक्त यह कार्यक्रम उन नए स्नातकों के लिए भी उपयोगी होगा जो शहरी विकास में रोजगार अपनाने के इच्छुक हैं।

उद्देश्य:

- शहरी विकास का गहन ज्ञान और जानकारी प्राप्त करने के लिए विधार्थियों को अवसर प्रदान करना;
- शहरी नियोजन और विकास के लिए विभिन्न सैद्धांतिक और प्रायोगिक पहलुओं पर कार्य कर रहे शहरी विकास व्यवसायविदों की क्षमताओं का विस्तार करना; और
- शहरी विकास कार्यक्रमों के निर्माण, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में व्यावसायिक ज्ञान और जानकारी को विकसित करना।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 5,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ई.डी.एस. 41	शहरी विकास का परिचय	6
एम.ई.डी.एस. 42	शहरी नियोजन और विकास में मुद्दे और चुनौतियाँ	6
एम.ई.डी.एस. 43	शहरी नियोजन और विकास की गतिशीलता	6
एम.ई.डी.एस. 44	परियोजनाओं और कार्यक्रमों की निगरानी एवं मूल्यांकन	6
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई एक चुनिए)		
एम.ई.डी.एस.पी.45	परियोजना कार्य	8
एम.ई.डी.एस.ई.46	विकास : मुद्दे एवं परिप्रेक्ष्य	8
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. नेहल ए. फारूकी, **nafarooquee@ignou.ac.in**, फोनः 011–29571644
प्रो. बी.के. पटनायक, **bkpattanaik@ignou.ac.in**, फोन : 011–29571662
डॉ. पी.वी.के. शशिधर, **pvksasidhar@ignou.ac.in**, फोन : 011–29571665

4.24 लोकतत्व और संस्कृति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एफ.सी.एस.) अंतरविद्याश्रयी एवं पराविद्याश्रयी विद्यापीठ (एस.ओ.आई.टी.एस.)

लोकतत्व और संस्कृति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम सामान्य रूप से विश्व और विशेष रूप से भारत के लोकतत्व और संस्कृति, समय, भूगोल, स्थान और साहित्य पर केन्द्रित है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य साहित्य, इतिहास, समाजशास्त्र मानव विज्ञान, लोकतत्व आदि अध्ययन विषयों और संस्कृति अध्ययन जैसे उभरते विषयों से ली गई विभिन्न रूपरेखाओं के माध्यम से लोक संस्कृति और संदर्भ के बीच संबंध का पता लगाना है। यह कार्यक्रम ज्ञान के प्रतिमानों के अंतःविषयक दृष्टिकोण का परिणाम है। इस कार्यक्रम में मौखिक साहित्य, सामग्री, संस्कृति, सामाजिक रिवाज, प्रदर्शन कला के सिद्धांतों और विधियों का अब तक के लोकतत्वों जैसे ऐतिहासिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक-पुनःनिर्माणात्मक, कार्यात्मक, वैचारिक, मनो-विश्लेषणात्मक, सर्व-सांस्कृतिक, संरचनात्मक और प्रासंगिक जो सभी एक अंतःविषयक दृष्टिकोण की मांग करते हैं उनके बीच संबंध का पता लगाना है। इस कार्यक्रम की सामाजिक प्रासंगिकता को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है :

- भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में यह महत्वपूर्ण है कि यहाँ के नीति नियोजक सीमांत समुदायों पर विकास प्रक्रियाओं के प्रभाव के प्रति संवेदनशील है। यह कार्यक्रम इसमें योगदान कर सकता है, क्योंकि इसके दो प्रमुख सरोकार हैं: पहला, सीमांत समाज की विशिष्टता में उनका अध्ययन और दूसरा, अत्यधिक जटिल समाजों के साथ संपर्क का जनजाति के रूप में सीमांत समुदायों पर प्रभाव।
- यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के उस वर्ग का पता लगाने का प्रयास करता है, जिन तक औपचारिक शिक्षा नहीं पहुंची है। मुख्य रूप से, वे विद्यार्थी जो एन.जी.ओ. सर्कल को अपनाना चाहते हैं अथवा जो एथनोग्राफी, प्रवासन अध्ययन, सीमांत अध्ययन, आदि जैसी अंतरविषयक शाखाओं में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं।
- संस्कृति और अपने समग्र रूपों में संस्कृति और लोक साहित्य को बढ़ावा देना और सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ का मूल्यांकन करना इसका उद्देश्य है जिसमें संस्कृति स्वयं का विकास करती है। इसका लक्ष्य सीमांत अध्ययन, जनजातीय और लोक साहित्य, भाषा लोप और संरक्षण आदि जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं द्वारा राजनीतिक आलोचना का अध्ययन करना है।
- परंपरा के साथ-साथ आधुनिक समाज का नैतिक मूल्यांकन करना भी इसका एक दायित्व है।
- इस कार्यक्रम में कुछ महत्वपूर्ण संकायों को महत्वपूर्ण सिद्धांत, सांस्कृतिक आलोचक, सांस्कृतिक भूगोल, सांस्कृतिक इतिहास, संस्कृति सिद्धांत, नृवंशविज्ञान, महिलावादी, जेंडर अध्ययन, संग्रहालय अध्ययन, अभिविन्यासवाद, लोकप्रिय संस्कृति अध्ययन, उत्तर-संरचनावाद, सामाजिक संरचनावाद, भाषा अध्ययन, इतिहास और मानव विज्ञान आदि के रूप में श्रेणीबद्ध किया जा सकता है।

लक्ष्य समूह :

इसके लक्ष्य समूह में पर्यटन, पुरातात्विक विकास अथवा संग्रहालय प्रबंधन के इच्छुक स्नातक, जनजातीय अधिकारों के लिए काम कर रहे एन.जी.ओ., लोकतत्व और संस्कृति अध्ययन के कार्यक्रम प्रदान करने वाले शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं।

पात्रता : $^{\alpha}$कोई भी स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,700/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.एफ.सी.1	लोकतत्व और संस्कृति संकल्पनात्मक परिप्रेक्ष्य	6
एम.एफ.सी.2	परंपरा, पहचान और सांस्कृतिक उत्पादन	6
एम.एफ.सी.3	सांस्कृतिक और सामाजिक परिवर्तन	6
एम.एफ.सी.4	भारत की जनजातियाँ : पहचान, संस्कृति और लोकतत्व	6
एम.एफ.सी.आई.15	परियोजना मैनुअल	6
कुल क्रेडिट		**30**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. नन्दिनी साहू, nandinisahu@ignou.ac.in फोन : 011–29572780

4.25 अस्पताल और स्वास्थ्य प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.एच.एम.) स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

यह कार्यक्रम अस्पताल अथवा स्वास्थ केंद्रों में मध्य स्तर के प्रशासकों अथवा स्वास्थ्य सुरक्षा विभागों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह विस्तृत कार्यक्रम उन सेवारत स्नातकों के लिए व्यावसायिक अर्हताएँ और प्रबंधकीय कार्यों की पूरी जानकारी प्रदान करता है, जो अस्पताल और स्वास्थ्य प्रशासन को अपने कैरियर के रूप में अपनाना चाहते हैं। यह उनके लिए तत्काल उपयोगी होगा जो इस समय वरिष्ठ स्तर पर अस्पताल प्रशासन में कार्य कर रहे हैं।

चयन प्रक्रिया

पात्रता की अपेक्षाओं को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू द्वारा निर्धारित मानदंड के आधार पर चुना जाएगा। अस्पताल का अनुभव, सेवा के वर्षों और शैक्षिक अर्हताओं को ध्यान में रखकर चयन के मानदंड तैयार किए जाएँगे। क्षेत्रीय केन्द्रों/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पी.एस.सी.) आधार पर चयन किया जाएगा। प्रत्येक पी.एस.सी. में कम से कम 40 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इस समय इस कार्यक्रम के अध्ययन केन्द्र, अहमदाबाद, औरंगाबाद, बेंगलुरू, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, दिल्ली, गुवाहाटी,, हैदराबाद, जयपुर, जबलपुर, कोलकाता, लखनऊ, नागपुर, पटना, पुणे और श्रीनगर में हैं।

कार्यक्रम की रूपरेखा

पी.जी.डी.एच.एच.एम. मल्टी–मीडिया कार्यक्रम है, जिसमें सामान्य प्रबन्ध, मानव संसाधन प्रबंध, वित्त, लॉजिस्टिक और अस्पताल में उपकरण शामिल हैं। इसमें अस्पताल का संगठन और प्रबंध तथा नियोजन, अस्पताल में प्रदत्त सभी प्रकार की सेवाओं का प्रबंध भी शामिल है। इसके अलावा, इसमें एपिडेमिओलोजी और बायोस्टेटिस्टिक्स सहित स्वास्थ्य पद्धति प्रबंध भी शामिल हैं। प्रत्येक कार्यक्रम को अपने आप में पृथक माना गया है, यद्यपि जब अस्पताल तंत्र के मुद्दों के रूप में व्यापक रूप से विचार किया जाता है तब वे अंतःसंबद्ध माने जाते हैं।

पात्रता :

क) मेडिकल/डेंटल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया या मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एम.सी.आई.) या डेंटल काउंसिल द्वारा मान्यताप्राप्त अन्य देशों से मेडिकल या डेंटल स्नातक।

ख) α संबंधित परिषदों द्वारा मान्यताप्राप्त भारतीय चिकित्सा पद्धति (आई.एस.एम.) और होम्योपैथी, नर्सिंग और फार्मेसी में स्नातक और अस्पताल में तीन वर्ष का अनुभव।

ग) पाँच वर्ष का अस्पताल अनुभव सहित वित्त, सामग्री या कार्मिक प्रबंध में पी.जी. डिप्लोमा या एम.बी.ए. उपाधिधारी अभ्यर्थी ।

उन अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी जो अस्पताल/स्वास्थ्य सुरक्षा संस्था में कार्य कर रहे हों और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वाह कर रहे हों।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 25,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धांत	प्रयोग	कुल
पी.जी.डी.एच.एच.एम.1	प्रबंध का परिचय–I	3	2	5
पी.जी.डी.एच.एच.एम.2	प्रबंध का परिचय–II	3	2	5
पी.जी.डी.एच.एच.एम.3	अस्पताल का संगठन और प्रबंधन	3	2	5
पी.जी.डी.एच.एच.एम.4	चिकित्सकीय, नैदानिकी और थेराप्यूटिक सेवाएं	3	2	5
पी.जी.डी.एच.एच.एम.5	सहायता और उपयोगिता सेवाएँ	3	2	5
पी.जी.डी.एच.एच.एम.6	स्वास्थ्य पद्धति प्रबंधन	3	2	5
	परियोजना कार्य		2	2
कुल क्रेडिट		**18**	**14**	**32**

इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑफ लाइन माध्यम से है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट से विवरणिका को डाउनलोड करें, आवेदन पत्र प्रिंट करें और प्रासंगिक दस्तावेजों तथा रु. 400/– पंजीकरण शुल्क (इग्नू के पक्ष में क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट) के साथ भरा हुआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय केंद्र में जमा करायें। चयन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। केवल चुने गए उम्मीदवारों को ही निर्धारित तारीख तक शुल्क जमा कराना होगा, जिसके लिए उन्हें क्षेत्रीय केंद्र से सूचना भेजी जाएगी।

पीजीडीएचएचएम के आवेदकों को मुख्य आवेदन पत्र के साथ Qke&x भरना भी अपेक्षित है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. एस.बी. अरोड़ा, sbarora@ignou.ac.in फोन : 011–29572811

4.26 जेरियाट्रिक मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.जी.एम.) स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

यह कार्यक्रम सरकारी सेवा और प्राइवेट क्षेत्र में कार्यरत एम.बी.बी.एस. डाक्टरों को ऐसा अवसर प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है जिससे वे बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए जरा संबंधी औषधि के क्षेत्र में अपना ज्ञान अद्यतन कर सकें तथा अपनी योग्यता बढ़ा सकें।

उद्देश्य:

इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी :

- बुजुर्गों को व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए अपना ज्ञान और योग्यता बढ़ा सकेंगे।
- वृद्धावस्था संबंधी समस्याओं के निदान और नियंत्रण के लिए अंतरविषयक दृष्टिकोण अपना सकेंगे; और
- मेडिकल कालेजों में व्यावहारिक प्रशिक्षण लेकर अपने नैदानिक, सामाजिक और संचार कौशलों को सुधार सकेंगे।

पात्रता : एम.बी.बी.एस.

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 25,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

50 प्रतिशत से अधिक क्रेडिट घंटे व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए हैं। कार्यक्रम में दो सैद्धांतिक पाठ्यक्रम (एम.एम.ई. 4 और एम.एम.ई. 5) और दो प्रायोगिक पाठ्यक्रम (एम.एम.ई.एल. 4 और एम.एम.ई.एल. 5) हैं।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.एम.ई. 4	बेसिक जेरियाट्रिक्स	6
एम.एम.ई. 5	क्लिनिकल जेरियाट्रिक्स	8
एम.एम.ई.एल. 4	बेसिक जेरियाट्रिक्स प्रैक्टिकल	6
एम.एम.ई.एल. 5	क्लिनिकल जेरियाट्रिक्स प्रैक्टिकल	12
कुल क्रेडिट		**32**

चयन मानदंड

प्रत्येक कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र में राज्य तथा केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित पांच उम्मीदवारों के लिए स्थान आरक्षित रखे जाते हैं। चयन पूर्णतः योग्यता के आधार पर होगा। उम्मीदवारों के कुल अंकों के आधार पर प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र के लिए एक अलग योग्यता सूची तैयार की जाएगी साथ ही केन्द्र सरकार के नियमों के अनुसार एक अलग योग्यता सूची तैयार की जाएगी। विद्यार्थियों के अंकों की गणना दो मानदंडों पर होगी :

- एम.बी.बी.एस. परीक्षा में प्राप्त अंकों का कुल प्रतिशत
- अनुभव के कुल वर्ष (इन्टर्नशिप की समाप्ति की तारीख से सत्र प्रारंभ होने तक की तारीख की कुल अवधि)

कार्यक्रम कार्यान्वयन

कार्यक्रम के लिए नामांकित विद्यार्थियों को निर्धारित कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र से सम्बद्ध किया जाएगा, जो मेडिकल कालेज या तृतीयक चिकित्सा देखभाल केन्द्र (कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र) हैं। इसके अथवा, उन्हें निर्धारित जिला अस्पतालों (दक्षता विकास केन्द्रों) में 70 घंटों का दक्षता प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। पी.एस.सी. में सम्पर्क सत्र के 30 दिनों के चार दौर होंगे। एक बार आवंटित कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र बदला नहीं जाएगा, सिवाए इसके कि रिक्त स्थान हो और विद्यार्थी ने कोई प्रायोगिक प्रशिक्षण नहीं लिया हो।

इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑफ लाइन माध्यम से है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट से विवरणिका को डाउनलोड करें, आवेदन पत्र प्रिंट करें और प्रासंगिक दस्तावेजों तथा रु. 400/– पंजीकरण शुल्क (इग्नू के पक्ष में क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट) के साथ भरा हुआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय केंद्र में जमा करायें। चयन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। केवल चुने गए उम्मीदवारों को ही निर्धारित तारीख तक शुल्क जमा कराना होगा, जिसके लिए उन्हें क्षेत्रीय केंद्र से सूचना भेजी जाएगी।

पीजीडीजीएम के आवेदकों को मुख्य आवेदन पत्र के साथ फार्म–[k भरना भी अपेक्षित है।

4.27 मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एम.सी.एच.)@ϕ स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

कार्यक्रम का उद्देश्य सेवारत चिकित्सा कार्मिकों और प्राइवेट चिकित्सकों को मातृ एवं बाल स्वास्थ्य (एम.सी.एच.) में अपना ज्ञान और दक्षता बढ़ा कर अधिक अच्छी कोटि की मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है।

कार्यक्रम में मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में संकल्पनाओं, व्यवहार और ज्ञान के अनुप्रयोगों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी और गैर–सरकारी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को प्रदान करने में कार्यरत चिकित्साकर्मियों के ज्ञान एवं दक्षता को बेहतर बनाना है, यह एम.सी.आई. द्वारा अतिरिक्त योग्यता के पंजीकरण के लिए नहीं है।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्य प्राप्त कर सकते हैं:

- वर्तमान मातृत्व और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों, और भिन्न–भिन्न संस्थागत स्तरों पर स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के प्रबंधन की योग्यता अर्जित करना;
- रोग प्रकोपों का मुकाबला करना तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, विशेषकर एम.सी.एच. सेवाओं का प्रभावी ढंग से प्रबंध करना;
- अति जोखिम वाली गर्भावस्था में जन्मपूर्व देखभाल उपलब्ध कराना, सामान्य प्रसव कराना, गर्भावस्था से संबंधित सामान्य आपातस्थिति देखभाल और उसके परिणामों का प्रबंधन करना;
- सामान्य स्त्री रोग विकृतियों/रुग्णता और परिवार नियोजन सेवाएँ प्रदान करना;
- नवजात शिशु की देखभाल करना, अति जोखिमयुक्त शिशुओं की पहचान करना, आपात स्थितियों सहित सामान्य बाल्यावस्था विकृतियों का निदान करना तथा नियंत्रण करना; और
- पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ज्ञान प्राप्त करना, शिशुओं की वृद्धि एवं विकास का आकलन करना तथा उनकी समस्याओं का प्रबंधन करना।

पात्रता : एम.बी.बी.एस., पीजीडीएमसीएच के लिए अनुभव का अर्थ सरकारी सेवा में अनुभव होना जरूरी नहीं है। इसकी गिनती इंटर्नशिप पूरा करने की तारीख और उस वर्ष की 30 जून के बीच की जाएगी, जिसमें वह प्रवेश के लिए आवेदन कर रहे हैं, चाहे कार्यस्थल कहीं भी हो। पीजीडीएमसीएच कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (जिला–अस्पतालों) के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है, जिसे प्रवेशे को अंतिम रूप देने के बाद क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आवंटित किया जाएगा।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 27,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पी.जी.डी.एम.सी.एच. कार्यक्रम में छह पाठ्यक्रम हैं। ये परम्परागत चिकित्सा शिक्षा पद्धति के तीन प्रमुख अनुशासनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पाठ्यक्रम 1 (एम.एम.ई.301), पाठ्यक्रम 2 (एम.एम.ई.302) और पाठ्यक्रम 3 (एम.एम.ई.303) में क्रमशः सामुदायिक औषधि, प्रसूति और स्त्री रोग (ओ एंड जी) तथा बालरोग शामिल हैं। इन तीनों पाठ्यक्रमों के संबंधित प्रायोगिक घटक पाठ्यक्रम 4 (एम.एम.ई.एल.301), पाठ्यक्रम 5 (एम.एम.ई.एल.302) और पाठ्यक्रम 6 (एम.एम.ई.एल.303) में दिए गए हैं।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सिद्धांत पाठ्यक्रम		
एम.एम.ई.301	प्रिवेंटिव एमसीएच	6
एम.एम.ई.302	रिप्रोडक्टिव हेल्थ	6
एम.एम.ई.303	चाइल्ड हेल्थ	6
प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम		
एम.एम.ई.एल.301	प्रिवेंटिव एमसीएच (प्रैक्टिकल)	6
एम.एम.ई.एल.302	रिप्रोडक्टिव हेल्थ (प्रैक्टिकल)	6
एम.एम.ई.एल.303	चाइल्ड हेल्थ (प्रैक्टिकल)	6
कुल क्रेडिट		**36**

चयन मानदंड

प्रत्येक पी.एस.सी. में 5 सीटें केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित हैं। चयन योग्यता के आधार पर किया जाएगा। अभ्यर्थियों के कुल प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र के लिए पृथक योग्यता सूची तैयार की जाएगी। भिन्न–भिन्न श्रेणियों के लिए केन्द्रीय सरकार के नियमों के अनुसार पृथक योग्यता सूची तैयार की जाएगी।

क) सभी एम.बी.बी.एस. परीक्षाओं में प्राप्तांकों का कुल प्रतिशत,

ख) अनुभव के कुल वर्ष (इंटर्नशिप पूरा करने की तारीख से सत्र आरम्भ होने की तारीख तक की अवधि)।

कार्यक्रम क्रियान्वयन

सभी विद्यार्थियों को आवंटित मेडिकल कॉलेजों पर 28 दिनों के पाँच विभाजित संपर्क सत्रों में भाग लेना अनिवार्य होगा और इसके अलावा जिला अस्पतालों में व्यावहारिक क्रियाविधियों में भी 180 घंटे के लिए भाग लेना अनिवार्य होगा। फिलहाल पीएससी के रूप में 20 मेडिकल कालेज हैं जिन्हें विवरणिका में क्षेत्रीय केंद्रवार सूचीबद्ध किया गया है। प्रत्येक कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र (पी.एस.सी.) में अधिकतम 30 सीटें हैं।

कृपया नोट करें कि पत्र व्यवहार के पते के अनुसार अपने फार्म क्षेत्रीय केन्द्र को भेजें (क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य क्षेत्र देखें)। रिक्त स्थान के अलावा कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र (पी.एस.सी.) एक बार आबंटित होने पर बदला नहीं जाएगा।

इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑफ लाइन माध्यम से है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट से विवरणिका को डाउनलोड करें, आवेदन पत्र प्रिंट करें और प्रासंगिक दस्तावेजों तथा रु. 400/– पंजीकरण शुल्क (इग्नू के पक्ष में क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट) के साथ भरा हुआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय केंद्र में जमा करायें। चयन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। केवल चुने गए उम्मीदवारों को ही निर्धारित तारीख तक शुल्क जमा कराना होगा, जिसके लिए उन्हें क्षेत्रीय केंद्र से सूचना भेजी जाएगी।

पीजीडीएमसीएच के आवेदकों को मुख्य आवेदन पत्र के साथ फार्म–[k भरना भी अपेक्षित है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. टी.के. जेना, tkjena@ignou.ac.in, फोनः 011–29572849

4.28 एचआईवी मेडिसिन कार्यक्रम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.आई.वी.एम.) स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

इग्नू के स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ ने नाको (NACO) के सहयोग से एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए एचआईवी औषधि में एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम विकसित किया है। इस कार्यक्रम को दूर शिक्षा माध्यम से चलाया जा रहा है। इसमें मेडिकल कॉलेजों में 28 दिवसीय संपर्क सत्रों के द्वारा व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण और 30 दिन का प्रशिक्षण ए.आर.टी. केंद्रों में प्रदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम 3 कार्यक्रम अध्ययन केंद्रों अर्थात् बी.जे. मेडिकल कालेज, अहमदाबाद; मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली और स्कूल ऑफ ट्रोपिकल मेडिसिन, कोलकाता के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है जो इस कार्यक्रम को 2012 से सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं। यह कार्यक्रम एम.सी.आई. द्वारा अतिरिक्त योग्यता के पंजीकरण के लिए नहीं है।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित को करने की योग्यता हासिल करेगा :

1. तृतीय स्तर के देखभाल केंद्रों पर एच.आई.वी./एड्स के प्रबंध के विस्तार से संबंधित एचआईवी की मूल एवं गहन जानकारी।
2. आवश्यकता के समय एच.आई.वी./एड्स के कारण होने वाली जटिलताओं और परिस्थितिवश होने वाले संक्रमणों का प्रबंधन।
3. एचआईवी/एड्स से संबंधित आपातस्थिति और इसकी जटिलताओं की पहचान करना और स्थिति से निबटना तथा आवश्यकतानुसार इसके प्रबंधन के लिए निर्णय लेना।

पात्रता : भारतीय चिकित्सा परिषद (एम.सी.आई.) द्वारा मान्यताप्राप्त एम.बी.बी.एस. उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष, प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 60,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.सी.एम.एम.101	बेसिक ऑफ एच.आई.वी. इंफेक्शन	4
एम.सी.एम.एम.102	नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम	4
एम.सी.एम.एम.103	सिस्टेमेटिक इन्वाल्वमेंट इन एच.आई.वी. एंड एस.टी.आई.	4
एम.सी.एम.एम.104	मैनेजमेंट आफ एच.आई.वी./एड्स	4
एम.सी.एम.एम.एल.105	बेसिक प्रैक्टिकल	4
एम.सी.एम.एम.एल.106	क्लीनिकल प्रैक्टिकल	10
कुल क्रेडिट		**36**

प्रायोजिकता : इसमें नाको द्वारा अभ्यर्थियों की प्रायोगिकता का प्रावधान है। प्रत्येक वर्ष लगभग 40 उम्मीदवारों को प्रायोजित किया जाता है, जिसके लिए व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण के लिए छुट्टी के अलावा प्रवेश शुल्क का भुगतान नाको द्वारा किया जाता है। नाको द्वारा प्रायोजित उम्मीदवारों को सामान्य फार्म भरकर आवेदन पत्र भी अंतिम तारीख से पहले जमा कराना आवश्यक है।

कार्यक्रम का कार्यान्वयन : विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से 4 भागों (6+6+10+6 दिनों) में विभाजित 28 दिन के संपर्क कार्यक्रम में भाग लेना अनिवार्य है। तीसरे संपर्क कार्यक्रम के बाद गैर–प्रायोजित उम्मीदवारों को चौथे संपर्क कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कौशल विकास केंद्र (नाको द्वारा आबंटित किसी एक ए.आर.टी. केन्द्र) में भी 28 दिन का अतिरिक्त प्रशिक्षण प्राप्त करना अपेक्षित है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. टी.के. जेना, tkjena@ignou.ac.in, फोन : 011–29572849
डॉ. बिप्लब जमातिया, फोन : 011–29572851 ई.मेल : hivmedicine@ignou.ac.in

4.29 खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एफ.एस.क्यू.एम.) कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

उद्देश्य : इस स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य देश में खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के विकास, कार्यान्वयन और जांच के लिए व्यावसायिकों को तैयार करना है। यह कार्यक्रम कृषि एवं संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत सरकार के सहयोग से विकसित किया गया है। इसका लक्ष्य विश्व खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत की सक्षमता को विकसित करना और खाद्य उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। दीर्घकालीन परिप्रेक्ष्य में, यह देश के बाहर और भीतर उपभोक्ता की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में योगदान देगा।

यह स्नातकोत्तर कार्यक्रम विद्यार्थियों को निम्नलिखित में समर्थ बनाएगा :

- खाद्य उत्पादन, रखरखाव, प्रसंस्करण और व्यापार संचालन में सुरक्षा और गुणवत्ता के मुद्दों को समझना,
- खाद्य सुरक्षा के लिए तकनीकी प्रवीणता का निर्माण करना और खाद्य प्रसंस्करण श्रृंखला अर्थात खेत से गोदाम तक ले जाने में गुणवत्ता आश्वासन सुनिश्चित करना।
- अनिवार्य कानूनी अपेक्षाओं और आवश्यक होने पर निर्यात विनियमन सहित स्वैच्छिक मानकों के अनुसार खाद्य उत्पादों की सुरक्षा एवं गुणवत्ता को सुनिश्चित करना।
- डिजाइन और कार्यान्वयन : अच्छी स्वास्थ्यकर पद्धतियों (जीएचपी), अच्छी विनिर्माण पद्धतियाँ (जीएमपी), जोखिम विश्लेषण और महत्वपूर्ण नियंत्रण बिंदु (एचएसीसीपी), गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियाँ (क्यूएमएस) : आईएसओ 9001, खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियाँ (एफएसएमएस), आईएसओ 22000, प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणाली: आईएसओ 17025, और खुदरा मानक। आईएसओ 1901-2002 के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रभावी ढंग से योजना बनाने, संचालन करने, रिपोर्ट और लेखापरीक्षा करने में सक्षम होगा।
- खाद्य उत्पादों का सूक्ष्मजीवविज्ञानी और रासायनिक विश्लेषण करना।
- खाद्य प्रसंस्करण, आतिथ्य उद्योग और खुदरा आउटलेट में अच्छी स्वास्थ्यकर, विनिर्माण, प्रयोगशाला, परिवहन और खुदरा प्रथाओं को अपनाना।

पात्रता :

1. $^{\alpha}$एक विषय के रूप में केमेस्ट्री/बायोकेमेस्ट्री अथवा माइक्रोबायॉलाजी के साथ विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर।
2. $^{\alpha}$कृषि/आहार विज्ञान एवं आहार प्रौद्योगिकी/फसलोपरांत प्रौद्योगिकी/इंजीनियरी/ गृह विज्ञान/ जीवविज्ञान/ माइक्रोबायोलॉजी/ बायोकैमिस्ट्री/ बायोटेक्नालॉजी/हार्टिकल्चर/ डेयरी प्रौद्योगिकी/वेटरनरी/फिशरीज/होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग/हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट या समकक्ष आदि जैसे संबद्ध विज्ञानों में स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि।
3. $^{\alpha}$भूगोल, भौतिकी एवं गणित के साथ सांख्यिकी, कला विषय और मेडिकल लैब प्रौद्योगिकी जैसे विषयों के साथ विज्ञान स्नातक और खाद्य प्रसंस्करण और/अथवा गुणवत्ता नियंत्रण में न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव। ऐसे विद्यार्थियों को गुणवत्ता नियंत्रण क्रियाविधि में न्यूनतम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए।
4. $^{\alpha}$आहार विज्ञान/होटल मैनेजमेंट विषयों जैसे फल और सब्जी, डेयरी प्रौद्योगिकी, मास प्रौद्योगिकी, दलहन, अनाज, तिलहन इत्यादि अनुशासनों में कला/वाणिज्य स्नातक के साथ खाद्य प्रसंस्करण। खाद्य गुणवत्ता नियंत्रण, होटल प्रबंधन (भोजन बनाने/भोजन कैटरिंग) कार्य में 5 वर्ष का अनुभव और जिसमें से दो वर्ष का अनुभव गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधि में होना चाहिए।
5. $^{\alpha}$खाद्य प्रसंस्करण/खाद्य गुणवत्ता नियंत्रण/होटल प्रबंधन (आहार तैयारी/आहार कैटरिंग) में न्यूनतम 7 वर्ष का अनुभव के साथ बी.ए./बी.कॉम. स्नातक अथवा खाद्य गुणवत्ता नियंत्रण कार्य में सरकारी/अर्द्ध सरकारी एककों में वरिष्ठ पद पर कार्यरत होना चाहिए।
6. इग्नू के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य हेतु प्रथम उपाधि के बिना प्रदत्त स्नातकोत्तर उपाधि की मान्यता नहीं है।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 14,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धान्त	व्यवहार	कुल
एम.वी.पी.001	खाद्य के मूल सिद्धांत और रसायन	4	0	4
एम.वी.पी.आई.001	खाद्य सूक्ष्मजैविकी (एकीकृत)	2	2	4
एम.वी.पी.002	खाद्य कानून और मानक	4	0	4
एम.वी.पी.003	खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांत	4	0	4
एम.वी.पी.004	खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता प्रबंधन की प्रणालियाँ	4	0	4
एम.वी.पी.एल.001	खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता लेखा परीक्षण (प्रायोगिक कार्य)	0	4	4
एम.वी.पी.एल.002	रासायनिक विश्लेषण एवं गुणवत्ता आश्वासन	0	4	4
एम.वी.पी.पी.001	परियोजना कार्य	0	4	4
कुल क्रेडिट		**18**	**14**	**32**

उत्तीर्ण करने पर रोजगार के अवसर :

- आहार/आतिथ्य/खुदरा उद्योग और प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी अथवा गुणवत्ता आश्वासन/प्रबंध व्यावसायिक
- विनियामक निकाओं में आहार सुरक्षा अधिकारी,
- प्रमाणन और निरीक्षण निकाओं में आहार ऑडीटर।
- आहार सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों में प्रशिक्षक/परामर्शदाता
- आहार सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों के लिए आहार प्रमाणन/लेखा–परीक्षा व्यासायिक।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. एम.के.सलूजा, mksalooja@ignou.ac.in, फोन : 011–29572976

4.30 वृक्षारोपण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.पी.एम.)
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

भारत कई वृक्षों की जन्मस्थली है और विश्व में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। इस क्षेत्र का बहुत महत्व है, क्योंकि इसमें रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं और यह समाज के कमजोर वर्गों को रोजगार प्रदान करता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, वृक्षारोपण उद्योग में बागान उत्पादों के निर्यात से विदेशी मुद्रा अर्जित करने की बहुत क्षमता है। इसका अच्छी तरह से प्रबंधन करने पर इस क्षेत्र में उच्च आय अर्जित करने की व्यापक संभावनाएँ हैं। इस कार्यक्रम से वृक्षारोपण उद्योग के लिए सक्षम मानव संसाधन विकसित किया जा सकता है। यह कार्यक्रम विभिन्न प्रबंधन कार्यों के लिए अवसर प्रदान करता है, जो क्षेत्र के व्यावसायिक प्रबंधन के लिए प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है और साथ ही यह विभिन्न प्रकार के वृक्षारोपण के प्रभावी प्रबंधन के लिए तकनीकी ज्ञान भी प्रदान करता है।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम का उद्देश्य हैं:

- वृक्षारोपण उद्योग में सक्षम व्यावसायिकों को तैयार करना;
- बागवानी क्षेत्र में उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वित्तीय प्रबंधन में ज्ञान और कौशल प्रदान करना;
- बागवानी उद्योग में कार्यरत व्यावसायिकों की तकनीकी दक्षता को उन्नत करना।

पात्रता : किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ए.एम.001	रोपण प्रबंधन का परिचय	4
एम.ए.एम.002	फसल उत्पादन प्रौद्योगिकी	8
एम.ए.एम.003	कटाई उपरांत प्रबंधन और मूल्य संवर्धन	8
एम.ए.एम.004	मानव संसाधन, विपणन और वित्तीय प्रबंधन	4
एम.ए.एम.पी.001	परियोजना कार्य	8
कुल क्रेडिट		**32**

लक्ष्य समूह :

यह कार्यक्रम वर्तमान में चाय, कॉफी, मसालों, रबड़ आदि जैसे विभिन्न बागान संगठनों में रोजगार कर रहे पर्यवेक्षकों/प्रबंधकों के साथ–साथ वृक्षारोपण को एक चुनौतीपूर्ण कैरियर के रूप में आगे बढ़ाने वाले इच्छुक नव–स्नातकों के लिए उपयोगी साबित होगा।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पी.के. जैन, pkjain@ignou.ac.in, फोन : 011–29573091

4.31 पुस्तक प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.बी.पी.)
मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

पुस्तक प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा निम्नलिखित के लिए अवसर प्रदान करता है :

प्रकाशन व्यवसाय को अपनाने के इच्छुक/कार्यरत व्यक्तियों के लिए स्व–रोजगार **अथवा**

प्रकाशन के विभिन्न पहलुओं में दक्षता उन्नयन/दक्षता अर्जन **अथवा**

संपादन, कॉपी संपादन और ऑनलाइन प्रूफ पठन, विपणन, वितरण, बिक्री आदि में विशेषता सहित प्रकाशन के विभिन्न क्षेत्रों में विपणन दक्षता के इच्छुक प्रकाशन व्यावसायिकों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

इस कार्यक्रम का अद्वितीय पहलू प्रकाशन–स्थल पर एक महीने का प्रशिक्षण/अप्रेंटिसशिप प्रदान करना और बाद में रोजगार की संभावना है।

पात्रता : α स्नातक उपाधि + अंग्रेजी व वर्ड–प्रोसेसिंग का ज्ञान।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 9,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

यह कार्यक्रम आठ पाठ्यक्रम का है, जिसमें से 1–4 पाठ्यक्रम अनिवार्य हैं और 5–7 पाठ्यक्रम, ऐच्छिक पाठ्यक्रम हैं (विद्यार्थियों को किन्हीं दो का चयन करना है)। पाठ्यक्रम 8 एक अनिवार्य पाठ्यक्रम है, जिसमें विद्यार्थियों को किसी प्रकाशन गृह से संबद्ध किया जाएगा और उसे एक परियोजना करनी होगी, जिसका मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.बी.पी.1	प्रकाशन का परिचय और इसके न्यायिक पहलू	4
एम.बी.पी.2	संपादन और प्रेसवपूर्व	4
एम.बी.पी.3	उत्पादन और उभरती प्रौद्योगिकियाँ	4
एम.बी.पी.4	विपणन, संवर्धन और किताबों का वितरण	4
एम.बी.पी.8	शिक्षुता/प्रशिक्षण	4
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (कोई दो चुनिए)		
एम.बी.पी.5	बच्चों के लिए पुस्तकों का संपादन	4
एम.बी.पी.6	वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्सा पुस्तकों का संपादन	4
एम.बी.पी.7	पाठ्य पुस्तकों का संपादन	4
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. प्रमोद कुमार, pramodkumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572758

4.32 महिला और जेंडर अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डब्ल्यू.जी.एस.)
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.जी.डी.एस.)

इस कार्यक्रम को महिलाओं और जेंडर अध्ययन के क्षेत्रों में संकल्पनात्मक, सैद्धांतिक और विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है।

पात्रता : α किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 7,200/– शुल्क का भुगतान वार्षिक आधार पर

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सेमेस्टर-I		
एम.डब्ल्यू.जी.1	थ्योरीज़ ऑफ वूमन्स ऐंड जेंडर स्टडीज	8
एम.डब्ल्यू.जी.2	जेंडर एंड पॉवर	8
सेमेस्टर-II		
एम.डब्ल्यू.जी.3	कंस्ट्रक्टिंग जेंडर थ्रू आर्ट्स एंड मीडिया	8
एम.डब्ल्यू.जी.4	जेंडर्ड बॉडीज एंड सैक्शुएलिटीज	8
एम.डब्ल्यू.जी.पी.1	प्रोजेक्ट वर्क*	2
कुल क्रेडिट		**34**

*शिक्षार्थियों की अपनी रूचि/तैयारी और रोजगार की परिस्थितियों के अनुसार किसी एनजीओ/अन्य अनुमोदित संगठन या शोध परियोजना में एक माह का इंटर्नशिप करने का विकल्प होगा।

किसी भी विषय में अपने स्नातक कार्यक्रम को पूरा करने वाले विद्यार्थी इस कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उच्चतर अध्ययन, शोध कार्य, गैर–लाभकारी संगठनों/गैर–सरकारी संगठनों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सरकारी संगठनों/संस्थाओं में अपने कैरियर को आगे बढ़ा कर सकते हैं और इसी के साथ–साथ मीडिया, प्रकाशन और जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रमों विशिष्ट क्षेत्रों में आजीविका/कैरियर बना सकते हैं।

इस कार्यक्रम में अर्जित क्रेडिटों को इकट्ठा कर विद्यार्थी इन क्रेडिटों को एम.ए. महिला और जेंडर अध्ययन कार्यक्रम में अंतरित (क्रेडिट अंतरण) करवा सकता है। पीजीडीडब्ल्यूजीसी को पूरा करने पर अगले वर्ष केवल जुलाई सत्र में पार्श्विक प्रवेश लिया जा सकता है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. अनु अनेजा, anuaneja@ignou.ac.in , फोन : 011–29571620
प्रो. हिमाद्री रॉय, himadriroy@ignou.ac.in, फोन : 011–29571615

4.33 संधारणीयता विज्ञान (स्टेनेबिलिटी साइंस) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एस.एस.) अंत:विद्याश्रयी और पराविद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.आई.टी.एस.)

पीजीडीएसएस कार्यक्रम मुख्य रूप से संधारणीय विकास, इसके उपकरणों, कार्यान्वयन, मूल्यांकन रणनीतियों की उत्पत्ति और सिद्धांतों पर केंद्रित है। कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- शिक्षार्थियों को संधारणीय विकास और संधारणीयता विज्ञान के सिद्धांतों के बारे में अपने ज्ञान और समझ को अधिक गहन बनाने का अवसर प्रदान करना।
- संधारणीय विज्ञान के विभिन्न सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर शिक्षार्थियों की क्षमताओं का विस्तार करना।
- संधारणीय विकास की परियोजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में व्यावसायिक ज्ञान और कौशल विकसित करना।

पीजीडीएसएस धारक पर्यावरण, विकास और आजीविका में सुधार से जुड़े विभिन्न सरकारी और गैर– सरकारी संगठनों में सेवा करने के लिए पूरी तरह सक्षम होंगे। इस डिप्लोमा को पूरा करने वाले नव स्नातक पर्यावरण और विकास क्षेत्र में जमीनी स्तर पर रोजगार, पर्यवेक्षकीय और अन्य मध्यम स्तर के पदों के लिए उपयुक्त संभावित उम्मीदवार होंगे। यह कार्यक्रम सरकारी, गैर–सरकारी संगठनों, निजी या कॉर्पोरेट क्षेत्र में कार्यरत और विभिन्न स्थायी विकास परियोजनाओं और कार्यक्रमों में लगे संस्थानों/गैर–सरकारी संगठनों के कर्मचारियों, विभिन्न संधारणीय विकास परियोजनाओं में काम करने वाले निजी या कॉर्पोरेट क्षेत्र के कर्मचारियों, कार्यक्रम अधिकारियों, परियोजना अधिकारियों, अनुसंधान जांचकर्ताओं और अनुसंधान सहायकों, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों में पर्यावरण और विकास के मुद्दों के साथ कार्यरत लोगों की दक्षता और प्रभावशीलता को सुदृढ़ करने में सहायक होगा।

पात्रता : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : **पूरे कार्यक्रम के लिये** रुपये 7,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एमएसडी–11	संधारणीयता विज्ञान	4
एमएसडी–12	पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक संसाधन	4
एमएसडी–13	सामाजिक–सांस्कृतिक प्रणाली	4
एमएसडी–14	पारिस्थितिकीय अर्थशास्त्र	4
एमएसडी–15	संस्थान, शासन और नीतियां	4
एमएसडी–16	संधारणीयता की रणनीतियॉ और मॉडल	4
एमएसडी–17	संधारणीय विकास की चुनौतियां	4
एमएसडीपी–18	परियोजना	4
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. वाई एस सी खुमन, pgdss@ignou.ac.in,ysckhuman@ignou.ac.in फोन : 011-29571121

4.34 समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.ओ.यू.एन.)
समाज कार्य विद्यापीठ (एसओएसडब्ल्यू)

समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़ते हुए अकादमिक अधिगम और व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण दोनों प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम विभिन्न संगठनात्मक और सामुदायिक संदर्भों में कार्यरत परामर्शदाताओं के साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी उपयुक्त है। तेजी से बदले हुए समाजिक परिदृश्य में लोगों के द्वारा अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना किया जा रहा है। पश्चिमी दुनिया के विपरीत, भारत में परामर्श सेवाएं बहुत ही अपर्याप्त हैं। स्कूलों, कॉर्पोरेट क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल स्थापनाओं/कार्यक्रमों को उपलब्ध करवाने वाले स्कूलों/विश्वविद्यालयों की संख्या बहुत कम हैं। कॉल सेंटर, कॉर्पोरेट क्षेत्र, परिवार, परिवार अदालतों, सुधार गृहों, स्कूल, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों, पुनर्वास केंद्रों, शरणार्थी कैंपों, दिव्यांगों के संस्थानों, प्रौढ़ शिशु देखभाल और अनुग्रहण केंद्रों, परिवार नियोजन, स्वैच्छिक परामर्श और परीक्षण केंद्रों, ग्रामीण क्षेत्रों, विशेष रूप से किसानों द्वारा आत्महत्या करने वाले क्षेत्रों, नशामुक्ति केंद्रों में कार्यरत कर्मचारियों के तनाव को दूर करने के लिए परामर्शदाताओं की बहुत अधिक आवश्यकता है। यह कार्यक्रम मानव संसाधन प्रबंधन के साथ–साथ गैर सरकारी संगठनों, कल्याणकारी एजेंसियों में काम कर रहे कर्मचारियों के ज्ञान को समृद्ध करेगा।

पात्रता : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातकोत्तर।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

शुल्क संरचना : 15,000/– रुपये (पंजीकरण शुल्क सहित)

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम चार वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एमएसडब्ल्यू 1	समाज कार्य की उत्पत्ति और विकास	4
एमएसडब्ल्यू 12	जीवन अभिलक्षण और चुनौतियों का परिचय	4
एमएसडब्ल्यू 13	परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय	4
एमएसडब्ल्यू 14	परामर्श में सामाजिक केस वर्क की प्रासंगिकता	4
एमएसडब्ल्यू 15	परामर्श का आधार	4
एमएसडब्ल्यू 16	परामर्श के क्षेत्र	4
एमएसडब्ल्यूएल 11	सोशल वर्क प्रैक्टिकम	12
कुल क्रेडिट		**36**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. एन. राम्या, pgdcouninfo@ignou.ac.in, फोन : 011-29571693

4.35 मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एम.एच.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एसओएसएस)

मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएमएच) को मनोविज्ञान अनुशासन, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एसओएसएस), इग्नू द्वारा प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मनोवैज्ञानिक मुद्दों और सरोकारों की व्यापक श्रृंखला के बारे में गहन अध्ययन के माध्यम से शिक्षार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस आधार प्रदान करना है। यह शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुडे कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम है, जिससे वे लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समाज की बढती हुई महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगे। मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का उददेश्य भारत में मानसिक स्वास्थ्य कार्मिकों की कमी को ध्यान में रखते हुए लोगों की मानसिक स्वास्थ्य की जरूरतों को पूरा करना है।

पात्रता :
1. मनोविज्ञान/समाज कार्य/नर्सिंग में स्नातकोत्तर
2. सभी मेडिकल स्नातक (एलोपैथी/होमियोपैथी/आयुर्वेद/यूनानी/सिद्ध)

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

शुल्क संरचना : पंजीकरण शुल्क सहित पूरे कार्यक्रम के लिए 9,000/– रुपये।

अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

केडिट प्रणाली:

मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 32 केडिट का है। शिक्षार्थी को मानसिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए 32 केडिट का पाठ्यक्रम कार्य सफलतापूर्वक पूरा करना होगा। एक केडिट 30 अध्ययन घंटे के बराबर है। उदाहरण के लिए शिक्षार्थी को 6 केडिट का पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए लगभग 180 घंटे का अध्ययन करना होगा।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

ikB;Øe dkM	ikB;dze dk 'kh"kZd	dzfMV
एमपीसी 51	मानसिक स्वास्थ्य के मूल तत्व	6
एमपीसी 52	मानसिक विकार	6
एमपीसी 53	विशेष क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य	6
एमपीसी 54	मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों के लिए सेवाएँ	6
एमपीसी 55	प्रयोग	8
dqy dzfMV		32

सभी पाठ्यक्रम अनिवार्य है। एमपीसीएल055 (प्रयोग) को कार्य केंद्र पर अनुमोदित पर्यवेक्षक की निगरानी में किया जाएगा। शिक्षार्थी को कार्य केंद्र पर निर्धारित की गई अलग–अलग गतिविधियों को पूरा करना होगा। प्रयोग कार्य को पूरा करने के लिए शिक्षार्थियों को इग्नू द्वारा कार्य केंद्र उपलब्ध कराया जाएगा।

विद्यार्थी सहायता:

इस कार्यक्रम में पंजीकृत प्रत्येक शिक्षार्थी को क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत एक अध्ययन केंद्र से संबद्ध किया जाएगा। अध्ययन केंद्र पर संपर्क कक्षाएं आयोजित की जाएगी। प्रयोग की कक्षाएँ कार्य केंद्र पर होगी। शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से अपने से संबंधित अध्ययन केंद्र के संपर्क में रहें और मार्गदर्शन एवं सहायता के लिए शैक्षिक परामर्शदाताओं के साथ–साथ अध्ययन केंद्र के संयोजक से चचा करते रहें। अध्ययन केंद्रों पर आमतौर पर निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है:

- पीजीडीएमएच से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श सत्र
- पाठ्यक्रम से संबंधित बुनियादी अध्ययन सामग्री के साथ पुस्तकालय की सुविधा
- विशेष रूप से पीजीडीएमएच के लिए बनाए गए दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम
- टेलीकॉफ्रेंस और रेडियो परामर्श (क्षेत्रीय केंद्रों पर)

शिक्षण पद्धति:

इस कार्यक्रम में बहु–मीडिया उपागम अर्थात् स्व–शिक्षण मुद्रित सामग्री, दृश्य–श्रव्य कार्यक्रम, परामर्श सत्र, टेलीकॉफ्रेंस और इंटरएक्टिव रेडियो परामर्श को अपनाया गया है।

मूल्यांकन

इसमें सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा शामिल हैं। सत्रांत परीक्षा का आयोजन पूरे भारतवर्ष में परीक्षा केंद्रों पर किया जाता है। एमपीसीएल55 की सत्रांत परीक्षा क्षेत्रीय केंद्र पर मौखिक परीक्षा के रूप में आयोजित की जाती है।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. स्वाति पात्रा, swatipatra@ignou.ac.in,फोन : 011-29572707

4.36 विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.वी.एस.) विकास और विस्तार अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.ई.डी.एस)

विकास के क्षेत्र में उपलब्ध व्यावसायिक नेतृत्व और परम्परागत पाठ्यक्रमों की आवश्यकता के बीच बहुत बड़ा अंतराल है। इस कार्यक्रम की संरचना अध्ययन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई है। यह कार्यक्रम इस क्षेत्र के सभी विकास व्यावसायिकों और साथ ही विकास व्यावसायिक के रूप में आजीविका शुरू करने के इच्छुक नव–स्नातकों के लिए है।

mís';%

- विकास अध्ययन के विभिन्न पहलुओं के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
- विकास अध्ययन के विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्र में योग्य मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करना।

पात्रता : किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्ष; जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : 5400/–

पाठ्यक्रम ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.डी.वी.–101	विकास और विकास सिद्धांतों का परिचय	6
एम.डी.वी.–102	विकास की गतिशीलता	6
एम.डी.वी.–103	विकास के मुद्दे और चुनौतियां	6
एम.डी.वी.–106	विकास अध्ययन में शोध प्रविधि	6
एम.डी.वी.–109	भारत में विकास–एक विहंगावलोकन	6
एम.डी.वी.–4	जेंडर और विकास	6
	कुल क्रेडिट	**36**

पी.जी.डी.डी.वी.एस. को पूरा करने पर इच्छुक विद्यार्थी एम.ए. (विकास अध्ययन) (MADVS) के द्वितीय वर्ष में सीधे पार्श्विक प्रवेश ले सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. बी.के. पट्टनायक, bkpattanaik@ignou.ac.in, फोन : 011–29571662
प्रो. पी.वी.के. शशिधर, pvkasaidhar@gmail.com, फोन : मो. : 011–29571665,
प्रो. नेहल ए. फारूकी, nafarooquee@gmail.com, फोन : मो. : 011–29571664

4.37 पर्यावरण और व्यावसायिक स्वास्थ में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.ओ.एच.) अंतर विद्याश्रयी ओर बहु–विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ (एसओआईटीएस)

पर्यावरण और व्यासायिक स्वास्थ्य, प्रकृति में मौजूद जैविक, रासायनिक, भौतिक, जैव–रासायनिक और मनोवैज्ञानिक जोखिमों से संबंधित जन स्वास्थ्य जोखिमों के आकलन पर ध्यान केंद्रित करता है। पर्यावरण स्वास्थ्य विशेषज्ञ मनुष्य के स्वास्थ्य पर पर्यावरण प्रदूषण के प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य, सामाजिक–आर्थिक और भौतिक पर्यावरण का परावर्तन है। कार्यस्थल और सामान्य पर्यावरण के बीच प्रमुख संबंध यह है कि सामान्यतः जोखिम का स्रोत एक ही होता है, चाहे यह एक कृषि गतिविधि हो अथवा एक औद्योगिक गतिविधि। यह कार्यक्रम सामान्य पर्यावरण, कार्य स्थल के परिवेश, संबंधित जोखिमों और पर्यावरण स्वास्थ्य व्यावसायिक जोखिक प्रबंधन के विभिन्न पहुलओं का समाधान प्रदान कर स्वास्थ्य जोखिम आकलन का मूल्यांकन, महामारी विज्ञान, स्वास्थ्य नीति और प्रबंधन और पर्यावरण स्वास्थ्य प्रगति से संबंधित विभिन्न संकल्पनाओं पर लक्षित है। इसे सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी स्वास्थ्य पर्यावरण से संबंधित स्वास्थ नीतियों, कार्यक्रमों को विकसित करने मूल्यांकन करने और उनकी देखरेख करने वाले स्वास्थ्य प्रैक्टिसनरों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के साथ काम करने में सक्षम हो सकेंगे।

पात्रता : विज्ञान के साथ 10+2 और किसी भी विषय में स्नातक

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष

शुल्क संरचना : 6,600/–

jktxkj dk volj

इस डिप्लोमा को सफलतापूर्वक पूरा करने पर विद्यार्थी विभिन्न उद्योगों/संस्थानों/संगठनों में जोखिम आकलनकर्ता, व्यावसायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और भोजन सुरक्षा विशेषज्ञ के रूप में और निजी क्षेत्र में पर्यावरण परामर्शदाता, व्यावसायिक स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों, और पर्यावरण संस्थानों/एजेंसियों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, सरकार के पर्यावरण स्वास्थ्य संबंधित एजेंसी, जैसे–पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA), भोजन और औषधि प्रशासन (FDA), स्थानीय स्वास्थ्य एजेंसियों, पर्यावरण परामर्श फर्मों, निजी उद्योगों, गैर–सरकारी संगठनों, अस्पतालों, स्वास्थ्य देखभाल संगठनों, श्रमिक संगठनों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों इत्यादि में भी अवसर उपलब्ध है।

पाठ्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
vfuok;l ikB;Øe		
एम.ई.वी. 1	पर्यावरण स्वास्थ्य का परिचय	4
एम.ई.वी. 2	पर्यावरण और व्यासायिक जोखिम	4
एम.ई.वी. 3	पर्यावरण कानून और प्रबंध	4
एम.ई.वी. 4	पर्यावरण विष विज्ञान	4
एम.ई.वी. 5	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	4
एम.ई.वी.पी. 1	परियोजना	4
,fPNd ikB;Øe		
एम.ई.वी.ई. 1	पर्यावरण स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण प्रभाव आकलन	4
एम.ई.वी.ई. 2	स्वास्थ्य देखभाल	4
एम.ई.वी.ई. 3	कृषि और संबद्ध क्षेत्र	4
एम.ई.वी.ई. 4	औद्योगिक क्षेत्र	4
	कुल क्रेडिट	32

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. रूपिणी, brupini@ignou.ac.in, फोन : 011–29536667, 29583380
डॉ. सुष्मिता भास्कर, sushmithab@ignou.ac.in, फोन : 011–29571122/2813
प्रो. रूचिकर कुबा,, rkuba@ignou.ac.in, फोन : 29572813

4.38 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ई.सी.ई.) सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम इस क्षेत्र में कार्यरत लोगों के सतत ज्ञान और कौशल उन्नयन करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह एक अद्वितीय समग्र पैकेज है, जो विद्यार्थियों को छोटे बच्चों (जन्म से छह वर्ष की आयु तक के बच्चों) के समग्र विकास को आगे बढ़ावा देने के लिए सक्षम बनाता है। यह कार्यक्रम क्रैच, शालापूर्व केंद्रों, पूर्व–प्राथमिक कक्षाओं, नर्सरी स्कूलों, आंगनवाड़ियो, इस प्रकार के प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा केंद्रों का प्रबंधन करने वालों, जन्म से छह वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के साथ काम करने वाले कार्यकर्ताओं , शिक्षकों और माता–पिता तथा छोटे बच्चों के विकास के बारे में रूचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए भी मददगार होगा।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी, हिंदी और तमिल।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
डी.ई.सी.ई.1	बाल देखभाल सेवाएँ संगठित करना	8
डी.ई.सी.ई.2	बाल स्वास्थ्य और पोषण	8
डी.ई.सी.ई.3	बच्चों के लिए कार्यक्रम और सेवाएँ	8
डी.ई.सी.ई.4	परियोजना कार्य : बाल देखभाल परिवेश में बच्चों के साथ काम करना	8
कुल क्रेडिट		**32**

परियोजना कार्य:

परियोजना कार्य इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है। शिक्षार्थी को परियोजना कार्य करने और परियोजना पुस्तिका के अनुसार 30 कार्य दिवसों तक के बच्चों के साथ खेल क्रियाकलाप करने के लिए एक खेल आधारित ईसीसीई की पहचान करनी होती है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. रेखा शर्मा सेन, rekhasharmasen@ignou.ac.in, फोन : 011–2957295

4.39 पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा (डी.एन.एच.ई.) सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

यह डिप्लोमा कार्यक्रम ऐसा संपूर्ण कार्यक्रम है जो विद्यार्थी को पोषण और जन स्वास्थ्य के बारे में ज्ञान प्राप्त करने तथा समुदाय को पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी देने का भी अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण और जन स्वास्थ्य के क्षेत्रों में ज्ञान का आधार विकसित करना, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में संचार और उनके अनुप्रयोग संबंधी अवधारणाओं तथा सिद्धान्तों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और समुदाय में पोषण/स्वास्थ्य शिक्षकों की भूमिका में दक्षता विकसित करना है।

10+2 की आधारिक योग्यता प्राप्त और समुदाय कार्य में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह डिप्लोमा बहुत उपयोगी होगा। यह एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। सरकारी और गैर–सरकारी दोनों क्षेत्रों में सामुदायिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए भी यह कार्यक्रम उपयोगी होगा। डिप्लोमा उन्हें अपनी व्यावसायिक क्षमता और पदोन्नति के अवसर सुधारने के लिए अतिरिक्त योग्यता प्रदान करेगा। पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा 32 क्रेडिट का कार्यक्रम है, जिसमें चार पाठ्यक्रम हैं।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
डी.एन.एच.ई.1	समुदाय के लिए पोषण	8
डी.एन.एच.ई.2	जन स्वास्थ्य और स्वच्छता	8
डी.एन.एच.ई.3	पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा	8
डी.एन.एच.ई.4	परियोजना कार्य : पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा	8
कुल क्रेडिट		**32**

प्रयोगात्मक कार्य: पाठ्यक्रम सामग्री के साथ प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावलियाँ भी (प्रैक्टिकल मैनुअल) होंगी।

परियोजना कार्य: परियोजना कार्य डी.एन.एच.ई. कार्यक्रम का महत्वपूर्ण घटक है। परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थी सामुदायिक परिवेश में पोषण और स्वास्थ्य शिक्षक के रूप में कार्य करने का वास्तविक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रकार की पारस्परिक क्रिया सामुदायिक कार्य में समस्याओं और उनके समाधान की पूरी जानकारी प्रदान करेगी। परियोजना सामुदायिक परिवेश में पोषण/स्वास्थ्य शिक्षा अभियान और कार्यक्रमों की योजना बनाने और संचालन करने में सक्षम बनाएगी।

पाठ्यक्रम संयोजक : प्रो. दीक्षा कपूर, deekshakapur@ignou.ac.in, फोन : 011–29532302, 29572960

4.40 पंचायत स्तरीय प्रशासन और विकास में डिप्लोमा (डी.पी.एल.ए.डी.) सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

भारत में पंचायती राज व्यवस्था बहुत समय से विद्यमान है। स्वतंत्रता के बाद इसे फिर से शुरू करने के लिए कई समितियों का गठन किया गया। विभिन्न स्तरों पर परस्पर विरोधी हितों ने इसकी स्वीकार्यता एवं व्यावहारिकता को नुकसान पहुंचाया। दशकों में हुए विस्तृत विचार–विमर्श से ही यह संभव हुआ कि सांविधानिक (73वाँ संशोधन) अधिनियम, 1992 से भारत में पंचायती राज व्यवस्था को दोबारा जीवंत करने का कार्य संभव हो पाया है। इस ऐतिहासिक कानून के परिणामस्वरूप और विभिन्न राज्यों द्वारा अनुरूपता अधिनियमों को पारित करने तथा 1990 के दशक के मध्य में देश में हुए चुनाव के बाद 30 लाख से ज्यादा लोग पंचायती राज संस्थाओं में विभिन्न स्तरों पर चुने गए। इन चुने गए सदस्यों के लिए जागरूकता कार्यक्रम तैयार करने के लिए विभिन्न संगठन कई कदम उठा रहे हैं। इन चुने गए प्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यकर्ता कंधे से कंधा मिलाकर इन संस्थाओं की सेवा कर रहे हैं। पंचायतों को ऐसे कार्य/गतिविधियां सौंपी गई हैं, जिनमें विभिन्न विकास कार्यकर्ताओं की विशेषज्ञता और समन्वय की आवश्यकता है। इस कार्य को पूरा करने के लिए दूर शिक्षा पद्धति से पंचायत स्तरीय विकास और प्रशासन संबंधी डिप्लोमा कार्यक्रम तैयार किया गया है।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं को स्थानीय लोकतंत्र और विकेन्द्रीकृत योजना प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक जानकारी, कौशल और प्रतिभा संपन्न करना।
- चुने गए प्रतिनिधियों के साथ सहयोगात्मक और समन्वित तरीके से कार्य करने में मदद करना।
- पंचायत द्वारा नवीन दृष्टिकोण, अभिवृत्ति और कार्य के माध्यम से व्यक्ति की सहभागिता को बढ़ावा देना।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.पी.आर.1	भारत में पंचायत : संदर्भ	6
बी.पी.आर.2	विकेन्द्रीकरण योजना एवं पंचायती राज	6
बी.पी.आर.3	पंचायती राज संस्थाएं और गरीबी रोधी कार्यक्रम	6
बी.पी.आर.4	परियोजना कार्य	6
बी.पी.आर.5	बेसिक कंप्यूटर साक्षरता	6
कुल क्रेडिट		**30**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. गुरुपद सरेन, **gurupadasaren@ignou.ac.in**. फोन : 011–29573066

4.41 पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (डी.टी.एस.)
पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एच.एस.एम.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपको पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना, पर्यटन के प्रति जागरूकता पैदा करना, पर्यटन सेवा के संगठन में बुनियादी प्रशिक्षण देना तथा आजीविका के नये अवसर प्रदान करना है।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,200/–

पाठ्यक्रम ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
टी.एस.1	पर्यटन में आधार पाठ्यक्रम	8
टी.एस.2	पर्यटन विकास : उत्पादन, प्रचालन और दृष्टांत अध्ययन	8
टी.एस.3	पर्यटन में प्रबंधन	8
निम्नलिखित ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में से कोई एक		
टी.एस.4	भारतीय संस्कृति – पर्यटन का परिप्रेक्ष्य	8
पी.टी.एस.4	भारतीय संस्कृति पर परियोजना : पर्यटन का परिप्रेक्ष्य	4
	अथवा	
टी.एस.5	पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन	8
पी.टी.एस.5	पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन पर परियोजना	4
	अथवा	
टी.एस.6	पर्यटन विपणन	8
पी.टी.एस.6	पर्यटन विपणन पर परियोजना	4
कुल क्रेडिट		**36**

कार्यक्रम संयोजक : फोन: 011–29571757

4.42 जलकृषि में डिप्लोमा (डी.ए.क्यू.)
विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 7,800/–

पाठ्यक्रम ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
बी.ए.क्यू. 1	जलकृषि के आधार	8
बी.ए.क्यू.पी. 1	परियोजना कार्य	6
वैकल्पिक पाठ्यक्रम		
ताज़े पानी में जल कृषि (धारा–I)		
बी.ए.क्यू.2	ताज़े पानी में जल कृषि	8
बी.ए.क्यू.एल.1	प्रयोगशाला	6
	अथवा	
तटीय जल कृषि (धारा–II)		
बी.ए.क्यू.3	तटीय जल कृषि	8
बी.ए.क्यू.एल.2	प्रयोगशाला	6
कुल क्रेडिट		**28**

जलकृषि में डिप्लोमा को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको उपर्युक्त के अनुसार अनिवार्यतः बी.ए.क्यू.1 और बी.ए.क्यू.पी 1 को पूरा करना है और धारा–I (बी.ए.क्यू. 2 और बी.ए.क्यू.एल.3) या धारा–II (बी.ए.क्यू. 3 और बी.ए.क्यू.एल.2) को चुनना है।

इसे निम्नलिखित तरीके से और अधिक स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है:

धारा–I : पाठ्यक्रम बी.ए.क्यू.1 + बी.ए.क्यू.पी.1 + बी.ए.क्यू.2 + बी.ए.क्यू.एल.1 (कुल 28 क्रेडिट)।

धारा–II : पाठ्यक्रम बी.ए.क्यू.1 + बी.ए.क्यू.पी.1 + बी.ए.क्यू.3 + बी.ए.क्यू.एल.2 (कुल 28 क्रेडिट)।

जलकृषि की दोनों धाराओं (ताज़े पानी और तटीय जलकृषि) में रुचि रखने वाले विद्यार्थी को पहले एक धारा में डिप्लोमा (या तो धारा–I या धारा–II) पूरा करना होगा और फिर दूसरी धारा में प्रवेश लेना होगा। इसके लिए आधा शुल्क देना होगा, क्योंकि प्रथम वर्ष में अनिवार्य पाठ्यक्रम बी.ए.क्यू. 1 और बी.ए.क्यू. 2 पहले से पूरा कर लिया गया है, इसलिए इसकी अवधि भी आधी होगी। दूसरी धारा को पूरा करने पर डिप्लोमा के अलावा एक प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

इग्नू आपके द्वारा चुने गए अध्ययन केंद्र में कार्यक्रम के प्रयोगशाला पाठ्यक्रम को आयोजित करने का पूरा प्रयास करेगा। परंतु किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर, आपको सलाह दी जाती है कि आप किसी अन्य अध्ययन केंद्र में प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों में भाग लें। आप ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहें।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. बानो सइदुल्लाह, banosaidulah@ignou.ac.in, फोन : 011–29572818

4.43 अंग्रेजी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा (डी.सी.ई.)
मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों की सृजनात्मक योग्यता विकसित करने में सहायता करने के लिए कल्पनाशील लेखन की कला के बारे में जानकारी, दक्षता और व्यावसायिक ज्ञान प्रदान करता है जो व्यावसायिक या स्वच्छंद लेखन के रूप में अपना कैरियर अपनाने के इच्छुक हैं। इस कार्यक्रम के आवेदकों से आशा की जाती है कि उनमें लेखन की सहज रुचि होगी। कार्यक्रम में दो अनिवार्य पाठ्यक्रम और चार ऐच्छिक पाठ्यक्रम हैं।

पात्रता : 10+2 **अथवा** बिना 10+2 किंतु अभ्यर्थी की आयु 20 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
DCE 1	General Principles of Writing	4
DCE 6	Guided Project Work	4
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई तीन लेने हैं)		
DCE 2	Feature Writing	4
DCE 3	Short Story	4
DCE 4	Writing for Media: Radio and Television	4
DCE 5	Writing Poetry	4
कुल क्रेडिट		24

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. मालती माथुर, malti_mathur@yahoo.com, फोन : 011–29572783
प्रो. नीरा सिंह, neerasingh@yahoo.com, फोन : 011–29572790

4.44 उर्दू में डिप्लोमा (डी.यू.एल.)
मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्रमाणपत्र स्तर के बाद उर्दू भाषा और साहित्य को समझना और उसके बारे में समझ अर्जित करना है। यह सृजनात्मक लेखन, अनुवाद तकनीक, संपादन एवं प्रकाशन आदि के बारे में भी ज्ञान प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उर्दू भाषा एवं साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत करना और उर्दू गद्य एवं पद्य की विश्लेषण सक्षमता विकसित करना है।

पात्रता : 10वीं पास जिसमें उर्दू एक विषय के रूप में हो या इसके समकक्ष या इग्नू से उर्दू भाषा में प्रमाणपत्र।

शिक्षा का माध्यम : उर्दू।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

पाठ्यक्रम ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.यू.एल.3	उर्दू भाषा एवं साहित्य का इतिहास	8
ओ.यू.एल.पी.1	परियोजना कार्य	4
ओ.यू.एल.ई.1	समकालीन उर्दू कविता	4
ओ.यू.एल.ई.2	समकालीन उर्दू कथा साहित्य	4
ओ.यू.एल.ई.5	अनुवाद के सिद्धांत	4
कुल क्रेडिट		24

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. सत्यकाम, satyakam@ignou.ac.in, फोन : 011–29572751
डॉ. अब्दुल हाफीज़, drhafiz@gmail.com, फोन : मो. : 9450115426

4.45 एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा (डी.ए.एफ.ई.)
समाज कार्य विद्यापीठ (एस.ओ.एस.डब्ल्यू.)

एच.आई.वी./एड्स, यौन और यौनत्व, पारिवारिक जीवन शिक्षा, मद्यपान और नशीले पदार्थ तथा संचार एवं परामर्श के बारे में मूलभूत जानकारी देना एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य है। इसकी विषय–वस्तु को एच.आई.वी./एड्स और व्यवहार सुधार

से जुड़े मसलों के बारे में एकीकृत जानकारी देने की दृष्टि से तैयार किया गया है। एच.आई.वी./एड्स और उससे जुड़े मुद्दों से सम्बद्ध लोगों के ज्ञान और कौशल को बढ़ावा देना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। स्कूली शिक्षक, गैर–सरकारी संगठनों के कार्यकर्ता, परा–चिकित्सक और किशोरों के माता–पिता और इस विषय संबंधी जानकारी अर्जित करने में रुचि रखने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य लक्ष्य समूह हैं।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी. **या** केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मैट्रिकुलेशन सहित उच्च शिक्षा।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,500/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एफ.ई.101	जन स्वास्थ्य और एच.आई.वी/एड्स	4
बी.एफ.ई.ई.101	एच.आई.वी./एड्स के ऐच्छिक	4
बी.एफ.ई.102	परिवार शिक्षा के मूल तत्व	4
बी.एफ.ई.ई.102	परिवार शिक्षा में ऐच्छिक	4
बी.एफ.ई.ई.103	मद्यपान, नशीले पदार्थ और एच.आई.वी.	4
बी.एफ.ई.ई.104	एच.आई.वी. में संप्रेषण और परामर्श	4
कुल क्रेडिट		**24**

जो विद्यार्थी सी.ए.एफ.ई. पाठ्यक्रम कर चुके हैं, वे डी.ए.एफ.ई. की बकाया फीस देकर डी.ए.एफ.ई. कर सकते हैं और उन्हें विश्वविद्यालय से सी.ए.एफ.ई. से डी.ए.एफ.ई. में क्रेडिट अंतरण के लिए आवेदन करना होगा।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. रोज़ नेंबिआकिम, rosenembiakkim@ignou.ac.in] फोन : 011–29571695

4.46 बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग में डिप्लोमा – वित्त एवं लेखाकरण (डी.बी.पी.ओ.एफ.ए.) व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.वी.ई.टी.)

इग्नू ने एक्सेंचर के सहयोग से मुक्त एवं दूर शिक्षा पद्धति से इस तरह के पहले कार्यक्रम के तौर पर व्यापार प्रक्रिया आउटसोर्सिंग – वित्त एवं लेखाकरण में डिप्लोमा (डीबीपीओएफए) कार्यक्रम तैयार किया है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी व्यावसायिक दक्षता विकसित करने और प्रगतिशील बीपीओ उद्योग में रोजगार के लिए योग्य बनने का अवसर प्रदान करेगा। यह डिप्लोमा कार्यक्रम सिद्धांत एवं व्यावहारिक पाठ्यक्रमों का एक अद्भुत सम्मिश्रण है जिसका निर्माण प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, एक्सेंचर विषय सामग्री विशेषज्ञों, बीपीओ प्रशिक्षण संगठनों और ई-लर्निंग संगठनों द्वारा विद्यार्थियों को एक व्यापक अध्ययन मॉडल प्रदान करने के लिए किया गया है।

कार्यक्रम के तथ्य और लाभ:

इग्नू–बीपीओ डिप्लोमा को गैर–स्नातकों, स्नातकों और कार्यरत व्यावसायिकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

- शिक्षाविदों और उद्योग के सहयोग से इस तरह के प्रथम बीपीओ प्रमाण पत्र को आरंभ किया गया है।
- यह बीपीओ उद्योग में वित्त एवं लेखा से संबंधित महत्वपूर्ण दक्षता को सुनिश्चित करता है।
- ई–लर्निंग सत्रों के साथ पहली बार कक्षा में पमरार्श प्रदान करता है।
- यह विद्यार्थियों को बड़े बीपीओ संगठनों में काम करने के योग्य बनाता है।

पात्रता : 10+2 अथवा समकक्ष, अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के साथ और कुल 50% अंक **अथवा**
$^{\alpha}$स्नातक उपाधि एवं अधिक (10+2 स्तर पर अंग्रेजी अनिवार्य विषय के साथ)

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 19,200/– जिसे किस्तों में दिया जाएगा। पहली किस्त रु. 13,200/– और दूसरी किस्त रु. 6,000/–है।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

इस कार्यक्रम में दो सेमेस्टर : सेमेस्टर 1 एवं सेमेस्टर 2 हैं। सेमेस्टर 1 : वित्त एवं लेखाकरण – इसमें 5 पाठ्यक्रम और 16 क्रेडिट हैं। सेमेस्टर 2 में दो पाठ्यक्रम : अंग्रेजी संप्रेषण एवं सूचना प्रौद्योगिकी कौशल है। यह 16 क्रेडिट का है। बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग – वित्त एवं लेखाकरण में डिप्लोमा प्राप्त करने के योग्य बनने हेतु विद्यार्थी को नीचे दर्शाए गए सभी 7 पाठ्यक्रमों को पूरा करना होगा। विद्यार्थी 6 महीने (सेमेस्टर 1) पूरा करने के बाद पाठ्यक्रम छोड़ सकता है, जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर वह वित्त एवं लेखाकरण में प्रमाण पत्र प्राप्त करेगा। यह विकल्प केवल कार्यरत व्यवसायिकों के लिए उपलब्ध है। उन्हें अनुलग्नक-VI पर दिया फार्म भरना अपेक्षित है। साथ ही सेमेस्टर–2 (अर्थात सी.सी.आई.टी.एस. के कार्यक्रम) को पूरा करने वाले विद्यार्थी को बी.पी.ओ. में डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए इस सेमेस्टर को लेने से छूट प्राप्त है, बशर्ते वे पात्रता की अन्य शर्तें पूरी करते हों।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
वित्त एवं लेखाकरण (फाइनेंस ऐंड एकाउंटिंग) (सेमेस्टर I)		
बी.पी.ओ.आई.1	इंट्रोडक्शन टू फाइनेंस ऐंड अकाउंटिंग बीपीओ	2
बी.पी.ओ.आई.2	फंडामेंटल्स ऑफ अकाउंटिंग	4
बी.पी.ओ.आई.3	प्रोक्योर टू पे (पी2पी, 3 अकाउंट्स पेयेबल)	4
बी.पी.ओ.आई.4	ऑर्डर टू कैश (020 अकाउंट्स रिसिवेबल)	3
बी.पी.ओ.आई.5	रिकॉर्ड टू रिपोर्ट (आर 2 आर)	3
अंग्रेजी सम्प्रेषण और आई.टी. दक्षता (सेमेस्टर II)		
बी.पी.ओ.आई.6 बी.पी.ओ.आई.6 (पी)	इंग्लिश कम्युनिकेशन	8
बी.पी.ओ.आई.7 बी.पी.ओ.आई.7 (पी)	आई टी स्किल्स	8
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. गीतिका एस. जौहरी, geetikajohry@ignou.ac.in, फोन : 011–29571646

4.47 महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा (डी.डब्ल्यू.ई.डी.)

जेंडर और विकास अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.जी.डी.एस.) (सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के सहयोग से)

इस डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य विकास कार्यकर्ताओं को महिलाओं के मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाना और विद्यार्थियों को महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञ के रूप में काम करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्रदान करना है। कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को जेंडर मुद्दों से संबंधित कार्य करने में प्रशिक्षक और समुदाय आयोजक के रूप में कार्य करने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता भी प्रदान की जाएगी। यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति करेगा जो गैर-सरकारी और सरकारी संगठनों में जेंडर नियोजन और प्रशिक्षण के काम में लगे हुए हैं। इन पाठ्यक्रमों को प्रशिक्षण संदर्भों में प्रयोग के लिए मल्टी मीडिया प्रशिक्षण कार्यक्रमों के रूप में भी प्रयुक्त किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय दोनों ही दृष्टिकोण और सरोकार सम्मिलित किए गए हैं।

पात्रता : 10+2 या समकक्ष अथवा किसी भी स्तर पर विकास से संबद्ध क्षेत्र में 3 वर्ष के कार्य के अनुभव के साथ बिना 10+2

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

यह डिप्लोमा कार्यक्रम 32 क्रेडिट का है। कार्यक्रम की संरचना दो धाराओं पर आधारित है। इसमें सामाजिक विज्ञान परिप्रेक्ष्य और प्रशिक्षण दृष्टिकोणों पर बल दिया गया है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है, केवल एक पाठ्यक्रम 8 क्रेडिट का है।

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सामाजिक विज्ञान परिप्रेक्ष्य		
बी.डब्ल्यू.ई.ई. 12	महिलाएँ और समाजः भूमंडलीय सरोकार और स्थानीय मुद्दे	8
बी.डब्ल्यू.ई.ई. 4	महिलाओं के विकास की कार्यनीतियाँ	4
बी.डब्ल्यू.ई.ई. 5	महिलाएँ और विकास	4
प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य		
बी.डब्ल्यू.ई.एफ. 2	जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य	4
बी.डब्ल्यू.ई.ई. 6	संगठन और नेतृत्व	4
बी.डब्ल्यू.ई.ई. 7	कार्य और उद्यमिता	4
बी.डब्ल्यू.ई.ई. 8	क्रेडिट और वित्त	4
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. अन्नु जे. थॉमस, athomas@ignou.ac.in फोन : 011–29571614
प्रो. देबल के. सिंहाराय, dksingharoy@ignou.ac.in, फोन : 011–29534715

4.48 पैरा लीगल प्रैक्टिस में डिप्लोमा (डी.आई.पी.पी.)
विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

इस कार्यक्रम का लक्ष्य अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में व्यक्तियों को प्रभावित करने वाले कानूनों की प्रकार्यात्मक समझ विकसित करना और कानूनी तथा न्यायिक संस्थाओं एवं प्रक्रियाओं का आकलन करने में व्यक्तियों को सार्वजनिक वकालत का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाने हेतु प्रारंभिक कौशल विकसित करना है।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 8,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एल.ई.1	भारतीय न्यायिक प्रणाली का परिचय	5
बी.एल.ई.2	कानून से परिचय : मूल और प्रक्रियात्मक	5
बी.एल.ई.3	विधि और संवेदनशील समूह	5
बी.एल.ई.4	ग्रामीण स्थानीय स्व–शासन	5
बी.एल.ई.पी.1	परियोजना	12
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. आनंद गुप्ता, anandgupta@ignou.ac.in, फोन 011–29572983

4.49 नर्सिंग प्रशासन में डिप्लोमा (डी.एन.ए.)
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

नर्सिंग प्रशासन में डिप्लोमा (डी.एन.ए.) कार्यरत नर्सों के लिए 28 क्रेडिट (सिद्धांत 16 क्रेडिट और प्रैक्टिकल 12 क्रेडिट) का एक वर्ष की अवधि का सतत शिक्षा कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम अस्पतालों या सामुदायिक या शैक्षिक संस्थान में कार्यरत नर्सों के लिए विकसित किया गया है। यह कार्यक्रम सेवारत नर्सों की प्रशासनिक सक्षमता को बढ़ाने, उनके प्रशासनिक ज्ञान और दक्षता का उन्नयन करने में सहायक होगा। इस कार्यक्रम को इग्नू के सांविधिक निकायों और यूजीसी का अनुमोदन प्राप्त है।

नोट : यह भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त और अनुमोदित नहीं है।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद विद्यार्थी :

- नर्सिंग सेवा में सुधार के लिए प्रशासनिक सिद्धांतों की जानकारी और उनके अनुप्रयोग का सुदृढ़ कर सकेंगे,
- स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली और नर्सिंग के क्षेत्र में प्रचलित मौजूदा प्रवृत्तियों की समझ विकसित कर सकेंगे,
- नर्सिंग सेवाओं में सुधार करने के लिए व्यक्ति एवं समूहों के साथ सक्रिय सहयोग देने में शामिल हो सकेंगे,
- गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग देखभाल प्रदान करने के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण के साथ प्रशासनिक सक्षमता का अनुरक्षण करने हेतु दक्षता का विकास कर सकेंगे।

पात्रता :

व्यवसाय में दो वर्ष के अनुभव के साथ जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी (जी.एन.एम)। (पुरुष नर्स या नर्स जिन्होंने जी.एन.एम. कार्यक्रम में मिडवाइफरी नहीं किया है, उनके पास मिडवाइफरी के बदले भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यता–प्राप्त 6–9 महीने की अवधि के किसी नर्सिंग पाठ्यक्रम का कोई सर्टिफिकेट अवश्य होना चाहिए **अथवा**

$^{\alpha}$बी.एस.सी. (नर्सिंग) बिना किसी अनुभव।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एन.एस.11	नर्सिंग प्रशासन के सिद्धांत और व्यवहार	4
बी.एन.एस.12	शैक्षिक संस्था, अस्पताल और समुदाय का प्रबंधन	4
बी.एन.एस.13	समूह गतिशीलता	4
बी.एन.एस.14	संसाधन प्रबंधन	4
बी.एन.एस.एल.11	नर्सिंग सर्विस एडमिनिस्ट्रेशन प्रैक्टिकल मैनुअल–I और	
बी.एन.एस.एल.12	प्रैक्टिकल मैनुअल–II	12
कुल क्रेडिट		**28**

विवरण www.ignou.ac.in पर विद्यापीठ –एस.ओ.एच.एस. के अंतर्गत उपलब्ध है।

प्रवेश मानदंड

जी.एन.एम. के लिए : आर.एन.आर.एम. अंकों के 60 प्रतिशत को आधार बनाकर योग्यताक्रम सूची तैयार की जाएगी। अनुभव के आधार पर निम्नलिखित प्रकार से अंक दिए जाएँगे:

अनुभव के प्रत्येक वर्ष के लिए दो अंक दिए जाएँगे और इस पात्रता मानदंड में अधिकतम 20 वर्षों के अनुभव को परिगणित किया जाएगा।

बी.एससी. (नर्सिंग) के लिए : बी.एससी. (नर्सिंग) में प्राप्तांकों के आधार पर योग्यताक्रम सूची को तैयार किया जाएगा। कुल प्राप्तांकों को शत–प्रतिशत अंक दिए जाएँगे। अनुभव के लिए कोई अंक नहीं होगा।

उदाहरण : यदि आप जी.एन.एम. नर्स हैं और आपने 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और आपको पाँच वर्षों का अनुभव है, तो इस उदाहरण के आधार पर आप अपने अंकों की गणना निम्नानुसार करेंगे:

- 70 प्रतिशत अंकों का 60 प्रतिशत है : 42 अंक
- तीन वर्षों के लिए आपको अंक मिलेंगे : 3 X 2 = 6 अंक (पात्रता का मानदंड दो वर्ष है)
- सूची में आपका योग्यताक्रम होगा : 42 + 6 = 48

इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑफ लाइन माध्यम से है आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट से विवरणिका को डाउनलोड करें, आवेदन पत्र प्रिंट करें और प्रासंगिक दस्तावेजों तथा रु. 400/– पंजीकरण शुल्क (इग्नू के पक्ष में क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट) के साथ भरा हुआ आवेदन पत्र क्षेत्रीय केंद्र में जमा करायें। चयन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। केवल चुने गए उम्मीदवारों को ही निर्धारित तारीख तक शुल्क जमा कराना होगा, जिसके लिए उन्हें क्षेत्रीय केंद्र से सूचना भेजी जाएगी।

डीएनए के आवेदकों को मुख्य आवेदन पत्र के साथ Qke&d भरना भी अपेक्षित है।

कार्यक्रम संयोजक : श्रीमती लक्ष्मी
सुश्री नीरजा सूद, ई–मेल : dna@ignou.ac.in

4.50 गहन देखभाल नर्सिंग में डिप्लोमा (डी.सी.सी.एन.)
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

गहन देखभाल नर्सिंग में डिप्लोमा सेवारत नर्सों (आरएनआरएम) के एक वर्ष की अवधि का (2 सिद्धांत और 2 व्यवहार) पाठ्यक्रम है, जिसमें 32 क्रेडिट हैं (12 क्रेडिट सिद्धांत और 20 क्रेडिट प्रयोग)। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नर्सिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों (आर.एन. और आर.एन.आर.एम.) को गम्भीर रूप से बीमार लोगों की सेवा हेतु उपयुक्त दक्षता और जानकारी प्रदान करना है।

उद्देश्य :

- गम्भीर रूप से बीमार लोगों की सेवा हेतु उपयुक्त दक्षता और जानकारी प्रदान करना और उसका उपयोग करना।
- गम्भीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल करने के लिए उच्च दक्षता और प्रवीणता प्राप्त करना।
- गहन देखभाल नर्स विशेषज्ञ और प्रैक्टिशनर के रूप में काम करना।
- गहन देखभाल नर्सिंग में नर्सिंग व्यावसायिकों को शिक्षा प्रदान करना।

पात्रता : पंजीकृत नर्सें (आर.एन.) और (आर.एन.आर.एम.) सभी स्तरों पर (जी.एन.एम./बी.एस.सी.एन./अथवा अधिक)

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष; प्रवेश केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सिद्धांत		
बी.एन.एस.31	गहन देखभाल नर्सिंग की संकल्पना और सिद्धांत	6
बी.एन.एस.32	गहन देखभाल की स्थिति में नर्सिंग प्रबंधन	6
प्रयोग		
बी.एन.एस.एल.33	गहन देखभाल में क्लिनिकल नर्सिंग अभ्यास–1	12
बी.एन.एस.एल.34	गहन देखभाल में क्लिनिकल नर्सिंग अभ्यास	8
कुल क्रेडिट		32

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. पीटी कौल, सुश्री रोहिनी शर्मा, dccn@ignou.ac.in, फोन : 011–29572815

4.51 फलों और सब्जियों से मूल्य संवर्धित उत्पादों में डिप्लोमा (डी.वी.ए.पी.एफ.वी.) कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

इस डिप्लोमा कार्यक्रम को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से तैयार किया गया है। फलों और सब्जियों से प्राप्त मूल्य संवर्धित उत्पादों में डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य फलों और सब्जियों के तैयार होने के उपरांत प्रबंध और उनसे मूल्य संवर्धित उत्पादन के क्षेत्र में मानव संसाधन क्षमता को विकसित करना है। इस कार्यक्रम से विशेष तौर पर ग्रामीण युवाओं और समाज के सुविधावंचित वर्गों के लोगों के लिए अपेक्षाकृत अधिक रोजगार सुविधाएँ और स्व–रोज़गार के लिए व्यावसायिक तथा उद्यम संबंधी कौशल विकसित हो सकेंगे। इसके द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में काम करने वालों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा और उनके ज्ञान एवं कौशल में बढ़ोतरी हो सकेगी। यह कार्यक्रम बागवानी कृषकों, खाद्य प्रसंस्करण से सम्बद्ध लोगों, फलों के प्रसंस्करण से संबंधित उद्योगों में काम करने वाले कुशल कामगारों और तकनीशियनों, गैर–सरकारी संगठनों में काम करने वालों, प्रशिक्षकों, उद्यमियों, राज्यों/केंद्र सरकार के खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण केन्द्र (एफ.पी.टी.सी.)/बागवानी/फसलोपरांत/राज्यों/केंद्रों के खाद्य प्रसंस्करण विभाग, ग्रामीण शिक्षकों, और किसानों आदि की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

रोजगार के अवसर : इस कार्यक्रम के डिप्लोमा धारकों के लिए उपलब्ध रोजगार संबंधी अवसरों में शामिल हैं: क्रय सहायक (प्रोक्योरमेंट असिस्टेंट), फल/सब्जी ग्रेडर, पोस्ट हार्वेस्ट तकनीशियन, फल एवं सब्जी संसाधन उद्योग में कनिष्ठ संयंत्र परिचालक/प्रोडक्शन तकनीशियन, पर्यवेक्षक, गुणवत्ता नियंत्रण सहायक, पैकेजिंग पर्यवेक्षक, फल एवं सब्जी शीत भंडारगृह पर्यवेक्षक, परिवहन पर्यवेक्षक, फुटकर पर्यवेक्षक, विपणन सहायक, भंडारगृह सहायक, विस्तार सहायक, प्रशिक्षक एवं प्रोक्योरर के रूप में स्व–उद्यमी, थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेता, व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, खाद्य संसाधक, ताजे एवं संसाधित फल/सब्ज़ियों के निर्यातक एवं सब्जी उत्पादक।

उद्देश्य:

- फसल के उत्पादन के उपरांत होने वाली क्षतियों को कम करना और मूल्य–संवर्धित खाद्य उत्पादों का उत्पादन करने के लिए ज्ञान व कौशल प्रदान करना;
- उत्पादन क्षेत्रों/स्थलों पर फलों एवं सब्ज़ियों के प्राथमिक प्रसंस्करण और फसलोपरांत प्रबंधन के लिए मानव संसाधन तैयार करना;
- खाद्य प्रसंस्करण और उससे संबधित कार्यकलापों द्वारा युवाओं को स्वरोजगार के लिए युवा उद्यमियों के रूप में विकसित करना;
- निम्नलिखित के संबंध में ज्ञान और तकनीकी कौशल विकसित करना :
  - कच्चे माल की खरीद करना।
  - मूल्य–संवर्धित उत्पादों को तैयार करना।
  - ताज़े और संसाधित बागवानी उत्पादों की क्षतियों की रोकथाम करना।
  - विपणन और आर्थिक पक्ष, और
  - लघु और मध्यम उद्यमों का प्रबंधन।

पात्रता : 1) 10 + 2/उच्चतर माध्यमिक उत्तीर्ण
2) बी.पी.पी. (इग्नू/ओ.डी.एल. माध्यम)
3) 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बी.पी.पी. और डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए साथ–साथ नामांकन करा सकते हैं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम चार वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : **श्रेणी (1), (2)** के लिए रु.14,400/– और **श्रेणी (3)** के लिए रु.15,600/–(ग्रामीण और गरीबी की रेखा से नीचे के शहरी विद्यार्थियों के लिए शुल्क में 50% रियायत)

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धांत	प्रयोग	कुल
बी.पी.वी.आई.1	खाद्य के मौलिक सिद्धांत	2	2	4
बी.पी.वी.आई.2	फलों और सब्जियों के कटाई उपरांत प्रबंधन के सिद्धांत	2	2	4
बी.पी.वी.आई.3	खाद्य रसायन और शरीर क्रिया विज्ञान	2	2	4
बी.पी.वी.आई.4	खाद्य प्रसंस्करण और अभियांत्रिकी–I	2	2	4
बी.पी.वी.आई.5	खाद्य सूक्ष्मजैविकी	2	2	4
बी.पी.वी.आई.6	खाद्य प्रसंस्करण और अभियांत्रिकी–II	2	2	4
बी.पी.वी.आई.7	खाद्य गुणवत्ता – परीक्षण और मूल्यांकन	2	2	4
बी.पी.वी.आई.8	उद्यमिता और विपणन	2	2	4
कुल क्रेडिट		**16**	**16**	**32**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. एम.के.सलूजा, mksalooja@ignou.ac.in, फोन : 011–29572976

4.52 डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डी.डी.टी.)
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

यह कार्यक्रम खाद्य प्रस्संकरण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से तैयार किया गया है। डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान करने का मुख्य लक्ष्य डेयरी उद्योग के लिए तकनीकी स्तर के मानव संसाधन को विकसित करना है और साथ ही साथ डेयरी से संबद्ध क्षेत्रों में पहले से कार्यरत निम्न स्तर के कामगारों/तकनीशियनों की तकनीकी निपुणता को उन्नयन करना है। इस संदर्भ में मुख्य ध्यान दुग्ध की प्राप्ति तथा दुग्ध प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण एवं दुग्ध संयंत्रों में गुणवत्ता नियंत्रण पहलुओं में क्षमताओं को विकसित करने पर होगा। यह कार्यक्रम, दुग्ध प्रसंस्करण गतिविधियों में स्व–रोजगार को बढ़ावा देने के लिए उद्यमिता संबंधी कौशलों के विकास पर भी लक्षित है। ऐसे प्राप्त ज्ञान से संसाधन क्षेत्र में विनिर्माण की अच्छी एवं स्वच्छ रीतियों को बढ़ावा मिलेगा। अच्छे किस्म के दुग्ध एवं उत्पादित दुग्ध उत्पादों की बिक्री बेहतर होगी और निर्यात की दृष्टि से भी इसका महत्व बढ़ेगा। इस कार्यक्रम के लक्ष्य समूह में शामिल हैं, दुग्ध उद्योग में कार्यरत युवा कामगार/तकनीशियन, असंगठित क्षेत्र के दुग्ध एवं खाद्य संसाधक और डेयरी सहकारी समितियों, राज्य दुग्ध विभागों एवं डेयरी विज्ञान संस्थाओं के कार्मिक, लघु एवं मध्यम किस्म के उद्यमी, एन.जी.ओ. कार्यकर्ता/प्रशिक्षक एवं दुग्ध उत्पादक कृषक।

रोजगार के अवसर : इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वालों के लिए रोज़गार संबंधी अवसर हैं: सचिव, डेयरी सहकारी समिति, दुग्ध (प्राप्ति) पर्यवेक्षक, दुग्ध परीक्षक, डेयरी संयंत्र ऑपरेटर/तकनीशियन/ पर्यवेक्षक, उत्पाद तकनीशियन (आइसक्रीम/चीज़/मक्खन/देसी दुग्ध उत्पाद एकक), दुग्ध सहायक, हिमशीतन केंद्र पर्यवेक्षक, पैकेजिंग सहायक, विपणन सहायक, वितरण सहायक, फुटकर पर्यवेक्षक, भंडार सहायक, गुणवत्ता नियंत्रण सहायक, विस्तार सहायक, प्रशिक्षक एवं दुग्ध संविदाकार के रूप में स्व–उद्यमी, दुग्ध उत्पाद निर्माता (स्वदेशी एवं पश्चिमी), मिल्क पार्लर/मिल्क बूथ/आइसक्रीम पार्लर का स्वामी (मालिक), थोक विक्रेता, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का फुटकर विक्रेता एवं निर्यातक।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- दुग्ध उद्योग हेतु तकनीकी स्तर के मानव संसाधन को तैयार करना;
- दुग्ध एवं संबद्ध क्षेत्रों में कार्यरत मौजूदा एवं निम्न स्तर के कामगारों/तकनीशियनों की तकनीकी निपुणता को बेहतर बनाना;
- दुग्ध प्रसंस्करण एवं संबद्ध गतिविधियों में स्व–रोजगार के लिए कुशल युवा उद्यमियों को तैयार करना; और
- निम्नलिखित क्षेत्रों में ज्ञान एवं तकनीकी निपुणता प्रदान करना :
  - स्वच्छ दुग्ध उत्पादन एवं रखरखाव,
  - दुग्ध–प्रसंस्करण,

– पश्चिमी एवं स्वदेशी दुग्ध उत्पादों का निर्माण,
– दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की जाँच एवं गुणवत्ता नियंत्रण,
– विपणन और आर्थिक पहलू,
– लघु/मध्यम उद्यमों की देखरेख।

पात्रता : 1) 10+2/उच्चतर माध्यमिक उत्तीर्ण
2) बी.पी.पी. (इग्नू/ओ.डी.एल. माध्यम)
3) 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बी.पी.पी. और डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए साथ–साथ नामांकन करा सकते हैं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी, हिंदी और तेलुगु।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम चार वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : **श्रेणी (1), (2)** के लिए रु. 14,400/– और **श्रेणी (3)** के लिए रु. 15,600/– (ग्रामीण और गरीबी की रेखा से नीचे के शहरी विद्यार्थियों के लिए शुल्क में 50% रियायत)

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धांत	प्रयोग	कुल
बी.पी.वी.आई.11	दुग्ध उत्पादन और दुग्ध की गुणवत्ता	2	2	4
बी.पी.वी.आई.12	डेयरी उपकरण और उपयोगी वस्तुएं	2	2	4
बी.पी.वी.आई.13	डेयरी प्रसंस्करण और पैकेजिंग	2	2	4
बी.पी.वी.आई.14	दुग्ध उत्पाद – I	2	2	4
बी.पी.वी.आई.15	दुग्ध उत्पाद – II	2	2	4
बी.पी.वी.आई.16	दुग्ध उत्पाद – III	2	2	4
बी.पी.वी.आई.17	गुणवत्ता आश्वासन	2	2	4
बी.पी.वी.आई.18	डेयरी प्रबंधन एवं उद्यमिता	2	2	4
कुल क्रेडिट		**16**	**16**	**32**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. एम.के.सलूजा, mksalooja@ignou.ac.in, फोन : 011–29572976

4.53 मांस प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डी.एम.टी.)
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

यह कार्यक्रम खाद्य प्रस्संकरण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से तैयार किया गया है। मांस प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य मांस एवं मांस उत्पादों को अच्छी किस्म का बनाने के लिए बुनियादी ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना और साथ ही साथ इस उद्योग के लिए मानव संसाधनों का विकास करना है। इस संदर्भ में मुख्य जोर मांस प्रसंस्करण एवं कुक्कुट प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में जागरूकता एवं क्षमता सृजित करना और स्व–रोजगार के लिए कार्मिकों को प्रशिक्षित करना है। इसके लिए मुख्य जोर कुछ विशेष पहलुओं पर होगा – जैसे मांस काटने की अच्छी विधियों का विकास, वैज्ञानिक आधार पर मांस का रखरखाव, अच्छे किस्म के मांस एवं मांस उत्पादों का निर्माण, मांस एवं मांस उत्पादों का परीक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण। इसमें मुर्गियों आदि के मांस का प्रसंस्करण भी शामिल है। प्राप्त ज्ञान से प्रसंस्करण क्षेत्र में अच्छी एवं स्वच्छ विधियों से मांस एवं मांस उत्पादों का निर्माण आसानी से किया जा सकेगा। लक्ष्य समूह में शामिल हैं : मांस एवं मुर्गीपालन उद्योग में कार्यरत युवा कामगार/तकनीशियन, लघु एवं मध्यम उद्यमी, असंगठित क्षेत्र के मुर्गी एवं अन्य किस्म के मांस संबंधी संसाधक, बूचड़खानों में कार्यरत कार्मिक, एन.जी.ओ. कार्यकर्ता/प्रशिक्षक एवं कृषक।

रोजगार के अवसर : कार्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसरों में शामिल हैं: पशु खरीद पर्यवेक्षक, मांस संसाधक तकनीशियन, प्रयोगशाला सहायक, गौण उत्पाद संयंत्र तकनीशियन, पोल्ट्री संसाधक तकनीशियन, अंडा उद्योग में कार्यरत तकनीशियन, माँस एवं अंडा उद्योग, मांस और अंडा ग्रेडर, पैकेजिंग पर्यवेक्षक, चमड़ा उद्योग तकनीशियन, विपणन सहायक, वितरण सहायक, भंडारगृह सहायक एवं विनिर्माता के रूप में स्व–उद्यमी, थोक विक्रेता, फुटकर विक्रेता एवं ताजे मांस, मांस उत्पादों एवं अंडा उत्पादों के खुदरा विक्रेता एवं निर्यातक, केसिंग उत्पादक, चमड़ा उत्पादक जैसे बाइप्रोडक्ट हैंडलर, ब्लड मील एवं बोन मील उत्पादक।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य है :

- अच्छे किस्म के मांस एवं मांस उत्पादों के लिए ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना;
- मांस उद्योग एवं संबद्ध गतिविधियों के लिए मानव संसाधन विकसित करना;
- स्व–रोजगार के लिए कार्मिकों को प्रशिक्षित करना; और
- कुछ विशेष क्षेत्रों में ज्ञान एवं तकनीकी निपुणता प्रदान करना जैसे :
  - सही तरीके से मांस काटने की तकनीक
  - वैज्ञानिक आधार पर मांस का रखरखाव
  - अच्छे किस्म के मांस एवं मांस उत्पादों का निर्माण
  - मांस एवं मांस उत्पादों का परीक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण
  - लघु एवं मध्यम उद्यमों का प्रबंधन

पात्रता : 1) 10+2/उच्चतर माध्यमिक उत्तीर्ण
2) बी.पी.पी. (इग्नू/ओ.डी.एल. माध्यम)
3) 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बी.पी.पी. और डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए साथ–साथ नामांकन करा सकते हैं

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : **श्रेणी (1), (2)** के लिए रु. 14,400/– और **श्रेणी (3)** के लिए रु. 15,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धांत	प्रयोगात्मक	कुल
बी.पी.वी.आई.21	खाद्य और मांस के मौलिक सिद्धांत	2	2	4
बी.पी.वी.आई.22	मांस, पशु और वध के तरीके	2	2	4
बी.पी.वी.आई.23	ताजे मांस की प्रौद्योगिकी	2	2	4
बी.पी.वी.आई.24	प्रसंस्कृत मांस प्रौद्योगिकी	2	2	4
बी.पी.वी.आई.25	मांस की पैकेजिंग और गुणवत्ता आश्वासन	2	2	4
बी.पी.वी.आई.26	कुक्कुट उत्पाद प्रौद्योगिकी	2	2	4
बी.पी.वी.आई.27	पशु उत्पाद का उपयोग	2	2	4
बी.पी.वी.आई.28	उद्यमिता और विपणन	2	2	4
कुल क्रेडिट		**16**	**16**	**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. मीता सिन्हामहापात्रा, mitasmp@yahoo.co.in, फोन : 011–29572973

4.54 अनाजों, दालों और तिलहनों से प्राप्त मूल्य–संवर्धित उत्पादों में डिप्लोमा (डीपीवीसीपीओ) कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

यह कार्यक्रम खाद्य प्रस्संकरण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से तैयार किया गया है। इस डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से अनाजों, दालों एवं तिलहनों के उत्पादन अर्थात् खाद्य प्रसस्करण उद्योग में संलग्न व्यक्तियों को तकनीकी सहयोग प्रदान करना है और साथ ही ग्रामीण युवकों के लिए स्वरोज़गार के अवसर सृजित करना है। यह खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की कार्यबल की अपेक्षाओं पर ध्यान देते हुए वर्तमान कामगारों के ज्ञान एवं कौशल को बेहतर बनाने पर लक्षित है। कार्यक्रम के लक्ष्य समूह में शामिल हैं: शहरी/ग्रामीण युवा, कृषक एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के कुशल कामगार, असंगठित क्षेत्र के खाद्य संसाधक, खाद्य संसाधन सहकारी संस्थाओं एवं खाद्य संसाधन संस्थानों/उद्योगों के कार्मिक, लघु एवं मध्यम उद्यमी, एन.जी.ओ. कार्यकर्ता/प्रशिक्षक एवं प्रगतिशील कृषक।

रोजगार के अवसर : इस कार्यक्रम के उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए रोज़गार अवसरों में शामिल हैं : स्व–उद्यम, प्रयोगशाला सहायक, पैकेजिंग पर्यवेक्षक, भंडार गृह निरीक्षक, प्रोडक्शन लाइन पर्यवेक्षक, वितरण सहायक, खाद्य संसाधक, खाद्यान्न, दालों एवं तिलहन उद्योगों, खाद्यान्न उद्योग के फुटकर विक्रेता, संयंत्र परिचालक एवं खाद्य उद्योग (चावल मिल, आटा मिल, दाल मिल एवं अल्पाहार निर्माण इकाइयों आदि) के गुणवत्ता नियंत्रण पर्यवेक्षक एवं संयंत्र प्रबंधक।

उद्देश्य

- अनाजों, दालों, तिलहनों पर आधारित खाद्य उद्योग के लिए तकनीशियन स्तर का मानव संसाधन तैयार करना।
- इस क्षेत्र में काम कर रहे वर्तमान कार्य बल की तकनीकी प्रवीणता का उन्नयन करना।
- अनाज, दाल एवं तिलहन पर आधारित खाद्य उद्योग एवं सम्बद्ध कार्यकलापों में स्व–रोजगार के लिए युवा उद्यमियों के तौर पर युवाओं (शहरी और ग्रामीण) को तैयार करना
- निम्नलिखित में जानकारी और तकनीकी कौशल विकसित करना:
  - अनाजों, दालों, तिलहनों का मूल्यसंवर्धित उत्पादों में प्रसंस्करण;
  - अनाजों, दालों और तिलहनों में शामिल कटाई के बाद के कार्य;
  - कच्चे और संसाधित उत्पाद को हानि से बचाना;
  - उपर्युक्त फसलों पर आधारित विभिन्न उत्पादों का निर्माण और उत्पादन;
  - तैयार उत्पाद का अधिकतम आर्थिक लाभ पर विपणन और वितरण; और
  - लघु और मध्यम उद्यमों का प्रबंधन।

पात्रता : 1) 10+2/उच्चतर माध्यमिक उत्तीर्ण
2) बी.पी.पी. (इग्नू/ओ.डी.एल. माध्यम)
3) 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बी.पी.पी. और डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए साथ–साथ नामांकन करा सकते हैं

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम चार वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : **श्रेणी (1), (2)** के लिए रु. 13,200/–और **श्रेणी (3)** के लिए रु. 14,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धांत	प्रयोग	कुल
बी.पी.वी.आई.31	खाद्य के मौलिक सिद्धांत	2	2	4
बी.पी.वी.आई.32	खाद्य सूक्ष्मजैविकी	1	1	2
बी.पी.वी.आई.33	गेहूँ, मक्का और मोटे अनाजों की पिसाई	2	2	4
बी.पी.वी.आई.34	बेकिंग तथा आटे की कन्फैक्शनरी	2	2	4
बी.पी.वी.आई.35	धान प्रसंस्करण	3	3	6
बी.पी.वी.आई.36	दलहनों और तिलहनों का प्रसंस्करण	2	2	4
बी.पी.वी.आई.37	खाद्य की गुणवत्ता परीक्षण और मूल्यांकन	2	2	4
बी.पी.वी.आई.38	उद्यमिता और विपणन	2	2	4
कुल क्रेडिट		**16**	**16**	**32**

कार्यक्रम संयोजक: डॉ. मुकेश कुमार, **mkumar@ignou.ac.in** फोन : 011–29572971.

4.55 मछली उत्पाद प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डी.एफ.पी.टी.)

कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

यह कार्यक्रम खाद्य प्रस्संकरण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से तैयार किया गया है। इस डिप्लोमा कार्यक्रम को विकसित करने का उद्देश्य मछली उत्पादन के बाद प्रबंधन और मूल्य संवर्धित मछली उत्पादों के क्षेत्र में सक्षम मानव संसाधन विकसित करना है। इसमें व्यावसायिक और उद्यमिता कौशल को शामिल किया गया है, जिससे रोजगार के अवसरों के साथ–साथ विशेष रूप से ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और समाज के वंचित वर्गों के लिए स्व–रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकें। यह खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के कर्मचारियों की आवश्यकताओं से संबंधित है और मछली उत्पादन तथा प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्यरत मौजूदा कामगारों के ज्ञान और कौशल उन्नयन पर केंद्रित है। कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं, मजदूरों/प्रसंस्करण संयंत्रों के कामगारों, तकनीशियनों, मछुआरों, छोटे और मध्यम उद्यमियों, असंगठित क्षेत्र में मछली संसाधकों और कार्यरत कार्मिकों, एन.जी.ओ. कार्यकताओं/प्रशिक्षकों और किसानों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इस कार्यक्रम के **उद्देश्य** इस प्रकार हैं:

- मूल्य संवर्धित मछली उत्पाद में ज्ञान और कौशल प्रदान कर मानव संसाधन को विकसित और सुदृढ़ करना;

- स्वरोजगार के लिए कर्मियों को प्रशिक्षण देना और मछली प्रसंस्करण के साथ–साथ मछली उत्पादों को तैयार करने के लिए जागरुकता पैदा करना;
- फसलोपरांत प्रबंधन, मछली का प्राथमिक प्रसंस्करण, मूल्य संवर्द्धन, गुणवत्ता नियंत्रण और विपणन में बुनियादी ज्ञान और तकनीकी दक्षता प्रदान करना।

पात्रता : 1) 10+2/उच्चतर माध्यमिक उत्तीर्ण
2) बी.पी.पी. (इग्नू/ओ.डी.एल. माध्यम)
3) 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बी.पी.पी. और डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए साथ–साथ नामांकन करा सकते हैं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम चार वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में।

शुल्क संरचना : **श्रेणी (1), (2)** के लिए रु. 10,800/– और **श्रेणी (3)** के लिए रु. 12,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धांत	प्रयोग	कुल
बी.पी.वी.आई.41	मछली, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और मूल्य संवर्द्धन का परिचय	4	2	6
बी.पी.वी.आई.42	कीमा और कीमा आधारित उत्पाद	2	2	4
बी.पी.वी.आई.43	आलेपित उत्पाद	2	4	6
बी.पी.वी.आई.44	मछली उपोत्पाद और अपशिष्ट उपयोग	2	4	6
बी.पी.वी.आई.45	गुणवत्ता आश्वासन	2	2	4
बी.पी.वी.46	विपणन और उद्यमशीलता विकास	4	0	4
बी.पी.वी.एल.47	प्रशिक्षण और फील्ड का दौरा	0	2	2
कुल क्रेडिट		**16**	**16**	**32**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पी. विजय कुमार, **pvkumar@ignou.ac.in**, फोन : 011–29573092

4.56 जलसंभर (वाटरशेड) प्रबंधन में डिप्लोमा (डी.डब्ल्यू.एम.) कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

इस कार्यक्रम को भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, सरकार भारत की सहायता से विकसित किया गया है। जलसंभर (वाटरशेड) प्रबंधन में डिप्लोमा का उद्देश्य जलसंभर विकास/प्रबंधन के क्षेत्र में सक्षम मानव संसाधन का विकास करना है। इसका लक्ष्य जल–संरक्षण, संचयन और उपयोगिता, मृदा–अपरदन और इसका प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, पशुपालन, कृषि–वानिकी, निधियन, निगरानी, मूल्यांकन, जलसंभर विकास की क्षमता–निर्माण के साथ–साथ समाज के दीर्घकालिक सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए विस्तार एवं संप्रेषण दक्षता प्रदान करना है। यह जलसंभर कार्यक्रमों के विकास के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों की बुनियादी समझ भी प्रदान करेगा। यह डिप्लोमा कार्यक्रम जलसंभर प्रबंधन से जुड़े कार्यबल की आवश्यकताओं पर जोर देता है और वर्तमान में स्वीकृत जलसंभर प्रबंधन कार्यक्रम से जुड़े कार्मिकों के ज्ञान, और दक्षता के उन्नयन पर केंद्रित है। इसके लक्ष्य समूहों में जलसंभर विकास कार्यक्रमों में लगे सामाजिक कार्यकर्ता/स्वयंसेवक, ग्रामीण युवा, गैर सरकारी संगठन/सरकारी पदाधिकारियों के साथ कार्यरत स्वयं सेवक शामिल हैं।

इस कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने पर रोज़गार के अवसरों में शामिल है: स्व–उद्यमिता, मृदा संरक्षण और कृषि/बागवानी निरीक्षक, कृषि–वानिकी सर्वेक्षक, गैर–सरकारी संगठन (एनजीओ), जलसंभर परियोजनाओं से जुड़े सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों, शहरी आवास बोर्डों, प्राइवेट रियल एस्टेट बिल्डर्स, मृदा संरक्षण विभाग और भूजल बोर्ड, कार्य से जुड़े हुए जल संचयन तकनीशियन/पर्यवेक्षक, पशुपालन सहायक आई. डब्ल्यू.एम.पी. परियोजनाओं में सचिव।

उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

- जलसंभर विकास के लिए मानव संसाधन का विकास करना;
- वाटरशेड प्रबंधन उपागम के सिद्धांतों का परिचय और जलसंभर में काम करने का महत्व;
- सतत विकास के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और प्राकृतिक संसाधनों का रखरखाव;
- जल गुणवत्ता सहित जलसंभर के अंतर्गत भौतिक, रासायनिक और सामाजिक–आर्थिक स्थितियों के पूर्वानुमान और मूल्यांकन के लिए विभिन्न तकनीकों की जानकारी देना;
- ग्रामीण युवकों, महिलाओं और भूमिहीनों को गतिशील बनाना और उनकी क्षमता का निर्माण करना; और

- जल एवं मृदा संरक्षण कार्यनीतियों द्वारा मनुष्य और पशुओं के लिए लघु सिंचाई और जल की आपूर्ति संरचनाओं का विकास करने हेतु कौशल का विकास करना।

पात्रता : 1) 10+2/उच्चतर माध्यमिक उत्तीर्ण
2) बी.पी.पी. (इग्नू/ओ.डी.एल. माध्यम)
3) 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बी.पी.पी. और डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए साथ–साथ नामांकन करा सकते हैं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : **श्रेणी (1), (2)** के लिए रु.12,000/– और **श्रेणी (3)** के लिए रु.13,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट		
		सिद्धांत	प्रयोग	कुल
बी.एन.आर.आई.101	जलसंभर प्रबंधन के मौलिक सिद्धांत	2	2	4
बी.एन.आर.आई.102	जलविज्ञान के मूल घटक	2	2	4
बी.एन.आर.आई.103	मृदा और जल संरक्षण	2	2	4
बी.एन.आर.आई.104	बरानी खेती	2	2	4
बी.एन.आर.आई.105	पशुधन एवं चारागाह प्रबंधन	2	2	4
बी.एन.आर.आई.106	उद्यानिकी और कृषि वानिकी तंत्र	2	2	4
बी.एन.आर.आई.107	निधिकरण, निगरानी मूल्यांकन और क्षमता निर्माण	2	2	4
बी.एन.आर.पी.108	परियोजना निरूपण	0	4	4
कुल क्रेडिट		**14**	**18**	**32**

कार्यक्रम संयोजकः डॉ. मुकेश कुमार, mkumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572971

4.57 विदेशी भाषा के रूप में जर्मन भाषा अध्यापन में डिप्लोमा (डी.टी.जी.) विदेशी भाषा विद्यापीठ (एफ.ओ.एल.)

विदेशी भाषा के रूप में जर्मन भाषा अध्ययन में डिप्लोमा दूर शिक्षा के माध्यम से इस किस्म का पहला डिप्लोमा है। इसमें एक सक्रिय व्यावहारिक घटक के रूप में कक्षा में अध्ययन भी शामिल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यावसायिक जर्मन भाषा के अध्यापकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

इस कार्यकम का विकास गोएथे इंस्टिट्यूट, मैक्स मुलर भवन, यूनिवर्सिटी ऑफ विएना और इग्नू के सहयोग से किया गया है और इसका लक्ष्य उच्चतर भाषा अध्ययन सक्षमता में वृद्धि कर अध्यापकों को व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित करना है

यह अन्य यूरोपीय भाषाओं में अध्यापक प्रशिक्षण के लिए एक मॉडल होगा।

पात्रता : बी.ए. उपाधि, जर्मन भाषा का बी1 (भाषा संदर्भ के सामान्य यूरोपीय फ्रेमवर्क के अनुसार) ज्ञान और/अथवा समकक्ष भाषा में प्रवीणता और भारत के माध्यमिक विद्यालयों में विदेशी भाषा के रूप में जर्मन भाषा के अध्यापन के इच्छुक व्यक्तियों के लिए डीटीजी विकसित किया गया है।

शिक्षा का माध्यम : जर्मन

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम चार वर्ष; केवल जनवरी सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 7,000/– संपूर्ण कार्यकम के लिए

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
डी.टी.जी.1	अध्यापन के केंद्रीय सिद्धांत	6
डी.टी.जी.2	कौशल विकास	4
डी.टी.जी.3	कक्षा–अध्यापन	4
डी.टी.जी.4	पाठ–योजना तैयारी मूल्यांकन	10
कुल क्रेडिट		**24**

कार्यक्रम संयोजक : विकास के. सिंह, vikassingh@ignou.ac.in, फोन : 011–29571638, 29571631

4.58 रिटेलिंग (खुदरा व्यापार) में डिप्लोमा (डी.आई.आर.)
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ (एसओएमएस)

यह कार्यक्रम 32 क्रेडिट का है, जिसमें 16 क्रेडिट सिद्धांत और 16 क्रेडिट इंटर्नशिप और मौखिक परीक्षा के हैं। इसमें तीन महीने की इंटर्नशिप होगी। वर्कबुक–बीआरएलटी–005 प्रस्तुत करने के बाद क्षेत्रीय केंद्रों पर मौखिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

शुल्क संरचना : रु. 9,000/–

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्ष; केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध

पात्रता :

(1) श्रेणी ए–सीधा प्रवेश (डायरेक्ट एंट्री)

ए) शारीरिक रूप से उपयुक्त उम्मीदवारों की मेरिट के आधार पर 10+2/समकक्ष। विद्यार्थी, इग्नू के पक्ष में नई दिल्ली में देय डिमांड ड्राफ्ट विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत करेंगे। क्षेत्रीय केंद्र विद्यार्थी की शारीरिक स्वस्थता और योग्यता का आंकलन करने के लिए मौके पर साक्षात्कार लेगा।

(बी) विश्वविद्यालय भारत सरकार के नियमों के अनुसार सीटों का आरक्षण प्रदान करता है।

(2) श्रेणी बी–प्रायोजित प्रवेश

प्रायोजक को अपने खुदरा संगठन से 10+2/समकक्ष उत्तीर्ण कर्मचारियों को नामांकित करने की अनुमति है। प्रायोजक, सक्षम प्राधिकारी द्वारा कंपनी के लेटर हेड पर जारी किए गए एक पत्र को नामांकित उम्मीदवार के व्यक्तिगत आवेदन प्रपत्र के साथ कार्यक्रम शुल्क के लिए इग्नू के पक्ष में नई दिल्ली में देय डिमांड ड्राफ्ट जमा कराएगा।

कार्यक्रम–संरचना

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बीआरएल–1	रिटेलिंग का विहगावलोकन	4
बीआरएल–2	खुदरा विपणन और संचार	4
बीआरएल–3	खुदरा प्रबंधन परिप्रेक्ष्य और संचार	4
बीआरएल–4	ग्राहक सेवा प्रबंधन	4
बीआरएलटी–5	इंटर्नशिप और मौखिक परीक्षा	16
कुल क्रेडिट		**32**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. नवल किशोर, nkishor@ignou.ac.in, फोन : 011-29573026.
डॉ. रश्मि बंसल, rashmibansal@ignou.ac.in, फोन : 011-29573006.
डॉ. मधुलिका पी. सरकार, madhulikap.sarkar@ignou.ac.in, फोन : 011-29573023

4-59 lekjkg i:c/ku ¼boV e:u:teV½ e: fMIykek ¼Mhb:oh,eVh½
lrr f'k{kk fo|kihB ¼,lvklhb½

इवेंट मैनेजमेंट में डिप्लोमा का उद्देश्य शिक्षार्थियों को सबसे रोमांचक और तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक समारोह आयोजन उद्योग में आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। इवेंट मैनेजमेंट कई लाख डॉलर का उद्योग है और इसे ''अनुभवों का व्यवसाय'' भी कहा जाता है। एक समारोह या कार्यक्रम से तात्पर्य लोगों का किसी अनुभव के सृजन, संचालन और उसमें भाग लेने के लिए एक साथ इकट्ठा होने से है। प्रत्येक उद्योग चाहे वह एक व्यापार समूह हो, चौरिटी समूह हो या समारोह मनाने से संबंधित हो, पारंपरिक सामुदायिक आयोजनों, त्यौहारों, मेलों और परेड से लेकर आज हम प्रौद्योगिकी के साथ विषय आधारित नाटकीय तथा व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बड़े पैमाने पर देखते हैं। हम व्यावसायिक आयोजनों जैसे– बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों (एमआईसीई), सक्रियण, ब्रांड प्रचार, बौद्धिक संपदा, प्रबंधित कार्यक्रमों, डिजिटल और ग्रामीण कार्यक्रमों, खेलों, मनोरंजनों, धन उगाहने के कार्यक्रमों और इस प्रकार के अनेक समारोहों का आयोजन करते हैं।

आज के समारोह कई कंपनियों, शहरों, क्षेत्रों और देशों के आर्थिक और सामाजिक चालक हैं जो वैश्विक मांग और अवसरों में वृद्धि कर रहे हैं। तेजी से उभरते एक व्यवसाय के रूप में समारोह प्रबंधन रचनात्मकता, ज्ञान और अनुभव को आपस में जोड़ता है। इसलिए प्रशिक्षित पेशेवरों और उनकी उपलब्धता की बढ़ती आवश्यकता के बीच अंतराल को समाप्त करने के लिए अधिक केंद्रित शिक्षा की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम उन लोगों को एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, जो इवेंट मैनेजमेंट को एक व्यवसाय के रूप में अपनाना चाहते हैं। यह उन युवाओं के लिए भी उपयोगी होगा जो अपने कौशल का निर्माण करना चाहते हैं और इस क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता का उपयोग करना चाहते हैं। चाहे शिक्षार्थी इस व्यवसाय में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे हों, इसके अंतर्गत प्रगति की तैयारी कर रहे हों, अपना स्वयं का उद्यम शुरू करने की तैयारी कर रहे हों या एक व्यावसायिक के रूप में प्रमाणीकरण की तैयारी कर रहे हों, यह डिप्लोमा कार्यक्रम एक पेशेवर समारोह प्रबंधक या कार्यक्रम समन्वयक या समारोह योजनाकार के लिए आवश्यक क्षमताओं के बारे में सक्षमता का व्यापक ज्ञान प्रदान करेगा।

पात्रता: 10+2 उत्तीर्ण

शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी

अवधि: न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष, जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना: रु. 8000/– पूरे कार्यक्रम के लिए।

कार्यक्रम का विवरण:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बीएचसी 11	समारोह प्रबंधन की बुनियादी बातें	4
बीएचसी 12	समारोह की योजना बनाना	4
बीएचसी 13	समारोह का समन्वयन और नियंत्रण	4
बीएचसी 14	समारोह विपणन और प्रोन्नयन	4
बीएचसी 15	समारोह वित्त एवं लेखाकरण	4
बीएचसीपी 11	इंटर्नशिप	8
बीएचसीएल 11	प्रैक्टिकल	4
dy dfMV		32

कार्यक्रम संयोजक: डॉ. हीना के. बिजली, **heenakbijli@ignou.ac.in,** Qku ¼ 011&29536347@29572946

5. प्रमाणपत्र कार्यक्रम

5.1 विद्युत वितरण प्रबंधन में उच्च प्रमाणपत्र (ए.सी.पी.डी.एम.)
अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (एस.ओ.ई.टी.)

विद्युत वितरण प्रबंधन में उच्च प्रमाण–पत्र (ए.सी.पी.डी.एम.) कार्यक्रम को इग्नू के अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ ने ऊर्जा मंत्रालय के सहयोग से विद्युत ऊर्जा उपयोग या विद्युत क्षेत्र में कार्यरत व्यावसायिकों के दक्षता उन्नयन, प्रणालीगत क्षमता का विकास करने और लाभार्थियों को संतुष्ट करने वाले विद्युत के गुणवत्तापूर्ण व्यवसायिक वितरण की प्रणाली को प्रदर्शित करने के लिए तैयार किया गया है। मानव संसाधन विकास के सरोकारों पर ध्यान देने के लिए विकसित राष्ट्रीय कार्यनीति के हिस्से के तौर पर विशेष रूप से निर्मित यह कार्यक्रम ऊर्जा क्षेत्र में क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इसका लक्ष्य ऊर्जा वितरण उपयोगिता/कंपनियों के प्रतिभागियों, इंजीनियरों और प्रबंधकों तथा विभिन्न राज्यों के नियामक आयोगों के कार्मिकों एवं विद्युत क्षेत्र में अन्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना है।

यह कार्यक्रम विद्युत वितरण क्षेत्र में सामान्य सरोकारों और मुद्दों पर आधारित है। यह जागरूकता उत्पन्न करता है और ऊर्जा क्षेत्र में हितधारकों के बीच बेहतर कार्यों का विनिमय करता है। **आप उपभोक्ता और कर्मचारी के तौर पर ऊर्जा उद्योग में हितधारक हैं, अथवा आप विद्युत उद्योग में रोजगार पाना चाहते होंगे। इसीलिए क्षमता निर्माण के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आप निश्चित रूप से स्वागत करेंगे।**

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम के **उद्देश्य** हैं :

- बिजली वितरण क्षेत्र के मौजूदा विकास और सुधारों के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करना;
- क्षेत्र में उभरने वाली प्रौद्योगिकियों और प्रवृत्तियों के अनुप्रयोगों के बारे में जागरुकता पैदा करना; और
- इस क्षेत्र में काम करने वाले कार्मिकों को बिजली वितरण के प्रबंध संबंधी विभिन्न पहलुओं के बारे में शिक्षित करना।

पात्रता : α इंजीनियरिंग स्नातक/इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारक **या**

विज्ञान/वाणिज्य/कला स्नातक या पावर यूटिलिटी अथवा विद्युत क्षेत्र में समकक्ष योग्यता के साथ 2 वर्ष का अनुभव।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 5,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.ई.ई.1	पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर	6
बी.ई.ई.2	एनर्जी मैनेजमेंट ऐंड आई.टी. एप्लीकेशंस	4
बी.ई.ई.3	मैनेजमेंट ऑफ पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन	6
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. राखी शर्मा, rakhisharma@ignou.ac.in, फोन : 011–29572923/29572924

5.2 सूचना सुरक्षा में उच्च प्रमाणपत्र (ए.सी.आई.एस.ई.)
व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.वी.ई.टी.)

सूचना सुरक्षा में उच्च प्रमाण पत्र (ए.सी.आई.एस.ई.) (12 क्रेडिट के पहले तीन पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद सूचना सुरक्षा में प्रमाणपत्र (सी.आई.एस.ई.) प्राप्त करने के विकल्प के साथ) कार्यक्रम को आभासी परिवेश में उपलब्ध सूचना के संरक्षण और सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दक्षता एवं तकनीकों को सीखने और प्रयोग के लिए युवाओं को तैयार करने और उन्हें नेट का उत्तरदायी और अच्छी प्रकार से नेट का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से अभिकल्पित किया गया है। यह उच्च प्रमाण पत्र कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में कुल 18 क्रेडिट हैं और 12 क्रेडिट के पहले के तीन पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर विद्यार्थियों को कार्यक्रम को छोड़ने का विकल्प है। इस स्थिति में उन्हें "सूचना सुरक्षा में प्रमाण पत्र" (सी.आई.एस.ई.) दिया जाएगा। विद्यार्थी इस कार्यक्रम को न्यूनतम छह महीने और अधिकतक दो वर्षों में पूरा कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में प्रयोक्ताओं से संबंधित निम्नलिखित सुरक्षा जागरुकता और आवश्यकताओं पर विशेष जोर दिया गया है :

1. अपने डेस्कटॉप की सुरक्षा
2. अपने आँकड़ों (डाटा) की सुरक्षा
3. अपनी कनेक्टिविटी की सुरक्षा
4. सुरक्षात्मक तरीके से ब्राउजिंग (ई–मेल, इंटरनेट अनुप्रयोग)
5. इंटरनेट संचालन की सुरक्षा

6. डब्ल्यू.3सी. अनुपालन
7. आई.एस.ओ.27000 का कर्मचारी परिप्रेक्ष्य
8. वेब सर्वर/सेवाओं की सुरक्षा
9. साइबर फारेंसिक
10. मोबाइल जगत की सुरक्षा
11. सूचना, प्रौद्योगिकी सुरक्षा संबंधी सरकारी नियम

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण या समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 5,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.एस.ई.आई.41 ओ.एस.ई.आई.41 (पी)	इन्फोरमेशन सिक्योरिटी	4
ओ.एस.ई.आई.42 ओ.एस.ई.आई.42 (पी)	सिक्योरिंग इंटरनेट एक्सेस	4
ओ.एस.ई.43	इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी	4
ओ.एस.ई.आई.44 ओ.एस.ई.आई.44 (पी)	सर्वर सिक्योरिटी	6
कुल क्रेडिट		**18**

कार्यक्रम संयोजक : सुश्री उर्शला कांत, urshlakant@ignou.ac.in, फोन : 011–29571648

5.3 प्रौढ़ शिक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.ई.)

शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन सबके लिए प्रौढ़ शिक्षा का अवसर प्रदान करना है, जो प्रौढ़ शिक्षा में अल्पकालिक व्यावसायिक विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम में रुचि रखते हैं। यह उन स्नातकों के लिए भी उपयोगी होगा जो आधारभूत स्तर पर काम करना चाहते हैं। इसके साथ ही यह उन लोगों के लिए भी उपयोगी होगा जो स्नातकोत्तर उपाधि धारक हैं अथवा इससे भी उच्च शिक्षित हैं और प्रौढ़ शिक्षा, विस्तार एवं संबंधित क्षेत्रों में मध्यम और उच्च स्तरीय रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- प्रौढ़ शिक्षा, विस्तार और संबद्ध क्षेत्रों में काम करने के इच्छुक व्यक्तियों की व्यावसायिक दक्षता और क्षमता को बढ़ाना।
- प्रौढ़ शिक्षा के सिद्धांत, नीतियों और कार्यक्रमों के विभिन्न पक्षों का ज्ञान और समझ विकसित करना।
- प्रौढ़ अध्ययन केंद्र के संगठन और प्रबंधन के विभिन्न उपागमों का संवर्द्धन करना और समझ प्रदान करना।
- प्रौढ़ शिक्षा में सहभागी–पाठ्यचर्या नियोजन, विकास एवं आदान–प्रदान के साथ–साथ प्रशिक्षण, मूल्यांकन और शोध के बारे में उनके ज्ञान और समझ का विकास करना।
- उभरते सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और विभिन्न स्तरों पर प्रौढ़–शिक्षा की भूमिका का विश्लेषण करने, संवर्द्धन करने में उनकी क्षमता में वृद्धि करना।

पात्रता : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.ए.ई.1	प्रौढ़ शिक्षा को समझना	6
एम.ए.ई.2	नीति नियोजन और भारत में प्रौढ़ शिक्षा का कार्यान्वयन	6
एम.ए.ई.एल.2	व्यावहारिक कार्यः समुदाय आधारित व्यावहारिक क्रियाएँ	3
कुल क्रेडिट		**15**

कार्यक्रम अध्ययन केंद्र : इग्नू के सभी कार्यक्रम अध्ययन केंद्र जहां या तो एम.ए. (शिक्षा) या एम.एड. या बी.एड. कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं, अनंतिम रूप से पी.जी.सी.ए.ई. के लिए भी पी.एस.सी हैं।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. एम.वी.लक्ष्मी रेड्डी, lakshmireddymv@gmail.com, mvlreddy@ignou.ac.in,
फोन : 011–29572935, मोबाइल : 9868956537
श्री अजीत कुमार सी., ajitchalil@ignou.ac.in, फोन : 011–29572940, 9891628092

5.4 साइबर कानून में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.सी.एल.) विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

साइबर कानून में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र साइबर कानून के क्षेत्र में जानकारी से परिपूर्ण समाज की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु तैयार किया गया है।

उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं :

- साइबर कानून को समझने, अन्वेषण करने और उसकी गहन जानकारी प्राप्त करने में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
- धोखाधड़ी, जालसाजी (ठगी, घोटालों) और अन्य साइबर अपराधों – जैसे इंटरनेट द्वारा हो रही बाल पोर्नोग्राफी से निपटने के लिए क्षमताएँ विकसित करना।
- 'साइबर स्पेस' से उत्पन्न होने वाले सामाजिक और बौद्धिक संपदा मुद्दों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- साइबर स्पेस को विनियमित करने के लिए विभिन्न देशों की कानूनी और नीति संबंधी घटनाओं का पता लगाना।
- वाणिज्य और साइबर स्पेस के बीच संबंध की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और गोपनीयता डाटा सुरक्षा और आंकड़ा संरक्षण के अधिकार के कानूनी ढ़ाँचे की गहन जानकारी प्रदान करना।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय में स्नातक या पंचवर्षीय एल.एल.बी. पाठ्यक्रम के तीन वर्ष उत्तीर्ण करने वाले चौथे और पांचवें वर्ष के विद्यार्थी।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 8,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.आई.आर.11	साइबर स्पेस, टेक्नोलॉजी और सोशल इश्यू	4
एम.आई.आर.12	रेगुलेशन ऑफ साइबर स्पेस	4
एम.आई.आर.13	कॉमर्स ऐंड साइबर स्पेस	4
एम.आई.आर.14	प्राइवेसी ऐंड डाटा प्रोटेक्शन	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. गुरमीत कौर, gurmeetkaur@ignou.ac.in, फोन : 011–29572984

5.5 पेटेंट प्रैक्टिस में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.पी.पी.) विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने, आविष्कार और विकास का संरक्षण करने, नई प्रौद्योगिकी का सृजन करने और विश्व में व्यापार का विस्तार करने के लिए पेटेंट बौद्धिक संपदा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप है।

उद्देश्य

- विद्यार्थियों को भारतीय पेटेंट कानून का गहन ज्ञान प्रदान करना;
- विद्यार्थियों को पेटेंट संबंधी आवेदन पत्र लिखने में प्रशिक्षित करना; और
- पेटेंट अनुसंधान में विशेषज्ञता विकसित करना।

पात्रता : $^{\alpha}$विज्ञान/प्रौद्योगिकी/मेडिसिन/कानून में स्नातक और समेकित एल.एल.बी. पाठ्यक्रम के चौथे और पांचवें वर्ष के विद्यार्थी जो तीन वर्ष उत्तीर्ण कर चुके हैं। पेटेंट और प्रौद्योगिकी अंतरण कार्य से संबंधित विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 9,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:		
पाठ्यक्रम कोड	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**क्रेडिट**
एम.आई.आर.21	ओवरव्यू ऑफ इंटेलेक्चुएल प्रोपर्टी राइट	4
एम.आई.आर.22	इंटरनेशनल फ्रेमवर्क फॉर पेटेंट्स प्रोटेक्शन	4
एम.आई.आर.23	इंडियन पेंटेट्स लॉ ऐंड प्रोसीजर	4
एम.आई.आर.पी.1	परियोजना	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सुनीत कश्यप श्रीवास्तव, suneetkashyap@ignou.ac.in फोन : 011–29572990

5.6 बांग्ला–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.बी.एच.टी.) अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एस.टी.)

बांग्ला–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र उनके लिए है, जिनके पास स्नातक उपाधि है और जो हिंदी और बांग्ला का ज्ञान रखते हैं और अनुवाद के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतराभाषा, अंतः–भाषा शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इन दोनों भारतीय भाषाओं में ज्ञान प्रदान करना तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम का लक्ष्य रोजगार के अवसर सृजित करने और इन दोनों भारतीय भाषाओं में काम करने वाले लोगों में विश्वास बढ़ाना है। 16 क्रेडिट वाले इस कार्यक्रम में निम्नलिखित 4 पाठ्यक्रम हैं और प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है।

पात्रता : $^{\alpha}$स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.टी.टी.1	भारतीय भाषाओं में अनुवाद	4
एम.टी.टी.2	बांग्ला–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन	4
एम.टी.टी.3	बांग्ला और हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद	4
एम.टी.टी.पी.1	अनुवाद परियोजना	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. हरीश कुमार सेठी, hksethi@ignou.ac.in फोन : 011–29571625
डॉ. ज्योति चावला, jyoti_chl@ignou.ac.in फोन : 011–29571623

5.7 मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.एम.एच.टी.) अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एस.टी.)

मलयालम–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र उनके लिए है, जिनके पास स्नातक उपाधि है और जो हिंदी और मलयालम का ज्ञान रखते हैं और जो अनुवाद के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतःभाषा, अंतरा–भाषा शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इन दोनों भारतीय भाषाओं में ज्ञान प्रदान करना और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम का लक्ष्य रोजगार के अवसर सृजित करने और इन भारतीय भाषाओं में काम करने वाले लोगों में विश्वास बढ़ाना है। 16 क्रेडिट के इस कार्यक्रम में निम्नलिखित 4 पाठ्यक्रम हैं और प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है।

पात्रता : $^{\alpha}$स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.टी.टी. 1	भारतीय भाषाओं में अनुवाद	4
एम.टी.टी. 4	मलयालम–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन	4
एम.टी.टी. 5	मलयालम और हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद	4
एम.टी.टी.पी. 2	अनुवाद परियोजना	4
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. हरीश कुमार सेठी, hksethi@ignou.ac.in फोन : 011–29571626
डॉ. ज्योति चावला, jyoti_chl@ignou.ac.in फोन : 011–29571623

5.8 कृषि नीति में स्नातकोतर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.पी.)
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

कृषि नीति में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र (पी.जी.सी.ए.पी.) का उद्देश्य कृषि में योजना, विकास और राष्ट्रीय नीति के कार्यान्वयन के लिए मानव संसाधन तैयार करना है। कार्यनीतियों और मुद्दों के साथ कृषि नीति की रूपरेखा के उद्देश्यों और मुख्य विशेषताओं से संबंधित प्रणाली के बारे में सभी हितधारकों (stakeholders) को जानकारी होनी चाहिए, जिससे विकास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सके। इस कार्यक्रम में नीति तैयार करने के लिए आवश्यक विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिससे देश का समग्र आर्थिक विकास किया जा सके। इसके कुछ प्रमुख पहलुओं में भारतीय कृषि विकास प्रक्रिया, नीति निर्माण घटक, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यापार नीतियाँ, बौद्धिक संपदा अधिकार, अनुसंधान और विकास नीति आदि शामिल हैं। इसके लक्ष्य समूह में कृषि और ग्रामीण विकास में भागीदार व्यक्ति/संगठन और इसमें शामिल होने के इच्छुक स्नातक शामिल हैं, जो राज्य/क्षेत्रीय और केंद्रीय स्तर पर नीति बनाने और कार्यान्वयन कार्य में संलग्न हैं।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम के विशेष उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- नीति निर्माताओं, कार्यान्वयकों और प्रणाली के अन्य हितधारकों के बीच कृषि नीति की मुख्य विशेषताओं के बारे में समझ का निर्माण करना जिससे इसे प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया जा सके।
- निम्नलिखित के लिए मानव संसाधन का विकास करना:
  - कृषि क्षेत्र में राष्ट्रीय नीति के संदर्भ में कार्यनीति से संबंधित मुद्दों की पहचान करना;
  - नीतिगत पहलुओं का विश्लेषण और इसका संचालन करना; तथा
  - कृषि और ग्रामीण विकास की नीतियों के लिए एक कार्यान्वयन ढांचे का विकास करना।

पात्रता : किसी भी विषय से स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.एन.आर.1	भारतीय कृषि विकास	4
एम.एन.आर.2	कृषि नीति : रचना, संघटक, प्रक्रिया, क्रियान्वयन और तुलनात्मक विश्लेषण	4
एम.एन.आर.ई.15	सहकारी संघ और किसान संगठन	4
एम.एन.आर.ई.16	परियोजना विश्लेषण	4
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पी.के.जैन, pkjain@ignou.ac.in, फोन : 011–29573091

5.9 गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.जी.पी.एस.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

उद्देश्य :

- शांति अध्ययन और सामाजिक पुनर्निर्माण की गाँधीवादी संकल्पना को बढ़ावा देना।
- शांति और अहिंसा पर गाँधी के दृष्टिकोण का प्रचार करना।

- वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गाँधी की विश्व व्यवस्था की अवधारणा को समझना।
- अंत:विषयक परिप्रेक्ष्य से शांति और संघर्ष समाधान विकसित करना।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय से स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.जी.पी. 1	गाँधी : व्यक्तित्व और उनका समय	4
एम.जी.पी. 5	शांति और संघर्ष समाधान का परिचय	4
एम.जी.पी.ई.7	गाँधी के बाद अहिंसा आंदोलन	4
एम.जी.पी.ई. 8	शांति और संघर्ष के समाधान के बारे में गाँधीवादी उपागम	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. डी.गोपाल, dgopal@ignou.ac.in, फोन : 011–29572727/29534397

5.10 दृष्टिदोष व्यक्तियों के अनुदेशकों के लिए सूचना एवं सहायक प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.आई.ए.टी.आई.वी.आई.)

शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई)

यह दृष्टिदोष व्यक्तियों के अनुदेशकों को शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिक और नवीनतम सूचना और सहायक प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करने योग्य बनाता है। साथ ही साथ यह कौशल और क्षमताएँ अर्जित करने के लिए व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करता है। प्रमाणन इस उभरते हुए और चुनौतिपूर्ण क्षेत्र में लाभप्रद रोजगार प्रदान करने में सहायक होगा।

उद्देश्य :

- दृष्टिदोष व्यक्तियों को समझने में विद्यार्थियों को संवेदनशील बनाना।
- सामान्य रूप से विद्यार्थियों को सहायक और सूचना परक प्रौद्योगिकियों के बारे में और विशेष रूप से दृष्टिदोष व्यक्तियों के बारे में प्रशिक्षित करना।
- दृष्टिदोष व्यक्तियों के शिक्षण में सहायक और सूचना प्रौद्योगिकियों के प्रयोग में विद्यार्थियों को संपन्न बनाना।
- दृष्टिदोष व्यक्तियों में शिक्षा को सुगम बनाने के लिए कौशल और क्षमताएँ अर्जित करने के लिए विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।

पात्रता :

i) $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक उपाधि (बी.सी.ए./बी.एससी– कंप्यूटर विज्ञान) **अथवा**

ii) $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उपाधि के साथ कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा/सर्टिफिकेट **अथवा**

iii) $^{\alpha}$मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उपाधि किन्तु इस शर्त के साथ की इग्नू से सी.आई.टी. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद ही पी.जी.सी.आई.ए.टी.आई.वी.आई. प्रदान किया जाएगा।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कोर्स की प्रकृति	क्रेडिट
एम.वी.ई.आई.11	अंडरस्टैडिंग द लर्नर	इंटिग्रेटेड	4
एम.वी.ई.आई.12	एसिस्टिव एंड एडेप्टिव टेक्नोलोजी	इंटिग्रेटेड	4
एम.वी.ई.आई.13	शॉफ्टवेयर फॉर विजुअली इम्पेयर्ड	इंटिग्रेटेड	4
एम.वी.ई.आई.14	कम्प्यूनिकेशन स्किल्स	इंटिग्रेटेड	4
कुल क्रेडिट			**16**

प्रयोग : इस कार्यक्रम में प्रयोगात्मक घटक शामिल हैं।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. डी. वेंकेटश्वरलू, dvenkatesh@ignou.ac.in, फोन : 011–29573962

5.11 जियोइन्फारमेटिक्स में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.जी.आई.)

विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

विज्ञान विद्यापीठ ने इसरो, डीआरडीओ, आईआईटी, सी–डेक, डीएसटी, आईआईटीएम और देश के कई निजी एवं सरकारी विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की मदद से जियोइन्फारमेटिक्स में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र कार्यक्रम तैयार किया है। यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों को जियोइन्फारमेटिक्स की बुनियादी अवधारणाओं और इसके अनुप्रयोगों से परिचित कराने और उनमें प्रायोगिक कौशल विकसित करने को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह कार्यक्रम बुनियादी कौशल विकसित करने में रूचि रखने वाले और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक शिक्षार्थियों के लिए अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :

- जियोइन्फारमेशन विज्ञान का मूल सैद्धांतिक ज्ञान और प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- शिक्षार्थियों को स्थानिक डाटा, उनके विश्लेषण और अनुप्रयोगों से अवगत कराना, और
- जियोइन्फारमेटिक्स से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार और उच्च शिक्षा के इच्छुक शिक्षार्थियों के लिए अवसरों को बढ़ाना।

लक्ष्य समूह :

- रक्षा सैनिक
- कॉलेज एवं महाविद्यालय शिक्षक जो जियोस्पेशल तकनीकी से संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं या पढ़ाने के इच्छुक हैं।
- जियोइन्फारमेटिक्स के क्षेत्र में कौशल विकसित करने के इच्छुक ऐसे कार्यरत व्यक्ति जो इस क्षेत्र में अत्यन्त या बिल्कुल जानकारी नहीं रखते लेकिन इस क्षेत्र में दक्षता आरंभ करने या उसका विकास करने में रूचि रखते हैं; और
- इस क्षेत्र में कौशल विकसित करने के इच्छुक स्नातक

पात्रता : मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 6 महिने और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

16 क्रेडिट के इस कार्यक्रम में चार पाठ्यक्रम (तीन सैद्धांतिक और एक प्रायोगिक) शामिल हैं :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.जी.वाई. 1	जियोइन्फारमेटिक्स से परिचय	4
एम.जी.वाई. 2	सुदूर संवेदन और इमेज इंटरप्रेटेशन	4
एम.जी.वाई. 3	ग्लोबल नैविगेशन सेटेलाइट सिस्टम और भौगोलिक सूचना प्रणाली	4
एम.जी.वाई.एल. 4	जियोइन्फारमेटिक्स प्रैक्टिकल	4
कुल क्रेडिट		**16**

अध्ययन केन्द्र : कार्यक्रम के अध्ययन केंद्र आइजॉल (मिजोरम), भोपाल (म.प्र.), भुवनेश्वर (उड़ीसा), देहरादून (उत्तराखंड), दिल्ली, दुर्ग (छत्तीसगढ़), गंगटोक (सिक्किम), गुवाहाटी (असम), पुणे (महाराष्ट्र), रामपुर (उ.प्र.), श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), तिरुअनंतपुरम (केरल), टीकमगढ़ (म.प्र.) डाटा, वारंगल (तेलगाना) 14 जगहों पर स्थित हैं।

विशेष अनुदेश : यह कार्यक्रम मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर और डाटा के उपयोग को बढ़ावा देता है ताकि शिक्षार्थी अध्ययन केंद्र के अतिरिक्त समय में भी अभ्यास कर सकें और इसे अपने काम में उपयोग में ला सकें। चूंकि इस कार्यक्रम में एक प्रायोगिक पाठ्यक्रम भी हैं इसलिए इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने से पहले शिक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि वे चुने हुए अध्ययन केंद्र में प्रायोगिक पाठ्यक्रम एवं परीक्षा के लिए उपस्थित हो सकते हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लें कि उन्हें कंप्यूटर पर कार्य करने की सुविधा उपलब्ध हो क्योंकि अध्ययन केंद्र में प्रायोगिक पाठ्यक्रम के लिए उपस्थित होने से पूर्व उनका अभ्यास कर लेना अनिवार्य है।

इस कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित लिंक का अनुसरण करें :

http://ignou.ac.in/ignou/aboutignou/school/sos/programmes/detail/623/2

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. बेनीधर देशमुख, bdeshmukh@ignou.ac.in, फोन : 011–29571677

5.12 अक्युपंक्चर में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीएसीपी)

स्वास्थ्य शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

अक्युपंक्चर चिकित्सा की एक परंपरागता प्रणाली है। इसे विश्वभर में अच्छी मान्यता प्राप्त है और इसे लोगों की पर्याप्त स्वीकार्यता भी प्राप्त है क्योंकि इसका कोई भी दुष्प्रभाव नहीं होता है। सभी प्रकार की बीमारियों, विशेष रूप लाइलाज बीमारियों में इस विधि को उपयोगी पाया गया है। इसका एक लाभ यह भी है कि चिकित्सा की अन्य प्रणालियों की तुलना में इसमें इलाज पर कम खर्च आता है। यह चिकित्सा की अन्य सभी प्रणाली के स्नातकों को चिकित्सा की एक नई प्रणाली को सीखने और गंभीर एवं चिरकालिक रोगों का इलाज करने में सहायता करेगा।

पात्रता: एमबीबीएस, बीएचएमएस, बीएनवाईएस, बीयूएमएस, बीएएमएस, बीएसएमएस, बीडीएस, बीपीटी

f'k{kk dk ekè;e% अंग्रेजी

अवधि: न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना: रू.30000/– पूरे कार्यक्रम के लिए।

कार्यक्रम का विवरण

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एमएसीपी1	बेसिक थ्योरी ऑफ अक्यूपंक्चर एंड डायग्नोस्टिक मैथड्स	04
एमएसीपी2	अक्युपंक्चर मेरिडिएंस एंड अक्युप्वाइंट्स	04
एमएसीपी3	सिंड्रॉम डेफिरेंसिएशन एंड बेसिक्स ऑफ अक्युपंक्चर ट्रीटमेंट	04
एमएसीपी4	ट्रीटमेंट ऑफ कॉमन डिसीज विद अक्युपंक्चर	04
एमएसीपीएल1	बेसिक अक्युपंक्चर	08
एमएसीपीएल2	क्लीनिकल अक्युपंक्चर	08
	कुल क्रेडिट	32

कार्यक्रम संयोजकः आचार्य एस बी अरोड़ा, pgcacp@ignou.ac.in] फोन सं. 29572811

5.13 tyok;q ifjorZu esa LukrdksRrj çek.ki= ¼ihthlhlhl½ vUrjfo|kSJ;h vkSj ijkfo|kSJ;h v/;;u fo|kihB ¼,lvkvkbZVh,l½

भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा जलवायु परिवर्तन विज्ञान और अनुकूलन रणनीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने पर दिए गए महत्व को ध्यान में रखते हुए जलवायु पर मानवीय प्रभावों, जलवायु परिवर्तन के परिणामों, जलवायु परिवर्तन की परिपाटियों और प्रोटोकॉल के संबंध में जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में हुई गतिविधियों को शामिल करते हुए इस कार्यक्रम का निर्माण किया गया है। इससे शिक्षार्थी स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकेंगे और वे जलवायु परिवर्तन जैसे कि शमन और अनुकूलन रणनीतियों की प्रतिक्रिया विकल्प से भी अवगत हो सकेंगे।

mn~ns';

- शिक्षार्थियों को जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन संबंधी परिपाटियों के बारे में परिचित कराना,
- शिक्षार्थियों को स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से अवगत कराना,
- जलवायु परिवर्तन के बारे में शिक्षार्थियों को शमन और अनुकूलन रणनीतियों से परिचित कराना,
- जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन उपकरणों के बारे में समझ विकसित कराना,
- शिक्षार्थियों को जलवायु परिवर्तन और समाज के बीच पारस्परिक क्रिया के बारे में परिचित कराना।

लक्ष्य समूह

- पर्यावरण विज्ञान से संबंधित विषयों को पढ़ाने वाले स्कूल और कॉलेज स्तर के शिक्षक।
- एनजीओ पेशेवर, पर्यावरणीय कार्यकारी, नीति निर्माता, पत्रकार।

jkstxkj dk volj

जलवायु परिवर्तन की समस्या पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं को पार करती है और यथार्थवादी और समग्र समाधानों की मांग करती है। यह कार्यक्रम ऐसे नव स्नातकों पर लक्षित है जो जलवायु परिवर्तन और स्थिरता में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं और पेशेवर जो अपने ज्ञान और विशेषज्ञता का विस्तार करना चाहते हैं अथवा अपनी आजीविका में बदलाव की इच्छा रखते हैं। इस व्यापक और बढ़ते क्षेत्र में उद्योग, शिक्षा संस्थानों, परामर्श और पर्यावरण एजेंसियों में आजीविका के अनेक अवसर हैं।

dk;Øe lajpuk

ओडीएल माध्यम से प्रदत्त इस कार्यक्रम में चार–चार क्रेडिट के चार पाठ्यक्रमों के साथ 16 क्रेडिट शामिल हैं।

ØfMV dh la[;k% 16 (4 क्रेडिट प्रति पाठ्यक्रमद्ध

lkk=rk% किसी भी विषय में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक

f'k{kk dk ek/;e% अंग्रेजी

vof/k% न्यूनतम छह माह और अधिकतम दो वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3800/–

vfuok;Z ikB~;Øe% 3

oSdfYid ikB~;Øe % कोई एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम

dk;Øe dk fooj.k

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
vfuok;Z ikB~;Øe		
एमईवी 21	जलवायु परिवर्तन का परिचय	4
एमईवी 22	जलवायु परिवर्तन के प्रभाव	4
एमईवी 23	जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन	4
	oSdfYid ikB~;Øe % dksbZ ,d ys	
एमईवी 24	जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन उपकरण	
एमईवी 24	जलवायु परिवर्तन और समाज	4
	dqy ØfMV	16

dk;Øe la;kstd% Mk- oh oSdV je.ku] Qksu% -011-29571121 bZ-esy-- vvramanan@ignou.ac.in

5.14 दृश्य कला में प्रमाणपत्र चित्रकला (सी.वी.ए.पी.)
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (एस.ओ.पी.वी.ए.)

चित्रकला में प्रमाण पत्र कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में सृजनात्मक और सौंदर्य भावना का विकास सहित चित्रकारी, माध्यम और संयोजन में बुनियादी ज्ञान एवं दक्षता प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम में सृजनात्मकता, स्पष्टता और उपकरणों एवं सामग्री के प्रयोग के बारे में अवगत कराया गया है।

उद्देश्य :

- किसी कलाकृति का सृजन करने लिए स्व–प्रेक्षण, दृश्यावलोकन एवं स्व–प्रेरणा का विकास करना।
- उन्हें भारतीय कला व्यवहार एवं सौंदर्यशास्त्र की संकल्पना से परिचित कराना।
- सामग्री एवं तकनीक के प्रयोग को समझना।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण, कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.वी.ए.1	भारतीय संस्कृतिक विरासत	2
ओ.वी.ए.2	भारतीय कला स्वरूपों का बोध	2
ओ.वी.ए.3	भारतीय कला का एक परिचय	2
ओ.वी.ए.एल.4	सरल वस्तुओं का अध्ययन	4
ओ.वी.ए.एल.5	स्थिर चित्रण अध्ययन	3
ओ.वी.ए.एल.6	चित्र संयोजन	3
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : श्री लक्ष्मण प्रसाद, lakshaman.mau@ignou.ac.in, फोन : 011–29571653

5.15 दृश्य कला –अनुप्रयुक्त कला में प्रमाणपत्र (सी.वी.ए.ए.)
प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (एस.ओ.पी.वी.ए.)

अनुप्रयुक्त कला में प्रमाण पत्र कार्यक्रम का उद्देश्य सृजनात्मक एवं सौंदर्यशास्त्र की समझ के साथ बुनियादी अनुप्रयुक्त और डिजाइन दक्षता का विकास करना है।

उद्देश्य :

- कला–कार्य का सृजन करने के लिए दृष्टिकोण एवं डिजाइन की संवेदना का विकास करना।
- ग्राफिक डिजाइन के लिए सामग्री एवं तकनीक के प्रयोग को समझना।
- उन्हें भारतीय कला व्यवहारों एवं सौंदर्यशास्त्र की संकल्पना से परिचित कराना।
- ग्राफिक डिजाइनिंग एवं विज्ञापन के बारे में जानकारी प्रदान करना।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण और कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.वी.ए.1	इंडियन कल्चर हैरिटेज (सिद्धांत)	2
ओ.वी.ए.2	अंडरस्टैंडिंग इंडियन आर्ट फार्म्स (सिद्धांत)	2
ओ.वी.ए.3	ऐन इंट्रोडक्शन टू इंडियन आर्ट्स (सिद्धांत)	2
ओ.वी.ए.एल.4	डायरेक्ट स्टडी फ्रॉम सिंपल ऑब्जेक्टस (व्यवहार)	4
ओ.वी.ए.एल.7	ज्योमेट्रिकल डिजाइन (व्यवहार)	3
ओ.वी.ए.एल.8	ग्रफिक डिजाइन (व्यवहार)	3
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : मो. ताहीर सिद्दिकी, tahir.sid@ignou.ac.in, फोन : 011–29571658

5.16 प्रदर्शनपरक कला – रंगमंच कला में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.टी.एच.ए.) प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (एस.ओ.पी.वी.ए.)

रंगमंच कला में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रंगमंच कला के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान कराना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करता है

उद्देश्य :

- विद्यार्थियों को रंगमंच कला से परिचित कराना।
- रंगमंच के बारे में बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करना।
- उत्साहियों को रंगमंच की परख का ज्ञान प्रदान करना।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण और कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.वी.ए.1	इंडियन कल्चर हैरिटेज (सिद्धांत)	2
ओ.वी.ए.2	अंडरस्टैंडिंग इंडियन आर्ट फार्म्स (सिद्धांत)	2
ओ.टी.एच.1	ऐन इंट्रोडक्शन टू थियेटर ऐंड ड्रामा (सिद्धांत)	2
ओ.टी.एच.एल.2	वाइस ऐंड स्पीच (व्यवहार)	3
ओ.टी.एच.एल.3	फिजिकल ऑस्पेक्ट्स ऑफ एक्टिंग (व्यवहार)	3
ओ.टी.एच.एल.4	मेथड एक्टिंग स्टेनिसलाविस्की (व्यवहार)	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. गोविन्दराजु भारद्वाजा, dr.g_bhardwaza@ignou.ac.in, फोन : 011–29571614

5.17 प्रदर्शनपरक कला – हिंदुस्तानी संगीत में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.एच.एम.) प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (एस.ओ.पी.वी.ए.)

हिंदुस्तानी संगीत में प्रमाण पत्र शिक्षार्थियों को हिंदुस्तानी संगीत के सिद्धांत एवं व्यवहार पक्षों का बुनियादी ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ बनाता है। यह विद्यार्थियों को यह महसूस करने में भी समर्थ बनाता है कि मूल रूप से हमारे देश में केवल एक ही संगीत है। परिवर्तनों से गुजरने के बाद यह दो विशेष प्रकार के संगीत–हिंदुस्तानी और कर्नाटक में परिवर्तित हुआ है।

उद्देश्य:

कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदुस्तानी संगीत के बारे में जागरुकता और परख प्रदान करना है। यह विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ–साथ कला रूपों के सैद्धांतिक पहलुओं का ज्ञान प्राप्त करने में भी मदद करेगा।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण और कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.वी.ए.1	इंडियन कल्चर हैरिटेज (सिद्धांत)	2
ओ.वी.ए.2	अंडरस्टैंडिंग इंडियन आर्ट फार्म्स (सिद्धांत)	2
ओ.एम.यू 1	हिंदुस्तानी संगीत – एक परिचय (सिद्धांत)	2
ओ.एम.यू.एल 2	प्रैक्टिकल–1	2
ओ.एम.यू.एल.3	प्रैक्टिकल–2	4
ओ.एम.यू.एल 4	प्रैक्टिकल–3	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सीमा जौहरी, dr.seemajohari@ignou.ac.in, फोन : 011–29571655

5.18 प्रदर्शनपरक कला – कर्नाटक संगीत में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.के.एम.) प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (एस.ओ.पी.वी.ए.)

प्रदर्शनपरक कला (कर्नाटक संगीत) में प्रमाण पत्र कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कर्नाटक संगीत पर विशेष ध्यान देते हुए व्यापक परिप्रेक्ष्य में भारतीय प्रदर्शनपरक और दृश्य कला के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है।

उद्देश्य :

भारतीय प्रदर्शनपरक कलाओं की एक जैसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है और इनके सिद्धांतों का स्रोत भी समान ही रहा है। अपने सौंदर्यपरक और प्रकार्यात्मक मूल्यों के संदर्भ में ये कला के अद्वितीय रूप है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय प्रदर्शनपरक कला रूपों अर्थात् संगीत, नृत्य और रंगमंच के बारे में एक आदर्श और एकीकृत उपागम प्रदान करना है।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,000/–

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण और कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.वी.ए. 1	इंडियन कल्चरल हेरिटेज (सिद्धांत)	2
ओ.वी.ए. 2	अंडरस्टैंडिंग इंडियन आर्ट फार्म्स (सिद्धांत)	2
ओ.वी.एम.यू. 5	ऐन इंट्रोडक्शन टू कर्नाटक म्यूजिक (सिद्धांत)	2
ओ.एम.यू.एल.6	पेपर-I (प्रैक्टिकल)	3
ओ.एम.यू.एल. 7	पेपर-II (प्रैक्टिकल)	3
ओ.एम.यू.एल. 8	पेपर-III (प्रैक्टिकल)	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. मल्लिका बनर्जी, mallikabanerjee@ignou.ac.in, फोन : 011–29571656

5.19 प्रदर्शनपरक कला – भरतनाट्यम में प्रमाणपत्र (सी.पी.ए.बी.एन.) प्रदर्शनपरक और दृश्य कला विद्यापीठ (एस.ओ.पी.वी.ए.)

भारतीय शास्त्रीय नृत्य भारत के विविध क्षेत्रों के सर्वोत्कृष्ट सांस्कृतिक लोकाचारों को प्रदर्शित करता है। यह कार्यक्रम भरतनाट्यम के आधारिक तत्वों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करता है, जो एक लोकप्रिय शास्त्रीय नृत्य है और भारतीय प्रदर्शनपरक कला के आदर्श एवं एकीकृत दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करता है। इसमें 70 प्रतिशत व्यावहारिक और 30 प्रतिशत सैद्धांतिक घटक हैं। यह इग्नू का एक नवीन कार्यक्रम है जो इग्नू और इसके कार्यक्रम अध्ययन केंद्रों की शक्ति को सम्मिलित करता है। इसमें दूर एवं सतत शिक्षा के लचीलेपन को परंपरागत शिक्षण प्रणाली के साथ मिश्रित किया गया है और सिद्धांत एवं व्यवहार दोनों के लिए कार्यक्रम अध्ययन केंद्रों के माध्यम से आमने–सामने संपर्क उपलब्ध कराया जाता है।

उद्देश्य :

- नृत्य, संगीत, चित्रकला और रंगमंच जैसे अभिव्यक्ति के भारतीय सांस्कृतिक रूपों की अभिव्यक्ति के बारे में समग्र ज्ञान आधार प्रदान एवं सृजित करना।
- संस्कृति–संवेदशीलता को बेहतर बनाना और सांस्कृतिक ज्ञान विकसित करना।
- नृत्य में सुदृढ़ और ठोस व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना जो उच्च शिक्षा के लिए बुनियादी है।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण और कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.वी.ए.1	भारतीय सांस्कृतिक विरासत (सिद्धांत)	2
ओ.वी.ए.2	भारतीय कला रूपों को समझना (सिद्धांत)	2
ओ.डी.एन.1	भारतीय नृत्यरूपों का परिचय (सिद्धांत)	2
ओ.डी.एन.एल.11	भरतनाट्यम–1 (व्यवहार)	4
ओ.डी.एन.एल.12	भरतनाट्यम–2 (व्यवहार)	4
ओ.डी.एन.एल.13	संगीत एवं ताल (व्यवहार)	2
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पी. राधिका, radhika@ignou.ac.in, फोन : 011–29571657

5.20 अरबी भाषा में प्रमाणपत्र (सी.ए.एल.)
विदेशी भाषा विद्यापीठ (एस.ओ.एफ.एल.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को अरबी भाषा के अनिवार्य मूलतत्व का ज्ञान देना और धीरे–धीरे व्यवस्थित ढंग से उनमें विश्वास के साथ शुद्ध रूप में अरबी भाषा को बोलने, लिखने और पढ़ने की क्षमता का विकास करना है। यह कार्यक्रम द्विभाषी रूप में स्व–अध्ययन सामग्री के साथ उपलब्ध है, जो अत्यधिक सरल, अभिनव, और शिक्षार्थी अनुकूल है। कार्यक्रम में 16 क्रेडिट हैं। प्रत्येक क्रेडिट कुल 30 अध्ययन घंटे के बराबर है।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण अथवा 18 वर्ष की उम्र।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी/अरबी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.ए.एल.1	अरबी के मूल तत्व	8
बी.ए.एल.2	संप्रेषण दक्षता	8
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. मो. सलीम, saleem@ignou.ac.in, फोन : 011–29571637

5.21 फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (सी.एफ.एल.)
विदेशी भाषा विद्यापीठ (एस.ओ.एफ.एल.)

फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र कार्यक्रम का उद्देश्य नए सिरे से सीखने वाले व्यक्तियों को फ्रांसीसी भाषा सिखाना तथा उनमें धीरे–धीरे पढ़ने, लिखने सुनने और बोलने तथा साथ ही साथ अंतर–सांस्कृतिक क्षमता का विकास करना है। यह कार्यक्रम 'कोनेक्सियों' मेथोड द फ्रांसे पाठ्य पुस्तक के आधार पर विकसित किया गया है और यह सी.एफ.ई.आर. (कामन यूरोपियन फ्रेमवर्क ऑफ रेफ्रेंस फॉर लॉग्वेज) पर आधारित है, जो विश्व में सभी यूरोपीय भाषाओं की शिक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक के रूप में प्रयोग की जाती है।

इग्नू द्वारा तैयार की गई अतिरिक्त स्व–शिक्षण सामग्री के साथ इस पुस्तक को अनुपूरक सामग्री के रूप में प्रयोगकर्ता मैनुअल की तरह प्रयोग किया जा रहा है। इसमें अध्ययन गाईड व्याकरण से संबंधित अभ्यास और वॉक भाषा कौशल तथा उच्चारण के विकास के लिए सीडी भी शामिल हैं। इस कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता यह है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के लिए सामग्री दोनों हिंदी–फ्रेंच एवं अंग्रेजी–फ्रेंच भाषा में तैयार की गई है। विद्यार्थी अपनी भाषायी पृष्ठभूमि के अनुसार दो माध्यमों में से किसी एक माध्यम का चयन कर सकता है।

यह कार्यक्रम 12 क्रेडिट का है। प्रत्येक क्रेडिट में कुल 30 घंटे का अध्ययन शामिल होता है।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण और 18 वर्ष।

शिक्षा का माध्यम : हिंदी और अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष। जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 6,600/– पूरे कार्यक्रम के लिए।

कार्यक्रम का ब्यौराः

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एफ.एल.आई.1	स्वयं का परिचय (Talking about one self)	3
बी.एफ.एल.आई.2	परिचर्चा (Interaction)	3
बी.एफ.एल.आई.3	स्थान (Space)	3
बी.एफ.एल.आई.4	समय (Time)	3
कुल क्रेडिट		**12**

इस कार्यक्रम को प्रदान करने वाले क्षेत्रीय क्षेत्र केंद्रः दिल्ली, लखनऊ, अलीगढ़, राजकोट, नागपुर, गुवाहाटी, करनाल और शिमला।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. दीपांविता श्रीवास्तव, **deepan@ignou.ac.in,** फोन : 011–29571636

5.22 रूसी भाषा में प्रमाणपत्र (सी.आर.यू.एल.)

विदेशी भाषा विद्यापीठ (एस.ओ.एफ.एल.)

रूसी भाषा में प्रमाणपत्र छह महीने का 16 क्रेडिट का कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीखने वालों को बुनियादी रूसी भाषा सिखाना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य शिक्षार्थियों को रूसी भाषा का प्रारंभिक व्याकरण और ध्वनि संरचना से परिचित कराना है, जिससे वे शुद्ध रूप से रूसी भाषा पढ़, लिख, सुन और बोल सकें। यह कार्यक्रम द्विभाषी माध्यम (रूसी–अंग्रेजी) और दृश्य–श्रव्य घटकों के साथ स्व–शिक्षण सामग्री में उपलब्ध है जो उनकी अधिगम की क्षमता में और अधिक वृद्धि करेगा। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनके दैनिक संप्रेषण में आत्म–विश्वास के साथ रूसी भाषा बोलने तथा लिखने में समर्थ बनाएगा।

पात्रता : न्यूनतम आयु 18 वर्ष, कोई औपचारिक शिक्षा नहीं। 10वीं स्तर की अंग्रेजी की दक्षता वांछनीय है।

शिक्षा का माध्यम : रूसी भाषा और अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष। जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 2,500/– पूरे कार्यक्रम के लिए।

कार्यक्रम का ब्यौराः

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.आर.यू.1	संप्रेषण दक्षता–I	8
ओ.आर.यू.एल2	संप्रेषण दक्षता–II	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : श्री शिवाजी भास्कर, **shivajibhaskar@ignou.ac.in,** फोन : 011–29571639

5.23 आपदा प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.डी.एम.)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

आपदा प्रबंधन के इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आपदा वाले क्षेत्रों में की जाने वाली तैयारी, निवारण, नियंत्रण, राहत, पुनर्निर्माण और पुनर्वास आदि जैसे किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रदान करना है। यह कार्यक्रम एन.जी.ओ. कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों, सेना, अर्द्धसेना, पुलिस, होमगार्डों, सिविल डिफेन्स कार्मिकों, व्यावसायिकों जैसे भू–वैज्ञानिकों, मौसम वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, वनपालों (फारेस्टरों), अग्निशमन कार्मिकों, प्रशासकों, सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों, ग्राम विकास कर्मियों आदि के लिए उपयोगी होगा।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सी.डी.एम.1	आपदा प्रबंधन में आधार पाठ्यक्रम	8
सी.डी.एम.2	आपदा प्रबंधन : पद्धति एवं तकनीक	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. प्रदीप साहनी, pardeepsahni@gmail.com फोन :011–29535140/29572735

5.24 पर्यावरण अध्ययन में प्रमाणपत्र (सी.ई.एस.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

यह कार्यक्रम औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा के सभी स्तरों पर प्रत्येक आयु वर्ग की आम जनता, व्यावसायिकों, पारिस्थितिकीविदों, जलविज्ञानियों, वनपालों (फारेस्टरों), भूदृश्य वास्तुकारों, पेशेवर या सामाजिक समूहों, प्रशासकों और योजनाकारों, इंजीनियरों, उद्योगपतियों, कृषकों आदि के लिए उपयोगी है। गैर–सरकारी संगठन अपनी प्रसार क्षमता के लिए इसे बहुत उपयोगी पाएँगे।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ए.एच.ई.1	मानव पर्यावरण (ए.एच.ई. परियोजना सम्मिलित नहीं)	6
टी.एस.5	पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन	8
पी.ई.एस.1	परियोजना कार्य–पर्यावरण अध्ययन	4
कुल क्रेडिट		**18**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. रवीन्द्र कुमार, profravin@yahoo.co.in, फोन : 011–29572744.

5.25 गैर–सरकारी संगठन प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सी.एन.एम.)
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.एम.एस.)

गैर–सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) भारत के सभी प्रदेशों में विभिन्न विकास के मुद्दों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वी.ए.एन (स्वैच्छिक ऐक्शन नेटवर्क) भारतीय स्वैच्छिक संगठनों का एक शीर्ष निकाय है। ऐसा अनुमान है कि भारत में 1.2 लाख गैर–सरकारी संगठन काम कर रहे हैं। योजना आयोग के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश में 12,000 से भी अधिक गैर–सरकारी संगठन हैं। विकास की प्रक्रिया में स्वैच्छिक क्षेत्र की तेजी से बढ़ती महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए नीति निर्माण के सभी स्तरों पर विकास की चुनौतियों से निपटने के लिए इसकी क्षमता निर्माण को बनाने पर बल दिया गया है।

प्रबंधन शिक्षा की प्रक्रिया पर अब तक जोर केवल निजी क्षेत्र और/या बड़े सार्वजनिक उपक्रमों तक ही सीमित था। स्वैच्छिक क्षेत्र के लिए क्षमता निर्माण के प्रयास अब तक कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विश्वविद्यालय में औपचारिक पाठ्यक्रम कार्य तक ही सीमित था। लेकिन इस क्षेत्र के आकार को देखते हुए अगर हम इसमें सामाजिक रूप से सक्रिय उत्साही व्यक्तियों को शामिल करते हैं, तो इस क्षेत्र की क्षमता निर्माण आवश्यकता को दूर शिक्षा कार्यक्रम द्वारा पूरा कर सकते हैं।

उद्देश्य:

इस कार्यक्रम के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं:

- एन.जी.ओ. कार्यकर्ताओं को बुनियादी प्रबंधकीय अवधारणा प्रदान करना।
- गैर–सरकारी संगठन के कर्मचारियों को इस विषय में अथवा इस काम के लिए कार्यक्रम के अंतिम उपयोगकर्ताओं को ज्ञान प्रदान करना।
- प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर अंतिम उपयोगकर्ताओं के कौशल में वृद्धि करने में सहायता प्रदान करना।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या एन.जी.ओ. में तीन साल के कार्य अनुभव के साथ 10वीं पास।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एम.एस.1	एन.जी.ओ. प्रबंधन का परिचय	4
बी.एम.एस.2	प्रबंधन कार्य	4
बी.एम.एस.3	स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन	4
कुल क्रेडिट		**12**

7 दिन का संपर्क कार्यक्रम एक अनिवार्य गैर–क्रेडिट घटक है और विद्यार्थी को इसे पंजीकृत गैर–सरकारी संगठन में ही पूरा करना है। संपर्क कार्यक्रम पूरा करने संबंधी प्रमाणपत्र विद्यार्थी द्वारा संबंधित क्षेत्र केंद्र में जमा कराना है। इस कार्यक्रम के अध्ययन केन्द्र अन्य प्रबंध कार्यक्रमों के अध्ययन केन्द्र के समान हैं।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. नीति अग्रवाल, neeti@ignou.ac.in, फोन : 011–29573020

5.26 व्यवसाय कौशल में प्रमाणपत्र (सी.बी.एस.)
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.एम.एस.)

यह कार्यक्रम इग्नू, राजीव गाँधी फांउडेशन (आर.जी.एफ.) और कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सी.ओ.एल.), कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य गैर–सरकारी संगठनों और अन्य एजेंसियों को इस योग्य बनाना है जिससे वे बेसहारा बालकों, बेरोज़गार युवाओं, ग्रामीण और शहरी लाभवंचित वर्गों तथा महिलाओं में व्यापार कौशल का विकास कर सकें जिससे इन समूहों को लाभप्रद स्व–रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। व्यवसाय कौशल में प्रमाणपत्र पाने योग्य बनने के लिए विद्यार्थी को निम्नलिखित 4 पाठ्यक्रम पूरे करने होंगे जो 18 क्रेडिट के बराबर हैं।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ई.सी.ओ.1	व्यवसाय संगठन	4
पी.सी.ओ.1	वाणिज्य में प्रारंभिक पाठ्यक्रम	4
बी.सी.ओ.ए.1	व्यवसाय संप्रेषण एवं उद्यमिता	4
सी.आई.टी.एल.1	प्रयोगशाला पाठ्यक्रम	6
कुल क्रेडिट		**18**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सुबोध केशरवानी, skeshwarwani@ignou.ac.in, फोन : 011–29573018

5.27 द्वितीय भाषा के रूप में अंग्रेजी शिक्षण में प्रमाणपत्र (सी.टी.ई.)
मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

यह कार्यक्रम भाषा शिक्षण के लिए सम्प्रेषण उपागम पर आधारित है और विद्यार्थियों, शिक्षण प्रक्रिया, अंग्रेजी भाषा का स्वरूप और संरचना के बारे में शिक्षक की जानकारी बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। यह सुनने, बोलने व पढ़ने की दक्षता के लिए प्रणालियों का नवीकरण करने में भी शिक्षकों की सहायता करता है।

पात्रता : $^{\alpha}$स्नातक अथवा तीन वर्ष का बी.एल.एड. अथवा 2 वर्षीय पी.टी.टी., ई.टी.टी. अथवा 2 वर्ष के अध्यापन अनुभव के साथ 10+2 उत्तीर्ण।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
1) अनिवार्य पाठ्यक्रम		
सी.टी.ई.1	द लैंग्वेज लर्नर	4
सी.टी.ई.2	द स्ट्रक्चर ऑफ इंग्लिश	4
सी.टी.ई.3	टीचिंग स्ट्रैटीजीज	4
2) वैकल्पिक पाठ्यक्रम (कोई एक)		
सी.टी.ई.4	टीचिंग इंग्लिश एलिमेंट्री स्कूल	4
सी.टी.ई.5	टीचिंग इंग्लिश सेकेंड्री स्कूल	4
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. अंजु सहगल गुप्ता, anjusgupta7@gmail.com, फोन : 011–29572776

5.28 प्रयोजनमूलक अंग्रेजी में प्रमाणपत्र (बेसिक लेवल) (सी.एफ.ई.)
मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा की दक्षता को सुधारेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने, संप्रेषणात्मक व्याकरण के कौशलों तथा अध्ययन कौशलों में अभ्यास और जानकारी प्रदान कराना है जिससे वे सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में अंग्रेजी का प्रयोग कर सकें। यह विद्यार्थियों को कुछ व्यावसायिक दक्षताओं से भी अवगत कराएगा जो उन्हें रोजगार के लिए तैयार करेगा। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को उनके दैनिक जीवन के सभी अवसरों पर बातचीत करने एवं प्रभावी लेखन में सक्षम बनाएगा।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या इसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.ई.जी.4	English in Daily Life	4
बी.ई.जी.5	English in Education	4
बी.ई.जी.6	Joining the Work Force	4
कुल क्रेडिट		12

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. अन्जु एस. गुप्ता, anjusgupta7@gmail.com, फोन : 011–29572776

5.29 उर्दू भाषा में प्रमाणपत्र (सी.यू.एल.)
मानविकी विद्यापीठ (एस.ओ.एच.)

यह कार्यक्रम मूलतः उन हिंदी और उर्दू बोलने वालों के लिए है, जो सही ढंग से उर्दू भाषा पढ़ना, लिखना और बोलना नहीं जानते हैं। यह आलेख लेखन, उच्चारण कौशल, संप्रेषण और उर्दू गद्य और पद्य की समझ से परिचित कराता है। इससे विद्यार्थी इन क्षेत्रों में क्षमता का विकास करता है और सामग्री से सामाजिक–सांस्कृतिक जानकारी प्राप्त करता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 क्रेडिट का है।

पात्रता : जो भी उर्दू सीखने के इच्छुक हैं।

शिक्षा का माध्यम : द्विभाषी (हिंदी/उर्दू)।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.यू.एल.1	आलेख और उच्चारण	8
ओ.यू.एल.2	संप्रेषण एवं विश्लेषण कौशल	8
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. सत्यकाम, satyakam@ignou.ac.in, फोन : 011–29572751
डॉ. अब्दुल हाफीज, drhafeez@gmail.com, फोन : 9450115426

5.30 एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में प्रमाणपत्र (सी.ए.एफ.ई.)
सामाजिक कार्य विद्यापीठ (एस.ओ.एस.डब्ल्यू.)

एच.आई.वी. और परिवार शिक्षा में प्रमाणपत्र इस संबंध में विस्तृत जानकारी देता है कि एच.आई.वी./एड्स, पारिवारिक जीवन शिक्षा, जीवन के तथ्य और वास्तविक हानि क्या है, क्यों है, और कैसे होती है। विषयवस्तु को एच.आई.वी./एड्स, व्यवहार परिवर्तन में अंतर्निहित मुद्दों के बारे में विद्यार्थियों को एकीकृत ज्ञान देने के लिए तैयार किया गया है। लक्ष्य समूह में स्कूल के शिक्षक, एन.जी.ओ. पदाधिकारी, पैरा-मैडिकलकर्मी, किशोरों के माता-पिता तथा वे व्यक्ति शामिल हैं जो इस विषय पर ज्ञान अर्जित करना चाहते हैं। प्रमाणपत्र कार्यक्रम में चार-चार क्रेडिट के निम्नलिखित पाठ्यक्रम हैं। शिक्षार्थी को 2 अनिवार्य पाठ्यकमों और 4 ऐच्छिकों में से किसी वैकल्पिक का चयन करना है। प्रमाणपत्र के लिए 16 क्रेडिट अर्जित करना अनिवार्य है।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष **अथवा** इग्नू से बीपीपी

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
अनिवार्य पाठ्यक्रम		
बी.एफ.ई.102	परिवार शिक्षा के मूल सिद्धांत	4
ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई दो चुनें)		
बी.एफ.ई.ई.101	एच.आई.वी./एड्स में ऐच्छिक	4
बी.एफ.ई.ई.102	परिवार शिक्षा में ऐच्छिक	4
बी.एफ.ई.ई.103	अल्कोहल, ड्रग और एचआईवी	4
बी.एफ.ई.ई.104	एचआईवी में संचार व परामर्श	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. रोज़ नेंबिआक्किम, **rosenembiakkim@ignou.ac.in**, फोन : 29571695

5.31 समाज कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रमाणपत्र (सी.एस.डब्ल्यू.सी.जे.एस.)
समाज कार्य विद्यापीठ (एस.ओ.एस.डब्ल्यू.)

समाज कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम का उद्देश्य कारावास, परिवार अदालतों, भिक्षु गृह, प्रेक्षण गृह/रक्षा गृह, बालक–बालिकाओं के विशेष विद्यालयों आदि में सुधार कार्य करने के इच्छुक स्नातक व्यावसायिकों को प्रशिक्षित करना है। यह कार्यक्रम सुधार कार्यों से जुड़े विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, व्यावसायिकों, पेशेवरों के लिए भी प्रासंगिक होगा। छह माह की अवधि का यह कार्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। शिक्षार्थी को प्रमाण पत्र के लिए 16 क्रेडिट अर्जित करने अपेक्षित हैं। 16 क्रेडिट में से 8 क्रेडिट सिद्धांत और 8 क्रेडिट व्यवहार पक्ष के हैं।

पात्रता : $^{\alpha}$किसी भी विषय में स्नातक।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.एस.डब्ल्यू.31	सुधार गृहों में समाज कार्य हस्तक्षेप (अनिवार्य)	4
एम.एस.डब्ल्यू.32	समाजिक कार्य और आपराधिक न्याय (अनिवार्य)	4
एम.एस.डब्ल्यू.एल.33	सुधार गृहों में समाज कार्य का अभ्यास (अनिवार्य)	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सायन्तनी गुइन, **cswcjsinfo@ignou.ac.in**, फोन : 011–29571697

5.32 स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.एच.सी.डब्ल्यू.एम.)
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट का अंधाधुंध निपटान और एड्स, हैपिटाइटिस–बी जैसे घातक संक्रामक रोगों के बढ़ने के साथ–साथ वैश्विक धरातल पर आज जैव–चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों/कामगारों को शिक्षित करना बहुत महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य देखभाल करने वाले इन पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए इग्नू के स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ ने दक्षिण–पूर्व एशियाई क्षेत्र के देशों के लिए स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम को डब्ल्यू.एच.ओ., एस.ई.ए.आर.ओ. के सहयोग से तैयार किया है।

इस कार्यक्रम का **उद्देश्य** है :

- विद्यार्थियों को स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट और हमारे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर इसके प्रभाव के बारे में संवेदनशील बनाना;
- दक्षिण–पूर्व एशियाई क्षेत्र के देशों में स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवहारों के संबंध में विद्यार्थियों को विद्यमान कानून, ज्ञान और प्रक्रियाओं से परिचित कराना;
- विद्यार्थी को स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट का प्रभावी और सुरक्षित तरीकों से प्रबंध करने के कौशल से युक्त करना;

पात्रता : न्यूनतम 10+2

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

लक्ष्य समूह : स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों में कार्यरत डॉक्टर, नर्सें, पैरामेडिक्स, स्वास्थ्य प्रबंधक और अन्य पेशेवर कार्यकर्ता।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पाठ्यक्रम का स्वरूप	क्रेडिट
अनिवार्य पाठ्यक्रम			
बी.एच.एम.101	मूल सिद्धांत : पर्यावरण और स्वास्थ्य, स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंध विनियम	सिद्धांत	6
बी.एच.एम.102	स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंध : अवधारणाएँ, प्रौद्योगिकियाँ और प्रशिक्षण	सिद्धांत	6
ऐच्छिक पाठ्यक्रम	**(कोई दो चुनें)**		
बी.एच.एम.ई. 101	स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच अंतःसंबंध	ऐच्छिक	2
बी.एच.एम.ई. 102	कामगार सुरक्षा और रोगी की सुरक्षा	ऐच्छिक	2
बी.एच.एम.ई. 103	स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान स्थिति और क्षेत्रीय देशों के कानून	ऐच्छिक	2
बी.एच.एम.ई. 104	प्रबंधकीय और प्रणाली उपागम	ऐच्छिक	2
बी.एच.एम.ई. 105	अपशिष्ट प्रबंधन के विशेष विचार	ऐच्छिक	2
बी.एच.एम.ई. 106	अपशिष्ट प्रबंधन के प्रशासनिक और कानूनी पहलू	ऐच्छिक	2
बी.एच.एम.पी. 101	परियोजना	परियोजना	2
बी.एच.एम.एल. 101	कार्यशाला	प्रैक्टिकल	2
	dy		16

इसमें दो अनिवार्य पाठ्यक्रम (बीएचएम–101 और बीएचएम–102) और आठ वैकल्पिक (ऐच्छिक/परियोजना/प्रैक्टिकल) पाठ्यक्रम हैं। विद्यार्थी को दो अनिवार्य पाठ्यक्रम और वैकल्पिक में से कोई दो पाठ्यक्रम लेने हैं। कार्यक्रम मिश्रित उपागम में हैं। पाठ्यक्रम सामग्री स्व–शिक्षण सामग्री पुस्तकों/पुस्तिकाओं, दृश्य–श्रव्य सामग्री और वेब सहायता के रूप में है। कार्यशाला पाठ्यक्रम का चयन करने वाले विद्यार्थियों को अनिवार्य 2–3 दिन की कार्यशाला (कार्यक्रम अध्ययन केंद्र योजनानुसार) में भाग लेना अपेक्षित हैं। विद्यार्थी की रूचि और केंद्र की उपलब्धता के आधार पर विद्यार्थी को कार्यक्रम अध्ययन केंद्र आबंटित किया जाएगा। सीटों की तुलना में योग्य आवेदकों की संख्या अधिक होने पर, मेरिट बनाने के लिए 10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा के अंकों पर विचार किया जाएगा। दो उम्मीदवारों में टाई होने पर अधिक उम्र को वरीयता दी जाएगी।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. रूचिका कुबा, rkuba@ignou.ac.in, फोन : 011–19572813

5.33 नवजात शिशु और बच्चों की देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एन.आई.एन.)
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

नवजात और शिशु देखभाल में प्रमाणपत्र सेवारत नर्सों (सीआएनआरएम) के लिए छह माह की अवधि का सतत नर्सिंग कार्यक्रम है और यह 16 क्रेडिट (6 क्रेडिट सिद्धांत और 10 क्रेडिट प्रयोगात्मक) का कार्यक्रम है, जिसमें दो पाठ्यक्रम (एक सिद्धांत और एक प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम) हैं।

उद्देश्य:

कार्यक्रम का उद्देश्य है :

- नवजात और शिशुओं की देखभाल में नर्सिंग कार्मिकों के ज्ञान, कौशल तथा व्यवहार को संवर्धित व अद्यतन करना;
- सामान्य, खतरे की संभावना वाले और बीमार नवजात व शिशुओं को प्रभावी नर्सिंग देखभाल प्रदान करने में नर्सिंग कार्मिक को योग्य (समर्थ) बनाना।

पात्रता : सामान्य नर्सिंग और मिडवाइफरी (जी एन एम) में डिप्लोमा/बी.एससी. (नर्सिंग) अथवा और अधिक योग्यता सहित नर्स व्यवसायी (आर एन आर एम)।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सिद्धांत		
बी.एन.एस.115	नवजात और शिशु की नर्सिंग देखभाल	6
प्रयोगात्मक		
बी.एन.एस.एल.115	नवजात और शिशु की देखभाल में नर्सिंग व्यवहार और क्रिया–विधियाँ	10
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. पिटी कौल, सुश्री रोहिनी शर्मा, cnin@ignou.ac.in, फोन : 011–29572815

5.34 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एम.सी.एच.एन.) स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल नर्सिंग में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम सेवारत नर्सों/एएनएम/आरएनआरएम के लिए छह माह की अवधि का सतत नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रम है। यह 16 क्रेडिट (6 क्रेडिट सिद्धांत और 10 क्रेडिट प्रयोगात्मक) का कार्यक्रम है और इसमें एक सिद्धांत और एक प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम है।

उद्देश्य:

- प्रजनन और शिशु स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने वालों के ज्ञान और कौशलों को अद्यतन करना;
- स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने वालों को माँ व बच्चे के प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल करने योग्य बनाना।

पात्रता : नर्सें (आर.एन.आर.एम.) जिनके पास सामान्य नर्सिंग और मिडवाइफरी (जी.एन.एम.) या उच्चतर डिप्लोमा हो अथवा सहायक नर्स मिडवाइफ (ए.एन.एम.)/महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एफ.एच.डब्ल्यू.)/स्वास्थ्य पर्यवेक्षक (एच.एस.)/महिला स्वास्थ्य विजिटर (एल.एच.वी.)/लोक स्वास्थ्य नर्स (पी.एच.एन.)।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एन.एस.117	मातृ व शिशु देखभाल	6
बी.एन.एस.एल.117	मातृ व शिशु स्वास्थ्य देखभाल में व्यवहार तथा क्रियाविधियाँ	10
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. पिटी कौल, डॉ. रीता देवी, cmchn@ignou.ac.in, फोन : 011–29572817

5.35 गृह आधारित स्वास्थ्य देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एच.बी.एच.सी.) स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस.)

गृह आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता के लिए प्रमाण पत्र कार्यक्रम 6 महीने की अवधि और, 14 क्रेडिट का (सिद्धांत 4 क्रेडिट, प्रायोगिक 10 क्रेडिट) है। यह कार्यक्रम 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए है। यह कार्यक्रम बुजुर्गों और चिरकालिक बीमारी से पीड़ित लोगों की देखभाल के लिए देश में आवश्यक कौशल से परिपूर्ण कार्य दल का निर्माण करने के लिए विकसित किया गया है। यह कार्यक्रम ऐसे परिवार के सदस्यों और रोगियों की मदद करेगा जो लंबे समय से बीमारी एवं रोगी की देखभाल करने के तनाव का सामना कर रहे हैं। इससे ऐसे रोगियों के रिश्तेदारों के साथ–साथ रोगियों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्य हैं :

- संस्थागत देखभाल के बाद घर लौटे रोगियों की देखभाल करना।
- बुजुर्गों और चिरकालिक रोगों से पीड़ित लोगों की देखभाल करने के लिए देश में कुशल कार्य बल तैयार करना।

पात्रता : न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी/हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सी.एन.एस.–एच.सी.1	गृह आधारित देखभाल (सिद्धांत)	4
सी.एन.एस.–एच.सी.पी.1	गृह आधारित देखभाल से संबंधित कौशल (प्रयोगात्मक)	10
कुल क्रेडिट		**14**

कार्यक्रम संयोजक : सुश्री रीता देवी, **reetadevi@ignou.ac.in**, फोन : 011–29572817

5.36 सामुदायिक रेडियो में प्रमाणपत्र (सी.सी.आर.)
पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.जे.एन.एम.एस.)

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण या समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी/हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 6,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.जे.एम. 1	सामुदायिक रेडियो से परिचय	4
बी.जे.एम. 2	सामुदायिक रेडियो का संचालन	4
बी.जे.एम.पी. 1	प्रायोगिक कार्य/ इंटर्नशिप (10 दिन)	8
कुल क्रेडिट		**16**

प्रायोगिक घटक : इस कार्यक्रम में 10 दिन का अनिवार्य प्रायोगिक कार्य है, जिसे चुनिंदा आकाशवाणी/ज्ञानवाणी रेडियों केन्द्रों अथवा इग्नू मुख्यालय (नई दिल्ली) पर संचालित किया जाएगा। प्रायोगिक सत्र/इंटर्नशिप में प्रतिभागिता का खर्च विद्यार्थी को वहन करना होगा।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. ओ.पी. देवल, **opdewal@ignou.ac.in**, फोन : 011–29571603

5.37 पर्यटन अध्ययन में प्रमाणपत्र (सी.टी.एस.)
पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एच.एस.एम.)

कार्यक्रम का उद्देश्य आपको पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना, पर्यटन के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना, पर्यटन सेवाएं संगठित करने में बुनियादी प्रशिक्षण देना और आजीविका (कैरियर) के अवसर उपलब्ध कराना है। इसमें आठ–आठ क्रेडिट के दो पाठ्यक्रम हैं।

पात्रता : 10+2 या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
टी.एस. 1	पर्यटन में आधार पाठ्यक्रम	8
टी.एस. 2	पर्यटन विकास: उत्पाद, संचालन और प्रकरण अध्ययन	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : फोन : 011–29571757

5.38 भोजन एवं पोषण में प्रमाणपत्र (सी.एफ.एन.) सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

भोजन एवं पोषण में प्रमाणपत्र मूलतः साक्षर लोगों के लिए एक जागरुकता कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए है, जिन्हें बुनियादी तौर पर पढ़ना–लिखना आता है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को भोजन की भूमिका के साथ–साथ व्यक्ति, परिवार और समुदाय के स्वस्थ रहन–सहन की जानकारी देना है। पाठ्यक्रम में भोजन का चयन और उसे बनाना, शैशवास्था से वृद्धावस्था तक पोषण, भोजन का आर्थिक पक्ष, घरेलू बागवानी, खाद्य पदार्थ अपमिश्रण, उपभोक्ता अधिकार, सुरक्षा और शिक्षा आदि जैसी विशेषताएँ शामिल हैं। वर्तमान समय में सम्पूर्ण राष्ट्र को उपलब्ध पौष्टिक भोजन, इसकी कम लागत और इसे प्राप्त करने में पर्यावरण किस प्रकार से सहायक सिद्ध होता है आदि पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पोषण पर जोर देना है ताकि विद्यार्थी को अपने उत्तरदायित्व की समझ हो सके और उन्हें भावी जागरूक नागरिक बनाया जा सके।

पात्रता : कोई औपचारिक योग्यता नहीं, प्रवेश फार्म प्राप्त करने की अंतिम तारीख को न्यूनतम आयु 18 वर्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, पंजाबी, तमिल और उड़िया।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सी.एफ.एन.1	आप और आपका भोजन	6
सी.एफ.एन.2	आपका भोजन और उसकी उपयोगिता	6
सी.एफ.एन.3	भोजन का आर्थिक पक्ष	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. दीक्षा कपूर, deekshakapur@ignou.ac.in, फोन : 011–29572960, 29536347

5.39 पोषण और शिशु देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एन.सी.सी.) सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

यह कार्यक्रम पोषण और शिशु विकास दोनों से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। यह भोजन, पोषण और स्वास्थ्य, भोजन की योजना के सिद्धांतों, पोषण संबंधी विकारों, भोजन का बजट बनाने के सिद्धांतों, भोजन का चयन करने, भोजन भंडारण एवं भोजन परिरक्षण के बारे में बुनियादी समझ प्रदान करता है।

यह शिक्षार्थियों को जन्म से लेकर छह महीने की आयु के बच्चों के विकास को समझने, उचित खेल गतिविधियों और शिक्षण अनुभवों का आयोजन कर उनके विकास का संवर्धन करने और ईसीसीई केंद्रों की स्थापना करने के सिद्धांतों के प्रति जागरूक करने में सक्षम बनाता है।

यह कार्यक्रम ऐसे कार्यकताओं के लिए भी रूचिकर होगा, जो जन्म से लेकर छह माह की आयु के बच्चों के साथ काम करते हैं, जहां पर उनके काम में, बच्चों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ–साथ उनकी शिक्षा और खेलकूद की आवश्यकताओं को भी पूरा करना है। इस प्रकार के कार्यकर्ता विभिन्न प्रतिष्ठानों जैसे – क्रैच, शालापूर्व स्कूल आंगनवाड़ी और बालवाड़ी में कार्यरत हो सकते हैं। इसके लक्ष्य समूहों में माता–पिता और छोटे बच्चों के विकास के बारे में जानने वाले अन्य उत्सुक व्यक्ति शामिल हो सकते हैं।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सी.एन.सी.सी.1	समुदाय के लिए पोषण	8
सी.एन.सी.सी.2	शिशु देखभाल सेवाओं का आयोजन	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. दीक्षा कपूर, deekshakapur@ignou.ac.in, फोन : 011–29572960, 29536347
डॉ. रेखा शर्मा सेन, rekhasharmasen@ignou.ac.in फोन : 011–29572958

5.40 ग्राम विकास में प्रमाणपत्र (सी.आर.डी.)
सतत शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.सी.ई.)

ग्राम विकास का यह कार्यक्रम ग्राम समाज में परिवर्तन को प्रभावित करने वाले सामाजिक–आर्थिक कारकों का व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम द्वारा ग्राम विकास के महत्वपूर्ण आयामों की व्यापक जानकारी प्रदान की गई है। इसे विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है, जो समय और संसाधनों की कमी के कारण ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूरा करने में असमर्थ हैं, फिर भी, वे अल्पकाल में ही ग्राम विकास का संपूर्ण ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। जिन छात्रों ने सी.आर.डी. पूरा कर लिया है और आगे ग्राम विकास में एम.ए. अथवा ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करना चाहते हैं, उन्हें इस प्रमाण पत्र के पाठ्यक्रमों का क्रेडिट अंतरण मिलेगा।

पात्रता : $^{\alpha}$स्नातक उपाधि।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एम.आर.डी.101	ग्राम विकास : भारत के संदर्भ में	6
एम.आर.डी.102	ग्राम विकास कार्यक्रम	6
एम.आर.डी.103	ग्राम विकास योजना और प्रबंध	6
कुल क्रेडिट		**18**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सौम्य कांति पालित,, skpalit@ignou.ac.in फोन : 011–29572956

5.41 रेशम कीट पालन में प्रमाणपत्र (सी.आई.एस.)++
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

यह कार्यक्रम भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के केन्द्रीय रेशम बोर्ड की सहायता से तैयार किया गया है। भारत रेशम का सबसे बड़ा उपभोक्ता होने के साथ ही साथ विश्व में रेशम उत्पादन करने वाले देशों में द्वितीय स्थान पर है। केन्द्रीय रेशम बोर्ड (सी.एस.बी.) अपने संस्थागत नेटवर्क के माध्यम से कृषकों, उद्यमियों और तकनीशियनों के लिए शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण घटक के अंतर्गत सीमित तौर पर कार्य कर रहा है। सी.एस.बी. और इग्नू का लक्ष्य है कि ओ.डी.एल. के माध्यम से शहतूत कृषि एवं रेशमकीट उत्पादन में लगे हुए कृषकों एवं तकनीशियनों को वैज्ञानिक एवं उद्यमशीलता के सिद्धांत प्रदान किया जाए।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

- ग्रामीण युवाओं/किसानों को रेशम कीट पालन को लाभदायी आजीविका के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार करना।
- रेशम कीट पालन के विभिन्न पहलुओं में ज्ञान और तकनीकी कौशल प्रदान करना।
- रेशम कीट पालन में अवसर और रोजगार के बारे में जागरूकता पैदा करना।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण अथवा बिना 10वीं उत्तीर्ण जिनके पास रेशम कीट पालन के क्षेत्र में 2 वर्ष का अनुभव हो। अनुभव प्रमाण–पत्र रेशम कीट पालन/कृषि/विस्तार/मान्यताप्राप्त एन.जी.ओ./उद्योग के विस्तार अधिकारियों से प्राप्त होना चाहिए।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एल.पी.1	रेशम उत्पादन का परिचय	2
बी.एल.पी.आई.2	पोषक पौधे की कृषि	6
बी.एल.पी.आई.3	रेशम कीट का पालन	6
बी.एल.पी.4	फसल सुरक्षा/बचाव	2
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पी. विजयकुमार, pvkumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29573092

5.42 जैविक खेती में प्रमाणपत्र (सी.ओ.एफ.) ++
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

यह कार्यक्रम ए.पी.ई.डी.ए. के सहयोग से तैयार किया गया है। रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक, स्वास्थ्य, जीवन और शक्ति को नष्ट करते हैं तथा इनसे ऐसी फसलें पैदा होती हैं जिनमें संतुलित पोषक तत्व नहीं होते। इन फसलों में जहरीले रसायनों के अवशिष्ट पदार्थ होते हैं, जो खतरनाक होते हैं और मनुष्य के स्वास्थ्य को बाधा पहुंचाते हैं। अब जैविक कृषि पर बल दिया जा रहा है जो कृषि संसाधनों पर निर्भर है और जो बिना रसायनों के प्रयोग के अधिक दिनों तक उत्पादन कायम रखने के लिए जैव विविधता बनाए रखती है। वर्तमान कार्यक्रम का उद्देश्य जैविक उत्पादन और प्रमाणन के विभिन्न पहलुओं के बारे में किसानों को शिक्षित करके जैविक खेती के वैश्विक बाजार का लाभ प्राप्त करना है।

उद्देश्य :

- जैविक उत्पादक व्यवहारों, जैविक रूप से प्राप्त कृषि उत्पादों की प्रमाणन प्रक्रिया और विपणन में ज्ञान तथा प्रवीणता प्रदान करना; तथा
- स्व–रोजगार और आय सृजन का संवर्द्धन करना।

पात्रता : 12वीं उत्तीर्ण या समकक्ष या 10वीं + इग्नू से बी.पी.पी., आयु न्यूनतम 18 वर्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.ए.पी.1	जैविक खेती का परिचय	2
बी.ए.पी.आई.1	जैविक उत्पादन प्रणाली	6
बी.ए.पी.आई.2	जैविक उपज का निरीक्षण और प्रमाणन	4
बी.ए.पी.आई.3	जैविक उपज का अर्थशास्त्र और विपणन	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. एस. के. यादव, skyadav30@gmail.com, फोन : 011–29573088

5.43 जल संचयन और प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.डब्ल्यू.एच.एम.) ++
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

पिछले वर्षों में जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण में वृद्धि तथा कृषि उपज की बढ़ती मांग ने भूमिगत जल के साथ–साथ सीमित भूमि का अत्यधिक दोहन किया है। इसके परिणामस्वरूप, भू–जल स्तर (टेबल) में भी गिरावट आई है। इस स्थिति को वर्षा जल संचयन द्वारा

प्रभावपूर्ण ढंग से सुधारा जा सकता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्य के उपयोग के लिए छत या भूतल सतह से बारिश के पानी को इकट्ठा कर उसका संग्रहण किया जाए। विधायी उपायों सहित विभिन्न प्रयास करने पर भी बहुत ही कम वर्षा जल को संरक्षित व संचयित किया जा सका है। जल संचयन और प्रबंधन में इस प्रमाण–पत्र कार्यक्रम का लक्ष्य संबंधित व्यक्तियों को संचित जल का अधिकतम उपयोग करने के लिए जल संचयन तकनीक एवं प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षित मानव संसाधनों के माध्यम से कौशल का प्रचार–प्रसार करना और जागरुकता उत्पन्न करना है।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं :

- शिक्षार्थियों को जल संसाधनों का संवर्द्धन एवं उपयोग करने के लिए संवेदनशील बनाना एवं शिक्षित करना;
- जल संचयन तकनीकों को समझने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता प्रदान करना; और
- शिक्षार्थियों को जल संरक्षण के साथ–साथ इसके प्रयोग के संदर्भ में जल प्रबंधन के लिए प्रशिक्षकों और आयोजकों के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाना।

पात्रता : (1) 10वीं उत्तीर्ण (2) इग्नू से बी.पी.पी.

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.एन.आर.001	जल संचयन का परिचय	2
ओ.एन.आर.002	जल विज्ञान के मौलिक सिद्धांत	4
ओ.एन.आर.003	जल संग्रहण, संरक्षण और उपयोग	6
ओ.एन.आर.एल.001	जल संरक्षण ऐजेंसी में प्रायोगिक प्रशिक्षण	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक: डॉ. मुकेश कुमार, mkumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572971
डॉ. संजीव पाण्डे, rcdelhi1@ignou.ac.in, फोन : 011–23392274/76/77

5.44 कुक्कुट पालन में प्रमाणपत्र (सी.पी.एफ.)++
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

कुक्कुट पालन भारत में खेतिहर समुदाय का एक महत्वपूर्ण सहायक व्यवसाय है। कुक्कुट पालन ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कम स्थान की आवश्यकता, कम पूंजी निवेश और वर्ष भर त्वरित लाभों के कारण एक लाभदायक व्यवसाय है। इसकी ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण और गरीबी दूर करने के साथ ही बेरोजगारी और अल्प रोजगारी दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। तथापि कुक्कुट पालन के आधुनिक और नवीनतम तरीकों के अभावों में कुक्कुट पालक अपने तरीके को अपना रहे हैं, जो अनुत्पादक और व्यावसायिक रूप से विकास सक्षम नहीं है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कुक्कुट पालन को एक विकास सक्षम व्यवसाय बनाना हैं। इसके लक्ष्य समूह हैं: ग्रामीण युवा, महिलाएं, कृषक और उद्यमी।

उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं :

- मुक्त और दूर शिक्षा (ओ.डी.एल. प्रणाली) द्वारा कुक्कुट पालन में ज्ञान और दक्षता विकसित/प्रदान कर मानव संसाधन को विकसित और सशक्त करना;
- कुक्कुट पालन के क्षेत्र में रोजगार और आजीविका के अवसरों के विषय में जागरूकता पैदा करना; और
- कुक्कुट प्रजनन, आवास, प्रबंधन और पोषण में मूल जानकारी और तकनीकी दक्षता प्रदान करना।

पात्रता : 8वीं उत्तीर्ण।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी, हिंदी, मिजो और तेलुगु।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.एल.पी.1	कुक्कुट पालन का परिचय	2
ओ.एल.पी.आई.1	कुक्कुट आवास और प्रबंधन	6
ओ.एल.पी.आई.2	कुक्कुट आहार और दाना खिलाना	4
ओ.एल.पी.एल.1	कुक्कुट स्वास्थ्य देखरेख और जैव सुरक्षा उपाय	2
ओ.एल.पी.एल.2	कुक्कुट फार्म प्रशिक्षण	2
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. पी. विजय कुमार, pvkumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29573092

5.45 मधुमक्खी पालन में प्रमाणपत्र (सी.आई.बी.) ++
कृषि विद्यापीठ (एस.ओ.ए.)

विश्व में निरंतर शहद की मांग में वृद्धि हो रही है। अधिकांश शहद जंगली संसाधनों (वनों) से एकत्र की जाती है और सीमित जनसंख्या ही मधुमक्खी पालन का कार्य करती है। कम तकनीकी ज्ञान और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण मधुमक्खी पालन कम स्तर पर किया जाता है। इस क्षेत्र में व्यापक क्षमता है। हम समाज के लाभ के लिए इस असंगठित क्षेत्र को एक संगठित क्षेत्र में स्थापित कर सकते हैं। ग्रामीण स्तर पर सफल शहद उत्पादन से पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा सकती है और इसके साथ ही यह किसानों, कृषक–महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को सामर्थ्य भी प्रदान करता है। मधुमक्खी पालन प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी करता है। इस क्षेत्र में उपलब्ध उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए परंपरागत मधुमक्खी पालकों को समुन्नत तकनीकी जानकारी प्रदान करने की जरुरत है।

मधुमक्खी पालकों को इस प्रमाणन के लिए बैंक, गैर–सरकारी या सरकारी एजेंसियों आदि से वित्तीय सहायता की आवश्यकता हो सकती है।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- आधुनिक मधुमक्खी पालन के बारे में शिक्षा प्रदान करना;
- मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में मानव संसाधन का निर्माण करना;
- किसानों की आय बढ़ाने के लिए एपिकल्चर में विविधीकरण; और
- मधुमक्खी पालन में उद्यमशीलता कौशल विकसित करना।

पात्रता : 8वीं उत्तीर्ण

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.ए.पी.आई.11	मधुमक्खी पालन का परिचय	4
ओ.ए.पी.आई.12	मधुमक्खियों की कॉलोनियों का प्रबंधन	8
ओ.ए.पी.आई.13	मधुमक्खी के छत्ते के उत्पाद और मधुमक्खी पालन का अर्थशास्त्र	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. एस.के.यादव, skyadav30@gmail.com फोन : 011–29573088

5.46 मानवाधिकार में प्रमाणपत्र (सी.एच.आर.)
विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

मानवाधिकार में प्रमाणपत्र कार्यक्रम 2 पाठ्यक्रमों में विभाजित 16 क्रेडिट का एक नवीन शिक्षा पैकेज है। इसे उन व्यावसायिकों और कार्यकर्ताओं को सुग्राही बनाने और शिक्षित करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है जो अपने रोजमर्रा के कार्य के हिस्से के रूप में प्रतिदिन जनता

के संपर्क में आते हैं। सामान्य विद्यार्थियों के अलावा विशिष्ट लक्ष्य समूहों में कानून लागू करने वाले कार्मिक (पुलिस, सेना, अर्द्धसैनिक बल), निम्न न्यायिक पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी और प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक तथा एन.जी.ओ. के कार्यकर्ता शामिल हैं। पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने में मानवाधिकार शिक्षा के लिए यू.एन. डिकेड आरम्भ करते समय यू.एन. के मानवाधिकार के उच्चायुक्त द्वारा व्यक्त सरोकारों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण **या** समकक्ष **या** इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सी.एच.आर.11	मानवाधिकार : उद्भव, संकल्पना और सरोकार	8
सी.एच.आर.12	भारत में मानवाधिकार	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. आनंद गुप्ता, **anandgupta@ignou.ac.in,** फोन : 011–29572983

5.47 उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाणपत्र (सी.सी.पी.) (संशोधित) विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

उपभोक्ता संरक्षण पर 16 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम 10+2 अथवा इग्नू से बीपीपी अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ता संरक्षण पर विशेष बल देते हुए उपभोक्ता कार्यों व मामलों पर समग्र जागरूकता उत्पन्न करना और प्रशिक्षण देना है। इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम को पूरा करने के बाद शिक्षार्थी सक्रिय उपभोक्ता कार्यकर्ता बन सकते हैं और उद्योगों, उपभोक्ता मामलों से संबंधित एन.जी.ओ. तथा सरकारी विभागों में कार्य कर सकते हैं। वे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत बने उपभोक्ता समस्या निवारण हेतु न्यायालयों में स्वयं मामले दायर कर सकते हैं तथा अपनी वकालत स्वयं कर सकते हैं।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण **या** समकक्ष **या** इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सी.पी.आई.101	उपभोक्ता और उपभोक्ता संरक्षण कानून	8
सी.पी.आई.102	उपभोक्ता शिकायतों का निवारण : विभिन्न हितधारकों की भूमिका	8
सी.पी.आई.103	उपभोक्ता संरक्षण मुद्दे	4
सी.पी.आई.पी.104	उपभोक्ता संरक्षण में परियोजना कार्य	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. के. एलुमलाई, **nicmkel@ignou.ac.in,** फोन : 011–29532525/29572985

5.48 सहयोग, सहकारी कानून एवं व्यवसाय कानून में प्रमाणपत्र (सी.सी.एल.बी.एल.) विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

सहयोग, सहकारी कानून एवं व्यवसाय कानून में प्रमाण पत्र कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थी को सहकारी ढाँचे के भीतर लघु, आर्थिक एवं व्यापार उद्यम की कार्य प्रणाली के बारे में पूर्ण ज्ञान प्रदान करना है, जिसके अंतर्गत संस्थाओं को काम करना पड़ता है। इसके साथ ही शिक्षार्थी को आर्थिक तथा व्यापारिक उद्यम को शासित करने वाले विभिन्न व्यावसायिक कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

पात्रता : 1) सेवारत कार्मिकों के लिए 10+2 उत्तीर्ण (न्यूनतम तीन वर्ष के सेवा काल सहित)

2) $^{\alpha}$अनुभवहीन के लिए कोई भी उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 8,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एल.ई.11	सहयोग : उत्पत्ति, सिद्धांत, मूल्य, नीति, वृद्धि और विकास	4
बी.एल.ई.12	सहकारी कानून	4
बी.एल.ई.13	व्यवसाय कानून जो सहकारी–I पर लागू है	4
बी.एल.ई.14	व्यवसाय कानून जो सहकारी–II पर लागू है	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. के. एलुमलाई, nicmkel@ignou.ac.in,, फोन : 011–29532525/29572985

5.49 मानव तस्करी रोकथाम में प्रमाणपत्र (सी.ए.एच.टी.) विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

उद्देश्य:

- शिक्षार्थियों को मानव तस्करी की रोकथाम के बारे में जागरूकता और व्यापक समझ प्रदान करना।
- शिक्षार्थियों में मानव तस्करी से जुड़ी विभिन्न सहयोगी एजेंसियों के बारे में कार्यात्मक समझ और समन्वय का विकास करना।
- विद्यार्थियों में मानव तस्करी से सबंधित कानून, नीतियों, पुनर्वास और रोकथाम के पहलुओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना।
- शिक्षार्थियों में मानव तस्करी की समझ, पुनर्वास, रोकथाम और पुनःएकीकरण की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए व्यावहारिक कौशल का विकास करना।
- सरकारी एजेंसियों, नागरिक सामाजिक संगठनों और कार्पोरेट क्षेत्रों में काम कर रहे व्यावसायिकों को पाठ्यक्रमों और मानव तस्करी की गहनता, रोकथाम, पुनर्वास और पुनःएकीकरण के बारे में ज्ञान संपन्न बनाना।

पात्रता : स्नातक, 10+2 और संबंधित क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव/10वीं कक्षा उत्तीर्ण (इग्नू से सेतु पाठ्यक्रम करने वाले शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा)।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एल.ई.31	मानव तस्कारी को समझना	4
बी.एल.ई.32	मानव तस्करी से संबंधित कानूनी नीतियाँ और संस्थागत प्रतिक्रिया	4
बी.एल.ई.33	पुनर्वास और रोकथाम	4
बी.एल.ई.पी.34	कार्य परियोजना	4
कुल क्रेडिट		**16**

रोजगार के अवसर

– पुलिस कार्मिक मानव तस्करी रोकथाम यूनिटों में काम कर सकते हैं।

– शिक्षार्थी मानव तस्करी, कानूनी सहायता, किशोर न्याय, महिलाओं, बच्चों और अपंगता से जुड़े अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय एनजीओ/कानूनी फर्मों में काम कर सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. मानसी शर्मा, mansisharma@ignou.ac.in, फोन : 011–29572992

5.50 अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून में प्रमाणपत्र (सी.आई.एच.एल.)
विधि विद्यापीठ (एस.ओ.एल.)

यह कार्यक्रम रेड क्रॉस अंतरराष्ट्रीय समिति (आई.सी.आर.सी.), नई दिल्ली के सहयोग से विकसित किया गया है।

उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं :

- अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का ज्ञान और दक्षता का विकास करना।
- दक्षिण एशियाई क्षेत्र में समकालीन मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के बारे में विशिष्टीकृत समझ प्रदान करना।
- पहले से ही आईएचएल के क्षेत्र में काम कर रहे व्यावसायिकों की दक्षता बढ़ाना।

पात्रता : 10+2 या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,700/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एल.ई.35	अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को समझना	4
बी.एल.ई.36	आई.एच.एल. का अनुप्रयोग	4
बी.एल.ई.37	दक्षिण एशिया में आई.एच.एल. के महत्वपूर्ण मुद्दे	4
बी.एल.ई.पी.38	परियोजना कार्य	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. आनंद गुप्ता, anandgupta@ignou.ac.in, फोन : 011–29572983

5.51 सूचना प्रौद्योगिकी में प्रमाणपत्र (सी.आई.टी.)
कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.सी.आई.एस.)

यह कार्यक्रम न केवल कंप्यूटर प्रणलियों और सूचना प्रौद्यागिकी की मूलभूत जानकारी प्रदान करता है, अपितु मल्टीमीडिया और इंटरनेट जैसी आधुनिक उच्च प्रौद्योगिकियों से भी परिचित कराता है। इस कार्यक्रम में एक समर्पित व्यावहारिक पाठ्यक्रम भी है। विद्यार्थी वर्ड प्रोसेसिंग, स्प्रेड शीट, प्रस्तुति उपकरणों, डेटाबेस और वेब साइट विकास के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण यह है कि छात्र ''सी'' भाषा का इस्तेमाल कर प्रोग्रामिंग सीख सकते हैं।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण **या** एस.एस.सी. **या** इग्नू से बी.पी.पी. **या** माइक्रोसॉफ्ट में डी.एल.सी. या समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
सी.आई.टी.1	कंप्यूटर प्रणाली के मूल तत्व	4
सी.आई.टी.2	सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय	4
सी.आई.टी.3	वेब आधारित प्रौद्योगिकियाँ एवं मल्टीमीडिया अनुप्रयोग	4
सी.आई.टी.एल.1	प्रयोगशाला पाठ्यक्रम	6
कुल क्रेडिट		**18**

कार्यक्रम संयोजक : श्री एम.पी. मिश्रा, cit@ignou.ac.in, फोन : 011–29572903

5.52 मार्गदर्शन में प्रमाणपत्र (सी.आई.जी.)
शिक्षा विद्यापीठ (एस.ओ.ई.)

मार्गदर्शन कार्यक्रम में प्रमाण–पत्र इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) की संयुक्त परियोजना है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम बनाएगा :

- शैक्षिक प्रक्रमों के संदर्भ में बाल विकास और व्यष्टिगत भिन्नताओं की समझ विकसित करना।
- सीखने और सामाजिक–भावनात्मक विकास के लिए प्रारम्भिक स्कूली बच्चों का मार्गदर्शन करने में अंतर्निहित अवधारणाओं और प्रक्रमों की समझ विकसित करना।
- विशेष आवश्यकता वाले और समस्याओं से ग्रस्त बच्चों की पहचान करना; और
- बच्चों के चहुंमुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए माता–पिता, शिक्षकों और अन्य प्रौढ़ों को अंतःक्षेप नीतियाँ एवं व्यवहार सुझाना।

कार्यक्रम मुख्यतया उन शिक्षकों, माता–पिता, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी एजेंसियों के कर्मियों या किसी ऐसे लक्ष्य समूह के लिए है, जो बच्चों को समझने और उनका मार्गदर्शन करने के इच्छुक हैं। कार्यक्रम में चार–चार क्रेडिट के चार पाठ्यक्रम हैं।

पात्रता : मान्यता प्राप्त संस्थाओं के अध्यापक या मैट्रिकुलेशन/एस.एस.सी. उत्तीर्ण या इग्नू से बी.पी.पी.।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी, हिंदी और ओड़िया।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
एन.ई.एस.101	प्राथमिक विद्यालय का बालक – एक अध्ययन	4
एन.ई.एस.102	संवृद्धि और विकास को सुगम बनाना	4
एन.ई.एस.103	अधिगम के लिए मार्गदर्शन	4
एन.ई.एस.104	बच्चों के सामाजिक–संवेगात्मक विकास में मार्गदर्शन	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. ईशा कन्नडी, ekannadi@ignou.ac.in फोन : 011–29572938

5.53 संचार एवं आई.टी. कौशल में प्रमाणपत्र (सी.सी.आई.टी.एस.के.)
व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.वी.ई.टी.)

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी कौशल में प्रमाणपत्र कार्यक्रम 16 क्रेडिट का कार्यक्रम है। इसे बीपीओ उद्योग और उद्योग के अन्य रूपों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। संचार कौशल पाठ्यक्रम में सुनना, पढ़ना, लिखना, व्याकरण, उच्चारण, शब्द संपदा और बोलना शामिल है। आई. टी. दक्षता में एम.एस.वर्ड, एम.एस. पावरप्वाईंट, एम.एस. एक्सेस, एम.एस. एक्सेल शामिल हैं।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण जिसमें अंग्रेजी एक विषय के रूप में होना चाहिए।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 5,400/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.पी.ओ.आई.6 बी.पी.ओ.आई.6 (पी)	इंग्लिश कम्युनिकेशन	8
बी.पी.ओ.आई.7 बी.पी.ओ.आई.7 (पी)	आई.टी. कौशल	8
कुल क्रेडिट		**16**

जो विद्यार्थी यह प्रमाणपत्र कार्यक्रम पूरा कर लेता है उसे बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग–फाइनेंस ऐंड अकाउटिंग में डिप्लोमा (डी.बी.पी.ओ. एफ.ए) कार्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर में प्रदत्त इन पाठ्यक्रमों को करने में छूट मिलेगी बशर्ते वे पात्रता की अन्य शर्तें पूरी करते हों।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. गीतिका एस. जौहरी, geetikajohry@ignou.ac.in, फोन : 011–29571646

5.54 प्रयोगशाला तकनीक में प्रमाणपत्र (सी.पी.एल.टी.)
विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए तैयार किया गया है, जो विद्यालय की प्रयोगशाला में तकनीशियन के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान और दक्षता प्राप्त करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम प्रशिक्षणार्थियों को इन प्रयोगशालाओं में विज्ञान के शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रभावकारी और दक्ष सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करेगा। यह उच्च दक्षतामूलक कार्यक्रम है और इसमें व्यापक प्रयोगात्मक कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल की विज्ञान प्रयोगशालाओं में बुनियादी सुविधाओं के बारे में जानकारी देना और इन प्रयोगशालाओं के संचालन और प्रबंधन की दक्षता में उन्हें प्रशिक्षित करना, सरल उपकरणों का रखरखाव करने तथा प्रयोगशाला सुरक्षा पहलुओं का ध्यान रखने में प्रशिक्षण देना है।

पात्रता : विज्ञान विषयों सहित 10+2 या समकक्ष या उच्चतर माध्यमिक विज्ञान विषय के साथ उत्तीर्ण **या** समकक्ष और स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय की विज्ञान प्रयोगशाला में कार्य करने का एक वर्ष का अनुभव **या** विज्ञान विषयों के साथ दसवीं पास और समकक्ष और स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय की विज्ञान प्रयोगशाला में कार्य करने का दो वर्ष का अनुभव।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,200/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
सी.एल.टी.101	उत्तम प्रयोगशाला पद्धतियाँ	सिद्धांत	04
सी.एल.टी.एल.101	उत्तम प्रयोगशाला पद्धतियाँ : मूल अभ्यास	प्रयोगशाला	02
सी.एल.टी.102	जीव विज्ञान में प्रयोगशाला तकनीकें	सिद्धांत	02
सी.एल.टी.एल.102	जीव विज्ञान में मूल प्रयोग	प्रयोगशाला	02
सी.एल.टी.103	रसायन विज्ञान में प्रयोगशाला तकनीकें	सिद्धांत	02
सी.एल.टी.एल.103	रसायन विज्ञान में मूल प्रयोग	प्रयोगशाला	02
सी.एल.टी.104	भौतिक विज्ञान में प्रयोगशाला तकनीकें	सिद्धांत	02
सी.एल.टी.एल.104	भौतिक विज्ञान में मूल प्रयोग	प्रयोगशाला	02
कुल क्रेडिट			**18**

ukV % इग्नू आपके द्वारा चुने गए अध्ययन केंद्र में कार्यक्रम में प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेगा। परंतु किसी भी कठिनाई में किसी अन्य अध्ययन केंद्र में आपको प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने की सलाह दी जाती है।

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. ललिता एस. कुमार, lalitaskumar@ignou.ac.in, फोन : 011–29572808

5.55 प्राथमिक विद्यालय गणित शिक्षण में प्रमाणपत्र (सी.टी.पी.एम.)
विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

यह जागरूकता स्तर का प्रयोग पर आधारित कार्यक्रम बच्चों को गणित सीखने की कुछ ऐसी युक्तियाँ बताता है, जिससे वे इसे सकारात्मक रूप में लें। कार्यक्रम के लक्ष्य समूह में पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक तथा छोटे बच्चों के माता–पिता भी हैं। इसका मूल उद्देश्य प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को अपने गणित शिक्षण की युक्तियों पर विवेचनात्मक तरीके से सोचने में सहायता करना है। गणित अध्ययन के संदर्भ में अध्ययन प्रक्रिया के बारे में शिक्षकों के ज्ञान को ताजा करना और समाज के बहुत बड़े वर्ग को उपलब्ध गणित शिक्षण, गणित अवधारणाएँ, प्रक्रियाएँ तथा दक्षताएँ सीखते या सिखाते समय उन्हें अर्थ और संदर्भ देने की आवश्यकता स्पष्ट करना है।

इस कार्यक्रम का विशेष घटक 2 क्रेडिट की परियोजना है। यह विद्यार्थियों के लिए छोटे बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लेने और यह देखने का अवसर देती है कि वे गणित को कैसे ग्रहण करते हैं।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण, प्रौढ़ व्यक्ति।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ए.एम.टी.1	प्राथमिक विद्यालय गणित शिक्षण (सिद्धांत 6 क्रेडिट+परियोजना 2 क्रेडिट)	8
एल.एम.टी.1	गणित अध्ययन	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. परवीन सिंक्लेयर एवं प्रो. सुजाता वर्मा, **ctpm@ignou.ac.in,** फोन : 011–29572830

5.56 मूल्य शिक्षा में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सी.पी.वी.ई)
विस्तार एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.ई.डी.एस.)

सी.पी.वी.ई. छह महीने का प्रमाण–पत्र कार्यक्रम है जिसे अध्यापकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों, स्नातकों, गैर–सरकारी संस्थानों, कार्पोरेट तथा अन्य क्षेत्रों के व्यावसायिक–विशेषज्ञों को मूल्य शिक्षा की महत्ता बताने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। सर्टिफिकेट धारक यदि चाहें तो आगे चलकर शिक्षा अथवा संबंधित विषयों में डिप्लोमा, स्नातक तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रम कर सकते हैं।

उद्देश्य:

- अध्यापक समूह में (विशेषकर प्रारंभिक शिक्षा) अध्यापन तथा अध्ययन की प्रक्रियाओं में मूल्यों को जोड़ने की ओर उन्मुख करना;
- अध्यापकों, व्यावसायिक–विशेषज्ञों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, और समाज में मूल्यों के प्रति रुचि तथा जागरुकता उत्पन्न करना;
- गैर–सरकारी संस्थानों, सरकारी कर्मचारियों तथा सिविल सोसाइटी संगठनों में सामाजिक उत्तरदायित्व और जागरुकता पैदा करना।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.ई.डी.एस.1	ओवरव्यू ऐंड पर्सपेक्टिव्स ऑफ वैल्यूज (सिद्धांत)	4
बी.ई.डी.एस.2	सोशल साइकोलॉजिकल बेसिक्स (सिद्धांत)	4
बी.ई.डी.एस.3	पैडागॉजी ऑफ वेल्यूज (सिद्धांत)	4
बी.ई.डी.एस.4	एप्लीकेशन सपोर्ट स्किल्स (सिद्धांत) और गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. सिलिमा नंदा, **snanda@ignou.ac.in**
डॉ. ग्रेस डोन नेमचिंग, **gdnemching@ignou.ac.in,** फोन : 011–29571669

5.57 ऊर्जा प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.ई.टी.एम.)
इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (एस.ओ.ई.टी.)

सी.ई.टी.एम. का उद्देश्य इसके सभी विद्यार्थियों को विभिन्न ऊर्जा स्रोतों, ऊर्जा परिवर्तन प्रक्रियाओं, ऊर्जा प्रयोग, ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा नियोजन एवं प्रबंधन के बारे में जानकारी देना है।

उद्देश्य :

कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- विभिन्न ऊर्जा स्रोतों, उनकी उपलब्धता और ऊर्जा उपयोग प्रतिमानों के बारे में व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करना।
- ऊर्जा प्रयोग के पर्यावरण संबंधी प्रभावों से परिचित कराना।
- नवीकरण योग्य ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के बारे में विहंगावलोकन प्रदान करना।
- ऊर्जा लेखा परीक्षा का आयोजन करना और ऊर्जा संरक्षण उपायों को कार्यान्वित करना।

- ऊर्जा के महत्व, मितव्ययिता और पर्यावरण से संपर्क के महत्त्व पर विचार करना।
- ऊर्जा योजना बनाने के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।
- ऊर्जा संरक्षण के लिए ऊर्जा प्रभावी उपकरणों के बारे में जानना।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.ई.वाई.1	एनर्जी रिसोर्सेस ऐंड कन्वर्जन प्रोसेस	4
ओ.ई.वाई.2	रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजीज ऐंड देयर यूज	6
ओ.ई.वाई.3	एनर्जी मैनेजमेंट – ऑडिट ऐंड कंजर्वेशन	6
ओ.ई.वाई.पी.4	एनर्जी प्रोजेक्ट	4
कुल क्रेडिट		**20**

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. अजीत कुमार, ajit@ignou.ac.in, फोन : 011–29572925, 9811333400

5.58 बिजली वितरण में सक्षमता प्रमाणपत्र (विद्युत तकनीशियनों के लिए) (सी.सी.पी.डी.) इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (एस.ओ.ई.टी.)

बिजली वितरण में सक्षमता प्रमाणपत्र (बिजली तकनीशियनों के लिए) (सीसीपीडी) कार्यक्रम इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, इग्नू द्वारा इग्नू – एमओपी परियोजना के अंतर्गत ऊर्जा मंत्रालय के सहयोग से विकसित किया गया है। यह कार्यक्रम देश के बिजली के तकनीशियनों/समकक्ष स्तर के कार्य बल के लिए सक्षमता आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण को कार्यान्वित करने के लिए तैयार किया गया है।

इस कार्यक्रम के मुख्य **उद्देश्य** निम्नलिखित हैं :

- बिजली के क्षेत्र में काम करने वाले **तकनीशियनों/समकक्ष स्तर पर काम करने वालों** की विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए आवश्यकता-आधारित और उपयोगी शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करना;
- इलेक्ट्रिकल टेक्नीशियनों को प्रशिक्षित करना और उनके कौशलों और सक्षमताओं का मूल्यांकन एवं प्रमाणन करना;
- व्यावसायिक निकायों के साथ सहयोग कर विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं को मिलाते हुए बेहतर औद्योगिक शिक्षा संपर्क उपलब्ध कराना;
- तकनीशियनों की योग्यता, कार्यकुशलता को सुधारने में उनकी सहायता करना तथा आगे ज्ञान/प्रशिक्षण/शैक्षिक अर्हता प्राप्त करने के लिए उन्हें पात्र बनाना;
- ऊर्जा उद्योग की वास्तविक कार्य की आवश्यकताओं के पूरा करने के लिए अधिक सुगम और गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना;
- विद्यार्थियों में उद्यमशीलता कौशल का विकास करना;
- रोजगार से संबंधित शैक्षिक कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं और आर्थिक गतिविधियां में वृद्धि करना।

कार्यक्रम के लाभार्थी (लक्ष्य समूह) :

- ऊर्जा वितरण क्षेत्र/विद्युत क्षेत्र में कार्यरत इलेक्ट्रिकल तकनीशियन अथवा श्रम शक्ति;
- बिजली के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक अभ्यर्थी/संबंधित क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति, न्यूनतम 8वीं उत्तीर्ण;
- इलेक्ट्रिशिन/लाइनमैन/वायरमैन/इलेक्ट्रिक फिटर अथवा संबंधित व्यवसाय में ट्रेड प्रमाणपत्र धारक अथवा इनमें अध्ययनरत;
- फोरमैन/लाइमैन/वायरमैन में लाइसेंसधारक इलेक्ट्रिकल तकनीशियन अथवा संबंधित विशेषज्ञता के क्षेत्र में लाइसेंसाधक;
- इलेक्ट्रिशियन एप्रेंटिसशिप वाले अभ्यर्थी;
- संबंधित क्षेत्र में इच्छुक आईटीआई/डिप्लोमा/डिग्री धारक अभ्यर्थी।

पात्रता : इलेक्ट्रिकल तकनीशियन/समकक्ष व्यवसायी अथवा बिजली/ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाली श्रम शक्ति अथवा सामान्य उम्मीदवार **अथवा** प्राइवेट इलेक्ट्रिकल तकनीशियन, न्यूनतम 8वीं पास।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी/हिंदी।

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/–

प्रवेश प्रक्रिया :

– **बड़ी संख्या में पंजीकरण :** कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पी.एस.सी.) से संपर्क करें; विद्युत संगठनों/ कार्यक्रम अध्ययन केंद्रों द्वारा विद्यार्थी बड़ी संख्या में प्रायोजित किए जाते हैं; भरे हुए आवेदन-पत्र बड़ी संख्या में संबंधित क्षेत्रीय केंद्र द्वारा प्राप्त होते हैं।

– **व्यक्तिगत पंजीकरण :** निकटतम इग्नू क्षेत्रीय केंद्र/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र से संपर्क कीजिए। अभ्यर्थी इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त कर सकते हैं और विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.ignou.ac.in** से भी विवरणिका (prospectus) और आवेदन-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी इसे केवल अपने संबंधित क्षेत्रीय केंद्र में ही जमा कराएं।

सी.सी.पी.डी. के आवेदकों को सी.सी.पी.डी. कार्यक्रम के लिए अर्हता (योग्यता) और अनुभव, यदि कोई हो, के स्व–प्रमाणित आवश्यक प्रमाणपत्रों के साथ आवेदन पत्र के साथ फार्म–डी को भी भरना चाहिए।

कार्यक्रम की प्रस्तुति :

प्रवेश के बाद प्रत्येक विद्यार्थी को उपलब्ध सीटों के अनुसार एक चिह्नित कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पीएसी) से संबद्ध किया जाएगा, जहाँ वे सिद्धांत घटक से संबंधित अपने संदेहों को दूर करने के लिए परामर्श सत्रों में भाग लेंगे। सिद्धांत से संबंधित परामर्श (14 सत्र) और व्यावहारिक प्रशिक्षण/प्रैक्टिकल (3–4 सप्ताह) का आयोजन संबंधित पी.एस.सी. प्रभारी द्वारा निर्धारित तिथियों को कार्यक्रम अध्ययन केंद्रों (पी.एस.सी.) में किया जाएगा।

सीसीपीडी कार्यक्रम के अभ्यर्थियों को नीचे दी गई सूची से कार्यक्रम अध्ययन केंद्र का चुनाव करना चाहिए। आवश्यक संपर्क अद्यतन, सक्रिय कार्यक्रम अध्ययन केंद्र से संबंधित सूचना और प्रवेश हेतु संबंधित क्षेत्रीय केंद्र के लिए विद्यार्थी सामान्य विवरणिका के साथ दी गई पुस्तिका देख सकते हैं।

कार्यक्रम अध्ययन केंद्र कोड/नाम	कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पी.एस.सी.) का पता	इग्नू क्षेत्रीय केंद्र कोड/नाम
(1694 पी) (आर.ई.एम.आई.) मुंबई	**कार्यक्रम प्रभारी (सी.सी.पी.डी.)** **रिलायंस एनर्जी मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (आर.ई.एम.आई.)** रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, वर्सोवा टेक्नीकल ट्रेनिंग सेंटर, 220 के.वी. रिसीविंग स्टेशन, स्वामी समर्थ नगर, लोहखंडवाला कॉम्पलैक्स, नियर शिवाजी महाराज जोगर्स पार्क के पास, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई–400053 फोन–022-30096500, 30096513, 30096514 ई-मेल : naremdra.jadhav@relianceada.com, shikant.sharma@relianceada.com sudhir.radkeerdianceada.com	(49) क्षेत्रीय केन्द्र, मुंबई
(29042 पी) **बीएसईएस यमुना पावर लि. दिल्ली**	कार्यक्रम प्रभारी (सीसीपीडी) द नॉलेज सेंटर बीएसईएस यमुना पावर लि. प्लांट नं. 365, पटपड़गंज इंड. एरिया नियर आनंद विहार, दिल्ली-110032 nepal. nimesh@relianceada.com, Ph. 011-32019851	(29) **क्षे.के., दिल्ली–2**
(29043 पी) बीएसईएस **राजधानी** पावर लि. दिल्ली	कार्यक्रम प्रभारी (सीसीपीडी) **बीएसईएस राजधानी पावर लि.** **बीएसईएस टेकनिक्ल ट्रेनिंग सेंटर** ईस्ट पंजाबी बाग, स्क्रैप स्टोर कॉम्पलैक्स रोहतक रोड़, दिल्ली Naendra.shankar@relianceada.com Ph.011- 25084540, 9312667642	(29) **क्षे.के., दिल्ली–2**

(28105 पी) एन.पी.टी.आई., दुर्गापुर	**कार्यक्रम प्रभारी (सी.सी.पी.डी.)** **राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एन.पी.टी.आई.),** **पूर्वी क्षेत्र, दुर्गापुर,** सिटी सेंटर, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)–713216, फोन-0343–2546887, 254 5888, फैक्स : 03432546237 ई-मेल : nptidurgapur@npti.in, skbose@ntpi.in, jssrao@yahoo.com	(28) क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता
(1695 पी) एन.पी.टी.आई. नागपुर	**कार्यक्रम प्रभारी (सी.सी.पी.डी.)** **राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एन.पी.टी.आई.),** **पश्चिमी क्षेत्र, नागपुर,** साउथ अम्बा बाजारी रोड, गोपाल नगर, नागपुर (महाराष्ट्र) –440022 फोन-0712-222564, 2231478, फैक्स : 0712-2220413 ई-मेल : nptinagpur@npti.in agvinchukar@ntpiin, jssrao@yahoo.com	(36) क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

कार्यक्रम का ब्यौराः

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
ओ.ई.ई.1	विद्युत और सुरक्षा उपाय	4
ओ.ई.ई.2	विद्युत वितरण प्रणाली–मूलभूत जानकारी	4
ओ.ई.ई.एल.1	विद्युत वितरण में प्रयोग	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. राखी शर्मा, **rakhisharma@ignou.ac.in,** फोनः 011–29572923, 29572924

5.59 पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में प्रमाणपत्र (सी.एल.आई.एस.)
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.एस.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य आधारिक स्तर पर पुस्तकालय और सूचना व्यावसायिकों को संवेदनशील बनाना है। यह बिना किसी व्यावसायिक योग्यता के पुस्तकालयों में कार्यरत लोगों को एक अवसर प्राप्त करता है। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में प्रमाणपत्र (सी.एल.आई.एस.) कार्यक्रम में चार पाठ्यक्रम है। इन चार पाठ्यक्रमों में से तीन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक दोनों पहलू शामिल हैं, जबकि एक पाठ्यक्रम इस विषय के केवल सैद्धांतिक पहलू से ही संबंधित है।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण अथवा इग्नू से बी.पी.पी.

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी , विद्यार्थी हिंदी भाषा में भी सत्रीय कार्य और परीक्षा लिख सकते हैं।

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम दो वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 2000/–

कार्यक्रम का ब्यौरा

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.एल.आई. 11	पुस्तकालय : एक परिचय	4
बी.एल.आई.आई.12	दस्तावेजों पर कार्रवाई और संगठन	4
बी.एल.आई.आई.13	सूचना स्रोत और पुस्तकालय सेवाएं	4
बी.एल.आई.आई.14	पुस्तकालयों में आई.सी.टी.	4

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. जुचामो यानथन, **zuchamo@gmail.com,** फोनः 011–29572723
डॉ. अर्चना शुक्ला, **archana@ignou.ac.in,** फोनः 011–29572743
डॉ. एस.आर. ज़ोनुनथरा, **rcaizwal@ignou.ac.in,** फोनः 0389–2311693

5.60 डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का जीवन और विचारधारा पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीएलटीए) सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (एसओएसएस)

dk;Øe dk mnns';

इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम का निरूपण डॉ. बी आर अम्बेडकर के जीवन और विचारधारा को दृष्टिगत रखते हुए किया गया है जिसमें उनके सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी और संविधान संबंधी मुद्दों को और अधिक स्पष्टता से निरूपित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परिचित और संवेदनशील बनाना और भारतीय समाज के कल्याण और निर्माण के लिए उन्हें मौलिक और अंतर्निहित संवैधानिक साधनों से परिचित कराते हुए एक उत्तरदायी नागरिक बनाना है।

ikB;Øe dk mnns';

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का जीवन और विचारधारा पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीएलटीए) 16 क्रेडिट का कार्यक्रम है जिसमें चार–चार क्रेडिट के चार पाठ्यक्रम हैं।

पात्रता: 10+2 अथवा समकक्ष योग्यता

शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी

अवधि: न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष, जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना: रु. 1000/– पूरे कार्यक्रम के लिए, पंजीकरण शुल्क सहित।

dk;Øe dk fooj.k

ikB;Øe dksM	ikB;Øe dk 'kh"kZd	ØsfMV
बीएबी 101	बी आर अम्बेडकर: समकालिक विचारक	4
बीएबी 102	बी आर अम्बेडकर: समाज और संस्कृति	4
बीएबी 103	बी आर अम्बेडकर की आर्थिक विचारधारा	4
बीएबी 104	राज्य, लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण	4
	कुल क्रेडिट	**16**

कार्यक्रम संयोजक: डॉ. रबीन्द्र कुमार, rabindra@ignou.ac.in, फोन:011–29572742

5.61 प्राथमिक उपचार में प्रमाणपत्र (सीएफएआईडी) स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एसओएचएस)

प्राथमिक उपचार में प्रमाणपत्र 6 महीने की अवधि का 16 क्रेडिट का कार्यक्रम है, जिसमें 1 सिद्धांत और 1 व्यवहार पाठ्यक्रम हैं। यह 10वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्राथमिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान और कौशल का विकास करना है जिससे विद्यार्थी विभिन्न आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा प्रदान कर सकें।

उद्देश्य

- प्राथमिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान और कौशल का विकास करना,
- शिक्षार्थियों को ऐसे लक्षणों/स्थितियों की पहचान करने में सक्षम बनाना जिनमें प्राथमिक चिकित्सा की आवश्यकता हो,
- आपातकालीन स्थितियों से निपटने की योग्यता विकसित करना,
- शिक्षार्थियों को विभिन्न स्थितियों और माहौल में प्राथमिक उपचार करने में सक्षम बनाना।

लक्ष्य समूह: यह कार्यक्रम आम जनता/सामान्य लोगों/व्यावसायिकों/गैर–व्यावसायिकों/किसी भी क्षेत्र में कार्यरत/अथवा बेरोजगार/स्व–रोजगारशुदा/गृहणियों/उद्यमियों के लिए है जो इस पाठ्यक्रम में रूचि रखते हों।

पात्रता: 10वीं उत्तीर्ण।

शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी

अवधि: न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष, जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

'kqYd lajpuk रू. 3500/– पूरे कार्यक्रम के लिए।

dk;Øe dk fooj.k

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बीएनएस–40	प्राथमिक उपचार की बुनियादी बातें : सिद्धांत	6
बीएनएसएल–40	प्राथमिक उपचार में दक्षता : व्यवहार	10
dqy ØsfMV		16

कार्यक्रम संयोजक: प्रो. पिट्टी कौल, pkoul@ignou.ac.in, फोन: 01129572807

श्री आर.एस. भारद्वाज, ronnies@ignou.ac.in, फोन: Ph.011-29572815

5.62 जनजातीय अध्ययन में प्रमाणपत्र (सीटीआरबीएस)
समाज कार्य विद्यापीठ (एसओएसडब्लू)

जनजातीय अध्ययन में प्रमाणपत्र (सीटीआरबीएस) जनजातीय विकास के व्यापक मुद्दों की ओर ध्यान देने के विश्वविद्यालय के प्रयासों का एक विस्तार है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य व्यावसायिक जनजातीय शिक्षा अर्जित करने के लिए लक्षित सामाजिक और कल्याण सेवा क्षेत्र में कार्यरत लोगों को सहायता प्रदान करना और उन्हें प्रशिक्षित, शिक्षित करना है जिससे वे इन मुद्दों को अच्छी तरह से समझ सकें और अपने कार्य करने के दौरान उत्पन्न दुविधाओं को दूर कर सकें।

पात्रता: 10+2 अथवा समकक्ष अथवा इग्नू से बीपीपी

शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी

अवधि: न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष, जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना: रु. 1000/– पूरे कार्यक्रम के लिए, पंजीकरण शुल्क सहित।

कार्यक्रम का विवरण:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बीएसडब्लू 41	जनजातियों को समझना	4
बीएसडब्लू 42	जनजातीय समाज	4
बीएसडब्लू 43	दक्षिण और मध्य भारत की जनजातियाँ	4
बीएसडब्लू 44	भारत के उत्तरी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों की जनजातियाँ	4
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक: डॉ. रोज नेमबियाकिम : rosenembiakkim@ignou.ac.in, फोन: 011–29571695

5.63 जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (सी.जे.एल.)
विदेशी अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.एफ.एल.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को जापानी भाषा का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य शिक्षार्थियों को जापानी व्याकरण और ध्वनियों की बुनियादी समझ प्रदान करना है जिससे वे शुद्ध रूप से कोरियाई भाषा को पढ़, लिख, सुन और बोल सकें। यह कार्यक्रम द्विभाषी (जापानी–अंग्रेजी) माध्यम में है और दृश्य–श्रव्य सामग्री के साथ स्व–शिक्षण सामग्री में उपलब्ध है।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष, अंग्रेजी ज्ञान के साथ। न्यूनतम आयु 18 वर्ष

शिक्षा का माध्यम : जापानी और अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्ष; केवल जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 5500/– पूरे कार्यक्रम के लिए

कार्यक्रम इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली–3 के माध्यम से उपलब्ध करवाया जा सकता है।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.जे.एल.आई.1	प्रारंभिक जापानी भाषा–01	4
बी.जे.एल.आई.2	प्रारंभिक जापानी भाषा–02	4
बी.जे.एल.आई.3	प्रारंभिक जापानी भाषा–03	4
बी.जे.एल.आई.4	प्रारंभिक जापानी भाषा–04	4
कुल क्रेडिट		16

कार्यक्रम संयोजक : श्री शिवाजी भास्कर, shivajibhaskar@ignou.ac.in, फोन : 011–29571640

5.64 कोरियाई भाषा में प्रमाणपत्र (सी.के.एल.सी.)
विदेशी अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.एफ.एल.)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को कोरियाई भाषा का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य शिक्षार्थियों को कोरियाई व्याकरण और ध्वनियों की बुनियादी समझ प्रदान करना है जिससे वे शुद्ध रूप से कोरियाई भाषा को पढ़, लिख, सुन और बोल सकें। यह कार्यक्रम द्विभाषी (कोरिया–अंग्रेजी) माध्यम में है और दृश्य–श्रव्य सामग्री के साथ स्व–शिक्षण सामग्री में उपलब्ध है।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष, अंग्रेजी ज्ञान के साथ। न्यूनतम आयु 18 वर्ष

शिक्षा का माध्यम : कोरिया और अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम छः माह और अधिकतम दो वर्ष, जनवरी और जुलाई सत्र में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : रु. 2,500/– पूरे कार्यक्रम के लिए

कार्यक्रम इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली–3, नौएडा, वाराणसी, कोलकाता और हैदराबाद के माध्यम से उपलब्ध करवाया जा रहा है।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बी.के.एल.1	प्रारंभिक कोरियाई भाषा–01	8
बी.के.एल.2	प्रारंभिक कोरियाई भाषा–02	8
कुल क्रेडिट		**16**

कार्यक्रम संयोजक : श्री शिवाजी भास्कर, shivajibhaskar@ignou.ac.in, फोन : 011–29571640

5.65 स्पेनी भाषा एवं संस्कृति में प्रमाणपत्र (सी.एस.एल.सी)
विदेशी अध्ययन विद्यापीठ (एस ओ एफ एल)

यह कार्यकम ऐसे विद्यार्थियों पर लक्षित है, जो गैर–देशी संदर्भ में स्पेनी भाषा सीखने के इच्छुक हैं और जो स्पेनी भाषा–भाषा देशों के बारे में सांस्कृतिक सूचना प्राप्त करना चाहते है।

इस कार्यकम का सामान्य उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थी भाषा दक्षता (उच्चारण व्याकरण, शब्दावली और मौलिक तथा लिखित सम्प्रेषण दोनों में बुनियादी सम्प्रेषण की दक्षता) अर्जित कर सकते है, जिससे वे दैनिक जीवन की गतिविधियों के बारे मे स्पेनी भाषा–भाषी विश्व के साथ प्रभावपूर्ण ढंग से सम्प्रेषण कर सकते है।

इस कार्यकम की पाठ्यकम सभी यूरोपीय भाषाओं के लिए यूरोपीय परिषद के भाषाओं के लिए संदर्भ हेतू सामान्य यूरोपीय ढांचे पर आधारित है और आशा की जाती है कि इस कार्यकम को पूरा करने वाले संप्रेषण दक्षता के A1 स्तर की प्राप्त कर सकेंगे।

mnn:' ;%

इस पाठ्यकम में विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर पर संप्रेषण कौशल का विकास करेंगे, जिससे वे दैनिक जीवन की गतिविधियों के बारे में संप्रेषण कर सकेंगे।

इस पाठ्यकम में विद्यार्थी महत्वपूर्ण स्तर पर लक्ष्य भाषा में अपनी भाषाई और सांस्कृतिक दक्षता का विवरण करेंगे, जिससे वे स्पेनी भाषा–भाषियों से दैनिक जीवन की गतिविधियों के बारे में सफलतापूर्वक संप्रेषण कर सकेंगे।

पात्रता: 10+2 उत्तीर्ण, अंग्रेजी ज्ञान के साथ।

शिक्षा का माध्यम: स्पेनी और अंग्रेजी भाषा।

कार्यकम की अवधि: न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष, जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

'kYd lajpuk% रु. 4500/– पूरे कार्यकम के लिए।

कार्यकम का विवरण:

पाठ्यकम कोड	पाठ्यकम का शीर्षक	केडिट
बीएसएल1	स्पेनी भाषा और संस्कृति के मूलभूत तत्व–I	8
बीएसएल2	स्पेनी भाषा और संस्कृति के मूलभूत तत्व–II	8
	कुल केडिट	**16**

कार्यकम संयोजक: विकास कुमार सिंह : vikashsingh@ignou.ac.in PH. : 011-29571640, 29571638, 29571631

5.66 जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र (सी.जी.एल.)

विदेशी अध्ययन विद्यापीठ (एस ओ एफ एल)

यह कार्यक्रम गोएथ इंस्टिट्यूट/मैक्स मुलर भवन, नई दिल्ली (फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी) के अकादमिक सहयोग से प्रदान किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जर्मनी भाषा की बुनियादी संकल्पनाओं से अवगत कराना और तत्पश्चात शिक्षार्थी को जर्मन संस्कृति की बेहतर समझ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है। यह द्विभाषी (जर्मनी,अंग्रेजी) है। इसमें समेकित रेडियो और दृश्य कार्यक्रम शामिल हैं, जिसमें कुछ चिह्नित केंद्रों पर आमने–सामने परामर्श घटक भी हैं।

इस कार्यक्रम में 14 केडिट हैं। प्रत्येक केडिट में कुल 30 घंटे का अध्ययन समय होता है। इसमें निम्नलिखित तीन पाठ्यक्रम हैं:

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बीजीएल 1	जर्मन भाषा पाठ्यक्रम–I	4
बीजीएल 2	जर्मन भाषा पाठ्यक्रम–II	4
बीजीएल 3	जर्मन भाषा पाठ्यक्रम–III	6
कुल क्रेडिट		**14**

ik=rk% 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष।

f'k{kk dk ek/;e% जर्मनी और अंग्रेजी

vof/k% न्यूनतम छह माह और अधिकतम दो वर्ष, जनवरी और जुलाई दोनों प्रवेश सत्रों में उपलब्ध।

'kYd l:jpuk% रू. 2500/– पूरे कार्यक्रम के लिए।

dk;Øe l;;kt d% fodkl dekj flag] vikashsingh@ignou.ac.in/sofl@ignou.ac.in
Qku l- 011&29571638@1640@1631

5.67 फैशन डिजाइन में प्रमाणपत्र (सी.जी.एल.)

0;kolkf;d f'k{kk vkj çf'k{k.k fo|kihB ¼,lvkohbVh½

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय परिधान उद्योग में रोजगार के लिए तैयार करना है। यह कार्यक्रम पैटर्न बनाने और सिलाई तकनीक में बुनियादी ज्ञान और कौशल का विकास करेगा तथा उन लोगों की जरूरतों को पूरा करेगा जो परिधान क्षेत्र/निर्यात क्षेत्र में सहायक डिजाइनर के रूप में अपना भविष्य बनाने की इच्छा रखते हैं/उद्यमी बनना चाहते हैं/विशेष रूप से पैटर्न बनाने और सिलाई में अपने मौजूदा ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना चाहते हैं।

mís';%

- फैशन डिजाइन की बुनियादी बातों का आधारिक ज्ञान और समझ विकसित करना।
- भारत और दुनिया भर में फैशन उद्योग की समझ विकसित करना।
- वस्त्रों का मौलिक मौलिक ज्ञान प्रदान करना।
- सीएडी में डिजिटल प्रौद्योगिकी में कौशल प्रदान करना।
- पैटर्न बनाने के कौशल और सिलाई तकनीक का ज्ञान और समझ विकसित करना।
- उद्यमिता और संप्रेषण कौशल विकसित करना।

पात्रता: 10+2 (उच्चतर माध्यमिक)

शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी

अवधि: न्यूनतम छह माह और अधिकतम दो वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना: रु.5000/–पूरे कार्यक्रम के लिए।

कार्यक्रम का ब्यौरा:

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
बीएफडीआई–71 बीएफडीआई–71(पी)	फैशल डिजाइन के मूल तत्व	4
बीएफडीआई–72 बीएफडीआई–72(पी)	पैटर्न बनाने और सिलाई की बुनियादी बातें	4
बीएफडीआई–73 बीएफडीआई–73(पी)	फैशन उद्योग का परिचय	4
बीएफडी–74	संचार और उद्यमिता	4
	dy dfMV	16

कार्यक्रम की सुपुर्दगी: कार्यक्रम केवल चुने गए अध्ययन केंद्रों में ही उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए कृपया इग्नू का वेब पृष्ठ www-ignou.ac.in देखें।

dk;Øe l;;kt d% çk- ,-d- xkck] akgaba@ignou.ac.in, Qku% 011&29571644
M,- vkj-, l-ih- flag] rpsingh@ignou.ac.in] Qku% 011&29571645
lJh m'kyk dkr] urshlakant@jgnou.ac.in] Qku%011&29571648

5-68 lkekU; MîVh lgk;rk esa çek.k i= ¼lhthMh,½
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस)

सामान्य ड्यूटी सहायक (जीडीए) कार्यक्रम कौशल पर आधारित अल्पावधि का प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य ऐसे प्रशिक्षित कर्मचारियों के समूह का विकास करना है, जिन्हें नर्सों और डॉक्टरों के साथ–साथ स्वास्थ्य दल के अन्य सदस्यों को सहायता प्रदान करने के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थापनाओं द्वारा नियोजित किया जा सकता है, जिससे रोगियों की अच्छी प्रकार से देखभाल सुनिश्चित की जा सके। यह कार्यक्रम गैर–नैदानिक कार्यों अथवा स्वास्थ्य सेवा दल के सदस्यों द्वारा निर्देशित गतिविधियों को पूरा करने में सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक कौशल को अर्जित करने पर केंद्रित है।

छोटी अथवा बड़ी हर प्रकार की स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाली संस्थापना को स्वास्थ्य सेवा संस्थापना के भीतर गैर–नैदानिक गतिविधियों (जैसे रोगी नमूना परिवहन, प्रलेखन, संक्रमण नियंत्रण और स्वच्छता) को करने और प्रबंधित करने के लिए जीडीए की आवश्यकता होती है। जीडीए गृह स्वास्थ्य सहयोगी, नर्सिंग सहयोगी और सहायक जैसे समान प्रोफाइल के माध्यम से प्रगति कर सकता है अथवा पर्याप्त अनुभव के बाद जीडीए पर्यवेक्षक, तल पर्यवेक्षक आदि जैसी अधिक जिम्मेदारियां उठाकर ऊपर की ओर प्रगति भी कर सकता है।

mís';%

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को निम्नलिखित कौशल का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है:

- रोगी की स्थिति और सहायक उपकरणों के उपयोग में कौशल का प्रदर्शन करना, रोगी देखभाल इकाई की तैयारी, रोगी के परिवहन में कौशल, नमूने, ड्रग्स और लिनेन से संबंधित कार्य करना और उपकरणों का प्रयोग और उपयोग के बाद देखभाल करना।
- सामान्य स्वच्छता और देखभाल, स्नान प्रक्रियाओं और दिशा–निर्देशों, मुंह, आंख, कान, त्वचा, बाल, नाखून और पैर की देखभाल करना, रोगी को खिलाना, उन्मूलन की जरूरतों और प्रक्रियाओं की देखभाल करना।
- संक्रमण नियंत्रण उपायों का अभ्यास करना, सुरक्षा को बढ़ावा देना और जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के सही तरीकों का प्रदर्शन करना।

ik=rk% 10+2 उत्तीर्ण

f'k{kk dk ek/;e% अंग्रेजी

vof/k% न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम दो वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

dk;Øe 'kYd% रु. 6000/–

lhVk dh la[;k% प्रत्येक अध्ययन केंद्र में 20–30.

dk;Øe dk C;kjk%

ikB;Øe dkM	ikB;Øe dk 'kh"kd	ikB;Øe dh izdfr	केडिट
बीएचटी 11	सामान्य ड्यूटी सहायता के आधारभूत तत्व	सिद्धांत	4
बीएचटी 2	रोगी के देखभाल की बुनियादी आवश्यकताएँ	सिद्धांत	2
बीएचटीएल 3	सामान्य ड्यूटी सहायक के लिए आधारभूत कौशल	प्रैक्टिकल	12

ikB;Øe la;kstd% Jherh y{eh] bZ esy% **cgda@ignou.ac.in**

5-69 tjkfpfdRlk nq[kHkky lgk;rk esa çek.ki= ¼lhthlh,½
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस)

जराचिकित्सा देखभाल सहायक (जीसीए) को एक प्रशिक्षित और प्रमाणित स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो आमतौर पर अस्पताल, घर या ओल्ड एज होम परिवेश में काम करता है और बुजुर्ग या वृद्ध रोगियों की देखभाल करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें इसी तरह के नामों जैसे बुजुर्ग देखभाल परिचारक, जेरिएट्रिक नर्सिंग सहायक या रोगी देखभाल सहायक के रूप में भी जाना जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षित कार्यबल का एक समूह विकसित करना है, जिन्हें वृद्ध रोगियों को सहायता प्रदान करने के लिए नियोजित किया जा सकता है और जो अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को मुख्यतः घर/वृद्धाश्रम (सहायक सजीव सुविधाओं सहित), पुनर्वास सुविधाओं या अन्यथा अस्पतालों में भी सहायता प्रदान कर सकते हैं।

जेरिएट्रिक जनसंख्या के साथ–साथ एकल परिवार जैसी सामाजिक सीमाओं में वृद्धि के साथ, जराचिकित्सा देखभाल सहायकों की आवश्यकता अधिक महसूस की जा रही है। सीजीसीए कार्यक्रम बुजुर्ग रोगियों के लिए आवश्यक देखभाल हस्तक्षेप की गतिविधियों और विविधता को समझने हेतु ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक मंच है।

mís';%

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को निम्नलिखित कौशल का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है:

- बुनियादी जराचिकित्सा देखभाल जैसे रोगियों का आकलन, स्थिति, संचलन, सुविधाओं/परिवेश की तैयारी, भोजन, साफ–सफाई, साज–सज्जा देखभाल, ड्रेसिंग, स्नान और जराचिकित्सा रोगियों की उन्मूलन आवश्यकता, मौखिक देखभाल, बालों की देखरेख, ऑख और कान की देखभाल, त्वचा, नाखून और पैर की देखभाल करने में कौशल का प्रदर्शन करना।
- जराचिकित्सा रोगियों की स्थिति और दबाव बिंदुओं, असक्षमता और स्वस्थता के साथ–साथ जराचिकित्सा रोगियों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में परामर्श कौशल और प्रबंधन और साथ ही साथ आपातकालीन स्थिति में बुनियादी जीवन सहायता उपाय और प्राथमिक उपचार के बारे में कौशल का प्रदर्शन करना।

ik=rk% विज्ञान के साथ 10+2 उत्तीर्ण

f'k{kk dk ek/;e% अंग्रेजी

vof/k% न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम दो वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

dk;Øe 'kYd% रु. 6500/–

lhVk dh l[;k% प्रत्येक अध्ययन केंद्र में 20–30.

dk;Øe dk C;kjk%

ikB;Øe dkM	ikB;Øe dk 'kh"kd	ikB;Øe dh idfr	ØfMV
बीएचटी -6	जराचिकित्सा देखभाल सहायता के मूल तत्व	सिद्धांत	4
बीएचटी -7	जराचिकित्सा रोगियों की जराचिकित्सा संबंधी विशेष आवश्यकता देखभाल सहायता	सिद्धांत	4
बीएचटीएल-8	जराचिकित्सा देखभाल सहायता के लिए कौशल	प्रैक्टिकल	12

ikB;Øe l;kt d% Mk- fclyc tekfr;k] b- e;y% **cgca@ignou.ac.in**

5-70 QyckV,eh ¼f'kjk 'kY;fpfdRlk½ lgk;rk e çek.ki= ¼lhih,p,½
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस)

फ्लेबोटॉमी सहायक कार्यक्रम अल्पावधि का एक कौशल पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षित कार्यबल के एक समूह का विकास करना है, जिन्हें नैदानिक/स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविद्/रोगविज्ञानी की सहायता के लिए नियोजित किया जा सकता है। यह कार्यक्रम चिकित्सा जॉच के लिए रोगियों से गुणवत्तापूर्ण रक्त के नमूने निकालने, प्रयोगशाला में उसके भंडारण और परिवहन के लिए आवश्यक कौशल अर्जित करने पर केंद्रित है।

डायग्नोस्टिक और प्रयोगशाला श्रृंखलाओं के तेजी से बढ़ते बाजार के साथ, फ्लेबोटोमिस्ट की मांग बढ़ती जा रही है। फ्लेबोटॉमी सहायक उन उम्मीदवारों के लिए भी प्रवेश बिंदु हो सकता है, जो अपने पेशे के रूप में मेडिकल प्रयोगशाला विज्ञान में रूचि रखते हैं। हालांकि, चिकित्सा प्रयोगशाला क्षेत्र में सुव्यवस्थित होने के लिए, फ्लेबोटॉमी सहायकों को वांछित उच्च स्तर की योग्यता प्राप्त करना अपेक्षित होगा।

mís';%

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को निम्नलिखित कौशल का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है:

- रक्त इत्यादि को एकत्र, भंडारण, परिवहन, प्राप्त, स्वीकार या अस्वीकार करने की योग्यता का प्रदर्शन करना।
- लैब/यूनिट में बायोमेडिकल अपशिष्ट के संग्रहण, पृथक्करण, भंडारण, परिवहन और निपटान सहित संक्रमण नियंत्रण उपायों का अभ्यास करना, व्यक्तिगत स्वच्छता के अनुरक्षण की तकनीक और कार्य स्थल पर निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का उपयोग करने का अभ्यास करना।
- आपात स्थिति में बुनियादी जीवन सहायता (बीएलएस) उपायों और प्राथमिक चिकित्सा का प्रदर्शन करना।

ik=rk% विज्ञान के साथ 10+2 उत्तीर्ण

f'k{kk dk ek/;e% अंग्रेजी

vof/k% न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम दो वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

dk;Øe 'kYd% रु. 7500/–

सीटों की संख्या: प्रत्येक अध्ययन केंद्र में 20–30.

dk;Øe dk C;kjk%

ikB;Øe dkM	ikB;Øe dk 'kh"kd	ikB;Øe dh idfr	ØfMV
बीएचटी -11	आधारिक फेलोबोटॉमी सहायता	सिद्धांत	4
बीएचटी -12	रक्त के नमूनों की देखरेख करना	सिद्धांत	4
बीएचटीएल-13	फेलोबोटॉमी सहायता के लिए कौशल	प्रैक्टिकल	12

ikB;Øe l;kt d% Mk- fclyc tekfr;k] b- e;y% **cpha@ignou.ac.in**

5-71 xg LokLF; lgk;rk e çek.ki= ¼lh,p,p,½
स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एच.एस)

गृह स्वास्थ्य सहायक (एचएचए) को एक प्रशिक्षित और प्रमाणित स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो व्यक्तिगत देखभाल (स्वच्छता और व्यायाम के रूप में) के साथ घर में मरीज को सहायता प्रदान करता है और जो रोगी की स्थिति पर नजर रखता है। गृह स्वास्थ्य सहायता (एचएचए) अल्पावधि का एक कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षित कार्यबल का

एक समूह विकसित करना है, जिन्हें रोगी की सहायता और घरेलू परिवेश में अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं की सहायता के लिए नियुक्त किया जा सकता है।

गैर–संचारी रोगों, गंभीर रूप से बीमार रोगियों और दुर्घटना के मामलों में वृद्धि के साथ, गृह आधारित सहायता की अधिक आवश्यकता महसूस की जा रही है। अनेक गृह स्वास्थ्य सहायक भी सहायक सजीव सुविधाओं में काम करते हैं, जो आवश्यकतानुसार उपलब्ध पेशेवर देखभाल के साथ घर जैसे समूह के वातावरण में स्वतंत्र रूप से रहने की सुविधा प्रदान करता है।

mís';%

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को निम्नलिखित कौशल का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है:

- सामान्य स्वच्छता और सौंदर्य, स्नान प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों, मुंह, आंख, कान, त्वचा, बाल, नाखून और पैरों की देखभाल के कौशल का प्रदर्शन करना।
- मरीज को खिलाने के कौशल का प्रदर्शन, उन्मूलन की जरूरतों और प्रक्रियाओं की देखरेख करना।
- गिरने के जोखिम की रोकथाम सहित जराचिकित्सा/लकवाग्रस्त/स्थिर रोगी को उनके स्वास्थ्य और परिवेश में आए परिवर्तनों के प्रति अनुकूलित करने का कौशल प्रदर्शन करना।
- चिकित्सा और आपात स्थिति में बुनियादी जीवन सहायता, कार्डियो पल्मोनरी पुनर्जीवन और अन्य कार्यों का प्रदर्शन करना।
- संक्रमण नियंत्रण उपायों का अभ्यास करना, सुरक्षा को बढ़ावा देना, सुरक्षात्मक उपकरणों के प्रयोग और घरेलू स्तर पर जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के सही तरीकों की सूची बनाना।

ik=rk% 10+2 उत्तीर्ण

f'k{kk dk ek/;e% अंग्रेजी

vof/k% न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम दो वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

dk;Øe 'kYd% रु. 6000/–

lhVk dh la[;k% प्रत्येक अध्ययन केंद्र में 20–30.

dk;Øe dk C;kjk%

ikB;Øe dkM	ikB;Øe dk 'kh"kZd	ikB;Øe dh izdfr	ØsfMV
बीएचटी-016	आधारिक गृह स्वास्थ्य सहायता	सिद्धांत	4
बीएचटी-017	प्रयुक्त गृह स्वास्थ्य सहायता	सिद्धांत	2
बीएचटीएल-018	गृह स्वास्थ्य सहायता के लिए कौशल	प्रैक्टिकल	12

ikB;Øe la;kstd% jhrk nsoh] bZ esy: chha@ignoui.ac.in

5-72 lkeqnkf;d LokLF; esa çek.ki= ¼chhlhlh,p,u½

LokLF; foKku fo|kihB ¼,lvk,p,l½

सामुदायिक स्वास्थ्य में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बीपीसीसीएचएन) 18 क्रेडिट (8 क्रेडिट सैद्धांतिक और 10क्रेडिट व्यावहारिक) का छह महीने का कार्यक्रम है। इसमें 2 सैद्धांतिक और 1 व्यावहारिक पाठ्यक्रम है। कार्यकम को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग और वित्त पोषण से निरूपित, विकसित और कार्यान्वित किया गया है।

कार्यक्रम का उद्देश्य सेवारत पंजीकृत नर्सों (आरएनआरएम) और आयुर्वेद चिकित्सकों के ज्ञान, कौशल और दक्षता में सुधार करना है, जिससे वे परिधीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सक्षम मानव संसाधन के रूप में सेवा कर सकें।

;g /;ku nus ;kX; gS fd bl dk;Øe ds fy, mEehnokjksa dk p;u LokLF; vkSj ifjokj dY;k.k eU=ky; }kjk fd;k tkrk gS vkSj dk;Øe jkT; LokLF; fe'ku@jkT; lajpuk ds ek/;e ls dsoy jk"Vªh; LokLF; fe'ku ¼,u,p,e½ LokLF; vkSj ifjokj dY;k.k eU=ky;] Hkkjr ljdkj ds çk;kstr mEehnokjksa ds fy, gh miyC/k gSA

संभावित शिक्षार्थी प्रवेश के लिए चयन और प्रायोजन की प्रक्रिया हेतु संबंधित राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों (राज्य स्वास्थ्य मिशन) से संपर्क कर सकते हैं।

उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

- सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने में शिक्षार्थियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने में दक्षता का विकास करना।
- उप–केंद्र स्तर के लिए उपयुक्त प्रोटोकॉल के आधार पर व्यापक प्राथमिक देखभाल प्रदान करना।
- सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए निवारक और संवर्धनात्मक कार्य करना।

- सामान्य प्रयोगशाला जांच करना।
- उप–केंद्र स्तर पर प्रोटोकॉल के आधार पर उपचार प्रदान करना।

पात्रताः जीएनएम / बीएससी नर्सिंग / पीबी बीएससी नर्सिंग / आयुर्वेद चिकित्सक / बीएएमएस

शिक्षा का माध्यमः अंग्रेजी

अवधिः न्यूनतम छह माह और अधिकतम दो वर्ष

शुल्क संरचनाः रुपये 15,000 / – चक (परिवर्तन किया जा सकता हैद्ध

कार्यक्रम का विवरण

ikB~;dze	ikB~;dze dkM	ikB~;dze dk 'kh"kZd	dzsfMV dh l-
d- fl)kar			
बीएनएस.41	सामुदायिक स्वास्थ्य के आधारभूत तत्व	सिद्धांत	4
बीएनएस.42	सामान्य स्थितियों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल	सिद्धांत	4
[k-	0;kogkfjd @ izfDVdy		
बीएनएस.43	सार्वजनिक स्वास्थ्य और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल कौशल	प्रैक्टिकल	10
	dqy		18

dk;Øe l;kstd% ik- fiVh dky] Qksu% 011&29572807] Mk- jhrk noh] Qksu% -011-29572817

5.73 पर्यावरण परिबोध (एप्रीसिएशन) पाठ्यक्रम (ए.सी.ई.) विज्ञान विद्यापीठ (एस.ओ.एस.)

पर्यावरण से प्रत्येक व्यक्ति संबंधित है। यह देखा गया है कि अनेक व्यक्ति जिन्हें शिक्षा का लाभ प्राप्त हुआ है और जो अपने व्यवसायों में लगे हैं, वे पर्यावरण मामलों पर स्वयं को शिक्षित करने की प्रबल इच्छा रखते हैं। वे अपने आसपास के पर्यावरण की देखरेख में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाना चाहते हैं। कभी–कभी किसी विषय पर गलत सूचना अथवा अधिक जानकारी उपलब्ध होने के कारण ये लोग अच्छी पृष्ठभूमि होने के बावजूद महत्वपूर्ण पर्यावरण संबंधी मुद्दों का मूल्यांकन करने की स्थिति में नहीं होते। कभी–कभी वे गलत प्रचार से भी गुमराह हो जाते हैं। इन्हीं कारणों से एक **गैर–क्रेडिट जागरुकता पाठ्यक्रम** के तौर पर विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से पर्यावरण जागरूकता पाठ्यक्रम विकसित किया गया है।

इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर सूचना का प्रचार–प्रसार करना;
- व्यावसायिकों, शिक्षाविदों और समाज के अन्य सदस्यों के बीच पर्यावरण जागरूकता उत्पन्न करना जो समाज के अंदर राय बनाने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हों ताकि सुधारात्मक पर्यावरण कार्यों को प्रोत्साहित किया जा सके; और
- उन व्यक्तियों में पर्यावरण नेतृत्व विकास को बढ़ावा देना, जो पर्यावरण उन्नयन संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं या उनमें भाग ले सकते हैं।

पात्रता : α मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या उसके समकक्ष।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी।

अवधि : न्यूनतम तीन माह और अधिकतम 1 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1200 / –

कार्यक्रम का ब्यौरा :

खंड संख्या	खंड का शीर्षक
1.	पर्यावरण संबंधी चिंताएं
2.	पर्यावरण संबंधी प्रबंधन
3.	पर्यावरण संबंधी सुधार

इन पाठ्यक्रमों को दो विधियों से पूरा किया जा सकता है:

विधि–1 : जागरूकता विधि : यह विधि विद्यार्थी को अपनी सुविधा और स्थान के अनुसार मुद्रण सामग्री का अध्ययन करने का लचीलापन प्रदान करती है। इस विधि के लिए कोई औपचारिक आकलन नहीं है।

विधि–2 : प्रमाणन विधि : इस विधि के अंतर्गत मुद्रण सामग्री का अध्ययन जारी रखने के अतिरिक्त विद्यार्थी को सहभागिता का प्रमाणपत्र (Cirtificate of Participation) प्राप्त करने के लिए एक परियोजना कार्य सफलतापूर्वक पूरा करना होगा।

www.ignou.ac.in/ignou/aboutignou/school/sos/programmes/Appreciation Course on Environemnt (ACE)/Programme Guide in Hindi

कार्यक्रम संयोजक : प्रो. जसवंत सोखी, ace@ignou.ac.in, फोन : 011–29572850

5.74 जनसंख्या और सतत् विकास पर परिबोध पाठ्यक्रम (ए.सी.पी.एस.डी.)
अंतःविद्याश्रयी और बहु.विद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ (एस.ओ.आई.टी.एस.)

जनसंख्या और सतत् विकास पर परिबोध पाठ्यक्रम भारत में 'जनसंख्या' और 'सतत् विकास' के बीच के संबंधों की जानकारी प्रदान करता है। इसमें जनसंख्या के विभिन्न वर्गों से संबंधित मुद्दों, जैसे–स्वास्थ्य, शिक्षा, अजीविका के अवसरों, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

उद्देश्य

- जनसंख्या और सामाजिक एवं आर्थिक विकास के बीच के अंतः संबंधों से संबंधित जनसंख्या अध्ययन के क्षेत्र से जुड़े समकालिक मुद्दों से परिचित कराना।
- जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए उचित रणनीतिक योजना बनाने हेतु गहन अंतदृष्टि का विकास करना।
- जनसंख्या तथा विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण, जेंडर, प्रजनन–स्वास्थ्य और स्वास्थ्य संबंधी अन्य मुद्दों, वृद्धावस्था और विकास सहित अन्य संबंधित प्रासंगिक क्षेत्रों को समझना।
- जनसंख्या और सतत् विकास से संबंधित अनेक आयामों पर व्यावहारिक अनुभवों के साथ–साथ सिद्धांत आधारित ज्ञान की समझ प्रदान करना।

पात्रता : $^{\alpha}$मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उपाधि अथवा समकक्ष।

अवधि : न्यूनतम तीन माह और अधिकतम 1 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी।

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.1000/–

पाठ्यक्रम का विवरण

खंड संख्या	खंड का शीर्षक
खंड 1	जनसंख्या, सतत् विकास और मानव विकास
खंड 2	भारत में जनसंख्या और सतत् विकास संबंधी मुख्य मुद्दे
खंड 3	जनसंख्या और सतत विकास : कार्यक्रम और नीतियाँ
खंड 4	परियोजना कार्य

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. दीक्षा दवे, deekshadave@ignou.ac.in, फोन : 011–29571121

5.75 फलों और सब्जियों से मूल्य सवंर्धित उत्पाद पर जागरूकता कार्यक्रम (एपीवीपीएफवी)
कृषि विद्यापीठ (एसओए)

यह कार्यक्रम भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (एमओए) के साथ सहयोग से विकसित किया गया है।

कार्यक्रम का उद्देश्य

फसल के बाद के नुकसान को कम करने, उत्पादन क्षेत्रों में फलों और सब्जियों का प्राथमिक प्रसंस्करण करने और मूल्य संवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करना।

खाद्य प्रसंस्करण और संबंधित गतिविधियों में स्व–रोजगार के लिए उद्यमिता और कौशल विकास का विकास करना

पात्रताः

8वीं उत्तीर्ण व्यक्ति जो हिंदी या अंग्रेजी या क्षेत्रीय भाषा को पढ़ और लिख सकता है और जो एक प्रगतिशील किसान या फल और सब्जियों का अच्छा उत्पादक है। किसानों को एक ब्लॉक से चुना जा सकता है ताकि उनके पास नजदीकी भौगोलिक निकटता हो।

जले में (बागवानी मिशन के तहत एमओए द्वारा विकसित) फलों और सब्जियों/बागवानी संघ (यदि कोई हो) का किसान या पदाधिकारी।

फल और सब्जियों की खरीद/प्रसंस्करण में शामिल उद्यमी।

जिले के कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) द्वारा प्रायोजित किसान/कृषक महिला/किसान हितैषी समूह का प्रतिनिधि/कृषक महिला स्व सहायता समूह के किसान।

एनजीओ, सरकारी उपक्रम, मंडी, शीत भंडारण के प्रतिनिधि जो फल और सब्जियों के संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन से सीधे जुड़े हों।

कृषि और संबद्ध विभागों के राज्य विभागों के फील्ड स्तर के कार्यकर्ता।

शिक्षण का माध्यमः अंग्रेजी और हिंदी

अवधिः न्यूनतम डेढ़ माह और अधिकतम छह माह। प्रवेश के जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचनाः 1000 रू. पूरे कार्यक्रम के लिए।

कार्यक्रम का विवरण

इस गैर–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम में विशिष्ट पाठ्यक्रम हैं। अध्ययन सामग्री को छोटे–छोटे मॉड्यूल (9 मॉड्यूल) में बांटा गया है। अध्ययन सामग्री का कोड एनपीवी 001 है।

कार्यक्रम का ब्यौराः

मॉड्यूल कोड	मॉड्यूल का शीर्षक	क्रेडिट
मॉड्यूल 1	परिचय	0
मॉड्यूल 2	फलों और सब्जियों का फसलोपरांत प्रबंधन	0
मॉड्यूल 3	फैक्टरी मानक और उत्पाद विनिर्दिष्टीकरण	0
मॉड्यूल 4	प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन	0
मॉड्यूल 5	गुणवत्ता आश्वासन	0
मॉड्यूल 6	ताजा फल और सब्जियों और उनके संसाधित उत्पादों की पैकेजिंग	0
मॉड्यूल 7	ताजा फल और सब्जियों और उनके संसाधित उत्पादों का विपणन	0
मॉड्यूल 8	उद्यम की स्थापना	0
मॉड्यूल 9	उद्यमियों को संस्थागत समर्थन	0
	कुल क्रेडिट	0

कार्यक्रम संयोजकः डॉ पी विजयकुमार, pvkumar@ignou-ac-in, फोनः 011&29573092

5.76 डेयरी फार्मिंग पर जागरूकता कार्यक्रम (एपीडीएफ) कृषि विद्यापीठ (एसओए)

यह कार्यक्रम भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के साथ सहयोग से विकसित किया गया है। यह कार्यक्रम डेयरी फार्म मैनेजमेंट प्रैक्टिस, पशु स्वास्थ्य देखभाल, चारा उत्पादन और स्वच्छ दूध उत्पादन आदि में ज्ञान और तकनीकी दक्षता प्रदान करता है। यह युवाओं को स्व–रोजगार के लिए उद्यमिता के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

उद्देश्य

डेयरी फार्म मैनेजमेंट प्रैक्टिस, पशु स्वास्थ्य देखभाल, चारा उत्पादन और स्वच्छ दूध के उत्पादन में ज्ञान और तकनीकी दक्षता प्रदान करना;

वैज्ञानिक ढंग से डेयरी फार्मिंग प्रणाली के लिए आवश्यक मानव संसाधन का विकास करना; और

डेयरी फार्मिंग के माध्यम से युवाओं के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करना।

पात्रताः कोई औपचारिक शिक्षा नहीं। हिंदी/तेलुगु पढ़ने और लिखने में सक्षम।

शिक्षा का माध्यमः हिंदी, तेलगु

अवधिः न्यूनतम दो माह और अधिकतम छह माह। प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

शुल्क संरचनाः पूरे कार्यक्रम के लिए 1100/– रुपये।

कार्यक्रम विवरणः

इस गैर–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम में विशिष्ट पाठ्यक्रम हैं। अध्ययन सामग्री को छोट–छोटे मॉड्यूलों (14 मॉड्यूल) में बांटा गया है। अध्ययन सामग्री कोड एनईएक्स 001 है।

मॉड्यूल	मॉड्यूल का शीर्षक	क्रेडिट
मॉड्यूल 1	परिचय	0
मॉड्यूल 2	पशु प्रजनन	0
मॉड्यूल 3	पुनर्जनन	0
मॉड्यूल 4	ब्यांत (कालिंवग) और बछड़े का पालन	0
मॉड्यूल 5	पशु पोषण/चराना और चारा प्रबंधन	0
मॉड्यूल 6	दूध उत्पादन	0
मॉड्यूल 7	दूध का परीक्षण, दूध का प्रबंधन और संग्रहण	0

मॉड्यूल 8	पशु के लिए आवास और आश्रय	0
मॉड्यूल 9	स्वास्थ्य प्रबंधन	0
मॉड्यूल 10	पशु रोग निवारण और नियंत्रण	0
मॉड्यूल 11	गोबर और डेयरी अपशिष्ट सामग्री का निपटान	0
मॉड्यूल 12	डेयरी फार्म उपकरण	0
मॉड्यूल 13	डेयरी फार्म का अर्थशास्त्र और लेखा	0
मॉड्यूल 14	डेयरी विकास में विभिन्न एजेंसियों की भूमिका	0
	कुल क्रेडिट	0

कार्यक्रम संयोजकः डॉ पी विजयकुमार, pvkumar@ignou-ac-in, **फोनः** 011–29573092

5-77 oLrq vkSj lsok dj ¼th,lVh½ ij tkx:drk dk;ZØe

iz-k v/;;u fo|kihB ¼,lvk,e,l½

यह कार्यक्रम बम्बई स्टॉक एक्सचेंज इंस्टिट्यूट लिमिटेड के सहयोग से तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित बुनियादी ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए लाभदायक होगा ,जो लेखा खातों का अनुरक्षण और विभिन्न प्रकार के अप्रत्यक्ष करों की विवरणी भरने का काम करते हैं। छोटे–मोटे व्यापारिक उद्यमों में कार्यरत उद्यमी भी इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकते हैं क्योंकि यह कार्यक्रम जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं और औपचारिकताओं के बारे में विहंगावलोकन प्रदान करता है।

mnns';% इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लेखा बहियों का रखरखाव करने वाले व्यावसायिकों को विभिन्न अनुपालन अपेक्षाओं के साथ–साथ विभिन्न प्रकार की नियमित जीएसटी विवरणियों को भरने के बारे में कौशल प्रदान करना है।

ik=rk% 10+2 उत्तीर्ण

f'k{kk dk ek/;e% अंग्रेजी

vof/k% न्यूनतम दो माह और अधिकतम छह माह, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।

'kqYd lajpuk% रु. 3500/– पूरे कार्यक्रम के लिए।

dk;ZØe dk fooj.k%

इस केडिटहीन जागरूकता कार्यक्रम में विशिष्ठ पाठ्यक्रम हैं। अध्ययन सामग्री को छोटे–छोटे माड्यूलों (7 माड्यूल) में विभाजित किया गया है। अध्ययन सामग्री केवल ऑन–लाइन ही उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी सहभागिता का प्रमाणपत्र एसओएमएस और बीएसएलआईएल द्वारा प्रदान किया जाएगा।

ekMqy	ekMqy dk 'kh"kZd	dzsfMV
माड्यूल–1	जीएसटी की संकल्पना को समझना	0
माड्यूल–2	कराधान की घटना	0
माड्यूल–3	पंजीकरण	0
माड्यूल–4	कर की देयता की गणना	0
माड्यूल–5	लेखा–बहियों का रखरखाव	0
माड्यूल–6	जीएसटी के अंतर्गत भुगतान	0
माड्यूल–7	जीएसटी में बदलाव के लिए जीएसटी परिषद की 22वीं और 23वीं बैठक	0

dk;ZØe lq;kstd% dey oxjhpk] **kamalvagreech@ignou.ac.in, Qksu% 011&29573022**

6. विश्वविद्यालय के नियम

विश्वविद्यालय समय–समय पर नियमों में परिवर्तन कर सकता है, तथापि वर्तमान नियम सभी विद्यार्थियों पर लागू होंगे, चाहे उन्होंने अपना पंजीकरण किसी भी वर्ष किया हो।

6.1 निजी संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई शैक्षिक अर्हताएँ

''छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियम) अधिनियम 2002'' के उपबंधों के तहत स्थापित निजी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई शैक्षिक योग्यता अस्तित्वहीन है और इग्नू के किसी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए इन पर विचार नहीं किया जाएगा।

6.2 प्रवेश के लिए उपाधि की वैधता

तीन वर्ष की अवधि की प्रथम उपाधि के बिना प्रदान की गई स्नातकोत्तर उपाधि इग्नू के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए मान्य नहीं । तथापि, यह शर्त किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से अर्जित पाँच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर उपाधि पर लागूहै।

स्नातक उपाधि का अर्थ है, **स्नातक उपाधि जो कम से कम तीन वर्ष की अवधि की हो।**

व्यावसायिक उपाधि का अर्थ है, **इंजीनियरी, विधि, चिकित्सा, नर्सिंग आदि में उपाधि।**

6.3 'दो वर्षीय स्नातक उपाधि' की स्वीकार्यता

ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने 4 जून 1986 से पहले प्रथम उपाधि कार्यक्रम में नामांकन करवाया था और विद्यार्थी जिन्होंने 4 जून, 1986 से पहले अपनी स्नातक उपाधि पूरी कर ली है, चाहे उनकी अध्ययन अवधि कितनी भी क्यों न हो, उन्हें तीन वर्ष की उपाधि पूरी करने वाले विद्यार्थियों के समकक्ष माना जाएगा और उन्हें आगे एक वर्षीय सेतु पाठ्यक्रम करने की आवश्यकता नहीं है। 4 जून, 1986 तक प्राप्त उपाधि और जून, 1986 तक नामांकित विद्यार्थियों, जिन्होंने बाद में उपाधि पूरी की हो, को प्रदान की गई उपाधि को मास्टर डिग्री और अन्य उच्च अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश सहित सभी उद्देश्यों के लिए मान्य समझा जाएगा।

इग्नू उच्च अध्ययन के प्रयोजन के लिए **वर्ष 1998–99 तक पूरी की गई** किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्राप्त 2 वर्ष की अवधि की प्रथम उपाधि को भी स्वीकार करता है परंतु **शर्त यह है कि ऐसे विद्यार्थियों ने आगे एक वर्ष का सेतु पाठ्यक्रम (bridge course) पूरा कर लिया हो और इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुरूप उत्तीर्ण किया हो।**

उस्मानिया विश्वविद्यालय, आंध्र विश्वविद्यालय, ककतिया विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय आदि की ''एक सिटिंग की स्नातक उपाधि'' इग्नू की मास्टर डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त है, बशर्ते उम्मीदवार ने वर्ष 1995–96 तक कार्यक्रम में अपना नामांकन करवाया हो और वर्ष 1998–99 तक अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया हो। इसके अलावा, ऐसे उम्मीदवारों के पास ''एक सिटिंग की स्नातक उपाधि'' में पंजीकरण करवाने से पहले +2 के बाद दो वर्ष का अंतराल होना चाहिए

संबंधित राज्य के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार से बाहर **निजी विश्वविद्यालयों के ''ऑफ कैंपस'' केंद्र** से प्राप्त उपाधि इग्नू के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से मान्य नहीं होगी, जब तक उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का विशेष अनुमोदन प्राप्त न हो।

इसी प्रकार, केन्द्रीय/राज्य/मानित विश्वविद्यालयों मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (आडियल) के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व की संस्थाओं के **'ऑफ कैंपस' केंद्र/'ऑफ शोर' कैंपस** से प्राप्त उपाधियाँ, इग्नू में उच्च अध्ययन के लिए स्वीकार किया जाएगा। परंतु शर्त यह है कि ये समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित इन केंद्रीय/राज्य/मानित विश्वविद्यालयों/राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अनुसार प्राप्त की गई हों।

6.4 अपूर्ण एवं विलंब से प्राप्त आवेदनपत्र

प्राप्त अपूर्ण ऑन लाइन आवेदन पत्र/पुनः पंजीकरण पत्र जिनमें पाठ्यक्रमों या ऐच्छिक का गलत विकल्प या गलत सूचना दी गई हो, उन्हें विद्यार्थी को कोई सूचना दिए बिना अस्वीकार कर दिया जाएगा। इसलिए, विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित कॉलम ध्यानपूर्वक भरें और सभी अनिवार्य प्रमाणपत्रों की स्पष्ट दिखाई देने वाली इस्केन की गई स्व–प्रमाणित स्पष्ट प्रतिलिपियाँ संलग्न करें। यदि विश्वविद्यालय द्वारा किसी विनिर्दिष्ट कार्यक्रमों में आवेदन ''ऑफ लाइन मॉड'' में आवेदन पत्र जमा कराना या किसी अन्य कारण से ऐसा करना अपेक्षित हो, तो ऑफ द्वारा विश्वविद्यालय के विनिर्दिष्ट कार्यालय को छोड़कर अन्य कार्यालयों में भेजे गए आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा और इसके लिए आवेदक के पास किसी प्रकार का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

6.5 प्रवेश की वैधता

जिन विद्यार्थियों को प्रवेश का प्रस्ताव भेजा गया है उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तारीख को या उससे पूर्व प्रवेश लेना होगा। यदि वे अगले सत्र में प्रवेश लेना चाहते हैं, तो उन्हें नए सिरे से आवेदन करना होगा और पुनः प्रवेश प्रक्रिया से गुजरना होगा।

6.6 साथ–साथ पंजीकरण

एक वर्ष या इससे लम्बी अवधि के कार्यक्रम के लिए पहले ही नामांकित विद्यार्थी **छह महीने की अवधि के किसी भी प्रमाणपत्र /डिप्लोमा कार्यक्रम** में पंजीकरण करा सकते हैं। परंतु, यदि लिए गए दो कार्यक्रमों की परामर्श की तारीख या परीक्षा अनुसूची साथ-साथ पड़ रहे हों, तो विश्वविद्यालय कोई समायोजन करने की स्थिति में नहीं होगा।

एक ही विश्वविद्यालय से स्नातक स्तर पर दो कार्यक्रम एक साथ अथवा एक कार्यक्रम मुक्त विश्वविद्यालय (मुक्त एवं दूर शिक्षा पद्धति के अंतर्गत) और दूसरा कार्यक्रम परंपरागत विश्वविद्यालय (नियमित या कक्षा कक्ष माध्यम) से एक साथ करने की इस समय अनुमति नहीं है।

6.7 पुनःपंजीकरण

विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर जारी की गई अधिसूचना के अनुसार पुनः पंजीकरण (आर.आर.) फॉर्म केवल 'ऑन लाइन' 'वेब पोर्टल' www.ignou.ac.in पर जमा करें। यदि किसी कार्यक्रम में पुनः पंजीकरण ऑन लाइन उपलब्ध नहीं है, या किसी अन्य कारण से जैसा कि विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया है, उन्हें अपना आर.आर. फार्म केवल संबंधित क्षेत्रीय केंद्र पर ही जमा कराना चाहिए अन्यत्र नहीं। यदि विद्यार्थी आबंटित क्षेत्रीय केंद्र के स्थान पर किसी अन्य क्षेत्रीय केंद्र पर 'ऑफ लाइन' पुनःपंजीकरण फार्म जमा कराता है और निर्धारित तारीख चूक जाने के कारण संबंधित सेमेस्टर/वर्ष खो देता है तो उसके पास इसे नियमित कराने के लिए विश्वविद्यालय पर किसी प्रकार का दावा करने का अधिकार नहीं होगा।

भारत में अध्ययनरत विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को पुनः पंजीकरण फार्म संबंधित क्षेत्रीय केंद्र अथवा मुख्यालय स्थित अंतरराष्ट्रीय प्रभाग में ऑफलाइन जमा कराने की सलाह दी जाती है।

6.8 पुनः प्रवेश

जो विद्यार्थी स्वीकृत अधिकतम अवधि के भीतर अपना कार्यक्रम पूरा नहीं कर पाते हैं, वे निम्नलिखित प्रकार से पिछली अवधि से आगे अतिरिक्त अवधि के लिए पुनः प्रवेश ले सकते हैं :

कार्यक्रम	कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि न्यूनतम	अधिकतम अवधि समाप्त होने पर पुनः प्रवेश की वैधता
प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 माह	**6 माह**
डिप्लोमा/स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम और एक वर्ष की अवधि के अन्य कार्यक्रम*	1 वर्ष	**1 वर्ष**
स्नातक उपाधि कार्यक्रम	3 वर्ष	**2 वर्ष**
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम	2 वर्ष	**2 वर्ष**

*आई.सी.ए.आई., आई.सी.एस.आई. आदि के बी.एल.आई.एस./एम.एल.आई.एस./बी.कॉम. और एम.कॉम. कार्यक्रम

पुनःप्रवेश के लिए विद्यार्थी को **यथानुपात** आधार पर प्रत्येक अपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए शुल्क अदा करना होगा। अपूर्ण पाठ्यक्रमों के लिए यथानुपात शुल्क की तालिका और पुनःप्रवेश फॉर्म क्षेत्रीय केंद्र के साथ–साथ वेबसाइट (www.ignou.ac.in> Student Zone > Downloads > Re-admission >) पर उपलब्ध है।

जिन विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के सभी वर्षों/सेमेस्टर के लिए पंजीकरण/पुनः पंजीकरण नहीं किया है और कार्यक्रम की अधिकतम अवधि के दौरान, पूरे कार्यक्रम का निर्धारित शुल्क अदा नहीं किया है, वे भी पुनः प्रवेश के पात्र हैं। परंतु शर्त यह है कि उन्हें छूटे हुए वर्ष (वर्षों)/सेमेस्टर (सेमेस्टरों) के लिए उस दर के अनुसार पूरे शुल्क का भुगतान करना होगा जो उस सत्र (session) के लिए लागू है जिसमें वे पुनः प्रवेश लेना चाहते हैं। यह प्रत्येक पाठ्यक्रम जिसमें अधिकतम निर्धारित अवधि के अंदर उसे सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर पाए, उसके लिए तालिका में दी गई दर के अनुसार **पुनः प्रवेश के लिए यथानुपात पाठ्यक्रम शुल्क** के अतिरिक्त होगा।

6.9 दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त समय

(क) 40% अथवा इससे अधिक दिव्यांगता वाले विद्यार्थियों को सभी अकादमिक कार्यक्रमों के लिए निर्धारित अधिकतम अवधि के अलावा 2 (दो) अतिरिक्त वर्ष का समय दिया जाता है।

(ख) उपुर्यक्त सुविधा का लाभ प्रदान करने के इच्छुक दिव्यांग विद्यार्थियों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया 'असक्षमता प्रमाण पत्र' संबंधित क्षेत्रीय केंद्र में जमा कराना चाहिए, जो इसे सत्यापित कराकर डाटाबेस में प्रविष्टि करेंगे और डाटा के मास्टर रिकॉर्ड में अद्यतन करने के लिए विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग को भेजेंगे।

(ग) दिव्यांग विद्यार्थियों को पुनः प्रवेश की सुविधा यथानुपात शुल्क के बिना ही दी जाएगी अर्थात् मामले के अनुसार उनकी अध्ययन की अधिकतम अवधि में छह महीने/एक वर्ष/दो वर्ष का विस्तार निःशुल्क किया जाएगा। तथापि, दिव्यांग विद्यार्थियों को अनुसूची के अनुसार, पुनःप्रवेश फार्म जमा कराना अपेक्षित है।

6.10 आरक्षण

विश्वविद्यालय भारत सरकार के नियमों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी जातियों के कमजोर वर्गों, युद्ध विधवा, कश्मीरी प्रवासी और शारीरिक रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों के **आरक्षण की सुविधा प्रदान करता है।** लेकिन, किसी भी वर्ग के अंतर्गत नकली प्रमाणपत्र जमा कराने पर न केवल प्रवेश रद्द हो जाएगा, बल्कि भारत सरकार के नियमों के अनुसार कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।

6.11 छात्रवृत्तियाँ और शुल्क की प्रतिपूर्ति

आरक्षित श्रेणियों अर्थात अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों, बुनकर समुदायों, उभयलिंगी, जेल के कैदियों और दिव्यांग विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार शुल्क में रियायत अथवा प्रतिपूर्ति प्रदान की जाती है।

इग्नू कार्यक्रमों में दाखिला प्राप्त उपर्युक्त श्रेणी के छात्र भारत सरकार की छात्रवृत्ति के पात्र हैं। ऐसे छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कार्यक्रम शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए अपने राज्य के समाज कल्याण निदेशालय या समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय से छात्रवृत्ति के फॉर्म लें और भरे हुए फॉर्म इग्नू के संबंधित क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक (जहाँ उन्होंने प्रवेश के लिए आवेदन किया है और उनका कार्यक्रम में प्रवेश/पंजीकरण हुआ है) के पास क्षेत्रीय निदेशक द्वारा आवश्यक प्रमाणन के लिए जमा कर दें।

उपर्युक्त प्रमाणन के बाद, छात्रवृत्ति के फॉर्म क्षेत्रीय केंद्र से एकत्र करें और अपने राज्य में समाज कल्याण अधिकारी या समाज कल्याण निदेशालय, जैसा भी मामला हो, छात्रवृत्ति या कार्यक्रम शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए पुनः जमा करें।

स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रमों के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के रोजगार के संवर्द्धन के लिए राष्ट्रीय केंद्र (NCPEDP) की छात्रवृत्ति योजना इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भी लागू है। इस प्रकार के विद्यार्थी छात्रवृत्ति देने वाले प्राधिकारी को सीधे आवेदन कर सकते हैं।

v-tk-@v-t-tk- d fo|kFkh ;k th lh@,e ,p vkj Mh@fofHkUu jkT; ljdkjk@ljdkjh foHkkxk dh 'kYd&ekQh@ ifrifr@NV inku dju dh ;ktuk dk ykHk mBk ldr gA ik=rk vkj ifØ;kRed fooj.k d fy, bPNd fo|kFkh lcf/kr ,tfl;k l fooj.k ikIr dj ldr gA

6-12 ,llh,lih vkj Vh,lih ;ktukvk d vrxr vuqlfpr tkfr@vuqlfpr tutkfr d Nk=k d fy, 'kYd dh çfrifr

विश्वविद्यालय अपनी नीति के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के छात्रों को कार्यक्रम शुल्क की प्रतिपूर्ति करता है। इस नीति में संशोधन भी किया जा सकता है। छात्रों को इससे संबंधित नवीनतम प्रावधानों के बारे में जानने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने या क्षेत्रीय केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्र जो कार्यरत हैं या जो अन्य एजेंसियों से किसी भी प्रकार की फेलोशिप या शुल्क छूट का लाभ उठा रहे हैं, वे एससीएसपी/टीएसपी योजना के अंतर्गत शुल्क छूट के लिए पात्र नहीं हैं। शुल्क की छूट इस प्रवेश विवरणिका में उल्लिखित कार्यक्रम शुल्क तक ही सीमित है। इस योजना में पंजीकरण शुल्क, विलम्ब शुल्क (यदि कोई हो), सत्रांत परीक्षा शुल्क, पुनः प्रवेश शुल्क, दीक्षांत समारोह शुल्क आदि में छूट नहीं होगी। पात्र और इच्छुक विद्यार्थी संबंधित क्षेत्रीय केंद्र से संपर्क कर सकते है। इस योजना का विवरण और अधिसूचना www.ignou.ac.in पर उपलब्ध है।

आवेदन पत्र का फार्म विवरणिका के अंत में पृ.सं. 223.224 पर अनुलग्क– IV(1) एवं (2) पर दिया गया है।

6.13 शुल्क की वापसी

धन वापसी के अनुरोध निम्नानुसार विचार किया जाएगाः

d- प्रवेश फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि से पहले, भुगतान किया गया शुल्क 200/–रुपये की कटौती के बाद वापस किया जाएगा।

[k- प्रवेश फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि से 15 दिनों के भीतर, –भुगतान किया गया शुल्क 500/– रुपये की कटौती के बाद वापस किया जाएगा।

x- प्रवेश फार्म जमा करने की अंतिम तिथि से 30 दिनों के भीतर–भुगतान किया गया शुल्क 1,000/– रुपये की कटौती के

बाद वापस किया जाएगा।

?k- फार्म जमा कराने की अंतिम तिथि के 30 दिनों के बाद– कोई धनवापसी की अनुमति नहीं दी जाएगी।

p- प्रवेश फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीखों पर अलग से विचार किया जाएगा, यानी बिना विलंब शुल्क के अंतिम तारीख और विलंब शुल्क के साथ अंतिम तारीख। तथापि, विलंब शुल्क, यदि कोई हो, वापस नहीं किया जाएगा।

N- उपरोक्त (क) से (ग) के मामलों में, उम्मीदवार ऐसे रिफंड के लिए संबंधित क्षेत्रीय निदेशक को लिखित में अनुरोध करेगा। आरसी इग्नू खातों में उस राशि के जमा होने का पता लगाने के बाद शीघ्रातिशीघ्र मामले पर कार्रवाई करेगा।

t lhchlh,l vk/kkfjr Lukrd dh fMxh dk;Øe d fy,%

छात्रों का पंजीकरण वर्षवार किया जाएगा, हालांकि कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम सेमेस्टर–वार पेश किए जाऐगें। प्रवेश के समय छात्र पहले और दूसरे सेमेस्टर के लिए शुल्क का भुगतान करेगें। यदि कोई छात्र मध्य सत्र को वापस लेने का फैसला करता है तो कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

6.14 जेल में रह रहे कैदियों को इग्नू कार्यक्रमों में शुल्क में छूट

देश की जेलों में रह रहे कैदियों को कार्यक्रम के शुल्क तथा पंजीकरण शुल्क से छूट प्राप्त है। ट्रॉयल के अधीन/लघु अवधि के कैदी भी इस तरह की छूट के हकदार हैं, जैसे कि अन्य कैदियों को प्राप्त है, परंतु शर्त यह है कि जब वे जेल से बाहर जाएंगे तब उन्हें सामान्य विद्यार्थियों की तरह ही समझा जाएगा और उन्हें इसके बाद के शुल्क, जहां भी लागू हों (परीक्षा शुल्क, पुनःपंजीकरण शुल्क, पुनःप्रवेश के लिए यथानुपात शुल्क, दीक्षांत समारोह आदि के लिए पंजीकरण), देने होंगे।

6.15 अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य

विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित सामग्री के स्थान पर स्व–शिक्षण सामग्री की सॉफ्ट कॉपी प्रदान करने का प्रावधान भी किया गया है। सॉफ्ट कॉपी का चयन करने वाले शिक्षार्थी को कार्यक्रम शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरते समय इस आशय का विकल्प शिक्षार्थियों द्वारा दिया जाना अपेक्षित है। ऐसे शिक्षार्थियों को मुद्रित स्व–शिक्षण सामग्री नहीं दी जाएगी। विश्वविद्यालय पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से छात्रों को अध्ययन सामग्री भेजता है और यदि किसी छात्र को किसी भी कारण से यह सामग्री प्राप्त न हो, तो उसके लिए विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। वर्तमान सत्र के लिए सत्रीय कार्य वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं। छात्रों को इन्हें डाउनलोड करने की सलाह दी जाती है। अध्ययन सामग्री प्राप्त न होने पर शिक्षार्थियों को कुलसचिव, सामग्री निर्माण और वितरण प्रभाग, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068 को लिखना होगा।

6.16 ऐच्छिक/पाठ्यक्रम में परिवर्तन

lhchlh,l vk/kkfjr vkj ch,th@chdketh vkj ch,lhth dk;Øek e ikB;Øe e ifjorZu dju dh vuefr ugh gA **अन्य स्नातकोत्तर उपाधि स्तर के कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रमों में परिवर्तन हेतु शुल्क 2/4 क्रेडिटों तक के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए 600/– रुपए और 6/8 क्रेडिट से अधिक के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए 1200/– रुपए देने होंगे।** राशि का भुगतान **"इग्नू"** के नाम पर संबंधित क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट द्वारा करना होगा। ऐच्छिक/पाठ्यक्रम में परिवर्तन के लिए अनुसूची के अनुसार केवल संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को अनुरोध करना होगा।

6.17 माध्यम में परिवर्तन

lhchlh,l vk/kkfjr vkj ch,th@chdketh vkj ch,lhth dk;Øek e fu/kkfjr 'kYd dk Hkxrku dju ij ,d l nlj ek/;e e ifjorZu dju dh vuefr gA अन्य कार्यकमों के लिए माध्यम में परिवर्तन की अनुमति **प्रथम वर्ष** में पाठ्यक्रम सामग्री के पहले सेट की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर तक ही है। इसके लिए स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए **रु. 350/– + प्रति 2/4 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए रु. 350/– और प्रत्येक 6/8 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए रु. 700/–** और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए रु. 350/– + 2/4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए रु. 600/– और **6/8 क्रेडिट के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए रु. 1200/–** का भुगतान "इग्नू" के पक्ष में संबंधित क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय डिमांड ड्राफ्ट द्वारा करना होगा। माध्यम में परिवर्तन के लिए आवेदन पत्र अनूसूची के अनुसार केवल संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजें।

6.18 कार्यक्रम में परिवर्तन

lhchlh,l vk/kkfjr vkj ch,th@chdketh vkj ch,lhth dk;Øek e dk;Øe e cnyko dh vuefr ugh gA अन्य स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ई.जी./एम.एच.डी./एम.पी.एस./एम.ए.एच./एम.पी.ए./एम.एस.ओ./एम.ई.सी./एम.ए.आर.डी./एम.कॉम./एम.ए.पी.वाई./एम.ए.पी.सी.) के कार्यक्रमों में **परिवर्तन प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि के 30 दिन के भीतर प्रवेश के केवल प्रथम वर्ष में ही किया जा सकता है।** विद्यार्थी को नए कार्यक्रम की पूरी फीस जमा करानी होगी और पहले के कार्यक्रम के लिए दी गई फीस वापस नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में परिवर्तन के लिए आवेदन पत्र संबंधित क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक को

भेजना होगा।

6.19 क्रेडिट परामर्श तथा परीक्षा केन्द्र अंतरण

क्रेडिट अंतरण का अर्थ है, किसी अन्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थी को उस विश्वविद्यालय से उसके द्वारा प्राप्त क्रेडिट के आधार पर किसी भी समकक्ष डिग्री/डिप्लोमा कार्यक्रम को पूरा करने के लिए इग्नू में प्रवेश लेने की अनुमति देना। इस प्रकार से पंजीकृत विद्यार्थी को ऐसे पाठ्यक्रमों के लिए इग्नू में परीक्षा नहीं देनी होगी, जो समकक्ष हों, जिसके लिए उसने उपयुक्त क्रेडिट प्राप्त किए हों और उपाधि/डिप्लोमा प्रदान करने के लिए इग्नू की आवश्यकताओं को पूरा कर लिया हो।

जो विद्यार्थी क्रेडिट अंतरण का लाभ उठाना चाहते हैं, वे उन कार्यक्रमों के लिए इग्नू में अपना पंजीकरण कराएंगे जिनका वे अध्ययन करना चाहते हैं। इस उद्देश्य के लिए सभी आवेदनों को कुलसचिव, विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –110068 को भेजें।

lhchlh,l vk/kkfjr Lukrd mikf/k dk;ldek d fy, dkbl dfMV gLrkrj.k tykbl 2019 l= d fy, miyC/k ugh gkxkA

6.20 परामर्श तथा परीक्षा केन्द्र

सभी अध्ययन केन्द्र, कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र तथा विशेष अध्ययन केन्द्र परीक्षा केन्द्र नहीं होते हैं। यह आवश्यक नहीं है कि छात्रों की प्रयोगात्मक परीक्षा भी वहीं हो, जहाँ उन्होंने प्रायोगिक या परामर्श सत्र किए हों।

6.21 पते में संशोधन तथा अध्ययन केंद्र में परिवर्तन

पते में संशोधन परिवर्तन के लिए एक मुद्रित प्रपत्र है, जो कार्यक्रम दर्शिका में दिया गया है और अध्ययन सामग्री की पहली किस्त के साथ भेजा जाता है। यदि पते में कोई संशोधन/परिवर्तन हो, तो विद्यार्थी को कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए प्रोफार्मा का उपयोग कर इसे संबंधित क्षेत्रीय निदेशक को भेजने की सलाह दी जाती है जो डाटाबेस में आवश्यक संशोधन कर संशोधित डाटा को **कुलसचिव, विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली 110068 को भेज देंगे। विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, नई दिल्ली या विश्वविश्वविद्यालय के किसी अन्य कार्यालय में प्राप्त विद्यार्थी के सीधे अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। पता परिवर्तन का फार्म इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.in से भी प्राप्त किया जा सकता है।** इस संदर्भ में विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के किसी अन्य अधिकारी को पत्र न लिखें। परिवर्तन की प्रक्रिया में सामान्यतः 4.6 सप्ताह का समय लगता है। इसलिए विद्यार्थियों को स्वयं यह व्यवस्था करनी होगी कि इस अवधि के दौरान अध्ययन सामग्री पुनः प्रेषित होकर परिवर्तित पते पर पहुँच जाए। यदि अध्ययन केंद्र में परिवर्तन कराना चाहते हों तो विद्यार्थी प्रोफार्मा भरकर इसे संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजें। चूंकि सभी केंद्रों में सभी कार्यक्रमों के लिए परामर्श सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए विद्यार्थियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि जो नया केंद्र उन्होंने चुना है, वहाँ पर उनके कार्यक्रम की परामर्श सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अध्ययन केंद्र में परिवर्तन का अनुरोध यथासम्भव स्वीकार किया जाता है, परंतु यह इस पर निर्भर करता है कि माँगे जा रहे नए केंद्र में कार्यक्रम के लिए सीटें उपलब्ध हैं या नहीं। प्रवेश का कार्य पूर्ण होने से पहले पता और अध्ययन केंद्र में परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6.22 क्षेत्र में परिवर्तन

जब कोई विद्यार्थी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरण करवाना चाहता/चाहती है, तो इस संबंध में उसे अपना आवेदन पत्र उस क्षेत्रीय केन्द्र को भेजना होगा, जहाँ से वह स्थानांतरण करवाना चाहता/चाहती है और पत्र की प्रति उस क्षेत्रीय केन्द्र को भी भेजनी होगी, जहाँ पर वह अपना स्थानांतरण चाहता/चाहती है। इसके अलावा, जिस अध्ययन केन्द्र से वह स्थानांतरण चाहता/चाहती है, उस अध्ययन केन्द्र के समन्वयक से प्रामाणपत्र प्राप्त करना होगा, जिसमें विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य का ब्यौरा होगा। विद्यार्थी जहाँ से स्थानांतरण लेने का इच्छुक है, वहाँ का क्षेत्रीय निदेशक विद्यार्थी के शुल्क भुगतान सहित सभी रिकॉर्ड, कुलसचिव, विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग (एस.आर.डी.) तथा संबंधित विद्यार्थी को सूचित करते हुए उस क्षेत्रीय केन्द्र को भेजेगा, जहाँ पर वह स्थानांतरण चाहता/चाहती है। प्रायोगिक कार्यक्रम जैसे कंप्यूटर कार्यक्रमों, बी.एससी आदि कार्यक्रमों में क्षेत्र परिवर्तन के लिए, विद्यार्थी को जहाँ वह स्थानांतरण चाहता/चाहती है, उस क्षेत्रीय निदेशक/अध्ययन केंद्र से 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' प्राप्त करना होगा।

यदि विद्यार्थी चक्र/सत्र के दौरान सेना/नौसेना/वायुसेना क्षेत्रीय केंद्रों से विश्वविद्यालय के किसी अन्य क्षेत्रीय केंद्र में स्थानांतरण चाहता है, तो उसे क्षेत्रीय केंद्र के लिए शुल्क–अंश राशि (fee share money) जमा करानी होगी। यदि विद्यार्थी सत्र/चक्र की शुरूआत में स्थानांतरण चाहता है, तो सत्र/चक्र के लिए अपेक्षित कार्यक्रम शुल्क क्षेत्रीय केंद्र में जमा कराना होगा। तथापि, स्थानांतरण सीटों की उपलब्धता पर निर्भर होगा।

विद्यार्थी पंजीकरण के छह महीने बाद अथवा एक वर्ष या इससे अधिक अवधि के कार्यक्रमों के लिए प्रथम वर्ष/सेमेस्टर के सत्रीय कार्य

जमा कराने के बाद किसी अन्य विदेशी अध्ययन केंद्र में स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

6.23 सत्रांत परीक्षा के लिए पात्रता

विद्यार्थियों को निर्देश दिया जाता है कि **जून एवं दिसंबर** सत्रांत परीक्षाओं में बैठने के लिए परीक्षा फार्म जमा करने से पहले पृ.सं. **13–14** पर पैरा **1.10** पर मूल्यांकन पद्धति उप–शीर्षक ''सत्रांत परीक्षा और परीक्षा शुल्क का भुगतान'' देखें। यदि विद्यार्थी के कार्यक्रम की अधिकतम पूरी अवधि समाप्त हो गई है, तो उसे परीक्षा के लिए तब तक आवेदन नहीं करना चाहिए जब तक उनका पाठ्यक्रम में पुनः पंजीकरण/प्रवेश नहीं हो जाता। अन्यथा उनका परीक्षाफल रोक दिया जाएगा।

6.24 विदेशी छात्र

भारत में रहने वाले ऐसे विदेशी छात्र इग्नू के चयनित कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जिनके पास कार्यक्रम को पूरा करने की न्यूनतम अवधि का मान्य छात्र वीजा हो। इस प्रकार के छात्रों को विदेशी छात्रों के बराबर शुल्क देना होगा। कार्यक्रम शुल्क और अन्य प्रभारों के लिए विद्यार्थी इग्नू की वेबसाइट पर ''अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी'' आइकन देख सकते हैं या निर्देश अंतरराष्ट्रीय प्रभाग इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 से संपर्क कर सकते हैं।। भारत में रहने वाले विदेशी छात्रों को प्रवेश विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रभाग द्वारा विदेश मंत्रालय/मानव संसाधन विकास मंत्रालय से उनके पूर्ववृत्त को सुनिश्चित करने के बाद दिया जाएगा। सीमित सीटों वाले कार्यक्रम विदेशी छात्रों के लिए नहीं हैं।

6.25 भारत में रह रहे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के प्रवेश से संबंधित दिशा–निर्देश

क) इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in से संबंधित कार्यक्रमों के प्रवेश फार्म डाउनलोड करें।

ख) प्रवेश फार्म में दिए गए सभी कालमों को भरें और कार्यक्रम शुल्क और विवरणिका के मूल्य के साथ प्रासंगिक दस्तावेज (जैसा कि विवरणिका में बताया गया है) संलग्न करें।

ग) दस्तावेजों और शुल्क के साथ फार्म की हार्ड कॉपी को निम्नलिखित पते पर जमा कराएं : निदेशक, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग, ब्लाक–15, अनुभाग–के, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

घ) विद्यार्थियों को प्रवेश–प्रपत्र के सभी कॉलम भरने होंगे, अन्यथा प्रवेश के लिए प्रवेश–प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। पूरा भरा हुआ आवेदन पत्र, फार्म जमा कराने की अंतिम तारीख से पहले उपर्युक्त पते पर पहुंच जाना चाहिए।

च) आवेदक केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करें, जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय शुल्क निर्धारित किया गया है।

छ) आवेदक को कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि का मान्य **अध्ययन वीजा** प्रस्तुत करना होगा। वर्तमान में, नेपाल और भूटान के आवेदकों को अध्ययन वीजा जमा कराना अपेक्षित नहीं है।

ज) आवेदक को कार्यक्रम का अंतरराष्ट्रीय शुल्क जमा कराना होगा।

झ) शुल्क का भुगतान ^^bXu** के पक्ष में ^^ub: fnYyh** में देय डिमांड ड्राफ्ट से किया जाएगा।

ट) आवेदक को कार्यक्रम के लिए निर्धारित न्यूनतम शैक्षिक योग्यता धारक होना चाहिए। तथापि, आवेदक की शैक्षिक योग्यता की समतुल्यता के लिए एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित ''विदेशी उपाधियों की समतुल्यता'' नामक पुस्तिका देखें। आवेदक के पास उपलब्ध उपाधि/प्रमाणपत्र अंग्रेजी अथवा हिंदी भाषा को छोड़कर किसी अन्य भाषा में हो, तो संबंधित दूतावास द्वारा सत्यापित इसकी अनूदित प्रति जमा कराई जाए।

ठ) भुगतान किया गया शुल्क न तो वापस किया जाएगा और न ही अंतरित किया जाएगा। तथापि, विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश न दिए जाने पर, कार्यक्रम शुल्क केवल आदाता खाता में देय चेक के माध्यम से ही वापस किया जाएगा।

ड) विद्यार्थी को संबंधित राजदूतावास से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। पत्र में यह स्पष्ट उल्लेख किया जाए कि राजदूतावास को संबंधित विद्यार्थी के इग्नू में पढ़ने और समय–समय पर वीजा की समयावधि में विस्तार करने में कोई आपत्ति नहीं होगी। पीआईओ/ओसीआई कॉर्ड धारकों को संबंधित राजदूतावास से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

ढ) पीआईओ/ओसीआई कॉर्ड धारकों के साथ–साथ शरणार्थी (यूएनसीएचआर) कार्ड धारकों को अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए लागू शुल्क का भुगतान करना होगा।

ण) अधिक जानकारी के लिए www.ignou.ac.in/aboutignou/divisionid/introduc देखें।

6.26 ऑफिशियल ट्रांसक्रिप्ट

विद्यार्थी के आवेदन पर विश्वविद्यालय ऑफीशियल ट्रांसक्रिप्ट की सुविधा प्रदान करता है। आवेदन सादे कागज पर कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.), ब्लॉक–12, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 के नाम किया जाना चाहिए। शुल्क का विवरण इस प्रकार है :

भारतीय विद्यार्थियों के लिए

1) रु. 300/- प्रति ट्रांसक्रिप्ट : **भारत के भीतर** के विद्यार्थी/संस्थान को भेजने के लिए।

2) रु. 500/- प्रति ट्रांसक्रिप्ट : **भारत के बाहर रहने वाले** विद्यार्थी/संस्थान को भेजने के लिए।

सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए

रु. 1200/- प्रति ट्रांसक्रिप्ट : **सार्क देशों** के विद्यार्थी/संस्थान को भेजने के लिए।

गैर–सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए

$ 120/- प्रति ट्रांसक्रिप्ट : **गैर–सार्क देशों** के विद्यार्थी/संस्थान को भेजने के लिए।

इसके लिए फार्मेट कार्यक्रम दर्शिका में अथवा इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.in पर उपलब्ध है।

6.27 डिवीजन/श्रेणी में सुधार

उन विद्यार्थियों के हितों का ध्यान रखते हुए, जिन्होंने अपनी स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि पूरी कर ली है परंतु प्रथम और द्वितीय श्रेणी प्राप्त करने के लिए जिनके 2% अंक कम हैं, विश्वविद्यालय ने कार्यनिष्पादन में सुधार करने के लिए ऐसे विद्यार्थियों को अनुमति देने की व्यवस्था की है। सुधार की अनुमति केवल सिद्धांत पेपरों में ही है और विद्यार्थी रु. 750/– प्रति पाठ्यक्रम शुल्क के साथ निर्धारित आवेदन पत्र पर अपने कार्यनिष्पादन के सुधार के लिए आवेदन कर सकता है। यह शुल्क इग्नू के पक्ष में, नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से हो और आवेदन-पत्र और शुल्क कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 को जमा कराएँ।

6.28 परीक्षा. परिणाम की शीघ्र घोषणा

विद्यार्थी रु. 1000/– प्रति पाठ्यक्रम शुल्क के साथ सत्रांत परीक्षा के परिणाम की शीघ्र घोषणा के लिए आवेदन कर सकता है। **परीक्षा.परिणाम की शीघ्र घोषणा के लिए आवेदन पर तभी विचार किया जाएगा, यदि विद्यार्थी का चयन किसी पद के लिए हुआ है अथवा उसने आगे अध्ययन के लिए आवेदन किया है।** विद्यार्थी को परिणाम की शीघ्र घोषणा के कारण के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण संबंधित मूल्यांकन केंद्र में प्रस्तुत करना है जिसका विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

शीघ्र घोषणा की अनुमति केवल सत्रांत परीक्षा के लिए ही है। यह सुविधा प्रयोगशाला/प्रायोगिक पाठ्यक्रमों, परियोजना, सत्रीय कार्यों कार्यशाला, सेमीनार आदि आधारित पाठ्यक्रमों के लिए लागू नहीं है। परीक्षा-परिणाम की शीघ्र घोषणा के लिए आवेदन पर अंतिम वर्ष के लिए ही विचार किया जाएगा।

6.29 सत्रांत परीक्षा का पुनर्मूल्यांकन

परीक्षा-परिणाम की घोषणा के बाद यदि शिक्षार्थी दिए गए अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, तो वे रु. 750/– प्रति पाठ्यक्रम के भुगतान पर अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कराने के लिए विश्वविद्यालय से अनुरोध कर सकते हैं। शिक्षार्थी द्वारा पुनर्मूल्याकंन के लिए अनुरोध परिणाम घोषित होने की तारीख से एक महीने के अंदर रु. 750/– प्रति पाठ्यक्रम के शुल्क के साथ निर्धारित प्रारूप में संबंधित मूल्यांकन केंद्र को किया जा सकता है। यह शुल्क इग्नू के पक्ष में बने बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो तथा उस शहर में देय होना चाहिए जहाँ आप पुनर्मूल्यांकन फॉर्म जमा करा रहे हैं। प्रारूप इग्नू कार्यक्रम दर्शिका अथवा इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.in पर उपलब्ध है।

6.30 उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो प्रति प्राप्त करना

परीक्षा-परिणाम की घोषणा के बाद, यदि शिक्षार्थी दिए गए अंकों से संतुष्ट नहीं हैं तो वे रु.100/– प्रति पाठ्यक्रम के भुगतान पर अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो प्रति प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय से अनुरोध कर सकते हैं। शिक्षार्थी द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं

की फोटोकापी प्राप्त करने के लिए अनुरोध परिणाम घोषित होने की तारीख से 45 दिनों के अंदर रु.100/– प्रति पाठ्यक्रम के शुल्क के साथ निर्धारित प्रारूप में संबंधित मूल्यांकन केंद्र को किया जा सकता है। यह शुल्क इग्नू के पक्ष में बने बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो तथा उस शहर में देय होना चाहिए जहाँ आप पुनर्मूल्याकंन फार्म जमा करा रहे हैं। प्रारूप इग्नू कार्यक्रम दर्शिका अथवा इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.in पर उपलब्ध है।

6.31 डुप्लीकेट ग्रेड कार्ड

विद्यार्थी ग्रेड कार्ड के गुम होने/क्षतिग्रस्त होने पर डुप्लीकेट कार्ड के लिए इग्नू के पक्ष में ''नई दिल्ली'' में देय रु. 250/– के डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से आवेदन कर सकता है। इसके लिए प्रारूप कार्यक्रम दर्शिका अथवा इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.in पर उपलब्ध है।

6.32 कैटेगरी (श्रेणी) में परिवर्तन

कृपया ध्यान दें कि विश्वविद्यालय द्वारा श्रेणी (कैटेगरी) कोड में परिवर्तन के अनुरोध कार्यक्रमों मं प्रवेश को अंतिम रूप देने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा विचार नहीं करेगा। इसी प्रकार से, प्रवेश परीक्षा आधारित और मेरिट आधारित कार्यक्रमों के लिए शिक्षार्थी द्वारा फॉर्म को अंतिम रूप से जमा कराने के बाद श्रेणी में परिवर्तन के अनुरोध पर विचार नहीं दिया जाएगा।

6.33 विद्यार्थी के नाम/उपनाम में परिवर्तन/संशोधन

यदि डाटा एंट्री के समय वर्तनी में कोई अशुद्धि हो जाती है तो क्षेत्रीय केंद्र पर इसमें संशोधन किया जाएगा और संशोधित डाटा विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग को डाटाबेस को अद्यतन करने के लिए भेजा जाएगा। फिर भी, विद्यार्थियों से यह अपेक्षा है कि वे प्रवेश–प्रपत्र में अपना नाम सही ढंग से (जैसा कि हाई स्कूल के प्रमाणपत्र में है) लिखें। यदि नाम में कोई परिवर्तन है (हाई स्कूल के प्रमाणपत्र में उल्लिखित नाम के अतिरिक्त) तो शिक्षार्थियों के लिए यह अनिवार्य है कि प्रवेश–प्रपत्र जमा करते समय अपने नाम/उपनाम में परिवर्तन संबंधी कानूनी प्रमाण जमा करें।

प्रवेश की पुष्टि के बाद नाम एवं उपनाम में परिवर्तन के लिए विद्यार्थी निम्नलिखित दस्तावेज क्षेत्रीय केंद्रों में प्रस्तुत करेंगे। जिन्हें आगे कुलसचिव, विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग को भेजा जाएगा:

i) नाम में परिवर्तन के लिए दैनिक समाचारपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की मूल प्रति।

ii) नाम में परिवर्तन का उल्लेख करते हुए प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के सामने उपयुक्त मूल्य के नॉन जुडिशियल स्टैंप पेपर पर शपथ पत्र मूल रूप में।

iii) महिलाओं के मामले में उपनाम बदलने के संबंध में विवाह का निमंत्रण पत्र/विवाह प्रमाणपत्र।

iv) नाम/उपनाम दर्शाते हुए मूल रूप में राजपत्र अधिसूचना

v) इग्नू के पक्ष में आहरित नई दिल्ली में देय 500/– रूपए का डिमांड ड्राफ्ट।

नाम/उपनाम में संशोधन/परिवर्तन के अनुरोध पर केवल कार्यक्रम पूरा होने से पूर्व ही विचार किया जाएगा।

6-34 bXu vkbxke ¼IGRAM)

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण/शिकायत के लिए हमें http://igram.ignou.ac.in पर लिखें।

6.35 प्रवेश और विश्वविद्यालय के अन्य मामलों पर विवाद

किसी भी विवाद के मामले में, यदि आवश्यक हो, मुकदमे के लिए क्षेत्र नई दिल्ली/दिल्ली होगा।

6.36 इग्नू के कार्यक्रमों की मान्यता

इग्नू की सभी उपाधियाँ/डिप्लोमा/प्रमाणपत्र भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.) के सभी सदस्य विश्वविद्यालयों द्वारा मान्य हैं और यू.जी.सी. के परिपत्र सं. एफ–1–52/2000(सीसीपी-II) दिनांक 5 मई, 2004, ए.आई.यू. परिपत्र सं. ई.वी./ 11(449/94/176915–177115) दिनांक 14 जनवरी 1994, एआईसीटीई के परिपत्र सं. एआईसीटीई/एकेडमिक/एमओयू.–डीईसी/ 2005 दिनांक मई 13, 2005 और यू.जी.सी./डी.ई.बी./2013 दिनांक 14 अक्टूबर 2013 के अनुसार सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थाओं की उपाधियों/डिप्लोमा/प्रमाणपत्रों के समतुल्य हैं।

6.37 दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रवेश–पूर्व परामर्श

विकलांगजन प्रवेश के लिए कार्यक्रम का चयन करने से पहले विकलांगन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के लिंक (http:/www.disabilityaffairs.gov.in/content/page/rules--and-regulations.php#ipd2013) पर जाकर विकलांग व्यक्तियों के लिए परिप्रेक्ष्य रोजगारों (कार्यों) की श्रेणी और रोजगार की भौतिक अपेक्षाओं को देख लें। इस सूचित निर्णय को करने के बाद, प्रवेश के इच्छुक दिव्यांग व्यक्ति को **इग्नू वेबसाइट पर** में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में एक घोषणा देनी होगी।

6-38 dæh; 'kf{kd lLFkkuk e ços'k d fy, vkfFkd :i l detkj oxk ¼bMCY;,l½ d fy, vkj{k.kA

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार ने उपरोक्त विषय पर कार्यालय ज्ञापन सं. 12–4/201–यू. 1 दिनांक 17 जनवरी, 2019, द्वारा सूचित किया है कि संविधान के प्रावधानों (एक सौ बत्तीसवें संशोधन अधिनियम 2019) और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के का.ज्ञा. सं. 20013/01/2018–बीसी–। दिनांक 17 जनवरी, 2019 के संदर्भ में, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और सामाजिक तथा आर्थिक रूप से पिछड़ी जातियों के आरक्षण की मौजूदा योजना के तहत न आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण के प्रावधान को लागू करते हुए प्रत्येक श्रेणी की कुल सीटों के अधिकतम दस प्रतिशत के अधीन शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान एमएचआरडी का कार्यालय ज्ञापन (प्रति संलग्न)के तहत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के 17 जनवरी, 2019 के का.ज्ञा. सं. 20013/01/2018–8सी–11 में निहित निर्देशों के अनुसार होगा। उपर्युक्त के प्रकाश में, मुझे विश्वविद्यालय के अध्ययन विद्यापीठों और प्रभागों/केंद्रों और एककों से यह अनुरोध करने का निर्देश दिया गया है:

क) विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए ईडब्ल्यूएस को आरक्षण शैक्षणिक सत्र 2019–20 से आगे के लिए शैक्षणिक सत्र जुलाई 2019 से प्रदान किया जाएगा।

ख) प्रत्येक अध्ययन विद्यापीठ, उपयुक्त प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन (जैसा कि केंद्रीय शिक्षा संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006 के अनुभाग 2 के खंड (सी) में परिभाषित किया गया है) के साथ –साथ विश्वविद्यालय के प्राधिकारी अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में (जहां भी सीटों की संख्या तय की गई है) अपनी वार्षिक अनुमत शक्ति से अधिक और उससे अधिक सीटों की संख्या में वृद्धि करेंगे, ताकि ईडब्ल्यूएस से संबंधित व्यक्तियों के लिए आरक्षित सीटों को छोड़कर, उपलब्ध सीटों की संख्या, उपलब्ध शैक्षणिक सत्र के लिए प्रत्येक श्रेणी में उपलब्ध ऐसी सीटों की संख्या एमएचआरडी के का.ज्ञा. के आने की तारीख से तुरंत पहले यानी शैक्षणिक सत्र जुलाई 2019 से कम न हो।

ग) ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षण लागू करने की योजना को यथा संभव जल्दी से जल्दी 31 मार्च, 2019 से पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

6-39 fMftVy v/;;u lkexh*

विश्वविद्यालय ने विभिन्न कार्यकमों की अध्ययन सामग्री का डिजिटलीकरण किया है। डिजीटल सामग्री ई–ज्ञानकोश पर उपलब्ध है, जो विश्वविद्यालय का डिजिटल भंडार है।

विश्वविद्यालय डिजिटल अध्ययन सामग्री के उपयोग को प्रोत्साहित करता है। यह निर्णय लिया गया है कि प्रोत्साहन के रूप में मुद्रित अध्ययन सामग्री के स्थान पर डिजिटल अध्ययन सामग्री का विकल्प चुनने वाले विद्यार्थियों को कार्यक्रम शुल्क का 15 प्रतिशत वापस किया जाएगा।

6-40 dUnh; fo|ky; lxBu d deZpkjh

केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ करार के अनुसार वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त कार्यक्रमों में 100 विद्यार्थियों को 50 प्रतिशत फीस में छूट दी जाएगी। विश्वविद्यालय के किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक कें.वि.सं. के सभी कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपेक्षित पूर्ण कार्यक्रम शुल्क के साथ अपने आवेदन पत्र सीधे संबंधित क्षेत्रीय निदेशक को भेजें। इसे इग्नू मुख्यालय न भेजें। तथापि, विद्यार्थी अनुमति इत्यादि प्राप्त करने के संबंध में के.वि.सं. मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का अनुसरण कर सकता है। 50% शुल्क की प्रतिपूर्ति केवल उन्हीं आवेदकों को की जाएगी जिन्हें के.वि.सं. मुख्यालय द्वारा इग्नू मुख्यालय को संस्तुत किया गया है। प्रतिपूर्ति इग्नू के संबंधित क्षेत्रीय केंद्र द्वारा विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, इग्नू मुख्यालय से संस्तुति प्राप्त होने के बाद ही की जाएगी।

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADUR SHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI-110 002

No.F.1-8/92(CPP) February, 1992

The Vice-Chancellors/Director's
of all the Indian Universities/
Deemed Universities/Institutions
of National Importance.

Sub: Recognition of Degrees/Diplomas awarded by
Indira Gandhi National Open University, New Delhi.

Sir,

I am ~~directed to say~~ that Indira Gandhi National Open University, New Delhi has been established by Sub-Section (2) of Section (1) of the IGNOU Act, 1985 (50 of 1985) vide notification No.F.13-12/85-Desk(U) dated 19.9.1985 issued by the Government of India, Ministry of Human Resource Development (Department of Education), New Delhi and is competent to award its own degrees/Diplomas.

The Certificates, diplomas and degrees awarded by Indira Gandhi National Open University are to be treated equivalent to the corresponding awards of the Universities in the country.

Yours faithfully,

(Gurcharan Singh)
Under Secretary

सर सूरीन्द्रन्
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली-११० ००२

GRAN'S UNIGRANTS
UNIVERSITY GRANTS COMMI
BAHADURSHAH ZAFAR MA
NEW DELHI-110 002

R.P. Gangurde
Additional Secretary
Tel.No.3319659

D.O.No.F.1-25/93(CPP-II) July, 1993

28 JUL 1993

Dear Vice Chancellor,

As you are aware, the Open Universities have been established in the country by an Act of Parliament or State Legislature in accordance with the provisions contained in Section 2(f) of University Grants Commission Act, 1956. These universities are, therefore, empowered to award degrees in terms of Section 22 (1) of the UGC Act, 1956.

It has been brought to the notice of the Commission that the students who have done their M.A. from open universities are debarred by universities from registration for Ph.D. studies. This is most unfair in view of the importance attached to the Open University and distance learning in National Policy on Education, 1986. The Programme of Action-92 also aims at promoting the mobility of students among open universities and among the traditional universities. This can be made possible only when there is a workable understanding between open universities and traditional universities for recognition of each other's degrees on reciprocal basis. A Memorandum of Understanding has already been signed between University of Pondicherry and Indira Gandhi National Open University which provides for recognition of each other's degrees and diplomas as well as transfer of credits for courses successfully completed by students between the two universities. The other universities may also make similar arrangements so that the mobility of students from Open University stream to traditional universities is ensured without any difficulty.

I hope that your university will make necessary efforts in this direction and let the Commission know the progress.

With regards,

Yours sincerely,

(R.P. Gangurde)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली–110 002

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADURSHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI-110 002

ज्ञान विज्ञान विमुक्तये

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली – 110 002

संख्या एफ. 1–52/2000 (सीपीपी–2) 5 मई, 2004

कुल सचिव
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

विषय : मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली उपाधियों की मान्यता

महोदय/महोदया,

देश में कई मुक्त विश्वविद्यालय अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से विभिन्न उपाधियाँ/डिप्लोमा प्रदान कर रहे हैं। देश में मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1951 की धारा 2 (एफ) के प्रावधानों के अनुसार संसद या राज्य विधान मंडल अधिनियम द्वारा की गई है। अतः इन विश्वविद्यालयों को यू.जी.सी. अधिनियम 1956 की धारा 22(1) के तहत उपाधियाँ प्रदान करने का अधिकार है।

इससे पहले यू.जी.सी. द्वारा फरवरी 1992 में पत्र संख्या एन.एफ.1–8/92 (सीपीपी) द्वारा एक परिपत्र जारी किया गया था जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और डिग्रियों (उपाधियों) को देश के विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली उपाधियों के समतुल्य माना जाए।

इसके आगे यू.जी.जी. के दिनांक 28 जुलाई, 1993 के परिपत्र संख्या एफ. 1–52/92 (सीपीपी–2) (प्रति संलग्नक) की ओर ध्यान दिलाया जाता है जिसमें डिग्रियों (उपाधियों) और डिप्लोमा के साथ–साथ विद्यार्थियों द्वारा सफलतापूर्वक पूरे किए पाठ्यक्रमों के लिए दो प्रकार के विश्वविद्यालयों के बीच क्रेडिटों के हस्तांतरण को मान्यता प्रदान की गई है ताकि विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के मुक्त विश्वविद्यालयों से परंपरागत विश्वविद्यालयों में प्रवेश ले सकें।

यू.जी.जी. ने अनिवार्य शर्तें अपेक्षाएँ अर्थात् ऐसी उपाधियाँ प्रदान करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अनिवार्य शैक्षिक अर्हता सुनिश्चित करने के लिए यू.जी.सी. अधिनियम 1956 की धारा 22(3) के तहत उपाधियों की नाम पद्धति विनिर्दिष्ट की है। जारी की गई उपाधियों के विनिर्देशन के संबंध में राजपत्र दिनांक 31 जनवरी 2004 की अधिसूचना संख्या 1–52/97 (सीपीपी–2) संलग्न है। इसके ब्यौरे यू.जी.सी. वेबसाइट www.ugc.ac.in पर उपलब्ध हैं।

अतः अनुरोध है कि उपाधियों के विनिर्देशन पर यू.जी.सी. अधिसूचना के अनुसार मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाण–पत्रों/उपाधियों/डिप्लोमाओं को देश के परंपरागत विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जा रही उपाधियों के समतुल्य माना जाए।

भवदीया
(डा. (श्रीमती) पंकज मित्तल)
संयुक्त सचिव

संलग्नक : उपर्युक्त

प्रतिः

1. सचिव, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
2. सचिव, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, आई.जी. स्पोर्टस काम्पलेक्स, इन्द्रप्रस्थ, नई दिल्ली–110002
3. सचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.), 16 कामरेड इंद्रजीत गुप्ता मार्ग (कोटला मार्ग) नई दिल्ली–110002
4. सचिव, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, आई.जी. स्टेडियम, आई.पी. इस्टेट, नई दिल्ली–110002
5. सचिव, दूर शिक्षा परिषद्, इग्नू परिसर, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068
6. कुलपति, दूर शिक्षा परिषद्, इग्नू परिसर, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068
7. कुलपति, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, रोड नं. 46, जुबली हिल्स, हैदराबाद–500033 (आंध्र प्रदेश)
8. कुलपति, नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय, पश्चिम गांधी मैदान, पटना–800001 (बिहार)
9. कुलपति, डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, शाहीबाग, अहमदाबाद–380003 (गुजरात)
10. कुलपति, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मानस गंगोत्री, मैसूर–570006 (कर्नाटक)
11. कुलपति, यशवंत राव चव्हाण, महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक–422222 (महाराष्ट्र)
12. कुलपति, कोटा मुक्त विश्वविद्यालय वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा–324010 (राजस्थान)
13. कुलपति, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता–700020 (पश्चिम बंगाल)
14. कुलपति, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल–462016 (म.प्र.)

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

University Grants Commission
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110 002

F. No. UGC/DEB/ 2013
Dated 14.10. 2013

The Registrar/Director
Of all the Indian Universities
(Deemed, State, Central Universities/
Institutions of National importance)

Subject: Equivalence of Degrees awarded by Open and Distance Learning (ODL) Institutions at par with Conventional Universities/ Institutions

Sir/ Madam,

There are a number of Open and Distance Learning Institutions (ODLIs) in the country offering Degree/ Diploma/Certificate programmes through the mode of non formal education. These comprise Open Universities, Distance Education Institutions (either single mode or dual mode) of Central Universities, State Universities, Deemed to be Universities, Institutions of National Importance or any other Institution of Higher learning recognized by Central/State/Statutory Council/Societies registered under the Society Registration Act 1860.

2. A circular was earlier issued vide UGC letter F1 No- 52/2000(CPP-II) dated May 05, 2004 **(copy enclosed)** mentioning that Degrees/Diplomas / Certificates/ awarded by the Open Universities in conformity with the UGC notification of degrees be treated as equivalent to corresponding awards of the traditional Universities in the country.

3. Attention is also invited to UGC circular No F1-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 **(copy enclosed)** for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for courses successfully completed by students between the two types of universities so that the mobility of students from Open University stream to traditional universities/ institutions is ensured without any difficulty.

4. The Government of India, in exercise of its power conferred under section 20(1) of UGC Act 1956, issued directions dated 29th December 2012 entrusting UGC with the responsibility of regulating higher education programme in open and distance learning (ODL) mode. Consequently, Universities/ Institutions desirous of offering any programme through distance mode would require recognition of UGC.

5. As you are aware, the Government of India has envisaged a greater role for the Open and the Distance Education System. The envisioned role may be fulfilled by recognizing and treating the Degrees / Diplomas/ Certificates awarded through distance mode at par with the degrees obtained through the formal system of education. Open and Distance Education System in the country is contributing a lot in expansion of Higher Education and for achieving target of GER, without compromising on quality. Non recognition/ non equivalence of degrees of ODL institutions for the purpose of promotion/ employment and pursuing higher education may prove a deterrent to many learners and will ultimately defeat the purpose of Open and Distance Education.

6. Accordingly, the Degrees/ Diplomas/ Certificates awarded for programmes conducted by the ODL institutions, recognized by DEC (erstwhile) and UGC, in conformity with UGC Notification on specification of Degrees should be treated as equivalent to the corresponding awards of the Degree/Diploma/Certificate of the traditional Universities/ institutions in the country.

(Vikram Sahay) 14/3/
Director(Admn)
Tel: 011 2323 0405
Email: vikramsahay7@gmail.com

Encl: As above

Copy to:

1. Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001.
2. Secretary, All Indian Council for Technical Education, 7th Floor, Chandra Lok Building, Janpath, New Delhi.
3. Secretary, Association of Indian Universities, AIU House, 16 Comrade Indrajit Gupta Marg (Kotla Marg), New Delhi-110002.

भारतीय विश्वविद्यालय संघ
ए.आई.यू. हाऊस, 16 कोटला मार्ग, नई दिल्ली-110002

दूरभाष : 3312305, 3313390
3310059, 3312429

ग्राम : ASINGU
टेलेक्सः 3166180 AIU IN
फैक्स : 011-331505

सं. : EV/II (449) 94/176915-177115
14 जनवरी, 1994

सभी सदस्य विश्वविद्यालयों के कुलसचिव

विषय : मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली उपाधियों/डिप्लोमा की मान्यता

महोदय,

स्थायी समिति ने उत्कल विश्वविद्यालय में आयोजित अपनी 237वीं बैठक और भारतीय विश्वविद्यालय संघ के 68वें वार्षिक अधिवेशन तथा दिसंबर 1993 में दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक अधिवेशन में सिद्धांत रूप से यह निर्णय लिया गया कि निम्नलिखित संकल्पों के आधार पर मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली उपाधियों को मान्यता दी जाए:

"यह संकल्प किया जाता है कि पारस्परिक आधार पर एक विश्वविद्यालय की परीक्षा को अन्य विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए बशर्ते इससे संबंधित प्रवेश अर्हता पाठ्यक्रम की अवधि और प्राप्त करने के सामान्य मानक, अन्य मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित मानदंडों के समान हों।"

"आगे संकल्प किया जाता है कि यदि मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा उपाधियाँ प्रदान की जाए तो प्रवेश अर्हता और पाठ्यक्रम की अवधि में छूट दी जाए बशर्ते प्राप्ति के सामान्य मानक, अन्य मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयों के समान हों।"

इस निर्णय को समुचित कार्यवाही के लिए विश्वविद्यालयों के ध्यान में लाया जाए। इस संदर्भ में अतिरिक्त जानकारी प्रत्यक्ष रूप से सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

सधन्यवाद,

भवदीय

ह./–
(के.सी.कालरा)
संयुक्त सचिव

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्

(भारत सरकार का एक सांविधिक संस्थान)

डॉ. नगीन चंद
(सलाहकार पी.सी./शैक्षिक)

एफ.सं. एआईसीटीई/शैक्षिक/
एमओयू–डीईसी/2005
13 मई, 2005

सेवा में,

सचिव/निदेशक
तकनीकी शिक्षा
सभी राज्य सरकारें/संघ शासित प्रदेश

विषय : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली द्वारा प्रदान किए जाने वाले एम.बी.ए., एम.सी.ए. कार्यक्रमों की मान्यता।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना सं. एफ–13–12/85–डेस्क (यू), दिनांक 19 सितंबर, 1985 के अनुसार इग्नू, नई दिल्ली की स्थापना इग्नू अधिनियम 1985 (1985 का 50) की धारा (1) की उप–धारा (2) के द्वारा हुई है।

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इग्नू द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) और कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (एम.सी.ए.) उपाधियाँ ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त है।

भवदीय

13/5

(नगीन चंद)

प्रति :
सभी क्षेत्रीय अधिकारी
ए.आई.सी.टी.ई.

(TO BE PRINTED ON PG 148 & 149)

Vice-Chancellor's Secretariat
RECEIVED
Date 23
IGNOU, NEW DELHI

P.H. SETHUMADHAVA RAO
JOINT SECRETARY

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADUR SHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI - 110 002.

D.O.No.F.1-6/90(ASC) September, 1993.

Dear Mr. Vice-Chancellor,

The University Grants Commission at its meeting held recently considered the relaxation of conditions for participation of lecturers in the Refresher Courses/Summer Institutes for placement in senior scale/selection grade/Reader.

The Commission had constituted a Standing Committee to look into the matter and make recommendations accordingly.

On the recommendations made by the Standing Committee, the Commission has taken the following decisions:

(1) It was decided that the following courses/programmes will be recognised as equivalent to Orientation/Refresher Courses:

(a) P.G. Diploma in English conducted by CIEFL, Hyderabad may be considered as equivalent to two refresher courses in English.

(b) P.G. Diploma in Higher Education conducted by I.G.N.O.U. New Delhi may be considered as equivalent to one Orientation Course for teachers of various disciplines. This course may be considered as equivalent to two Refresher Courses for teachers of Education.

(c) The P.G. Diploma in Distance Education of I.G.N.O.U. may be considered as equivalent to two Refresher Courses for teachers of Distance Education in various Universities.

(d) The Masters Degree in Subject Communication conducted by Yashwant Rao Chavan Maharashtra Open University, Nashik may be considered as equivalent to two Refresher Courses in the respective disciplines.

(e) The Masters Degree in Distance Education of Yashwant Rao Chavan Maharashtra Open University, Nashik may be considered as equivalent to two Refresher Courses for teachers of Distance Education.

(2) S.E.R.C. and other schools organised by Universities on behalf of D.S.T. in various disciplines which are of three to four weeks' duration may be considered as equivalent to one Refresher Course in that particular or related discipline.

(3) The Summer Institutes of about six weeks' duration conducted in different disciplines by various universities under the aiges of the University Grants Commission may be considered as equivalent to one Refresher Course in that particular discipline.

(4) The courses such as Indo-British Workshop conducted by E.M.R.C., Ahmedabad (six-weeks' duration), Indo-French Workshop organised at M.C.R.C., New Delhi (four weeks' duration), Indo-American Workshop organised at CIEFL, Hyderabad (four weeks' duration), may be treated as equivalent to one Refresher Course specially for the faculty

...2...

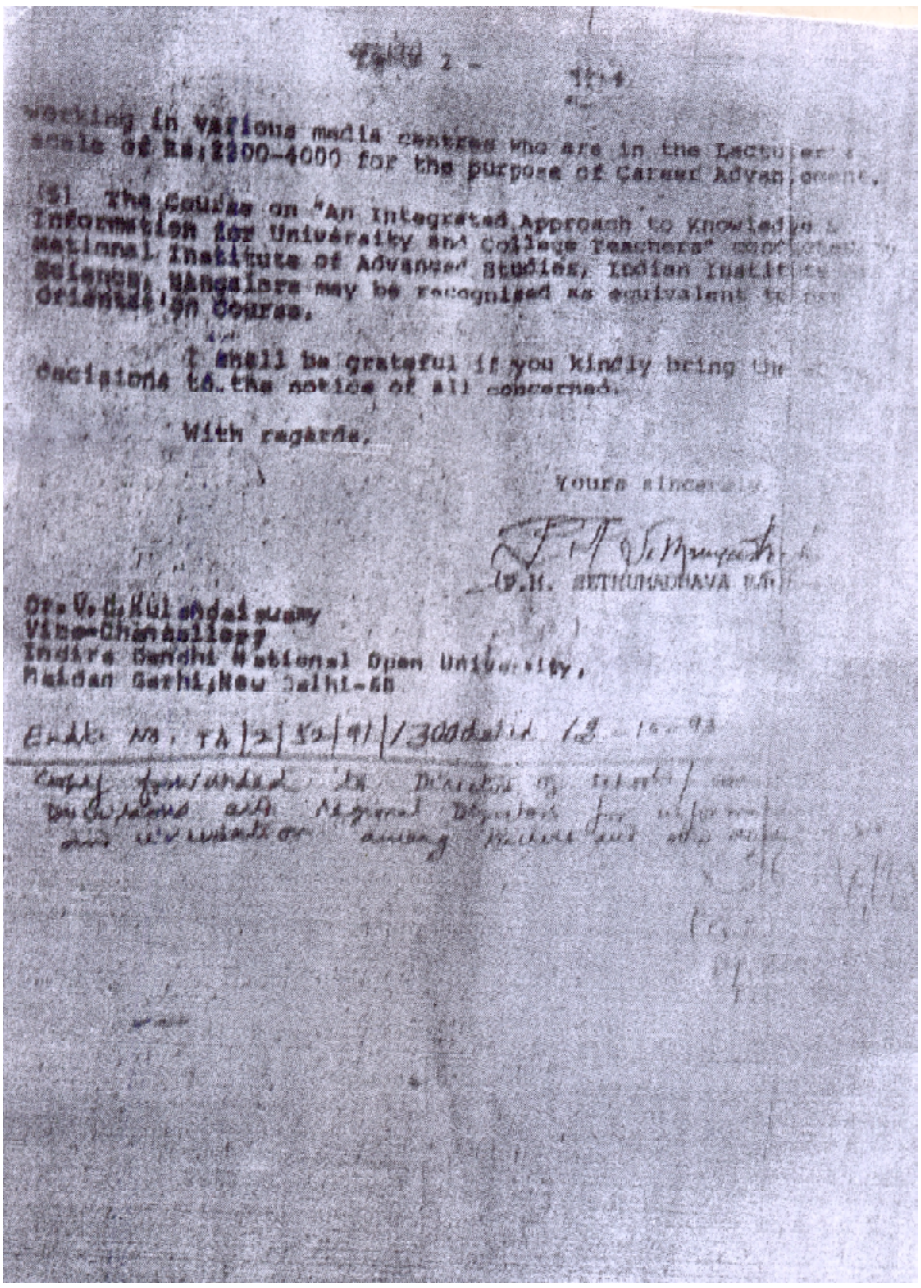

Page 2 -

working in various media centres who are in the Lecturer's scale of Rs.2200-4000 for the purpose of Career Advancement.

(5) The Course on "An Integrated Approach to Knowledge & Information for University and College Teachers" conducted by National Institute of Advanced Studies, Indian Institute of Science, Bangalore may be recognised as equivalent to the Orientation Course.

I shall be grateful if you kindly bring the decisions to the notice of all concerned.

With regards,

Yours sincerely,

(P.M. SETHUMADHAVA RAO)

Dr. V.N. Kulandaiswamy
Vice-Chancellor
Indira Gandhi National Open University,
Maidan Garhi, New Delhi-68

Endt. No. TA/2/52/91/7000dated 13-10-93

Copy forwarded to Director of Schools and Regional Directors for information and circulation among Heads and other staff

7. कदाचार की रोकथाम हेतु सार्वजनिक सूचना

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे केवल इग्नू मुख्यालय, नई दिल्ली अथवा इग्नू के क्षेत्रीय केंद्रों से सीधे संपर्क करें। बिचौलियों से संपर्क करने वाले विद्यार्थी ऐसा अपने जोखिम पर करेंगे।

तथापि, फर्जी संस्थानों इत्यादि के बारे में किसी भी निश्चित शिकायत के मामले में कृपया कदाचार समिति के निम्नलिखित सदस्यों में से किसी भी सदस्य से संपर्क करें :

1.	निदेशक, अनुसंधान एकक	फोन नं. 29534336
2.	निदेशक, एस.एस.सी.	फोन नं. 29535714
3.	निदेशक, आर.एस.डी.	फोन नं. 29532118, 29572412
4.	कुलसचिव, एस.ई.डी.	फोन नं. 29535828, 29572204
5.	कुलसचिव, एस.आर.डी.	फोन नं. 29532741,29571302
6.	कुलसचिव, एमपीडीडी	फोन नं. 29534521,29572002
7.	उप–कुलसचिव, वि.ले.	फोन नं. 29534934
8.	उप कुलसचिव, एस.आर.डी.	फोन नं. 29532312

विकल्पतः शिकायतें 011–29532312 पर फैक्स की जा सकती हैं।

ई–मेल : ignouregistraroffice@ignou.ac.in

वेबसाइट : http://www.ignou.ac.in

नोट : उपर्युक्त शिकायतों के अलावा इन फोन नम्बरों पर कोई पूछताछ न की जाए।

भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार रैगिंग मना है। यदि प्राधिकारी को किसी विद्यार्थी द्वारा रैगिंग करने की सूचना मिलती है तो संबंधित विद्यार्थी को अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर दिया जाएगा और यदि उसका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो प्राधिकरण ऐसे विद्यार्थी को विश्वविद्यालय से निलंबित कर देगा।

इग्नू में प्रवेश मेरिट आधार पर दिए जाते हैं। प्रवेश केवल उन्हीं विद्यार्थियों को दिए जाते हैं जो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। पात्रता मानदंड पूरा न करने पर विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसलिए किसी भी निजी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा प्रवेश के बारे में किए गए झूठे वायदों से भ्रमित नहीं होना चाहिए।

8. रोजगार सेवा

आई.टी. और गैर आई.टी. से संबंधित उपाधि, डिप्लोमा और मास्टर कार्यक्रम में अध्ययनरत देश के विभिन्न भागों में रहने वाले विद्यार्थियों को सहायता सेवाएँ प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने हाल ही में परिसर रोजगार प्रकोष्ठ (सीपीसी) की स्थापना की है। सीपीसी का लक्ष्य ऐसे उपयुक्त रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना एवं सहायता प्रदान करना है जो हमारे विद्यार्थियों की व्यक्तिगत प्रोफाइल के अनुकूल हों। उपयुक्त रोजगार के इच्छुक सभी विद्यार्थी सीपीसी की सहायता के लिए अपना जीवनवृत्त (बायोडाटा) campusplacement@ignou.ac.in को भेज सकते हैं। उन्हें यह भी सलाह दी जाती है कि वे रोजगार से संबंधित अद्यतन जानकारी के लिए हमारे वेब पृष्ठ www.ignou.ac.in देखें।

9. किस कार्य के लिए किससे संपर्क करें।

1.	पहचान पत्र, शुल्क प्राप्ति रसीद, मूल प्रमाण पत्र, प्रवास प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति फॉर्म, नाम में परिवर्तन, नाम/पता में सुधार	संबंधित क्षेत्रीय केंद्र
2.	कार्यक्रमों की अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य न मिलने पर	कुलसचिव, एमपीडीडी,, इग्नू ,मैदानगढी,,नई दिल्ली
3.	ऐच्छिक/माध्यम में परिवर्तन/शेष ऐच्छिक में से चुनना/अतिरिक्त क्रेडिटों को हटाना	संबंधित क्षेत्रीय केंद्र
4.	पुनः प्रवेश और क्रेडिट अंतरण	विद्यार्थी पंजीकरण प्रभाग, ब्लॉक सं. 1 एवं 3 इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068
5.	ऑडियो/वीडियो सीडी, की खरीद	मार्केटिंग यूनिट, ईएमपीसी, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068,
6.	शैक्षिक सामग्री	संबंधित विद्यापीठ के निदेशक
7.	परियोजना की रूपरेखा का अनुमोदन	संबंधित विद्यापीठ में परियोजना संयोजक
8.	विद्यार्थी सहायता सेवाएँ और विद्यार्थियों की शिकायतें, इग्नू के विभिन्न कार्यक्रमों की प्रवेश पूर्व पूछताछ	निदेशक, विद्यार्थी सहायता केंद्र, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068, ई मेलः ssc@ignou.ac.in फोन : 29572514
9.	भारत में रहने वाले विदेशी विद्यार्थी का संपर्क करें :	निदेशक, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग, खंड–15, अनुभाग–के, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068, फ़ोन : 29533987, 29571684 ई मेलः internationaldivision@ignou.ac.in

	संबंधित मामले	संपर्क संख्या	नियंत्रक अधिकारी और टेलीफोन नंबर	ई–मेल का पता
10	डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र जारी करना/वापस आई उपाधियों का प्रेक्षण/उपाधियों का सत्यापन/दीक्षांत समारोह	011-29572213 011-29535438	सहायक कुलसचिव 011-29572224	convocation@ignou.ac.in
11	प्रवेश पत्र जारी करना/विकलांग छात्रों के प्रवेश पत्र का संशोधन/संत्रात परीक्षा और प्रवेश परीक्षा परिणाम प्राप्त न होना। उपस्थिति पत्रक के प्रेषण से संबंधित पूछताछ। परीक्षार्थियों की सूची आदि।	011-29572209 011-29572202	सहायक कुलसचिव 011-29535064	sgoswami@ignou.ac.in jitenderkr@ignou.ac.in
12	स्नातकोत्तर और स्नातक उपाधि स्तर के कार्यक्रमों के परीक्षाफल की घोषणा/स्नातकोत्तर और स्नातक उपाधि कार्यक्रमों के ग्रेड कार्ड और प्रोविजनल सर्टिफिकेट/सभी कार्यक्रमों की प्रायोगिकी परीक्षा के अंक जारी करना।	011-29572212	अनुभाग अधिकारी 011-29536103	mdresult@ignou.ac.in bdresult@ignou.ac.in practicalsed@ignou.ac.in
13	स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रम के परिणामों की घोषणा/स्नातकोत्तर और स्नातक उपाधि, डिप्लोमा कार्यक्रमों के ग्रेड कार्ड और प्रोविजनल सर्टिफिकेट जारी करना।	011-29572211	अनुभाग अधिकारी 011-29536743	bdresult@ignou.ac.in dpresult@ignou.ac.in
14	डीपीई और प्रमाणपत्र कार्यक्रम के परिणामों की घोषणा/डीपीई एवं प्रमाणत्र स्तर के कार्यक्रम के ग्रेड कार्ड और प्रोविजनल सर्टिफिकेट जारी करना।	011-29572208	अनुभाग अधिकारी 011-29536405	cpresult@ignou.ac.in
15	प्रोविजल सर्टिफिकेट और ग्रेड कार्ड की उपयुक्तता की जांच/ट्रांस्क्रिप्ट जारी करना।	011-29572210	अनुभाग अधिकारी 011-29536405	gcverification@ignou.ac.in
16	यू.एफ.एम. संबंधी मामलों की पूछताछ।	011-29572208 011-29576405	अनुभाग अधिकारी	ufmgroup@ignou.ac.in
17	सभी कार्यक्रमों की परियोजना रिपोर्ट/शोध निबंध और मौखिक परीक्षा के अंकों की स्थिति	011-29571324 011-29571321	सहायक कुलसचिव 011-29532294	projects@ignou.ac.in
18	सत्रीय कार्य के अंकों से संबंधित पूछताछ	011-29571325 011-29571319	सहायक कुलसचिव 011-29571313	assignment@ignou.ac.in
19	विद्यार्थियों से संबंधित सामान्य पूछताछ और शिकायतें/डुप्लिकेट मार्कशीट जारी करना।	011-29572218 011-29571313	सहायक कुलसचिव	sedgrievance@ignou.ac.in
20	ग्रेड कार्ड में विसंगति, ग्रेड कार्ड में कार्यक्रमवार ग्रेड/अंकों का अद्यतन न किया जाना।	011-29572206 011-29572215 011-29572219	उप निदेशक/ सहायक निदेशक	garora@ignou.ac.in

10. क्षेत्रीय केंद्रों के पते और कोड

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
1.	अगरतला क्षे. के. कोड : 26	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, एम.बी.बी. कॉलेज कम्पाउंड पो.आ. अगरतला कालेज, अगरतला–799 004, त्रिपुरा फोन : 0381–2519391 फैक्स : 0381–2516266 ईमेल : rcagartala@ignou.ac.in	त्रिपुरा राज्य (जिला : ढलाई उत्तरी त्रिपुरा, दक्षिण त्रिपुरा, पश्चिमी त्रिपुरा, गोमत्ती खोवल, सेपाहीजाला, उनोकोटी)
2.	अहमदाबाद क्षे.के. कोड : 09	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, निरमा यूनिवर्सिटी के सामने, सरखेज गांधीनगर हाईवे, अहमदाबाद–382481, छरोडी, गुजरात फोन : 02717-242975 / 242976 / 241579 / फैक्स : 02717–241580 ईमेल : rcahmedabad@ignou.ac.in	गुजरात राज्य (जिला अहमदाबाद, आनंद, बनसकांठा, भरूच, दोहा, गांधीनगर, मेहसाणा, पाटन, साबरकांठा, सूरत, वड़ोदरा, वलसाड, डांग, खेड़ा, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, तापी, अमरावल्ली) दमन एवं दादरनागर हवेली (यू.टी.)
3.	आइजॉल क्षे.के. कोड : 19	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, हाउस नं. वाई सी–10, रोपिरा बिल्डिंग, चलता लांग दवरकाश आइजल – 796012, मिजोरम फोन : 0389-2395260, 2391692 फैक्स : 0389-2395260 ईमेल : rcaizwal@ignou.ac.in	मिजोरम राज्य (जिला : आइजॉल, लुंगलेई, कोलासिब, मामित, सरछिप, सैहा, चंफाई, लांतलाई)
4.	अलीगढ़ क्षे.के. कोड : 47	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 3 / 310 मैरिस रोड, अलीगढ़–202001, उत्तर प्रदेश फोन : 0571–2700120 / 2701365 फैक्स : 0571–2402147 ईमेल : rcaligarh@ignou.ac.in	उत्तर प्रदेश राज्य (जिला : अलीगढ़, आगरा, बदायूं, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, जे.पी.नगर, काशीराम नगर / कासगंज, महामायानगर / हाथरस, मैनपुरी, मथुरा, मुरादाबाद, रामपुर और सम्भल)
5.	बेंगलुरु क्षे.के. कोड : 13	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, एन.एस.एस.एस. कल्याण केंद्र, 293, 39वां क्रास, आठवां ब्लाक, जयनगर, बेंगलुरु – 560 070, कर्नाटक फोन : 080–26654747 / 26657376 फैक्स : 080–26644848 ईमेल : rcbangalore@ignou.ac.in	कर्नाटक राज्य (जिला : बेंगलुरु, बेंगलुरू रूरल, चिकबल्लापुर, चित्रदुर्गा, दवनगिरी, कोलार, रामनगर, शिमोगा, तुमकुर, चामराजनगर, चिकमगलूर, दक्षिण कन्नड़, हासन, कोडगु, मंड्या, मैसूर, उडुपी)
6.	भागलपुर क्षे.के. कोड : 82	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, तीसरा तल, सुमन प्लाजा, 9, सेंट्रल जेल रोड, तिलकमांझी, भागलपुर, बिहार–812001 फोन : 0641–2610055 / 2610066 ईमेल : rcbhagalpur@ignou.ac.in	बिहार राज्य (जिला : भागलपुर, बांका, मुंगेर)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
7.	भोपाल क्षे.के. कोड : 15	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 12 अरेरा हिल्स, भोपाल भोपाल–462011, मध्यप्रदेश फोन : 0755–2578455 / 2578452 / 2762524 फैक्स : 0755–2578454 ईमेल : rcbhopal@ignou.ac.in	मध्य प्रदेश के राज्य (जिला : अलीराजपुर, भिंड, दतिया, हरदा, खंडवा, मंदसौर, नीमच, राजगढ़, शाजापुर, बवानी, भोपाल, देवास, गुना, होशंगाबाद, झाबुआ, खरगौन, मुरैना, रतलाम, श्योपुर, विदिशा, अशोक नगर, बैतूल, बुरहानपुर, धार, ग्वालियर, इंदौर, रीवा, रायसेन, सीहोर, शिवपुरी, उज्जैन)
8.	भुवनेश्वर क्षे.के. कोड : 21	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, सी–1, इंस्टिट्यूशनल एरिया, भुवनेश्वर–751013, उड़ीसा फोन : 0674–2301348 / 2301250 / 2301352 फैक्स : 0674–2300349 ईमेल : rcbhubneswar@ignou.ac.in	उडीसा राज्य (जिला : अंगुल, भद्रक, बालासौर, बारागढ़, कटक, देवगढ़, घनकनाल, गंजम, गजपति, झारसुगुडा, जाजपुर, जगतसिंहपुर, खोरढा, क्योंझर, कंधमाल, केंद्रपाड़ा, मयूरभंज, नयागढ़, पुरी, संबलपुर, सुंदरगढ़) एसआरसी–कंधमाल (बालनगीर, सोनेपुर, बौध)
9.	बीजापुर क्षे.के. कोड : 85	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, आनन्द महल, ओल्ड जेड पी ऑफिस डॉ. बी. आर. अंबेडकर सर्कल, विजयपुरा–586101, कर्नाटक फोन : 08352–252006 फैक्स : 08352–256005 ईमेल : rcbijapur@ignou.ac.in	कर्नाटक राज्य (जिला : बगलकोट, बीजापुर, बीदर, गुलबर्ग, कोपल, रायचुर एवं यादगिर, हवेरी, गदाग, बलेरी) महाराष्ट्र राज्य (जिला : सोलापुर, लतुर, बेलगांव, धाखाड़)
10.	चंडीगढ़ क्षे.के. कोड : 06	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, एससीओ–208, सेक्टर–14 पंचकुला–134 109, हरियाणा फोन : 0172–2590277 / 2590278 / 2590208 फैक्स : 0172–2590279 ईमेल : rcchandigarh@ignou.ac.in	पंजाब राज्य (जिला : पटियाला, मोहाली, रूप नगर, फतेहगढ़, साहिब) हरियाणा राज्य (जिला : अंबाला, पंचकुला) चंडीगढ़ (संघ राज्य क्षेत्र)
11.	चेन्नई क्षे.के. कोड : 25	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, तीसरा तल, जी.आर. परिसर, 407–408, अन्ना सलाई नंदनम, चेन्नई–600 035, तमिलनाडु फोन : 044–24312766 / 24312979, फैक्स : 044–24312799 ईमेल : rcchennai@ignou.ac.in	तमिलनाडु राज्य (जिला : चेन्नई, तिरुवल्लुर, कांचीपुर, वेल्लूर, तिरुवन्नामलाई, कृष्णागिरी, धर्मपुरी, सेलम, नामक्कल, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, पेराम्बलूर, नागपट्टिनम पांडिचेरी (संघ राज्य क्षेत्र)
12.	कोचीन क्षे.के. कोड : 14	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, कलूर, कोचीन–682017, केरल फोन : 0484–2340203 / 2348189 / 2330891 फैक्स : 0484–2340204 ईमेल : rccochin@ignou.ac.in	केरल राज्य (जिला : अलाप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोट्टायम, पलक्कड़, त्रिशूर, लक्षद्वीप (संघ राज्य क्षेत्र)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
13.	दरभंगा क्षे.के. कोड : 46	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी परिसर, कामेश्वर नगर, सैन्ट्रल बैंक के पास, दरभंगा–846004, बिहार फोन : 06272–251833 / 251862 फैक्स : 06272–253719 ईमेल : rcdarbhanga@ignou.ac.in	बिहार राज्य (जिला : बेगूसराय, दरभंगा, पूर्वी चंपारन, गोपालगंज, सारण, शिवहर, सीतामढ़ी, समस्तीपुर, मधुबनी, मुजफ्फरपुर एवं पश्चिमी चंपारन)
14.	देहरादून क्षे.के. कोड : 31	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, ननूर खेड़ा, तपोवन, रायपुर रोड, देहरादून–248 001, उत्तराखंड फोन : 0135–2789200 फैक्स : 0135–2789190 ईमेल : rcdehradun@ignou.ac.in	उत्तरांचल राज्य (जिलाः देहरादून, पौड़ी, चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, हरिद्वार, नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथोरागढ़, यू.एस.नगर, चम्पावत, बागेश्वर) उत्तर प्रदेश (जिला : सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, शामली (प्रबुद्ध नगर)
15.	दिल्ली–1 क्षे.के. कोड : 07	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, प्लाट नं. जे–2 / 1, ब्लॉक–बी–1, मोहन कोऑपरिटव इंडस्ट्रियल एस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली–110044 फोन : 011–26990082–83, फैक्स : 011–26990084 ईमेल : rcdelhi1@ignou.ac.in	दिल्ली राज्य (महरौली, चाणक्यपुरी लोधी कलोनी, साउथ एक्सटेंशन, आर.के.पुरम, वसंतकुंज, साकेत, ग्रीन पार्क, लाजपतनगर, जी.के., मालवीय नगर, भोगल, आश्रम, हौज खास, मुनिरका, ओखला, संगम विहार, फ्रेंड्स कालोनी, बदरपुर) हरियाणा प्रदेश (जिला : फरीदाबाद, पलवल)
16.	दिल्ली–2 क्षे.के. कोड : 29	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, गांधी स्मृति व दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली–110002, फोन : 011–23392374 / 23392376 / 23392737 फैक्स : 011–23392375 ईमेल : rcdelhi2@ignou.ac.in	दिल्ली राज्य (कराला, प्रहलादपुर, बांगर,, लिबासपुर रामाविहार, रानी बाग, सुल्तानपुरी, बुधविहार, मंगोलपुरी, पीतमपुरा, जहांगीर पुरी, झड़ौदा, माजा, बुराडी, डॉ. मुखार्जी नगर, मॉडल टाउन, शकूरपुर कालोनी, जीटीबी नगर, अशोक विहार, शास्त्री नगर, सिविल लाइंस, यमुना विहार, नंद नगरी, बीएचआर)
17.	दिल्ली–3 क्षे.के. कोड : 38	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, एफ–634–636, पालम एक्सटेंशन, शहीद रामफल चौक, सेक्टर–7 के नजदीक, द्वारका, नई दिल्ली–110077 फोन : 011–25088939, 25088944 फैक्स : 011–25088983 ईमेल : rcdelhi3@ignou.ac.in	दिल्ली राज्य (मुंडका, नागलोई जाट, पीरागढ़ी, पंजाबी बाग, बाकरवाला, मीराबाग, मोतीनगर, तिलक नगर, तिलंगपुर, कोटला, विकासपुरी, सुभाष नगर, उत्तम नगर, जनकपुरी, नजफगढ़, महावीर एन्क्लेव, सागरपुर, द्वारका, पालम, पालम फार्म, कापसहेड़ा, धौला कुआँ, नारायणा, महिपालपुर, मानसरोवर गार्डन) हरियाणा राज्य (जिला : गुड़गांव, मेवात)
18.	देवघर क्षे.के. कोड : 87	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, मंदाकिनी सदन, बसुआदीन सदन बसुआडीह, रोहिणी रोड, देवघर, जसीडीह झारखंड–814142 फोन : 06432–34448 ईमेल : rcdevghar@ignou.ac.in	झारखंड राज्य (जिला : देवघर, गोड्डा, साहेबगंज, पाकुर, दुमका, जमतारा और गिरीडीह)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
19.	गंगटोक क्षे.के. कोड : 24	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 5वां माइल तडोंग, एनएच–10, सेंट्रल रेफरल हॉस्पिटल के नीचे, गंगटोक–737 102, सिक्किम फोन : 03592–231102 फैक्स : 03592–231103 rcgangtok@ignou.ac.in	सिक्किम राज्य (जिला : पूर्वी सिक्किम, पश्चिमी सिक्किम, उत्तरी सिक्किम, दक्षिणी सिक्किम)
20.	गुवाहटी क्षे.के. कोड 04	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, हाउस नं. 71, जी.एम.सी. रोड, क्रिश्चियन बस्ती, गुवाहाटी, असम–781003, फोन : 0361–2343771 / 2343785–86 फैक्स : 0361–2343784 ईमेल : rcguwahati@ignou.ac.in	असम राज्य (जिला : कार्बी, ओन्गलॉन्ग, मारीगांव, दारांग, कामरूप, नलबाड़ी, बारपेट, बोंगईगांव, गोलपाड़ा, कोकराझार, धुबरी उत्तरी कछार हिल्स, कछार, हल्लाकांडी, करीमगंज, कामरूप मेट्रोपोलिटन, बक्सा, उदलगुड़ी, चिरांग)
21.	हैदराबाद क्षे.के. कोड : 01	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, प्लॉट सं. 207, कावेरी हिल्स फेज–II, माधापुर पुलिस स्टेशन के समीप, जुबली हिल्स (पी.ओ.), हैदराबाद–500 033, आंध्र प्रदेश फोन : 040–23117550–53 फैक्स : 040–23117554 ईमेल : rchyderabad@ignou.ac.in	तेलंगाना राज्य (जिला : अदिलाबाद, हैदराबाद, करीमनगर, खाम्मभ, मेदक, महबूबनगर, नलगोंदा, निजामाबाद, रंगा रेड्डी, वारंगल)
22.	इम्फाल क्षे.के. कोड : 17	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, आशा जिना काम्पलेक्स नार्थ ऐ ओ सी, इम्फाल,–795001, मणिपुर फोन : 0385–2421190 / 2421191 फैक्स : 0385–2421192 ईमेल : rcimphal@ignou.ac.in	मणिपुर राज्य (जिला : बिष्णुपुर, चूड़ाचांदपुर, चंदेल, इम्फाल पूर्व, पश्चिम इम्फाल, सेनापति, तामेंगलोंग, थौबल उखरूल)
23.	ईटानगर क्षे.के. कोड : 03	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, ''हॉर्नहिल कॉम्पलैक्स'' सी–सेक्टर (सेंट्रल स्कूल के समीप), ईटानगर–791110, नाहारलगून, अरूणाचल प्रदेश फोन : 0360–2247536 / 2351705 फैक्स : 0360–2350990 ई-मेल : rcitanagar@ignou.ac.in	अरुणाचल प्रदेश राज्य (जिला : अंजाव, चांगलांग, पूर्व कामेंग, पूर्वी सिवांग, कुरूंग कुमे, लोहित, लोअर दिबांग वैली, लोअर सुबानसिरी, पपुम पारे, तवांग, तिरप, अपर दिबांग, अपर सुबानसिरी, अपर सियांग पश्चिम कामेंग, पश्चिम सियांग)
24.	जबलपुर क्षे.के. कोड : 41	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, दूसरा तल, राजशेखर भवन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर, पंचपेढ़ी, जबलपुर–482001, मध्य प्रदेश फोन : 0761–2609896 / 2600411 / 2600219 फैक्स : 0761–2609919 ईमेल : rcjabalpur@ignou.ac.in	मध्यप्रदेश राज्य (जिला : अन्नूपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, मंडाला, जबलपुर, कटनी, नरसिंगपुर, सिओनी, शहडोल, सीधी, उमरिया, सिंगरौली, पन्ना, छतरपुर, दमोह, सतना टीकमगढ़, रीवा, सागर)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
25.	जयपुर क्षे.के. कोड : 23	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 70/79, सेक्टर–7, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर–302020, राजस्थान फोन : 0141–2785730 फैक्स : 0141–2784043 ईमेल : rcjaipur@ignou.ac.in	राजस्थान राज्य (जिला : अजमेर, अलवर, बरान, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चुरू, दोसा, धौलपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, झालावाड़, झुनझुनु, करौली, कोटा, सवाई मधोपुर, सीकर, श्री गंगानगर, टोंक)
26.	जम्मू क्षे.के. कोड : 12	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, एस.पी.एम.आर. कॉलेज ऑफ कॉमर्स परिसर, अरविन्दो ब्लॉक, प्रथम तल, जम्मू–180001, कैनाल रोड, जम्मू और कश्मीर फोन : 0191–2526529/2579572, फैक्स : 0191–2585154 ईमेल : rcjammu@ignou.ac.in	जम्मू और कश्मीर राज्य (जम्मू क्षेत्र–जिला : डोडा, जम्मू, कठुआ, किश्तवार, पुंछ, राजौरी, रामबन, रियासी, साम्बा, उधमपुर)
27.	जोधपुर क्षे.के. कोड : 88	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, प्लॉट सं. 439, पाल लिंक रोड, कमला नगर, अस्पताल के सामने जोधपुर, राजस्थान–342008 फोन : 0291–2012987, 9414036575 ईमेल : rcjodhpur@ignou.ac.in	राजस्थान राज्य (जिला : जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, राजासमंद, उदयपुर, बीकानेर, जालौर, सीरोही नागौर, डुंगरपुर, पाली, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा)
28.	जोरहाट क्षे.के. कोड : 37	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, जन्मभूमि भवन, प्रथम तल, तुलसी नारायण, शरमाह पथ, नेहरु पार्क के समीप, जोरहाट–785001, असम फोन : 0376–2301116, 2301115 ईमेल : rcjorhat@ignou.ac.in	असम राज्य (जिला : नगांव, गोलाघाट, जोरहाट, सिवसागर, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, लखीमपुर, धेमाजी, सोनितपुर, विश्वनाथ, चराईदेव, होजाई एंड मजुली)
29.	करनाल क्षे.के. कोड : 10	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 06, सुभाष कालोनी, होमगार्ड आफिस के समीप, करनाल–132 001, हरियाणा फोन : 0184–2271514 ईमेल : rckarnal@ignou.ac.in	हरियाणा राज्य (जिला : भिवानी, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, करनाल, कुरूक्षेत्र, महेंद्रगढ़, पानीपत, रेवाड़ी, रोहतक, सिरसा, यमुनानगर, सोनीपत)
30.	खन्ना क्षे.के. कोड : 22	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, आई.टी.आई. बिल्डिंग, बुलेपुर, जिला लुधियाना, खन्ना–141401, पंजाब फोन : 01628–229993/237361 ईमेल : rckhanna@ignou.ac.in	पंजाब राज्य (जिला : गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, कपूरथला, जालंधर, होशियारपुर, एसबीएस नगर/नवाशहर, बरनाला, संगरूर, भटिंडा, मनसा, मुक्तसर, लुधियाना, फिरोजपुर, फरीदकोट, मोगा)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
31.	कोहिमा क्षे.के. कोड : 20	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, नियर माउंट हर्मन स्कूल, डॉन बास्को हायर सेकेंड्री स्कूल रोड, केंडोजू, कोहिमा–797 001, नागालैंड फोन : 0370–2260366 / 2260167, फैक्स : 0370–2260216 ईमेल : rckohima@ignou.ac.in	नागालैंड राज्य (जिला : कोहिमा, दीमापुर, वोखा, मोकोकचुंग, जुनहेबोटो, तुएनसांग, लांगलेंग, किफिर, मॉन, पेरेन, फेक)
32.	कोलकाता क्षे.के. कोड : 28	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, बिकास भवन, चौथी मंजिल, नॉर्थ ब्लाक, साल्ट लेक, विधान नगर, कोलकाता–700 091, पश्चिम बंगाल फोन : 033–23349850, 23592719 / 23589323 (आरसीएल), 24739393 फैक्स : 033–23347576 ईमेल : rckolkata@ignou.ac.in	पश्चिम बंगाल (जिला : कोलकाता, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, पूरबा, मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, हावड़ा, पुरुलिया, हुगली, बर्दवान, नदिया)
33.	कोरापुट क्षे.के. कोड : 44	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, जिला एग्रीकल्चर आफिस रोड, महिला कॉलेज के पीछे, कोरापुट–764020, उड़ीसा फोन : 06852–251535 फैक्स : 06852–252503 ईमेल : rckoraput@ignou.ac.in	उड़ीसा राज्य (जिला : कोरापुट, मल्कानगिरी, रायगढ़, नबरंगपुर, कालाहांडी, नुआपाड़ा)
34.	लखनऊ क्षे.के. कोड : 27	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 5–सी, इंस–1, सेक्टर–5, वृदांवन योजना तेलीबाघ लखनऊ–226029, उत्तर प्रदेश फोन का. : 0522–2442832 ईमेल : rclucknow@ignou.ac.in	उत्तर प्रदेश राज्य (जिलाः औरैया, बहराइच, बलरामपुर, बांदा, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, फैजाबाद, चित्रकूट, फरुखाबाद (फतेहगढ़), फतेहपुर, गौंडा, हमीरपुर, हरदोई, जालौन (ओरै), झांसी, कन्नौज, कानपुर शहरी ग्रामीण कानपुर, कौशाम्बी, लखीमपुर (खेरी), ललितपुर, लखनऊ, महोबा, पीलीभीत, रायबरेली, शाहजहांपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर, उन्नाव)
35.	मदुरई क्षे.के. कोड : 43	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदर छाबड़ी, अलंगनलूर रोड, मदुरई–625018, तमिलनाडु फोन : 0452–2380733 फैक्स : 0452–2380588 ईमेल : rcmadurai@ignou.ac.in	तमिलनाडु राज्य (जिला : कोयम्बटूर, डिंडीगुल, इरोड, करूर, मदुरई, नीलगिरि, पुदुक्कोट्टई, रामनाथपुरम, शिवगंगा, तंजावुर, थेनी, तिरुवरूर, अरियालुर, तिरूचिरापल्ली, तिरूपुर, विरूद्धनगर)
36.	मुम्बई क्षे.के. कोड : 49	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, दूसरा व तीसरा तल, कपीश बिल्डिंग, एम.जी. रोड, मुलुंद रेलवे स्टेशन के सामने, मुलुंद (प.), मुंबई–400 008, महाराष्ट्र	महाराष्ट्र राज्य (जिला : मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, पालघर, मुम्बई सब–अर्बन)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
		फोन : 022–25925540, 25923159 फैक्स : 022–25925411 ईमेल : rcmumbai@ignou.ac.in	
37.	नागपुर क्षे.के. कोड : 36	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, ज्ञान वाटिका, 14 हिंदुस्तान कालोनी, अमरावती रोड, नागपुर–440033 (महाराष्ट्र) फोन : 0712–2536999, 2537999 फैक्स : 0712–2538999 ईमेल : rcnagpur@ignou.ac.in	महाराष्ट्र राज्य (जिला : अमरावती, बुलढाना, अकोला, वाशिम, हिंगोली, परभणी, नांदेड, यवतमाल, वर्धा, चंद्रपुर, नागपुर, भंडारा, गोन्दिया, गढ़चिरौली)
38.	नोएडा क्षे.के. कोड : 39	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, सी–53, सेक्टर–62, इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा–201 305, उत्तर प्रदेश फोन : 0120–2405012, 2405014 फैक्स : 0120–2405013 ईमेल : rcnoida@ignou.ac.in	उत्तर प्रदेश राज्य (जिला : गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, हापुड़) दिल्ली राज्य (मयूर विहार फेस–I & II, मयूर विहार एक्सटेंशन, वसुंधरा एनक्लेव)
39.	पणजी क्षे.के. कोड : 08	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, मकान नं. – 1576, पी एंड टी स्टाफ क्वार्टर के पास, अलटो पोवोरिम, पोवोरिम–403521, गोवा फोन : 0832–2414553 ईमेल : rcpanaji@ignou.ac.in	गोवा राज्य (जिला : उत्तरी गोवा, दक्षिणी गोवा) कर्नाटक राज्य (जिला : उत्तर कन्नड़, महाराष्ट्र राज्य (जिला : सिंगदुर्ग)
40.	पटना क्षे.के. कोड : 05	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मीठापुर, पटना–800 001, बिहार फोन : 0612–2219539, 2219541 फैक्स : 0612–2219538 ईमेल : rcpatna@ignou.ac.in	बिहार राज्य (जिला : अरवाल, औरंगाबाद, भोजपुर, बक्सर, गया, जमुई, जहानाबाद, कैमूर, लक्खीसराय, नालंदा, नवादा, पटना, रोहतास, शेखपुरा, वैशाली, सीवान, छपरा, सरन)
41.	पोर्ट ब्लेयर क्षे.के. कोड : 02	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, कन्नड़ संघ, बिल्डिंग सिडिकेट बैंक के समीप, 18 टैगोर रोड, मोहनपुरा, पोर्ट ब्लेयर दक्षिण–744 104, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह फोन : 03192–242888 फैक्स : 03192–230011 ईमेल : rcportblair@ignou.ac.in	अंडमान-निकोबार द्वीप समूह (संघ शासित प्रदेश) (जिला : उत्तर एवं मध्य अंडमान, दक्षिण अंडमान निकोबार)
42.	पुणे क्षे.के. कोड : 16	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, एम.एस.एफ.सी. बिल्डिंग, प्रथम मंजिल, 270, सेनापति बापत रोड, पुणे–411016, महाराष्ट्र	महाराष्ट्र राज्य (जिला : नंदुरबार, धुले, जलगांव, औरंगाबाद, नासिक, जालना, अहमदनगर, बीड, पुणे, उस्मानाबाद, सांगली, सतारा, कोल्हापुर)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
		फोन : 020–25671867, 25651321 फैक्स : 020–25671864 ईमेल : rcpune@ignou.ac.in	
43.	रघुनाथगंज क्षे.के. कोड 50	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, बागान बारी, देना बैंक के समीप, फुलतला, रघुनाथगंज, जिला–मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल–742 225 फोन : 03483–271555, 271666 ईमेल : rcraghunathganj@ignou.ac.in	पश्चिम बंगाल के राज्य (जिला : मुर्शिदाबाद, बीरभूम, मालदा)
44.	रायपुर क्षे.के. कोड : 35	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू काम्पलेक्स, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कचना, रायपुर–492 014, छत्तीसगढ़ फोन : 0771–2283285, 2971322 फैक्स : 0771–2971323 ईमेल : rcraipur@ignou.ac.in	छत्तीसगढ़ राज्य (जिला : बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग, जंजगिर-चम्पा, जशपुर, कांकेर, कवर्धा, कोरिया, कोरबा, महासमुंद, राजगढ़, रायपुर, राजनांदगांव, सूरजपुर, सरगुजा, बलौद, बलौंदबाजार, बलरामपुर, बेमेतारा, गरियाबांध, मुंगेली, दंतेवाडा, बस्तर, कोंडागॉव, नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा)
45.	राजकोट क्षे.के. कोड : 42	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी कैम्पस, राजकोट–360 005, गुजरात फोन : 0281–2572988 फैक्स : 0281–2571603 ईमेल : rcrajkot@ignou.ac.in	गुजरात राज्य (जिला : राजकोट, कच्छ, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, सुरेन्द्रनगर, देवभूमि, द्वारका, गिर–सोमनाथ, बोटड, मोरबी, दीव (यूटी)
46.	राँची क्षे.के. कोड : 32	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 457/ए, अशोक नगर, रांची–834 022, झारखंड फोन : 0651–2244688, 2244677, 2244699 फैक्स : 0651–2244400 ईमेल : rcranchi@ignou.ac.in	झारखंड राज्य (जिला : रांची, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, पलामू, लातेहार, गढवा, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, खुरसावन, पूर्वी सिंहभूम, हजारीबाग, चतरा, कोडेरमा, खुंटी, रामगढ़, बोकारो, धनबाद)
47.	सहरसा क्षे.के. कोड : 86	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, नया बाजार सहरसा बिहार–582 201 फोन : 06478–219015 फैक्स : 06478–219018 ईमेल : rcsharsa@ignou.ac.in	बिहार राज्य (जिला : खागड़िया, सहरसा, सुपोल, माधेपुरा, कटिहार, अररिया, किशनगंज, पुरनिया)
48.	शिलांग क्षे.के. कोड : 18	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, उमसिंह, मवकयनरोह, न्यू कैम्पस, शिलांग–793 022, मेघालय फोन : 0364–2521117, 2521271/2520503 फैक्स : 0364–2521271 ईमेल : rcshillong@ignou.ac.in	मेघालय राज्य (जिला : पूर्वी खासी हिल्स, पूर्वी गारो, हिल्स, पूर्वी जयंतिया हिल्स, उत्तरी गारो हिल्स, री भोई, दक्षिण गारो हिल्स, पश्चिम खासी हिल्स, द.प. गारो हिल्स, द.प. खासी हिल्स, जयंतिया हिल्स, पं. गारो हिल्स)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
49.	शिमला क्षे.के. कोड : 11	क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, चौहान निवास बिल्डिंग, खालिनी, शिमला–171002, हिमाचल प्रदेश फोन : 0177–2624612, 2624613, फैक्स : 0177–2624611 ईमेल : rcshimla@ignou.ac.in	हिमाचल राज्य (जिला : बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहौल एवं स्पीति, मंडी, शिमला, सिरमौर, सोलन, ऊना)
50.	सिलीगुडी क्षे.के. कोड : 45	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, 17/12 जेसी बोस रोड, सुभाष पली, सिलीगुड़ी–734001, पश्चिम बंगाल फोन : 0353–2526818 फैक्स : 0353–2526829 ईमेल : rcsiliguri@ignou.ac.in	पश्चिम बंगाल (जिला : कूचबिहार, जलपाईगुडी, दार्जीलिंग, उत्तर दिनाजपुर दक्षिण दिनाजपुर, अलीपुरदुअर)
51.	श्रीनगर क्षे.के. कोड : 30	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, लॉरेंस विद्या भवन के समीप, कुरसू राजबाग, श्रीनगर–190 008, जम्मू एवं कश्मीर फोन : 0194–2311258, 2311251 फैक्स : 0194–2311259 ईमेल : rcsrinagar@ignou.ac.in	जम्मू और कश्मीर राज्य श्रीनगर क्षेत्र (जिला : अनंतनाग, बंदीपुर, बारामुला, बडगाम, गांदरबल, कारगिल, कुलगाम, कुपवाडा, लेह, पुलवामा, शोपियां, श्रीनगर)
52.	त्रिवेंद्रम क्षे.के. कोड : 40	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, राजधानी कॉम्पलैक्स, पीआरएस हॉस्पिटल के सामने, किलिपालम, कारामाना पी.ओ., त्रिवेंद्रम–695 002 (केरल) फोन : 0471–2344113, 2344120 फैक्स : 0471–2344121 ईमेल : rctrivandrum@ignou.ac.in	केरल राज्य (जिला : कोल्लम, पथानमथीट्टा, तिरूवनन्तपुरम) तमिलनाडु राज्य (जिलाः कन्याकुमारी, तुतिकोरिन, तिरूनेलवली)
53.	वाराणसी क्षे.के. कोड : 48	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, गांधी भवन, बीएचयू परिसर, वाराणसी–221 005, उत्तर प्रदेश फोन : 0542–2368022/2368622/2364893 फैक्स : 0542–2369629 ईमेल : rcvaranasi@ignou.ac.in	उत्तर प्रदेश (जिलाः आंबेडकर नगर, आजमगढ़, बलिया, चंदौली, देवरिया, गाजीपुर, गोरखपुर, जौनपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, मऊ, मिर्जापुर, संत कबीर नगर, संत रविदास नगर, सोनभद्र, वाराणसी, इलाहाबाद, अमेठी, प्रतापगढ, सुलतानपुर)
54.	वटाकरा क्षे.के. कोड : 83	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, नट स्ट्रीट (पीओ) (कोझिकोड) वटाकरा–673 104, केरल फोन : 0496–2525281, 2515413 ईमेल : rcvatakara@ignou.ac.in	केरल राज्य (जिला : कन्नोर, कासरगोड, वायानंद, कोज़ीकोर, मलषपुरम), माहे, (पुडुचेरी, यू.टी.)।
55.	विजयवाड़ा क्षे.के. कोड : 33	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, केपीवीवी हिंदू हाई स्कूल कोठापेटा, विजयवाड़ा–520 001, आंध्र प्रदेश फोन : 0866–2565959, 2565253 फैक्स : 0866–2565353 ईमेल : rcvijaywada@ignou.ac.in	आंध्र प्रदेश राज्य (जिला : कृष्णा, गुटूर, प्रकाशम, नेल्लोर (चितूर, कडपा, कुरनूल, अनंतपुर)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम और कोड संख्या	क्षेत्रीय केंद्र का पता, टेली., फैक्स एवं ई–मेल	कार्य क्षेत्र
56.	विशाखापट्टनम क्षे.के. कोड : 84	क्षेत्रीय निदेशक इं.गा.रा.मु.वि. क्षेत्रीय केंद्र, द्वितीय तल, सेक्टर–12, एमवीपी कॉलोनी उसोदया जंक्शन, विशाखापट्टनम–530 017, आंध्र प्रदेश फोन : 0891–2511200 फैक्स : 0891–2511300 ईमेल : rcvishakapatanam@ignou.ac.in	आंध्र प्रदेश राज्य (जिलाः ईस्ट गोदावरी, वेस्ट गोदावरी, विशाखापट्टनम, विजयनगरम, श्रीकाकुलम, यानम (पुडुचेरी, यू.टी.)।

इग्नू–थल सेना, असम राइफल्स, नौसेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र

क्र. सं.	क्षेत्रीय केंद्र	क्षेत्रीय केंद्र कोड	पता	कार्य क्षेत्र
1.	आई.ए.ई.पी–कोलकाता	51	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–थल सेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र कर्नल. एज्यूकेशन, पोर्ट विलियम मुख्यालय ईस्टर्न कमान, मार्फत 99, ए.पी.ओ.–908 542 कोलकाता–700021 पश्चिम बंगाल, फोनः 033–22317556 ई–मेल : rcarmy51@ignou.ac.in	पूर्वी कमान क्षेत्र
2.	आई.ए.ई.पी–चंडीमंदिर	52	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–थल सेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र कर्नल एज्यूकेशन जी.एस. (एज्यूकेशनल) शाखा, मुख्यालय पश्चिमी कमान, चंडीमंदिर, हरियाणा–134107 (हरियाणा) फोन : 0172–2589355 (सिविल), 2670 (सेना) फैक्स : 0712–2589423 ई–मेलः rcarmy52@ignou.ac.in	पश्चिमी कमान क्षेत्र
3.	आई.ए.ई.पी–लखनऊ	53	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–थल सेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र आई.ए.ई.पी. मुख्यालय केंद्रीय कमान जी.एस–(शिक्षा), लखनऊ–226002, उत्तर प्रदेश फोन : 0522–2482968 (सिविल), 2670 (सेना) ई–मेलः rcarmy53@ignou.ac.in	केंद्रीय कमान क्षेत्र
4.	आई.ए.ई.पी–पुणे	54	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–थल सेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र कर्नल शिक्षा, मुख्यालय दक्षिणी कमान जी एस(ईडीएन)शाखा पिन–908541,कम्पनी 56 एपीओ फोनः 020–26331033(सिविल),2437(सेना) ई–मेल : rcarmy54@ignou.ac.in	दक्षिणी कमान क्षेत्र
5.	आई.ए.ई.पी–उधमपुर	55	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–थल सेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र कर्नल शिक्षा मुख्यालय, 908545, मार्फत 56 ए.पी.ओ, मुख्यालय उत्तरी कमान, उधमपुर, जम्मू–कश्मीर फोनः 01992–242486 ई–मेल : rcarmy55@ignou.ac.in	उत्तरी कमान क्षेत्र

क्र. सं.	क्षेत्रीय केंद्र	क्षेत्रीय केंद्र कोड	पता	कार्य क्षेत्र
6.	आई.ए.ई.पी–जयपुर	56	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–थल सेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र मुख्यालय दक्षिण–पश्चिम कमान, मार्फत 56 ए.पी.ओ, जयपुर–908546 राजस्थान फोन : 0141–6640 (सेना) ई–मेल: rcarmy56@ignou.ac.in	दक्षिण–पश्चिमी कमान क्षेत्र
7.	आई.ए.आर.ई.पी–शिलाँग	81	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–असम राइफल मान्यताप्राप्त क्षेत्रीय केंद्र महानिदेशालय, असम राइफल (डी.जी.ए.आर.) लाइटुमखारा, शिलांग–793011, मेघालय फोन: 0364–2705181, 0364–2705184 ई–मेल : iarrc81@ignou.ac.in	कमान क्षेत्र
8	आई.एन.ई.पी–नई दिल्ली	71	क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) इग्नू–नौसेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र महानिदेशालय, नौसेना शिक्षा इंटीग्रेटेड मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय पश्चिमी खंड, 5 सेक्टर–1, आर के पुरम, नई दिल्ली–110066 फोन: 011–26178462, 011–26185299 ई–मेल: rcnavy71@ignou.ac.in	नौसेना मुख्यालय
9.	आई.एन.ई.पी–मुंबई	72	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–नौसेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र मुख्यालय पश्चिमी नौसेना कमान, शहीद भगत सिंह मार्ग, मुंबई–400023, महाराष्ट्र फोन: 022–2272245, 022–22665458 ई–मेल: rcnavy72@ignou.ac.in	पश्चिमी नौसेना कमान मुख्यालय
10.	आई.एन.ई.पी–विशाखापटनम	73	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–नौसेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र आईएनईपी क्षेत्रीय केंद्र–73, एन.सी.एस. कॉम्प्लैक्स, नौसेनाबाग, पोस्ट :गांधीग्राम, विशाखापटनम–530005, आंध्र प्रदेश–530005 फोन: 0891–2812669, 0891–2515834 ई–मेल: rcnavy73@ignou.ac.in	पूर्वी नौसेना कमान मुख्यालय
11.	आई.एन.ई.पी–कोच्चि	74	क्षेत्रीय निदेशक इग्नू–नौसेना मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय केंद्र नौ सेना बेस, मुख्यालय दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि–682004, केरल फोन: 0484–266210, 2662515, 0484–2666194 ई–मेल: rcnavy74@ignou.ac.in	दक्षिणी नौसेना कमान मुख्यालय

11. कोडों की सूची

11.1 राज्यों के कोड

कोड	का विवरण
01	आंध्र प्रदेश
02	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह (संघ राज्य क्षेत्र)
03	अरुणाचल प्रदेश
04	असम
05	बिहार
06	चंडीगढ़ (संघ राज्य क्षेत्र)
07	दिल्ली
08	गोवा
09	गुजरात
10	हरियाणा
11	हिमाचल प्रदेश
12	जम्मू और कश्मीर
13	कर्नाटक
14	केरल
15	मध्य प्रदेश
16	महाराष्ट्र
17	मणिपुर
18	मेघालय
19	मिज़ोरम
20	नागालैंड
21	उड़ीसा
22	पंजाब
23	राजस्थान
24	सिक्किम
25	तमिलनाडु
26	त्रिपुरा
27	उत्तर प्रदेश
28	पश्चिम बंगाल
29	दादर और नगर हवेली, दमन और दीव (संघ राज्य क्षेत्र)
30	लक्षद्वीप (संघ राज्य क्षेत्र)
31	पांडिचेरी (संघ राज्य क्षेत्र)
32	मार्फत 99 ए.पी.ओ.
33	विदेशों में रहने वाले छात्र
34	छत्तीसगढ़
35	झारखंड
36	उत्तराखंड
37	तेलंगाना

11.2 शैक्षिक अर्हता संबंधी कोड

कोड	का विवरण
000	मैट्रिक, एसएससी से कम/कोई औपचारिक शिक्षा नहीं
001	मैट्रिक्यूलेशन/एस एस सी
002	10 + 2 या समकक्ष
003	इंजीनियरी में डिप्लोमा
004	इंजीनियरी में स्नातक
005	स्नातक या समकक्ष
006	स्नातकोत्तर या समकक्ष
007	डॉक्टरेट या समकक्ष
008	इग्नू से बी.पी.पी.
009	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.)
010	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एल.आई.एस.)

11.3 बोर्ड के कोडों की सूची

(10 + 2 के लिए) न्यूनतम पाँच कोर विषयों में उत्तीर्ण *

क्रम सं.	बोर्ड का कोड	बोर्ड (संक्षेप)	वर्ष जब से 10 + 2 प्रभावी हुआ	बोर्ड का नाम
1.	0101	ए.बी.आई.ई.	हमेशा	बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन, आंध्र प्रदेश
2.	0401	ए.एच.एस.एल.	1986	असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद
3.	0501	बी.आई.ई.सी.	हमेशा	बिहार इंटरमीडिएट एजुकेशन, काउंसिल
4.	0701	सी.बी.एस.ई.	1979	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली
5.	0702	आई.सी.एस.ई.	1979	भारतीय विद्यालय परिषद (प्रमाणपत्र परीक्षा), नई दिल्ली
6.	0703	एन.ओ.एस. / एन.आई.ओ.एस.	1991	नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग, दिल्ली (पाँच विषयों में उत्तीर्ण)
7.	0801	जी.बी.एस.ई.	1978	गोवा, दमन और दीव, बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन
8.	0901	जी.एस.ई.बी.	1978	गुजरात सेकेंडरी एजुकेशन, बोर्ड
9.	1001	एच.बी.एस.ई.	1987	हरियाणा बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन
10.	1101	एच.पी.बी.ई.	1988	हिमाचल प्रदेश बोर्ड ऑफ स्कूल
11.	1201	जे.के.एस.एस.	1980	जे एंड के स्टेट बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, (ग्रीष्मकालीन)
12.	1202	जे.के.एस.डब्ल्यू	1980	जे एंड के स्टेट बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, (शीतकालीन)
13.	1301	के.बी.पी.ई.	1971	बोर्ड ऑफ प्रि-यूनिवर्सिटी एजुकेशन, कर्नाटक
14.	1401	के.यू.	1966	केरल विश्वविद्यालय
15.	1501	बी.एस.एम.पी.	1988–89	बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, मध्य प्रदेश
16.	1601	एम.एस.बी.ई.	1978	महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन एंड हायर सेकेंडरी बोर्ड
17.	1701	एम.बी.एस.ई.	1980	बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, मणिपुर
18.	1901	एम.जेड.एस.ई.	1980	मिजोरम बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन
19.	2001	एन.बी.एस.ई.	1980	नागालैंड बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन
20.	2101	सी.एच.एस.ई.	1980	काउंसिल ऑफ हायर सेकेंडरी एजुकेशन, उड़ीसा
21.	2201	पी.एस.ई.बी.	1988	पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड
22.	2301	आर.बी.एस.ई.	1986	राजस्थान बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन
23.	2501	टी.एन.एस.बी.	1978	बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी इक्जामिनेशन, तमिलनाडु
24.	2601	टी.बी.एस.ई.	–	त्रिपुरा बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन
25.	2701	बी.एच.एस.आई.	हमेशा	बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एजुकेशन, उत्तर प्रदेश
26.	2802	डब्ल्यू.बी.एस.ई.	1978	पश्चिम बंगाल काउंसिल ऑफ हायर सेकेंडरी एजुकेशन
27.	3601	जे ए सी	2006	झारखंड शैक्षिक परिषद्, राँची
28.	8888	डी.डी.डी.डी.	–	10वीं कक्षा के बाद किया जाने वाला मान्यताप्राप्त तीन / दो वर्ष का डिप्लोमा प्रमाणपत्र
29.	9999	XXXX	–	इस सूची में सम्मिलित नहीं

(10+2 व्यावसायिक धारा के लिए)

क्रम संख्या	बोर्ड का कोड	बोर्ड (संक्षेप)	वर्ष जब से 10+2 प्रभावी हुआ	बोर्ड का नाम
1.	1901	एम.जेड.एस.ई.	2001	मिजोरम बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन

* सामाजिक उपयोगी कार्य व सामुदायिक सेवा (SUPW) के अलावा चार प्रमुख विषयों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सीनियर सेकेण्डरी स्तर का एक पाठ्यक्रम एनआईओएस / एसओएस से पास करनी होगा, जिससे वे **न्यूनतम पाँच कोर** विषयों को उत्तीर्ण करने की शर्त पूरी कर सकें।

11.4 गैर–मान्यता प्राप्त विद्यालय बोर्डों की सूची

निम्नलिखित बोर्डों द्वारा आयोजित परिक्षाएँ इग्नू में उच्च अध्ययन के लिए स्वीकार्य नहीं है।

क्र.सं.	बोर्ड का नाम	अभ्युक्ति
1.	बोर्ड ऑफ हायर सेकेण्डरी एजुकेशन, दिल्ली	
2.	इंडियन काउंसिल ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, इण्डिया, फतेह उल्लागंज, एन.एच.–74, ठाकुरद्वार, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश	आई.सी.एस.ई. नई दिल्ली के साथ भ्रमित न हों
3.	इंडियन काउंसिल ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, इण्डिया, गाँव : हल्दुवा साहू, पी.ओ. शिवराज पुर पट्टी, जसपुर–244712, उत्तराखण्ड	आई.सी.एस.ई. नई दिल्ली के साथ भ्रमित न हों
4.	ऑल इण्डिया बोर्ड फॉर एजुकेशन ट्रेनिंग, दिल्ली (डा. अम्बेडकर, चिन्तन सामाजिक शोध संस्थान, वार्ड संख्या 23, ईदगाह मोहल्ला, पी.ओ.–देहरी, ऑन सोने, जिला– रोहतास, बिहार अथवा ऑल इण्डिया बोर्ड ऑफ एजुकेशन, दिल्ली, भवन संख्या 700, गली नं. 17, गोपालपुर, गॉव तिमारपुर, पी.ओ., आजाद पुर, दिल्ली–110009	
5.	इण्टरमीडिएण्ट काउंसिल फॉर ओपन एजुकेशन, जालंधर, पंजाब	
6.	ऑल इण्डिया काउंसिल फॉर ओपन एजुकेशन, नई दिल्ली	
7.	बोर्ड ऑफ एडल्ट एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग, दिल्ली 1, अलीगंज, कस्तूरबानगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली–110003 कैम्पस : R.X. 295 ब्रह्मपुरी, नांगलराय रेलवे क्रासिंग, पंखा रोड, नई दिल्ली	
8.	सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली	
9.	सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन, उत्तम नगर, नई दिल्ली	
10.	गुरुकुल विश्वविद्यालय वृन्दावन (मथुरा) गुरुकुल कॉम्प्लेक्स, गाँव राँची बंगर, पी.ओ. मथुरा, जिला–मथुरा, उ.प्र.	
11.	काउंसिल ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, मोहाली, पंजाब	
12.	महाशक्ति संस्कृत विद्यापीठ, कर्ण पार्ट, दिल्ली–110041	
13.	काउंसिल फॉर द इण्डियन सर्टिफिकेट इग्जामिनेशन, नई दिल्ली	ICSE नहीं
14.	भारतीय शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ-227105**	
15.	बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी संस्कृत एजुकेशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	
16.	द सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन, नई दिल्ली	
17.	डॉ. राम गोपालचार्य संस्कृत महाविद्यालय, नयाबास, एटा, उत्तर प्रदेश	
18.	बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, मध्य भारत, ग्वालियर	

क्र.सं.	बोर्ड का नाम	अभ्युक्ति
19.	बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी, हायर सेकेण्डरी ऐंड वोकेशनल एजुकेशन मंगल बाजार, लक्ष्मी नगर, दिल्ली	
20.	महात्मा गांधी सेकेण्डरी ऐंड हायर सेकेण्डरी बोर्ड, दिल्ली	
21.	बोंड ऑफ सेकेण्डरी ऐंड हायर सेकेण्डरी एजुकेशन, पश्चिम बंगाल	
22.	द काउंसिल ऑफ बेसिक ऐंड टेकनिकल एजुकेशन, लुधियाना	
23.	माध्यमिक शिक्षा परिषद, ग्वालियर, मध्य प्रदेश	
24.	सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ एजुकेशन, अजमेर	
25.	काउंसिल ऑफ हायर सेकेण्डरी एजुकेशन, दिल्ली	
26.	काउंसिल ऑफ हायर एण्ड सीनियर सेकेण्डरी एजुकेशन, दिल्ली	
27.	दिल्ली बोर्ड ऑफ सीनियर सेकेण्डरी एजुकेशन	
28.	बोर्ड ऑफ टैकनिकल एण्ड सेकेण्डरी एजुकेशन, दिल्ली	ww.technicalboard.org http:// www. technicalboard.org.
29.	इण्डियन काउंसिल ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, इण्डिया (उ.प्र.) अथवा भारतीय माध्यमिक शिक्षा परिषद, भारत (उ.प्र.)	
30.	बोर्ड ऑफ यूथ एजुकेशन इन इण्डिया	
31.	काउंसिल ऑफ सेकेण्डरी एण्ड सीनियर सेकेण्डरी एजुकेशन, दिल्ली	
32.	इण्डियन काउंसिल ऑफ ओपन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन, महाराष्ट्र	www.icosce.com
33.	महाकौशल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, जबलपुर, मध्य प्रदेश	
34.	नेशनल बोर्ड ऑफ हायर सेकेण्डरी एजुकेशन, दिल्ली	
35.	नेशनल बोर्ड ऑफ हायर सेकेण्डरी एजुकेशन, इण्डिया	
36.	बोर्ड ऑफ हायर सेकेण्डरी ओपन एजुकेशन, दिल्ली	
37.	बोर्ड ऑफ स्कूल एण्ड टैक्नीकल एजुकेशन, छत्तीसगढ़	
38.	बोर्ड ऑफ सीनियर सेकेण्डरी एजुकेशन (बी.एस.एस.ई.), दिल्ली	www.bssedelhi.com
39.	रूरल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग, लक्ष्मी नगर, दिल्ली	
40.	नव भारत शिक्षा परिषद (एन.एस.पी.) इण्डिया	
41.	माध्यमिक शिक्षा परिषद ऑफ यू.पी. एण्ड दिल्ली	माध्यमिक शिक्षा परिषद इलाहाबाद (बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एजुकेशन, उ.प्र.) के साथ भ्रमित न हों।

क्र.सं.	बोर्ड का नाम	अभ्युक्ति
42.	स्वामी विवेकानन्द बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, दिल्ली	
43.	बोर्ड ऑफ एजुकेशन फॉर सीनियर सेकेण्डरी एण्ड टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली	
44.	बोर्ड ऑफ ओपन लर्निंग स्कूल, दिल्ली	
45.	बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एण्ड हायर सेकेण्डरी एजुकेशन, नई दिल्ली	
46.	उर्दू एजुकेशन बोर्ड, नई दिल्ली	
47.	जामिया उर्दू हिन्द, बेगूसराय, बिहार	
48.	उच्चतर माध्यमिक शिक्षा मंडल, दिल्ली	
49.	ऑल इण्डिया काउंसिल ऑफ ओपन स्कूलिंग (AICOS), विलेज एण्ड पी.ओ. बरूणहाट पी.एस. हसनाबाद, डिस्ट्रिक्ट–24 परगना (N) वेस्ट बंगाल	
50.	सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सीनियर सेकेण्डरी एजुकेशन	
51.	इण्टरमीडिएट काउंसिल ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन, सेवक पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059	
52.	दिल्ली एकेडेमिक काउंसिल फॉर हायर एजुकेशन	
53.	ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, नई दिल्ली	
54.	ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ नेशनल एजुकेशन, दिल्ली	
55.	सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	
56.	दिल्ली बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड सीनियर सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	
57.	रूलर डेवलपमेंट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेंकेडरी, दिल्ली	
58.	काउंसिल ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, फर्स्ट फ्लूर, तारा चंद काम्पलैक्स, रमेश मार्केट, ईस्ट ऑफ कैलाश, नियर सपना सिनेमा, दिल्ली–110065	
59.	काउंसिल ऑफ नेशनल सेकेंडरी एजुकेशन, त्रिपुरा	
60.	दिल्ली बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी ओपन एजुकेशन, दिल्ली	
61.	स्टेट बोर्ड ऑफ सेंकेडरी एजुकेशन, दिल्ली, के ब्लॉक, 1/30, सी.आर. पार्क, नई दिल्ली	
62.	स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	
63.	डॉ. भीमराव अम्बेडकर इंटरमीडिएट एजुकेशन, वेस्ट बंगाल	
64.	इंदिरा गांधी हायर सेकेंडरी एंड ओपन एजुकेशन, बदरपुर बॉर्डर, नई दिल्ली	
65.	सेंट्रल बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एक्जामिनेशन, दिल्ली	
66.	भारतीय काउंसिल ऑफ ओपन स्कूलिंग	
67.	अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली	
68.	ऑल इंडिया बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, गाजीपुर।	

क्र.सं.	बोर्ड का नाम	अभ्युक्ति
69.	सेंट्रल बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन, दिल्ली	
70.	काउंसिल ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड, मोहाली	
71.	राजकीय इंस्टिट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग, (आरआईओएसयूपी), 176 पुराना किला (नेहरु), (पीओ) जीपीओ, लखनऊ, उ.प्र.	
72.	सेंट्रल इंस्टिट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग (सीआईओएसयूपी), 176 पुराना किला (नेहरु) (पीओ) जीपीओ, लखनऊ, उ.प्र.	
73.	स्टेट काउंसिल ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	
74.	रवीन्द्र विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	
75.	इंटरमीडिएट काउंसिल ऑफ स्कूलिंग एजुकेशन, दिल्ली	
76.	दिल्ली बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन	
77.	इंडियन काउंसिल ऑफ सीनियर सेकेंडरी एजुकेशन, नई दिल्ली	
78.	काउंसिल ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	
79.	काउंसिल ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	
80.	डॉ. भीमराव इंटरमीडिएट एजुकेशन, दिल्ली	
81.	इंदिरा गांधी हायर सेकेंडरी एंड ओपन एजुकेशन, बदरपुर बार्डर, नई दिल्ली	
82.	इंडियन बोर्ड ऑफ हायर स्कूल सर्टिफिकेट एक्जामिनेशनस, राजस्थान	
83.	भारतीय शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश	
84.	द काउंसिल ऑफ बेसिक एंड टेक्निकल एजुकेशन, इंडिया	
85.	बोर्ड ऑफ ओपन डिस्टेंस लर्निंग, पश्चिम बंगाल	
86.	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्कूलिंग एजुकेशन, लखनउ, उत्तर प्रदेश	
87.	इंडियन बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, हावड़ा	
88.	बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, महाराष्ट्र, मल्कापुर	
89.	महात्मा गांधी बोर्ड ऑफ ओपन डिस्टेंस लर्निंग, (एमजीबीओडीएल), चेन्नई	
90.	ग्रामीण मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, (जीएमवीएसएस), दिल्ली	
91.	बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, हुबली (कर्नाटक)*	
92.	दिल्ली बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन	
93.	झारखंड स्टेट ओपन स्कूल, रांची	
94.	नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च एंड डेवलमेंट काउंसिल, नई दिल्ली	
95.	बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	
96.	सेंट्ल बोर्ड ऑफ ओपन स्कूल एजुकेशन, नई दिल्ली	
97.	सेकेंडरी एजुकेशन ऑफ भिवानी (हरियाणा)	
98.	राष्ट्रीय मुक्त जन शिक्षा परिषद्, चकदाहा	
99.	महात्मा गांधी सेकेंडरी एंड सीनियर सेकेंडरी एजुकेशन, दिल्ली	

क्र.सं.	बोर्ड का नाम	अभ्युक्ति
100.	माध्यमिक मुक्त जन शिक्षा परिषद्, दिल्ली	
101.	नॉर्थ ईस्ट नेशनल बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (एनईएनबीएसई) गुवाहाटी	
102.	अखिल भारतीय ओपन स्कूल, रोहतक	
103.	अखिल भारतीय राष्ट्रीय विद्यापीठ, कर्नाटक	
104.	कर्नाटक स्टेट काउंसिल ऑफ इंटरमीडिएट एंड हायर एजुकेशन, मैसूर	
105.	बोर्ड ऑफ स्कूलिंग, पैरामेडिकल एंड टेक्नीकल एजुकेशन, इंडिया	
106.	नेशनल बोर्ड ऑफ ओपन स्कूल, इंडिया, दिल्ली एनसीआर	
107.	उत्तर प्रदेश स्टेट ओपन स्कूल, जौनपुर/लखनऊ, यू.पी.	
108.	वेस्ट इंडियन काउंसिल ऑफ एजुकेशन, महाराष्ट्र	
109.	इंदिरा गांधी नेशनल ओपन स्कूल, मध्य प्रदेश	
110.	द काउंसिल ऑफ बेसिक एंड टेक्नीकल एजुकेशन, इंडिया	
111.	बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, कान्त, शाहजहांपुर, उ.प्र.	
112.	महाराष्ट्र बोर्ड ऑफ हायर सेकेंडरी एजुकेशन, महाराष्ट्र	
113.	हरियाणा काउंसिल ऑफ ओपन स्कूलिंग	
114.	त्रिपुरा ओपर बोर्ड ऑफ सेकेंडरी, एजुकेशन, अगरतला	
115.	झारखंड ऐकेडेमिक ओपन बणेर्ड, बोकारो	
116	मध्यांचल मुक्त विद्यालय, शिक्षण संस्थान, म.प्र.	
117.	ऑल इंडिया ओपन स्कूलिंग, दिल्ली	

* नवीनतम सूची के लिए www.ignou.ac.in भी देखें।

** मामला डिस्ट्रिक्ट जज, लखनऊ के विचाराधीन है।

स्वैच्छिक हिंदी संस्थानों की सूची

हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार और विकास के लिए स्वैच्छिक हिंदी संस्थानों और/अथवा सरकारी संस्थानों द्वारा आयोजित परीक्षाएँ इग्नू में शैक्षिक अध्ययन के लिए स्वीकार्य नहीं हैं; क्योंकि ये सेकेण्डरी बोर्ड/विश्वविद्यालयों की नियमित परीक्षाओं के समतुल्य नहीं हैं। ये परीक्षाएँ केवल सरकारी–सेवा में रोजगार के उद्देश्य के लिए ही स्वीकार्य हैं।

(हिंदी) परीक्षाओं की मान्यता का विवरण

पत्र रा. 9–1/98 डी–1 (भाषाएं)
दिनांक 5 मई, 1988

सं.	संस्था का नाम	मान्यता प्राप्त परीक्षा का नाम	बराबर की परीक्षा में हिंदी का निर्धारित स्तर	प्रेस विज्ञप्ति संख्या
1.	(हिंदी) साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद	1. प्रथमा 2. मध्यमा विशारद 3. उत्तमा (हिंदी साहित्य)	एस.एस.सी. बी.ए. बी.ए. (हिंदी आनर्स)	स्थाई मान्यता एफ.–7.50/69 एच. 1 18 फरवरी, 1970
2.	राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा	1. परिचय 2. कोविद 3. रत्न	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	– – –
3.	दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास	1. प्रवेशिका 2. विशारद 3. प्रवीण	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	– – –
4.	हिंदी विद्यापीठ, देवधर बिहार	1. प्रवेशिका 2. साहित्य भूषण 3. साहित्यालंकार	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	– – –
5.	महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पूना	1. प्रबोध 2. प्रवीण 3. पंडित	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	– – –
6.	हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद	1. विशारद 2. भूषण 3. विद्वान	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	– – –
7.	गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद	1. तीसरी 2. विनीत 3. सेवक	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	7–50/69 एच–1 18 फरवरी, 1970 स्थायी मान्यता
8.	बम्बई हिंदी विद्यापीठ, बम्बई	1. उत्तमा 2. भाषा रत्न 3. साहित्य–सुधाकर	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	वि.सं.एफ. 2/70 हिंदी 30–3/1 स्थायी मान्यता –
9.	असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी	1. प्रबोध 2. विशारद 3. प्रवीण	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	वि.सी. 7–1/73 हि. ता. 7 जुलाई, 1973 से स्थायी मान्यता –
10.	मणिपुर हिंदी परिषद्, इम्फाल	1. प्रबोध 2. विशारद 3. रत्न	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	– – –
11.	हिन्दुस्तानी प्रचार सभा, बम्बई	1. तीसरी 2. काबिल 3. विद्वान	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	वि.सी. 9–2/6 डी–1 हि. 13 अगस्त, 1976
12.	मैसूर हिंदी प्रचार परिषद्, बंगलौर	1. प्रदेश 2. उत्तमा	एस.एल.सी. इंटर	वि.सी. 9–2/6 डी–1 हि. स्थायी मान्यता

		3. रत्न	बी.ए.	17 नंबर, 76 से प.सं. 8–6/84 डी–1 ता. 10–12–86
13.	केरल हिंदी प्रचार सभा, त्रिवेन्द्रम	1. प्रदेश 2. भूषण 3. साहित्याचार्य	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	स्थायी मान्यता – प्रेस 9–6/84 डी. (भाषा) ता. 12 दिसंबर, 1986
14.	कर्नाटक हिंदी प्रचार समिति, बंगलोर	1. राजभाषा 2. राजभाषा प्रकाश 3. राजभाषा विद्वान	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	स्थायी मान्यता – प.सं. 9–6/84 डी.1 (भाषा) ता. 12 दिसंबर, 1986
15.	कर्नाटक महिला हिंदी सेवा समिति, बंगलोर	1. हिंदी उत्तमा 2. हिंदी भाषा भूषण 3. भाषा प्रवीण	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	स्थायी मान्यता – प.सं. 9–6/84 डी. (भाषा) ता. 12 दिसंबर, 1986
16.	उड़ीसा राष्ट्रभाषा परिषद्, पुरी	1. विनोद 2. प्रवीण 3. शास्त्री	एस.एल.सी. इंटर बी.ए.	स्थायी मान्यता – प.सं. 9–4/79 डी.1 (भाषा) ता. 26 जुलाई, 1979
17.	सौराष्ट्र हिंदी प्रचार समिति, राजकोट	1. तीसरी	एस.एल.सी.	स्थायी मान्यता प.सं. एफ. 9–6/84 डी. (भाषा) ता. 12 दिसंबर, 1986
18.	प्रथम महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद	1. विद्या विनोदिनी 2. विदुषी साधारण 3. सरस्वती	मैट्रिक इंटर बी.ए.	स्थाई मान्यता प.सं. 9–6/84 डी. (भाषा) ता. 12 दिसंबर, 1986
19.	मिजोरम हिंदी प्रचार सभा, आइजोल	1. प्रबोध 2. विशारद 3. प्रवीण	मैट्रिक इंटरमीडिएट बी.ए.	स्थायी मान्यता प.सं. 9–4/84 डी.1 (भा.), स्थाई मान्यता, ता. 12 अप्रैल, 1988
20.	मुंबई हिंदी सभा, दादर, मुंबई	1. हिंदी विबोध	मैट्रिक (हिंदी)	फा.सं. 3–20/2000 डी. ।। (एल) 30-8-2000 द्वारा स्थायी मान्यता
21.	बेलगांव विभागीय हिंदी सेवा शिक्षण समिति, हुबली कर्नाटक	राजभाषा प्रबोध	मैट्रिक (हिंदी)	फा.सं. 1–4/2003 हि.शि.स. दिनांक 25–5–2004 के द्वारा राजभाषा प्रबोध को जून, 2005 तक अस्थायी मान्यता
22.	हिंदी शिक्षा समिति, उड़ीसा, कटक	प्रवेशिका हिंदी अभिज्ञ स्नातक	मैट्रिक (हिंदी) इंटर (हिंदी) बी.ए. (हिंदी)	फा.सं. 1–4–2003 हि.शि.स. दिनांक 25–5–2004 के द्वारा प्रवेशिका तथा हिंदी अभिज्ञ को जून, 2002 से स्थायी मान्यता तथा स्नातक को जून, 2005 तक अस्थायी मान्यता
23.	हिंदी प्रचार–प्रसार संस्थान, जयपुर	1. हिंदी कोविद 2. हिंदी प्रवीण 3. हिंदी साहित्य रत्न	मैट्रिक (हिंदी) इंटरमीडिएट (हिंदी) बी.ए. (हिंदी)	फा.सं. 1–4/2003 हि.शि.स. दिनांक 25–5–2004 के द्वारा हिंदी कोविद तथा हिंदी प्रवीण को दिनांक 31–3–2000 से स्थायी मान्यता। हिंदी साहित्य रत्न को जून, 2005 तक अस्थायी मान्यता।

इनमें जिन संस्थाओं की परीक्षाओं की मान्यता दिनांक 24–11–2003 से पूर्व समाप्त हो गयी थी उन्हें दिनांक 25–11–2003 तक विद्यमान समझा जाय।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

प्रेस नोट

राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार और विकास की दिशा में स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इन संस्थाओं ने हिन्दीतर क्षेत्रों में हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के लिए काफी प्रयत्न किये हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में कुछ स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं द्वारा संचालित हिन्दी परीक्षाओं को भारत सरकार ने मान्यता प्रदान की है। ताकि लोगों को हिन्दी का ज्ञान हो सके और इसके माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकें। भारत सरकार ने हिन्दी शिक्षा समिति की सिफारिश और संघ लोक सेवा आयोग की सहमति से इन संस्थाओं द्वारा आयोजित कुछ परीक्षाओं को 1960 से मान्यता देना शुरू किया ताकि इन परीक्षाओं को पास करने पर उम्मीदवार उन सरकारी नौकरियों के लिए पात्र बने सकें, जिनके लिए हिन्दी की योग्यता भी जारी की गई है। इस विषय पर कई प्रेस विज्ञप्तियाँ भी जारी की गई हैं। समय–समय पर अस्थायी मान्यता की अवधि भी बढ़ाई जाती रही है। बाद में कुछ संस्थाओं की परीक्षाओं को स्थायी मान्यता दी गई है। यद्यपि अभी कुछ संस्थाओं को अस्थायी मान्यता दी गई है।

हिन्दी शिक्षा समिति भारत सरकार में एक स्थायी संस्था है। यह समिति हिन्दी के प्रचार, प्रसार और विकास के संबंध में भारत सरकार को समय–समय पर सलाह देती है और सिफारिशें करती है। इस समिति की सिफारिशों के आधार पर स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं की परीक्षाओं को मान्यता प्रदान की जाती है।

किसी भी स्वैच्छिक संस्था को चाहे वह स्वयं हिन्दी की परीक्षा आयोजित करती हो, या किसी भी मान्यताप्राप्त अन्य स्वैच्छिक हिन्दी संस्था के माध्यम से परीक्षा संचालित करती हो, मान्यता प्राप्त करने के लिए अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, 24, कोटला मार्ग, नई दिल्ली की मान्यता के लिए प्रस्ताव भेजना होता है। इस प्रस्ताव के आधार पर संस्था संघ परीक्षा की मान्यता संबंधी मानदण्डों और नियमों के अनुसार उस संस्था का निरीक्षण करती है और मान्यता के लिए मंत्रालय को अपनी सिफारिश भेजता है। इसके बाद मंत्रालय का अधीनस्थ कार्यालय केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय की एक निरीक्षण समिति स्वतंत्र रूप से उस संस्था का निरीक्षण करती है और अपनी रिपोर्ट हिन्दी शिक्षा समिति के विचार के लिए मंत्रालय को प्रस्तुत करती है।

कुछ समाचार पत्रों में परीक्षा शीर्षक के अधीन यह समाचार छपा होता है कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग (इलाहाबाद) की प्रथमा और मध्यमा परीक्षा को क्रमशः एस.एस.सी. और बी.ए. के समकक्ष मान्यता दी गई है। इस प्रकार के समाचार का स्पष्टीकरण इस मंत्रालय से समय–समय पर दिया जाता रहा है। कुछ वर्ष पहले उप शिक्षा मंत्री, श्री पी.के. थुंगन ने भी लोकसभा में स्थिति स्पष्ट की थी और बताया था कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन की वास्तविक स्थिति भिन्न है क्योंकि यह एक स्वैच्छिक संगठन है न कि विश्वविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय समझी जाने वाली संस्था। यह शिक्षा राज्य परीक्षा परिषद तथा विश्वविद्यालय के समान नहीं मानी जाती है। इसलिए इस संस्था द्वारा आयोजित इन परीक्षाओं को केन्द्र सरकार द्वारा हाई स्कूल, इंटरमीडिएट और बी.ए. के बराबर मान्यता नहीं दी गई है। इस संस्था को केवल हिन्दी विषय की परीक्षा को संचालित करने की मान्यता दी गई है, भले ही, यह हिन्दी के साथ–साथ अन्य विषयों को भी तैयार करती हो।

पुनः यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी पद के लिए निर्धारित किए गए हिन्दी स्तर के निर्धारण के प्रयोजन से हिन्दी साहित्य सम्मेलन की प्रथमा और मध्यमा परीक्षाओं को क्रमशः एस.एस.एल.सी. तथा बी.ए. के बराबर मान्यता दी गई है।

इसी प्रकार अन्य स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं द्वारा संचालित हिन्दी परीक्षाओं की मान्यता के बारे में भी कहा जा सकता है कि ये परीक्षाएँ न तो किसी राज्य परीक्षा परिषद् और न ही विश्वविद्यालय के समकक्ष मानी गई है। जहाँ तक सरकारी नौकरियाँ के लिए इन परीक्षाओं की मान्यता का प्रश्न है, इस सम्बन्ध में यह निश्चय किया गया है कि यदि सरकारी अथवा गैर सरकारी कार्यालय, अर्ध सरकारी संस्था या शैक्षिक संस्था में किसी पद के लिए हिन्दी की कोई विशेष योग्यता निर्धारित की गई है तो इन परीक्षाओं से प्राप्त की गई योग्यताधारी व्यक्ति इन पदों के पात्र हो सकते हैं। परन्तु हिन्दी की अलग से यदि कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है तो स्वैच्छिक हिन्दी संस्था से प्रमाणपत्र या डिग्री प्राप्त करने वाले व्यक्ति विश्वविद्यालय या राज्य परीक्षा परिषदों के प्रमाणपत्र या डिग्री की समकक्षता का दावा नहीं कर सकते हैं।

अतः उपर्युक्त विवरण के आधार पर, संक्षेप में पुनः स्पष्ट किया जाता है कि स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं की मान्यता केवल संलग्न सूची में दर्शायी गई समकक्ष परीक्षा के लिए निर्धारित हिन्दी स्तर तक ही सीमित है और इसे पूर्ण प्रमाण–पत्र या डिग्री परीक्षा के बराबर नहीं माना जाएगा। आम जानकारी के लिए संस्थावार मान्यताओं का विवरण संलग्न है।

शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
पत्र सं. एफ. 9–1/88–डी–1 (भाषा)
5 मई 1988

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न विरोधी इग्नू की पॉलिसी

सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शन का अनुपालन करते हुए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम/निषेध/सजा के लिए पॉलिसी अपनाई है। यह पॉलिसी विश्वविद्यालय के शिक्षकों/गैर-शैक्षिक अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों पर लागू होती है।

इस पॉलिसी, इससे संबंधित नियमों तथा कार्यविधियों की समस्त जानकारी इग्नू की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यौन उत्पीड़न संबंधी किसी भी घटना की रिपोर्ट, यदि आप क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध हैं तो क्षेत्रीय केंद्र निदेशक के पास, अन्यथा नीचे उल्लिखित व्यक्तियों में से किसी के भी पास दर्ज कराई जा सकती है :

यौन उत्पीड़न के खिलाफ सर्वोच्च समिति (ACASH)		
1. यौन उत्पीड़न के खिलाफ क्षेत्रीय सेवा प्रभाग समिति (RSDCASH)		
डॉ. हेमा पंत, उप-निदेशक, आर.एस.डी., अध्यक्ष	011-29572404	drhemapant@ignou.ac.in
श्रेणी : शैक्षिक स्टाफ सदस्य डॉ. विजय लक्ष्मी मिश्रा डॉ. मोनी सहाय, सहायक निदेशक, आर.एस.डी.	 011-29571998 011-29572403	 bijayalakshmi@ignou.ac.in monisahay@ignou.ac.in
श्रेणी : गैर-शैक्षिक स्टाफ सदस्य सुश्री जैंसी श्रीनिवास, निजी सचिव (कुलसचिव, प्रशासन) सुश्री अजरा अरशद, सचिव केंद्र (पुरानी आर.एस.डी.सी.सी.ए.एस.एच. से लिए गए सदस्य)	 011 29571401	 jancys@ignou.ac.in
श्रेणी : बाह्य-सहयोजित महिला सदस्य डॉ. राधिका मेनन, सहायक प्रोफेसर मांडा सुंदरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय		
2. यौन उत्पीड़न के खिलाफ इग्नू की समिति (ICASH)		
प्रो. मधु परहार, स्ट्राइड, अध्यक्ष	011-29572626	mparhar@ignou.ac.in
श्रेणी : शैक्षिक स्टाफ-3, सदस्य प्रो. नीति अग्रवाल, एस.ओ.एम.एस. डॉ. परमिता शुक्लवैद्य, सहायक प्रोफेसर, एस.ओ.टी.एच.एस.एम. डॉ. स्वाती वैद्य, एसोसिएट प्रोफेसर, एस.ओ.आई.डी.एस.	 011-29573020 011 29571755 011-29573377	 neeti@ignou.ac.in parmitas@ignou.ac.in svaidya@ignou.ac.in
श्रेणी : गैर-शैक्षिक स्टाफ सदस्य सुश्री अनिता ढल, सहायक निदेशक, एस.आर.डी. सुश्री रजनी गुप्ता, अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) सुश्री विद्या आनंद, निजी सचिव (एस.ओ.एच.एस.)	 011-29571309 011 29571422 011-29572802	 anitadhall@ignou.ac.in rajnigupta@ignou.ac.in vidyaanand@ignou.ac.in
श्रेणी : समिति सदस्य डॉ. गुरमीत कौर, सहायक प्रोफेसर, एस.ओ.एल. (पुरानी समिति से लिया गया सदस्य) (शैक्षिक संस्तुत) श्री पी.टी. रवींद्रन, उप कुलसचिव (वित्त प्रभाग) (पुरानी समिति से लिया गया सदस्य (शैक्षिक संस्तुत)	 011-29572984 011-29571211	 gurmeetkaur@ignou.ac.in ptravindran@ignou.ac.in
श्रेणी : विद्यार्थी सदस्य सुश्री भावना सरोहा, पी-एच.डी. (हिंदी) **श्रेणी : बाह्य-सहयोजित महिला सदस्य**		
डॉ. नीरजा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर (इतिहास) सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. बानी बोरा, (एस.ए.डी.आर.ए.डी.) सोशल एंड डेवलपमेंट रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप नोएडा, उत्तर प्रदेश		
यौन उत्पीड़न के खिलाफ सर्वोच्च समिति (ACASH) प्रो. अनू अनेजा, एस.ओ.जी.डी.एस., अध्यक्ष	 011-29571600	 annaneja@ignou.ac.in
श्रेणी : शैक्षिक सदस्य डॉ. पेमा ईडेन समदुप, एसोसिएट प्रोफेसर, (एस.ओ.एच.)	 011 29572770	 psamdeup@ignou.ac.in
श्रेणी : गैर-शैक्षिक सदस्य श्री ललिता शर्मा, सहायक कुलसचिव, (ए.सी.डी.)	 011-29571825	 lalitasharma@ignou.ac.in
श्रेणी : बाह्य-सहयोजित महिला सदस्य सुश्री हर्षिता रघुवंश, वकील, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय प्रो. जनिका दत्त, लेडी इर्विन कॉलेज (पुरानी समिति से लिया गया सदस्य) (शैक्षिक संस्तुत)		
क्षेत्रीय केंद्र के लिए आर.एस.डी.सी.ए.एस.एच.		
आर.एस.डी.सी.ए.एस.एच. के सदस्य प्रत्येक क्षेत्रीय केंद्र के लिए आर.सी.सी.सी.ए.एस.एच. के नामों का पैनल संस्तुत करेंगे और उनको नामांकित कुलपति करेंगे।		

कृपया ध्यान दें :

1. अगले पृष्ठों में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र हैं।
2. फॉर्म भरने से पहले सुनिश्चित कर लें कि आपने अनुभाग और फॉर्म भरने संबंधी अनुदेश बहुत सावधानीपूर्वक पढ़ लिए हैं। कृपया ध्यान दें कि आवेदनपत्र जमा करने के बाद श्रेणी में परिवर्तन नहीं किया जाएगा।
3. याद रखें कि गलत प्रविष्टियाँ भरने से आवेदन फॉर्म अस्वीकृत किया जा सकता है।
4. विवरणिका का इलेक्ट्रॉनिक रूप इंटरनेट : http://www.ignou.ac.in पर भी उपलब्ध है।

13. आवेदन पत्र : अनुदेश और कोड

कृपया फॉर्म भरें और इसे सभी अनुप्रमाणित प्रमाणपत्रों के साथ समाचारपत्र और इग्नू की वेबसाइट में प्रकाशित निर्धारित तारीख के भीतर व्यक्तिगत रूप से या डाक से अपने क्षेत्रीय केंद्र में जमा करें।

आवेदन पत्र भरने के लिए दिशा.निर्देश

आवेदन पत्र भरने के लिए कुछ निर्देश नीचे दिए गए हैं :

1. कार्यक्रम के नाम के लिए विवरणिका का पृष्ठ 18–167 देखें।
2. कार्यक्रम कोड के लिए इस विवरणिका के पृष्ठ 18–168 देखें।
3. कृपया चुने गए शिक्षा के माध्यम के लिए दिए गए बॉक्स में संबंधित कोड भरें। उदाहरण के लिए, अगर आप हिंदी माध्यम चुनते हैं तो B2 लिखें जैसा कि नीचे दिखाया गया है :

B	2

4. क्षेत्रीय केन्द्रों के कोड पृष्ठ 189 से 200 पर दिए गए हैं। जहाँ आपका अध्ययन केंद्र है, उससे संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र का कोड लिखें। अध्ययन केन्द्रों की सूची अलग से प्रदान की गई है।
5. अध्ययन केंद्रों के कोड के लिए कृपया सामान्य विवरणिका की अनुपूरिका (सप्लीमेंट्री) देखें।
6. राज्य कोड के लिए पृष्ठ सं 201 देखें।
7. (क) एवं (ख) अगर आप पहले से इग्नू में पंजीकृत हैं या इग्नू से कोई कार्यक्रम किया है, तो कृपया बॉक्सों में संबंधित कोड लिखें। यदि A1 है तो नामांकन सं. और कार्यक्रम कोड लिखें। एम.कॉम, एमसीए, एमएजीडी कार्यक्रमों में पार्श्विक प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए यह फील्ड अनिवार्य है।
8. यदि आपका नाम वीरेन्द्र कुमार हसीजा (VIRENDRA KUMAR HASIJA) है, तो दिए गए बाक्स में निम्न प्रकार लिखें :

वी	रे	न्द्र		कु	मा	र		ह	सी	जा

V	I	R	E	N	D	R	A		K	U	M	A	R		H	A	S	I	J	A

कृपया ध्यान दें : अभ्यर्थी का नाम हाई स्कूल / +2 सर्टिफिकेट के अनुसार लिखा जाना चाहिए। यदि हाई स्कूल / +2 सर्टिफिकेट में उल्लिखित नाम के अलावा नाम लिखा जाता है तो आवेदन-पत्र के साथ कानूनी प्रमाण साथ लगा होना चाहिए।

9. कृपया अपने पिता / पति / अभिभावक का नाम लिखें। यदि नाम केदार नाथ हसीजा है, तो निम्न प्रकार लिखें:

पु	त्र	श्री		के	दा	र	ना	थ		ह	सी	जा

10. जहाँ आप अपनी अध्ययन-सामग्री और अन्य पत्र आदि प्राप्त करना चाहते हैं, वहाँ का पत्र-व्यवहार का पता लिखिए। पते के तौर पर पोस्ट बॉक्स नं. मत दीजिए। पते की प्रत्येक इकाई के बीच एक खाना (बाक्स) छोड़िए जैसे मकान नं., स्ट्रीट नं., डाकघर आदि। विद्यार्थी द्वारा दिया गया पता भारत के भीतर का ही होना चाहिए अन्यथा पंजीकरण अवैध होगा। विदेशी विद्यार्थियों के लिए, कृपया पृष्ठ सं. 163 भाग 6.24 और 6.25 देखिए।

11 मोबाइल नं., ई-मेल का पता एवं आधार कार्ड संख्या लिखिए **(मोबाइल न0 और ई–मेल का पता दोनों अनिवार्य है।)**

12. कृपया तारीख / माह / वर्ष आदि लिखने के नियम अपनाएँ अर्थात् 5 जून 1976 को निम्न प्रकार लिखा जाए

0	5		0	6		1	9	7	6

13. 13 से 22 के लिए उपयुक्त बॉक्स में संबंधित कोड लिखें। उदाहरण के लिए, यदि आप पुरुष हैं तो (A1) लिखें। महिला के लिए (B2) और (C3) उन लोगों के लिए हैं जो अपना लिंग नहीं बताना चाहते (जैसे कि ट्रांसजेंडर आदि)। कृपया कैटेगरी कोड को ध्यान से भरें। बाद में कैटेगरी कोड में परिवर्तन पर विचार नहीं किया जाएगा। **सभी मदें अनिवार्य हैं।**

23. यदि आपको कोई स्कालरशिप (छात्रवृत्ति) मिली हो तो उसका ब्यौरा दीजिए।

24. (क) और (ख) के लिए बाक्स में संबंधित कोड लिखिए। यदि यह A1 है तो कॉलम 21(ख) भी भरिए। (पुष्टि के लिए दस्तावेज भी लगाइए)।

25. ध्यान दें कि :

    (क) शैक्षिक योग्यता कोड 3 अंकों अर्थात 000, 001, 002, 003, 004, 005, 006, 007, 008, 009 और 010 है। आपको केवल उच्चतम योग्यता का कोड लिखना है, जिसे पृष्ठ सं. 201 पर देखा जा सकता है।

    (ख) संक्षिप्त अक्षरों में अपने मुख्य विषय लिखें।

    (ग) उत्तीर्ण करने का वर्ष भरें।

(घ) श्रेणी–01, 02 अथवा 03 लिखें। यदि आपने उपर्युक्त तीनों श्रेणियों के बिना परीक्षा सामान्य रूप से उत्तीर्ण की है तो 04 लिखें।

(च) अपनी उच्चतम शैक्षिक योग्यता में प्राप्त कुल प्रतिशत लिखें और फार्म भरते समय इसे नजदीकी संख्या (अर्थात 61.3 को 61 और 65.7 को 66) लिखें।

(छ) पृष्ठ सं. 202 पर दी गई सूची से बोर्ड का कोड भरें।

26. शुल्क के विवरण के लिए, इस विवरणिका के पृष्ठ सं. 18 से 167 देखें और इग्नू के पक्ष में अपने क्षेत्रीय केंद्र स्थित शहर के नाम देय ड्राफ्ट बनाएँ और उपयुक्त कॉलमों को भरें। पी.जी.डी.एच.एच.एम, पी.जी.डी.जी.एम, पी.जी.डी.एम.सी.एच., डी.एन.ए., एम.एससी. एम.ए.सी.एस., एम.ए. (एडु.), के लिए केवल 400/– रु. पंजीकरण शुल्क का भुगतान करना है। यदि आप देर से फार्म जमा करा रहे हैं, तो कृपया रु. 500/– का विलंब शुल्क भी डी.डी. की राशि के साथ जमा कराएं।

27. एमएससीडीएफएसएम के लिए, सीएफएन का चयन करने हेतु 1100/– रु. अथवा सीएनसीसी का चयन करने के लिए 1500/– रु. अतिरिक्त जोड़ें। कृपया ब्यौरा देखें। यदि आपने सीएफएन भरा है, तो कॉलम में A1 और CNCC के लिए बी2 लिखें। पृष्ठ सं. 143 (भाग 5.38 और 5.39)। एमटीटीएम के लिए आपको अपनी श्रेणी के लिए ए1 अथवा बी 2 लिखना है। स्पष्टीकरण के लिए पृष्ठ सं. 23 (भाग 2.5) पर ब्यौरा देखें। डी.वी.ए.पी.एफ.वी., डी.पी.वी.सी.पी.ओ., डी.एम.टी., डी.डी.टी. के लिए जो विद्यार्थी इसके साथ बी.पी.पी. में भी एक साथ प्रवेश ले रहे हैं, वे बी.पी.पी. का अपना विकल्प भी भरें। बी.पी.पी. के लिए आपको तीन पाठ्यक्रमों अर्थात ओ.एम.टी.101, ओ.एस.एस.101 और पी.सी.ओ.1 में से केवल दो पाठ्यक्रम चुनने हैं। पाठ्यक्रम शीर्षक के लिए पृष्ठ सं. 54 अनुभाग 3.4 देखें।

28. उचित खाने में संबंधित कोड लिखिए। बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी. के लिए कृपया पृष्ठ संख्या 55, 65, 67 देखिए। बी.एस.डब्लू के लिए कृपया अनुलग्नक 1(क) देखिए। एम.ए. (शिक्षा) के लिए कृपया अनुलग्नक 1(ख) देखिए। एम.एल.आई.एस. के लिए अनुलग्नक 1(ग) देखिए। एम.ए.पी.वाई. के लिए अनुलग्नक 1(घ) देखिए। यदि आप एमसीए के लिए आवेदन कर रहे हैं और 10+2 स्तर पर आपने गणित नहीं पढ़ी है, तो बॉक्स में बी.एससी. 12 के सामने संगत कोड भरें और डिमांड ड्राफ्ट में कार्यक्रम शुल्क के लिए 1400/– रु. अतिरिक्त जोड़ें। यदि आपने 10+2 स्तर अथवा स्नातक स्तर पर गणित पढ़ी है तो आपको अन्य प्रमाणपत्र के साथ अंकसूची की प्रति संलग्न करनी है; पृष्ठ सं.18 अनुभाग 2.1 देखें। पी.जी.डी.बी.पी./सी.ए.एफ.ई./डी.ए.क्यू. के लिए अनुलग्नक 1(च) देखिए। पी.जी.डी.डी.एम./ पी.जी.डी.ई.एम.ए./ पी.जी.डी.यू.पी.पी.एल./पी.जी.डी.आर.डी. के लिए कृपया अनुलग्नक 1(छ) देखिए।

जाँच सूची

संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भरा हुआ फॉर्म भेजने से पहले कृपया जाँच कर लें कि आपने 'स्व–प्रमाणित':

क) i) अपना फोटो चिपका लिया है,

ii) अपनी शैक्षिक योग्यताओं की पुष्टि के लिए प्रमाणपत्र अर्थात सेमेस्टरवार/वर्षवार अंक तालिका और अनंतिम/उपाधि प्रमाणपत्र। इसके अलावा यदि आप एम.सी.ए. के लिए आवेदन पत्र कर रहे हैं और 10+2/स्नातक स्तर पर गणित पढ़ चुके हैं, तो साक्ष्य के लिए अंक तालिका संलग्न करें।

iii) अनुभव प्रमाणपत्र, जहाँ आवश्यक हो।

iv) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/शारीरिक रूप से विकलांग/अन्य पिछड़ा वर्ग (असम्पन्न वर्ग) अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए श्रेणी प्रमाणपत्र, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग।

v) आयु प्रमाणपत्र, जहाँ आवश्यक हो।

vi) चिपकाई गई फोटो सहित यथाविधि भरा हुआ विद्यार्थी कार्ड

vii) 6 रुपए का डाक टिकट लगा पावती कार्ड।

viii) पासपोर्ट की प्रति (अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी के लिए)

ix) वीजा की प्रति (अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी के लिए)

x) भारत में स्थित संबंधित दूतावास से अनापत्ति प्रमाणपत्र (अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी के लिए)

xi) भारत में उम्मीदवार के रहने का प्रमाण (अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी के लिए)

xii) प्रमाणपत्र के अंग्रेजी/हिंदी भाषा को छोड़कर अन्य भाषा में होने पर शैक्षिक योग्यता की अनूदित प्रति संबंधित दूतावास से प्रमाणित करवाकर (अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी के लिए)।

ख) प्रथम वर्ष/सेमेस्टर के कार्यक्रम शुल्क के लिए बैंक द्वारा जारी पे आर्डर/डिमांड ड्राफ्ट संलग्न कर दिया है और डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर के पीछे अपना नाम, कार्यक्रम का कोड और आवेदन पत्र संख्या लिख दिया है।

ग) गरीबी की रेखा के नीचे के विद्यार्थियों के मामले में दस्तावेजी प्रमाण (बीपीएल राशन कार्ड की फोटोकॉपी) संलग्न करें।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068
आवेदन पत्र

केवल संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर ही जमा करें

1. कृपया आवेदन पत्र भरने से पहले निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।
2. कृपया खानों में काली/नीली स्याही वाले बाल प्वाइंट पेन से लिखें।
3. कृपया नीचे दिए उदाहरण के अनुसार खानों में लिखें और अक्षरों के बीच स्थान छोड़ें।

आवेदन पत्र सं.

नामांकन सं. (कार्यालय प्रयोग हेतु)

कु	गा	रो		रे	श	मी		आ	चा	र्य	जी		भ	ट	ना	ग	र	जी	रा	ह	ब		X	Y	Z	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0

1. आवेदित पाठ्यक्रम का नाम:
2. कार्यक्रम का कोड:
3. शिक्षा का माध्यम: (कोड को बॉक्स में लिखें) A1 अंग्रेजी, B2 हिंदी, C3 अन्य स्पष्ट करें
4. क्षेत्रीय केन्द्र का कोड:
5. अध्ययन केन्द्र कोड:
6. राज्य कोड:
7. क) क्या आप पहले से ही इग्नू में पंजीकृत हैं, (कृपया बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 हाँ, B2 नहीं — यदि हाँ, तो कार्यक्रम का कोड लिखें — नामांकन सं:
8. आवेदक का नाम (कृपया नाम से संबंधित निर्देश देखें) (हिन्दी में): (अंग्रेजी में):
9. पिता/पति का नाम — पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती (कृपया पिता/माता के नाम के लिए पुत्र/पुत्री/श्री/श्रीमती और पति के नाम के लिए पत्नी श्री लिखें)

फोटोग्राफ

कृपया अपना स्व–प्रमाणित 4 x 5 सेमी का पासपोर्ट के आकार का नवीनतम फोटो चिपकाएँ

आवेदक के हस्ताक्षर

10. पत्राचार का पता (कृपया पो.बा. सं. न दें। स्पष्ट शब्दों में लिखें और दो शब्दों के बीच स्थान छोड़ें):
क) मकान सं. ख) गली का नाम
ग) मोहल्ला
घ) तहसील/जिला
च) शहर छ) पिन कोड:
ज) राज्य
11. संपर्क का विवरण : क) मोबाइल नं. ख) ई–मेल :
(ग) आधार सं.

12. जन्मतिथि : दिनांक माह वर्ष

13. राष्ट्रीयता : A1 भारतीय, B2 अन्य — कृपया स्पष्ट करें

14. लिंग : (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 पुरुष, B2 महिला, C3 अन्य

15. श्रेणी : (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें)) A1 सामान्य, B2 अ.जा., C3 अ.ज.जा., D4A अपिव (सांपन्न), D4B अपिव (असंपन्न), D5 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस)

16. क्षेत्र (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें)) A1 शहरी, B2 ग्रामीण, C3 जनजाति

17. वैवाहिक स्थिति : (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 विवाहित, B2 अविवाहित

18. धर्म (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें)) A1 हिंदू, B2 मुस्लिम, C3 ईसाई, D4 सिख, E5 जैन, F6 बौद्ध, G7 पारसी, H8 यहूदी, I9 अन्य

19. क्या अल्पसंख्यक हैं (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें)) A1 हाँ, B2 नहीं

20. सामाजिक स्थिति : (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 पूर्व सैनिक, B2 युद्ध विधवा, C3 लागू नहीं

21. क्या काश्मीरी प्रवासी हैं : (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 हाँ, B2 नहीं

22. रोजगार की स्थिति: (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें)) A1 बेरोजगार, B2 इग्नू कर्मचारी, C3 रोजगारशुदा, D4 केंद्रीय कर्मचारी

23. यदि कोई छात्रवृत्ति प्राप्त की जा रही है तो उसका विवरण :
क) वार्षिक छात्रवृत्ति की राशि : रु.
ख) छात्रवृत्तिदाता विभाग A1 सरकारी, B2 अन्य
ग) पारिवारिक आय (वार्षिक) रु.
घ) गरीबी की रेखा से नीचे A1 हाँ, B2 नहीं
च) जेल के कैदी A1 हाँ, B2 नहीं

24. क) क्या आप विकलांग हैं: (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 हाँ, B2 नहीं
ख) यदि हां, तो कृपया विकलांगता का विवरण दें: (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें, यदि E5 है, तो संबंधित बॉक्स में रही का विवरण दें) A1 बोलने और सुनने की विकलांगता, B2 लोकोमोटर विकलांगता, C3 दृष्टि विकलांगता, D4 कम दृष्टि, E5 कोई अन्य, कृपया स्पष्ट करें
- लेप्रॉसी क्योर्ड
- मानसिक मंदता
- मानसिक अस्वस्थता

25. प्रासंगिक शैक्षिक योग्यताएं (जो आपको कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए योग्य बनाती हैं):

क) शैक्षिक योग्यता	ख) मुख्य विषय :	ग) उत्तीर्ण करने का वर्ष	घ) श्रेणी :	च) अंकों का प्रतिशत दशमलव के बिना	छ) बोर्ड/विश्वविद्यालय कोड अपेक्षित होने पर
कोड	1. ..... 2. ..... 3. ..... 4.	(वर्ष के अंतिम दो अंक)	01, 02, 03 या 04 उत्तीर्ण के लिए		

26. दिए गए शुल्क का विवरण :

क) भुगतान का माध्यम : (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 नकद चालान B2 डिमांड ड्राफ्ट

ख) राशि : रू. विलम्ब शुल्क के लिए 300रू. और जोड़ें

ग) डीडी/चालान सं.

घ) डीडी/चालान की तारीख

च) बैंक का नाम :

27. साथ-साथ लिए गए कार्यक्रम/पाठ्यक्रम विकल्प : (एमएससीडीएफएस/एमटीएम/डीडीटी/डीएमटी/डीपीवीसीपीओ/डीएफपीटी/डीडब्ल्यूएम/डीपीटीएपीएफवी के आवेदक)

एमएससीडीएफएसएम के आवेदक (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें)	एमटीटीएम के आवेदक (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें)।	डीडीटी/डीएमटी/डीपीवीसीपीओ/डीएफपीटी/डीडब्ल्यूएम/डीपीवीएपीएफवी के आवेदक :
A1 सीएनएन B2 सीएनसी	A1 श्रेणी 1 B2 श्रेणी 2	डीपीपी के इच्छुक(यदि हां, तो डीपीपी के अंतर्गत वैकल्पिक कार्य लें) (बॉक्स में संबंधित कोड लिखें) A1 हां B2 नहीं

सीबीसीएस अधारित स्नातक उपाधि कार्यक्रम बीए/बीकॉम/बीएससी के लिए पृष्ठ संख्या 55, 65, 67 देखें।

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम संख्या	कोर पाठ्यक्रम (सीसी)	विषय विनिर्दिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (डीएसई)	योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) पीईजीएई-181	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)	जेनेरिक/अंतर विषयक ऐच्छिक (जीई/आईडीसी)
I	पाठ्यक्रम-1					
	पाठ्यक्रम-2					
	पाठ्यक्रम-3					
II	पाठ्यक्रम-1					
	पाठ्यक्रम-2					
	पाठ्यक्रम-3					

बीपीपी के आवेदक : (✓ कोई दो पाठ्यक्रम) **बीएसडब्ल्यू**: कृपया पाठ्यक्रम चुनने के लिए अनुलग्नक 1(क) देखें।

ओएमटी101
ओएसएस101
पीरीओ1

8 क्रेडिट के आधार पाठ्यक्रम
क) बीईजीएफ1 या एफएवडी2
ख) अनुलग्नक 1(ङ) की सूची से कोई एक पाठ्यक्रम

16 क्रेडिट के ऐच्छिक पाठ्यक्रम (बीएसडब्ल्यू के लिए कोई विकल्प नहीं)

एमए (एडु) आवेदक : इनमें से कोई एक: A1/A2 A3/A4/A5 (विवरण अनुलग्नक 1(ख) में दिया गया है)

एमएलआईएस आवेदक : अनुलग्नक 1(ग) से कोई दो पाठ्यक्रम

एमएपीवाई आवेदक : अनुलग्नक 1(घ) से कोई छह पाठ्यक्रम

एमसीए आवेदक : (✓बीसीएस12 के चयन हेतु) गैर गणित के लिए

पीजीडीबीपी/सीएएफई/डीएवयू आवेदक : अनुलग्नक (ब) से कोई दो पाठ्यक्रम

पीजीडीडीएम/पीजीडीईएमए/पीजीडीयूपीडीएल/पीजीडीआरडी आवेदक : अनुलग्नक (छ)

डीटीएस आवेदक : (एक समूह से कोई दो पाठ्यक्रम : टीएस4 और पीटीएस4 अथवा टीएस5 और पीटीएस5 अथवा टीएस6 और पीटीएस6 से कोई दो पाठ्यक्रम)

डीसीई आवेदक : डीसीई2/डीसीई3 डीसीई4/डीसीई5/ से कोई तीन पाठ्यक्रम

सीएचसीडब्ल्यूएम आवेदक
अनुलग्नक 1 (ज) से कोई 2 पाठ्यक्रम

29. घोषणा और वचनबद्धता

मैं घोषणा करता/ती हूँ कि मैं जिस कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाहता/ती हूँ मैंने उसकी पात्रता की शर्तों को पढ़ और समझ लिया है। मेरे अधिकतम ज्ञान और विश्वास से, मैं न्यूनतम पात्रता के मानदंड पूरा करता/ती हूँ और तदनुसार मैंने आवश्यक सूचना और प्रासंगिक स्व-प्रमाणित दस्तावेज इस आवेदनपत्र के साथ संलग्न कर दिए हैं। मैं यह भी घोषणा करता/ती हूँ कि मैंने किसी भी सूचना को न तो छुपाया है और न ही विकृत किया है और किसी भी सूचना अथवा स्व-प्रमाणित दस्तावेजों के असत्य, गलत अथवा भ्रामक पाए जाने पर विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी समय मेरी सदस्यता रद्द की जा सकती है और मेरे द्वारा जमा कराए गए शुल्क सहित किसी भी प्रकार का दावा नहीं करूँगा/गी और मेरे द्वारा प्रयुक्त सभी लाभों को तत्काल वापस लिया जा सकेगा। मैं घोषणा करता/ती हूँ के मैंने विवरणिका में मुद्रित विश्वविद्यालय के नियमों को पढ़ लिया है और उन्हें पूर्ण रूप से स्वीकार कर लिया है और मैं इस पर कोई भी विवाद उत्पन्न नहीं करूँगा/गी। मैं समझ गया/ई हूँ कि पूर्व सूचना के बिना भी विश्वविद्यालय किसी भी नियम में संशोधन कर सकता है और मैं उनका पालन करूँगा/गी।

स्थान: .....
दिनांक : .....

आवेदक के हस्ताक्षर

(केवल कार्यालय प्रयोग के लिए)

प्रवेश दिया गया	प्रवेश नहीं दिया गया

प्रवेश न देने का कारण .....

क्षेत्रीय केंद्र के प्रवेश प्रभारी के तारीख सहित हस्ताक्षर

अनुलग्नक I (क)

बी.एस.डब्ल्यू. के लिए (वैकल्पिक पाठ्यक्रम)

(नीचे दी गई सूची में से आधुनिक भारतीय भाषा)

एफ.ए.एस.1	असमिया	4
एफ.बी.जी.1	बांग्ला	4
एफ.ई.जी.2	अंग्रेजी	4
एफ.जी.टी.1	गुजराती	4
बी.एच.डी.एफ.101	हिन्दी	4
एफ.के.डी.1	कन्नड़	4
एफ.एम.एल.1	मलयालम	4
एफ.एम.टी.1	मराठी	4
एफ.ओ.आर.1	उड़िया	4
एफ.पी.बी.1	पंजाबी	4
एफ.टी.एम.1	तमिल	4
एफ.टी.जी.1	तेलुगु	4
एफ.यू.डी.1	उर्दू	4
***बीएसकेएफ1**	**संस्कृत**	4
***बीबीएचएफ1**	**भोजपुरी**	4
***बीएमएएफ1**	**मैथिली**	4

बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम

आधुनिक भारतीय भाषाओं के लिए अनुलग्नक 1(क) की जाँच करें।

**स्व–शिक्षण सामग्री केवल उर्दू भाषा में उपलब्ध होगी।

अनुलग्नक I (ख)

एमएईडीयू कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई एक धारा चुनें)

ए 1	ए 2	ए 3	ए 4	ए 5
एमईएस101 (6)	एमईएस111 (6)	एमईएस31 (6)	एमईएस41 (6)	एमएई1 (6)
एमईएस102 (6)	एमईएस112 (6)	एमईएस32 (6)	एमईएस42 (6)	एमएई2 (6)
एमईएस103 (6)	एमईएस113 (6)	एमईएस33 (6)	एमईएस43 (6)	एमएई3 (6)
एमईएस104 (6)	एमईएस114 (6)	एमईएस34 (6)	एमईएस44 (6)	एमएई4 (6)
	एमईएस115 (6)			

टिप्पणी : यदि उम्मीदवार ने उपर्युक्त विशेषज्ञता के किसी भी क्षेत्र में डिप्लोमा अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पहले ही अर्जित कर लिया है, तो उम्मीदवार को विशेषज्ञता के शेष क्षेत्रों में से एक विशेषज्ञता के क्षेत्र का चयन करना है।

अनुलग्नक I (ग)

एमएलआईएस ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 2 पाठ्यक्रम चुनें)

एमएलआईई101	एमएलआईई102	एमएलआईई103	एमएलआईई104	एमएलआईई105	एमएलआईई106

अनुलग्नक I (घ)

एमएपीवाई कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 6 पाठ्यक्रम चुनिए)

एमपीवाईई 1	एमपीवाईई 2	एमपीवाईई 3	एमपीवाईई 4	एमपीवाईई 5	एमपीवाईई 6
एमपीवाईई 7	एमजीपी 5				

अनुलग्नक I (च)

i ht hMrchh dk, Øe ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 2 पाठ्यक्रम चुनिए)

एमबीपी5 (4)	एमबीपी6 (4)	एमबीपी7 (4)

सीएएफई कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 2 पाठ्यक्रम चुनिए)

बीएफईई101 (4)	बीएफईई102 (4)	बीएफईई103 (4)	बीएफईई104 (4)

डीएक्यू कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 2 पाठ्यक्रम/1 स्ट्रीम चुनिए)

स्ट्रीम I

बीएक्यू 2 (8)	बीएक्यूएल1 (6)
सिद्धांत	प्रयोगशाला

स्ट्रीम II

बीएक्यू3 (8)	बीएक्यूएल2
सिद्धांत	प्रयोगशाला

अनुलग्नक I (छ)

पीजीडीडीएम कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 1 पाठ्यक्रम चुनिए)

एमईडी 4 (4)	एमपीएपी 1 (4)

पीजीडीईएमए कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 1 पाठ्यक्रम चुनिए)

एमईए45 (4)	एमईएस 46 (4)	एमईएस 47 (4)	एमईएस 48 (4)

पीजीडीआरडी कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 1 पाठ्यक्रम चुनिए)

एमआरडीई101 (6)	आरडीडी6 (6)	आरडीडी7 (6)

पीजीडीयूपीडीएल कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(ब्यौरे कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए हैं)**

(कोई 1 पाठ्यक्रम चुनिए)

एमईडीएसपी45 (8)	एमईडीएसई 46 (8)

अनुलग्नक I(ज)

सी.एव.सी.डब्ल्यू.एम.कार्यक्रम ऐच्छिक पाठ्यक्रम

(विवरण पाठ्यक्रम के अंतर्गत किन्हीं दो पाठ्यक्रमों का चयन कीजिए)

बीएचएमई 101	बीएचएमई102	बीएचएमई103	बीएचएमई104	बीएचएमई105	बीएचएमई106	बीएचएमपी101	बीएचएमएल101

अनुलग्नक I

Hkkjr ljdkj

¼iek.ki= tkjhdrk ikf/kdkjh dk uke vk irk½

vkfFkd :i ls detkj oxk }kjk fn;k tkus okyk vk; vkj ifjlifÙk iek.ki=

iek.ki= l- ---------- fnukd ----------

---------- o"k dk fy, ekU;

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी ..... पुत्र / पुत्री / पत्नी

श्री .....जो ग्राम / गली ..... डाकघर .....

जिला ....., राज्य / संघ राज्य क्षेत्र ..... पिन कोड.....

के स्थायी निकासी है और जिनका फोटोग्राफ नीचे सत्यापित किया गया है, आर्थिक संघ से कमजोर वर्ग से संबंधित है, क्योंकि उनके परिवार की कुल वार्षिक आय वित्त वर्ष ..... के दौरान रुपए आठ लाख से कम है। उनके परिवार के पास निम्नलिखित क्षेत्र में से कोई भी परिसंपत्ति नहीं है :

1. 5 एकड़ और इससे अधिक कृषि भूमि

2. 1000 वर्ग फीट से अधिक का आवासीय फ्लैट।

3. अधिकरचित नगर पालिका में 100 वर्ग गज या इससे अधिक का आवासीय प्लॉट।

4. अधिसूचित नगर पालिका के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग या इससे बड़ प्लॉट।

2. श्री / श्रीमती / कुमारी ....., ... जाति से संबंधित हैं, जो अनु. जाति / अनु. जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (केंद्रीय सूची) के रूप में मान्यताप्राप्त नहीं है।

आवेदक का हाल का पासपोर्ट असकाा को सत्यापित फोटोग्राफ

कार्यालय की मुहर के साथ हस्ताक्षर .....

नाम .....

पद नाम .....

नोट 1 : आप में सभी स्रोत शामिल हैं जैसे – वेतन, कृषि, व्यापार, व्यवसाय आदि।

नोट 2 : इस उद्देश्य के लिए ''परिवार'' एक में व्यक्ति, जो आरक्षण चाहता है, उसके माता / पिता और 18 वर्ष से कम आयु के भाई–बहिन के साथ–साथ उसका / उसकी पत्नी / पति और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे शामिल है।

नोट 3 : ई.डब्ल्यूएस0 की स्थिति का निर्धारण करने के लिए भूमि या संपत्ति की गणना करते समय ''परिवार'' द्वारा विभिन्न स्थानों शहरों में धारित संपत्ति को मिलाया गया है।

अनंतिम प्रवेश के लिए आवेदन–पत्र

1. नाम :
2. कार्यक्रम जिसमें प्रवेश लेना चाहते हैं :
3. क्षेत्रीय केन्द्र का कोड :
4. शैक्षिक योग्यताएं :
5. अर्हक परीक्षा का विवरण जिसका परिणाम प्रतीक्षित है अथवा परिणाम घोषित हो चुका है, लेकिन अंतिम अंक तालिका और अनंतिम प्रमाणपत्र प्रतीक्षित है।

   क) परीक्षा :

   ख) बोर्ड / विवविद्यालय :

   ग) अंतिम अंक तालिका / अनंतिम प्रमाणपत्र जारी होने की संभावित तारीखः

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

ukV % vrjk"Vh; fo|kfFk;ksa ds fy, vufre iksa'k ykxw ugha gSA

घोषणा

मैं ---------- पुत्र / पुत्री / पत्नी श्री / सुश्री ---------- घोषणा करता / ती हूं कि जुलाई / जनवरी, ---------- से शुरू होने वाले प्रवेश चक्र में ----------कार्यक्रम में मेरा प्रवेश अनंतिम और मेरे द्वारा ---------- परीक्षा उत्तीर्ण करने और इसका प्रमाण (अंक तालिका और अनंतिम प्रमाणपत्र / उपाधि प्रमाणपत्र) 30 सितंबर (जुलाई प्रवेश चक्र में प्रवेश के लिए) / 31 मार्च (जनवरी प्रवेश चक्र में प्रवेश के लिए) तक प्रस्तुत करने की शर्त पर है।

साथ ही, मैं इस शर्त को भी स्वीकार करता / ती हूँ कि यदि में अर्हक परीक्षा को उत्तीर्ण करने में असफल होता / ती हूँ अवथा निर्धारित तारीख तक उसका प्रमाण प्रस्तुत करने में असफल रहता / ती हूँ, तो मुझे दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द हो जाएगा, 25% कार्यक्रम शुल्क जब्त हो जाएगी और जुलाई -------- / जनवरी --------प्रवेश चक्र में प्रवेश का मेरा कोई दावा नहीं होगा।

स्थान : (उम्मीदवार के हस्ताक्षर)

अनुलग्नक III

दिव्यांग विद्यार्थियों से घोषणा–पत्र

मैं ..... (नाम) ....

प्रवेश सत्र ..... (कार्यक्रम का नाम) में नामित हूँ और प्रमाणित करता हूँ कि मैंने इस कार्यक्रम में नामांकन करने वाले विकलांग व्यक्तियों (पी.डब्ल्यू.डी.) के लिए चिन्हित विभिन्न पदों की शारीरिक अपेक्षाओं से संबंधित सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार (www.disabilityaffairs.gov.in/content/page/rules-and regulation.php#ipd2013.) के हाइपरलिंक पर प्रकाशित सूचना को पढ़ और समझ लिया है।

दिनांक : ..... हस्ताक्षर .....

स्थान : ..... नाम (स्पष्ट अक्षरों में) .....

अनुलग्नक IV(1)

bfnjk xk/kh jk"Vh; eDr fo'ofo|ky;

{k=h; dæ: _____

¼'kYd dh çfrifr d fy, lcf/kr {k=h; dæ e tek djk,½

विद्यार्थी का नामः

कार्यक्रम का नाम और कार्यक्रम कोडः

नामांकन संख्याः

(अपने विद्यार्थी पहचान पत्र की एक प्रति संलग्न करें)

क्षेत्रीय केंद्र और आरसी का कोडः

प्रवेश सत्रः

श्रेणी – अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी):

आधार संख्याः

प्रतिपूर्ति के लिए बैंक का विवरणः

(बैंक पासबुक की स्व–सत्यापित प्रति संलग्न करें)

बैंक का नामः

बैंक खाता सं.:

खाताधारक का नामः

बैंक शाखा का आईएफएस कोडः

(नोटः प्रतिपूर्ति के लिए विद्यार्थी का बैंक खाता अनिवार्य है, अन्य बैंक खाता संख्या मान्य नहीं होगा)

fo|kFkh }kjk ?kk"k.kk

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूं किः

1. मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी सही है और मैं वास्तव में _____ श्रेणी का हूं।
2. मैं सेवारत नहीं हूं।
3. मैं इस कार्यक्रम को करने के लिए संबंधित राज्य या अन्य सरकारी एजेंसी के किसी अन्य संस्थान/केंद्र/समाज कल्याण विभाग से किसी भी वित्तीय लाभ/छात्रवृत्ति का लाभ नहीं उठा रहा हूं।
4. मैंने इस आवेदन के साथ आवश्यक जानकारी और प्रासंगिक स्व–सत्यापित दस्तावेज जमा कर दिए हैं। किसी भी स्तर पर कोई भी जानकारी गलत या भ्रामक पाए जाने पर विश्वविद्यालय को दंडशुल्क के साथ शुल्क प्रतिपूर्ति राशि वसूलने और मेरा प्रवेश/उपाधि को रद्द करने का पूरा अधिकार होगा।

(विद्यार्थी के हस्ताक्षर)

नामः _____

दिनांकः

स्थानः

अनुलग्नक IV(2)

lR;kiu dk çek.kiत्र

प्रमाणित है कि छात्र _____ (छात्र का नाम), नामांकन सं. _____ जो _____ शैक्षिक कार्यक्रम में _____सत्र में नामांकित है, के संबंध में उपरोक्त जानकारी सही है और प्रवेश प्रपत्र में छात्र द्वारा दी गई जानकारी से सत्यापित की गई है।

क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र के हस्ताक्षर और मुहर

{k=h; dæ }kjk lR;kfir fd, tkus okys nLrkost%

1. इग्नू के विद्यार्थी पहचान पत्र की प्रतिलिपि (स्वतःनिर्मित/क्षेत्रीय केंद्र द्वारा जारी)
2. सामान्य विवरणिका में उल्लिखित उपयुक्त प्राधिकारी से जारी जाति प्रमाणपत्र (एससी/एसटी) की स्व–प्रमाणित प्रति।
3. शुल्क की प्रतिपूर्ति हेतु पात्रता और प्रक्रिया के बारे में विवरण के लिए इच्छुक छात्र उस प्रवेश सत्र के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना को देख लें। यह अधिसूचना विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.ignou.ac.in पर उपलब्ध है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाणपत्र फॉर्म भेजा जाए।

जाति/जनजाति प्रमाणपत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती*/कुमारी* .....सुपुत्र/सुपुत्री..... ग्राम/कस्बा* .... राज्य/संघ शासित प्रदेश*..... जाति/जनजाति से संबंधित हैं, जो निम्नलिखित के अंतर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति* के रूप में मान्यताप्राप्त है :

* संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950
* संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश 1950.
* संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ शासित प्रदेश) आदेश 1951.
* संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संघ शासित प्रदेश) आदेश 1951

  (जैसा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची द्वारा संशोधित (संशोधित आदेश) 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश अधिनियम, 1970, पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधित) अधिनियम, 1976)।
* संविधान (जम्मू एवं कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956;
* संविधान (अंडमान एवं निकोबार प्रायद्वीप) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959, जैसा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (संशोधित) अधिनियम, 1976 द्वारा संशोधित;
* संविधान (दादर एवं नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962;
* संविधान (दादर एवं नगर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962;
* संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964;
* संविधान (उत्तर प्रदेश, अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1967;
* संविधान (गोवा, दमन एवं दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968;
* संविधान (गोवा, दमन एवं दीव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968;
* संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1970; *संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978; *संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978; *संविधान (जम्मू एवं कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1989; *संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (संशोधित) अधिनियम, 1990; *संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, संशोधित अधिनियम, 1991; *संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश द्वितीय संशोधन अधिनियम 1991;

2. **यह प्रमाणपत्र श्री/श्रीमती/कुमारी* ..... पिता/माता* श्री/श्रीमती .... ग्राम/कस्बा* ..... जिला/प्रभाग* ....., राज्य/संघ शासित प्रदेश* ..... को जारी किए गए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र के आधार पर जारी किया गया है जो जाति/जनजाति* से संबंधित हैं और जिसे राज्य/संघ शासित प्रदेश*..... ..... में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति* के रूप में मान्यताप्राप्त है और दिनांक ..... द्वारा जारी किया गया है।

3. श्री/श्रीमती*/कुमारी* ..... और/अथवा* उसका* परिवार सामान्यतः ग्राम/कस्बा* .... जिला/प्रभाग* ....., राज्य/संघ शासित प्रदेश के निवासी हैं।

   जिला अधिकारी

   उपायुक्त, इत्यादि

   दिनांक :

   सील .....

* जो लागू नहीं है उसे काट दें।

नोट : यहां पर प्रयुक्त सामान्यतः 'निवासी' शब्द का वही अर्थ होगा जैसाकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के भाग 20 से है।

* कृपया जो शब्द लागू नहीं है उसे काट दें।

** एक राज्य/संघ शासित प्रदेश से प्रवासित अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के मामले में लागू (रोजगार समाचार 9/92)।

ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों द्वारा भेजे जाने वाला जाति प्रमाणपत्र

आवेदन पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ..... पुत्र/पुत्री .....जिला/प्रभाग ....राज्य .....के निवासी हैं और.....समुदाय से संबंधित है, जो भारत सरकार, कल्याण मंत्रालय के निम्नलिखित संकल्प के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्यताप्राप्त है : *(i) संकल्प संख्या 12011/68/93–बीसीसी (सी), दिनांक 10 सितंबर, 1993, भारत सरकार के राजपत्र असाधारण, भाग–1, संख्या 186, दिनांक 13 सितंबर, 1993 में प्रकाशित,

*(ii) संकल्प संख्या 12011/9/94–बीसीसी, दिनांक 19 अक्टूबर, 1994, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण भाग–1, अनुभाग–1, संख्या 163, दिनांक 20 अक्टूबर, 1994 में प्रकाशित,

*(iii) संकल्प संख्या 12011/7/95–बीसीसी, दिनांक 24 मई, 1995, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण, भाग–1, अनुभाग–1, संख्या 88, दिनांक 25 मई, 1995 में प्रकाशित,

*(iv) संकल्प संख्या 12011/44/96–बीसीसी(सी), दिनांक 6 दिसंबर, 1996, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण, भाग–1, अनुभाग–1, संख्या 210, दिनांक 11 दिसंबर, 1996 में प्रकाशित,

*(v) संकल्प संख्या 12011/96/94–बीसीसी, दिनांक 9.3.96

*(vi) संकल्प संख्या 12011/13/97–बीसीसी, दिनांक 3.12.97

*(vii) संकल्प संख्या 12011/99/94–बीसीसी, दिनांक 11.12.97

*(viii) संकल्प संख्या 12011/68/98–बीसीसी, दिनांक 27.12.99

*(ix) संकल्प संख्या 12011/88/98–बीसीसी, दिनांक 6 दिसंबर, 1999, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण, भाग–1, अनुभाग–1, संख्या 270, दिनांक 06 दिसंबर, 1999 में प्रकाशित,

*(x) संकल्प संख्या 12011/36/99–बीसीसी, दिनांक 04.04.2000, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण, भाग–1, अनुभाग–1, संख्या 71, दिनांक 04.04.2000 में प्रकाशित,

*(xi) संकल्प संख्या 12011/44/99–बीसीसी, दिनांक 21.09.2000, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण, भाग–1, अनुभाग–1, संख्या 210.दिनांक 21.09.2000 में प्रकाशित,

*(xii) संकल्प संख्या 12015/9/2000–बीसीसी, दिनांक 06.09.2001

*(xiii) संकल्प संख्या 12011/1/2001–बीसीसी, दिनांक 19.06.2003

*(xiv) संकल्प संख्या 12011/4/2002–बीसीसी, दिनांक 13.01.2004

*(xv) संकल्प संख्या 12011/9/2004–बीसीसी, दिनांक 16.01.2006, भारत सरकार के राजपत्र, असाधारण, भाग–1, अनुभाग–1, संख्या 210, दिनांक 16.01.2006 में प्रकाशित

श्री ..... और/अथवा उसका परिवार सामान्यतः ग्राम/कस्बा* .... जिला/प्रभाग* ...., राज्य, संघ शासित प्रदेश के निवासी हैं। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे भारत सरकार, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 8.9.1993 के कार्यालय ज्ञापन सं. 36012/22/93–स्था.(एससीटी) के कॉलम सं. 3 में उल्लिखित व्यक्ति/वर्ग (क्रीमी लेयर) से संबंधित नहीं हैं, जिसे दिनांक 9.3.2004 के का ज्ञा. सं. 36033/3/3004–स्था.(रेज.) द्वारा संशोधित दिया गया है।

जिला अधिकारी

उपायुक्त, इत्यादि

दिनांक :

सील .....

'जो लागू नहीं है उसे काट दें।

नोट

(क) उपर्युक्त प्रमाणपत्र, आवेदन पत्र जमा होने की तारीख तक, जारी होने की तारीख से तीन साल से अधिक पुराना नहीं होना चाहिए।

(ख) यहां पर प्रयुक्त 'सामान्यतः' शब्द का वही अर्थ होगा जैसाकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के भाग 20 से है।

(ग) जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत प्राधिकारी हैं :

(i) जिलाधिकारी/अपर जिलाधिकारी/कलेक्टर/उपायुक्त/अपर उपायुक्त/उप कलेक्टर/ प्रथम श्रेणी स्टेपेंडरी मजिस्ट्रेट/सब. डिविजन मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंड कमीश्नर (प्रथम श्रेणी स्टीपेंडरी मजिस्ट्रेट के रैंक से कमी नहीं)।

(ii) चीफ प्रेजीडेंसी मजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेजीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेजीडेंसी मजिस्ट्रेट, (iii) तहसीलदार और उससे ऊपर के राजस्व अधिकारी; और (iv) उस क्षेत्र का सब–डिवीज़नल ऑफिसर जिसमें उम्मीदवार और/अथवा उसका परिवार निवास करता है।

नोट : यदि ओ.बी.सी. उम्मीदवार (नॉन–क्रीमी लेयर) द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र बाद में जाली पाया जाता है तो शुल्क की वापसी के बिना प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा और विश्वविद्यालय द्वारा अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

अनुलग्नक VI

अनुभव प्रमाणपत्र

(सीबीपीओएफए कार्यक्रम)

(बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग फाइनेंस एंड अकाउंटिग में प्रमाण–पत्र – सीबीपीओएफए)

प्रथम सेमेस्टर (बीपीओआई-001 से बीपीओआई-005) पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद पाठ्यक्रम छोड़ने का विकल्प केवल कार्यरत व्यक्तियों के लिए है।

उपर्युक्त के प्रकाश में, नीचे दिया गया प्रमाणपत्र संगठन द्वारा भरा जाएगा, जहां पर नामांकित विद्यार्थी कार्यरत है।

''इग्नू से बिजनेस प्रोसेस आउटसोसिंग फाइनेंस एंड अकाउंटिग में प्रमाणपत्र'' (सीबीपीओएफए) को आवेदन प्रपत्र की फोटोकॉपी के साथ भरकर विद्यापीठ को वापस भेजना होगा।

अनुभव प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री .....

..... इस विद्यालय/संस्था/संगठन/कार्यालय में .....

पद पर ..... से नियुक्त हैं।

स्थान : ..... हस्ताक्षर : .....

तारीख : ..... नाम : .....

(साफ साफ अक्षरों में)

पदनाम : .....

विद्यालय/संस्था/संगठन/ .....

कार्यालय/अस्पताल का नाम .....

सील/मोहर .....

(स्वनियोजित व्यावसायिक स्वयं अपनी ओर से प्रमाणित कर सकते हैं, परंतु उन्हें अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रतियाँ संलग्न करनी होंगी)

अनुभव प्रमाणपत्र

(पीजीजेएमसी/सीआईजी/सीटीई/पीजीडीएचई/पीजीडीएचएचएम/डीएनए कार्यक्रम)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री .....

इस विद्यालय/संस्था/संगठन/कार्यालय में .....

पद पर .....से नियुक्त हैं।

स्थान : ..... हस्ताक्षर : .....

तारीख : ..... नाम : .....

(साफ साफ अक्षरों में)

पदनाम : .....

विद्यालय/संस्था/संगठन/ .....

कार्यालय/अस्पताल का नाम .....

सील/मोहर .....

(स्वनियोजित व्यावसायिक स्वयं अपनी ओर से प्रमाणित कर सकते हैं, परंतु उन्हें अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रतियाँ संलग्न करनी होंगी)

फार्म – क

(डी.एन.ए. कार्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए)

1) व्यावसायिक योग्यता (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जी एन एम))

(क) उत्तीर्ण राज्य बोर्ड/नर्सिंग परिषद् परीक्षा [ ] वर्ष [ ] अंकों का प्रतिशत

(ख) जनरल नर्सिंग [ ] वर्ष [ ] अंकों का प्रतिशत

(ग) मिडवाइफरी नर्सिंग [ ] वर्ष [ ] अंकों का प्रतिशत

(घ) रजिस्ट्रेशन परिषद का नाम [ ] वर्ष [ ] पंजी. न. आर.एन.

पंजी. [ ] पंजी. न. आर.एम.

दिल्ली में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के पास दिल्ली नर्सिंग कौंसिल (डीएनसी) में पंजीकरण का प्रमाण होना आवश्यक है।

2) प्राप्त अंक

वर्ष	कुल प्राप्त अंक	कुल अधिकतम अंक	प्रतिशत
1 वर्ष			
2 वर्ष			
3 वर्ष			
योग			

3) पुरुष नर्सों को मिडवाइफरी के स्थान पर किए गए कोर्स का उल्लेख करना है (आई.एन.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त)

मनोचिकित्सा नर्सिंग		आप्थल्मिक नर्सिंग	
तपेदिक		कुष्ठ रोग	
आपरेशन थिएटर		ऑन्कोलॉजी	
कैन्सर नर्सिंग		व्यवसायगत स्वास्थ्य	
न्यूरोलॉजी			

4) कार्य का अनुभव (कृपया कालक्रमवार विवरण दें।)

क्रम संख्या	संस्था का नाम	पद	सेवा की तारीख		अनुभव की अवधि	
			से	तक	वर्ष	महीने
			कुल			

फार्म ख

(पी.जी.डी.एम.सी.एच./पी.जी.डी.जी.एम. कार्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए)

1. इंटर्नशिप पूरा करने की तारीख : ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐
   तारीख महीना वर्ष
2. इंटर्नशिप पूर्ण करने की तारीख से
   31 दिसंबर, 2018 तक पूर्ण वर्षों की संख्याः ☐☐ वर्ष ☐☐ महीने
3. एम.बी.बी.एस. के अंकों के ब्यौरे:

परीक्षा	कितनी बार परीक्षा दी	अधिकतम अंक	प्राप्तांक	प्रतिशत	संलग्नकों की संख्या	कार्यालय प्रयोग हेतु
पहला वर्ष एम.बी.बी.एस.						
दूसरा वर्ष एम.बी.बी.एस.						
तीसरा वर्ष एम.बी.बी.एस.						
चौथा वर्ष एम.बी.बी.एस. (यदि कोई है)						
कुल योग						

4. यदि एम.बी.बी.एस. के अंक ग्रेड पद्धति में हैं तो पूरे कार्यक्रम के लिए ग्रेड लिखें .....
5. यदि राज्य या केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित है, तो लिखें .....

फार्म – ग

(पी.जी.डी.एच.एच.एम. कार्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए)

1. शैक्षिक योग्यताएँ

धारित डिग्री (याँ)/डिप्लोमा पूरा करने की तारीख विश्वविद्यालय

i) .....

ii) .....

iii) .....

iv) .....

2. इंटर्नशिप पूरा करने की तारीख (जहाँ लागू हो) रू .....
3. मेडिकल परिषद्/राज्यों/अन्य परिषदों की पंजीकरण संख्या (बताइए, यदि लागू न हो) : .....
4. कालक्रम में कार्य अनुभव, वर्तमान से आरम्भ करके (बताइए यदि स्वनियोजित हो)

संगठन का नाम पदनाम कार्य का स्वरूप वर्षों की संख्या

.....

फार्म – घ

(सी.सी.पी.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए)

पंजीकरण श्रेणी (उपयुक्त खाने में (3) निशान लगाएँ)

☐ प्रायोजित (कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पी.एस.सी.) के माध्यम से बड़ी सं. में (बल्क) पंजीकरण)

☐ गैर.प्रायोजित (व्यक्तिगत पंजीकरण)

यदि प्रायोजित है, तो उल्लेख कीजिए	(इग्नू के प्रयोग के लिए)
पी.एस.सी. कोड : कार्यालय का नाम और सील	

कालक्रम में शैक्षिक योग्यता और कार्य अनुभव

क्र.सं.	शैक्षिक (8वीं से)	व्यावसायिक	क्र.सं.	वर्तमान से शुरू करते हुए कालक्रम में कार्य अनुभव
प			प	
पप			पप	
पपप			पपप	
पअ			पअ	
अ			अ	

शैक्षिक योग्यता और अनुभव का सारांश

शैक्षिक योग्यता	केवल उपयुक्त खाने में (3) निशान लगाएँ	केवल कार्यालय प्रयोग के लिए (क)	कुल अनुभव	केवल उपयुक्त खाने में (3) निशान लगाएँ	केवल कार्यालय प्रयोग के लिए (ख)
8वीं पास			1 वर्ष से कम		
10वीं पास			1 से 2 वर्ष		
12वीं पास			2 से 3 वर्ष		
डिप्लोमा			3 से 5 वर्ष		
डिग्री			5 से 7 वर्ष		
कोई अन्य संबंधित व्यावसायिक अर्हता			7 से 10 वर्ष		
			10 से 15 वर्ष		
			15 वर्ष से अधिक		

अनुलग्नक VIII

(एसोसिएट स्टूडेंट द्वारा ही भरा जाए)

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

एसोसिएट स्टूडेंटशिप के लिए आवेदन पत्र

प्रवेश

स्टैपल न करें। अपना हाल ही में खिंचवाया गया पासपोर्ट आकार (4 x 5 सेमी) का फोटोग्राफ स्वयं प्रमाणित कर चिपकाएँ

नामांकन संख्या [ए] [एस] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

(केवल कार्यालय प्रयोग के लिए)

क्षेत्रीय केंद्र कोड [ ][ ] अध्ययन केंद्र कोड [ ][ ][ ][ ] राज्य कोड [ ][ ]

1. छात्र का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) .....
   क) पिता का नाम.....
2. पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में).....
3. शुल्क का विवरण : लिए गए पाठ्यक्रमों के अनुसार यथानुपात शुल्क (कुल राशि .....रु.)/ड्राफ्ट इग्नू के नाम पर संबंधित क्षेत्रीय केंद्र के शहर में देय होना चाहिए।
   क. बैंक का नाम ..... स्थान .....
   ख. बैंक ड्राफ्ट सं. ..... दिनांक .....
   ग. कुल राशि रु. .....
4. शैक्षिक योग्यता :
   (अंक–सूची और प्रमाण–पत्र की प्रतियाँ संलग्न करें)
5. जन्म तिथि : दिनांक [ ][ ] महीना [ ][ ] वर्ष [ ][ ][ ][ ]
6. लिंग: पुरुष [ ] महिला [ ]
7. चुने गए पाठ्यक्रमों का कोड : [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

उपयुक्त बॉक्स में सही (3) का निशान लगाएँ

8. माध्यम कोड : अंग्रेजी [ ] हिंदी [ ]
9. वैवाहिक स्थिति : विवाहित [ ] अविवाहित [ ]
10. राष्ट्रीयता : भारतीय [ ] अन्य [ ] यदि अन्य हो तो स्पष्ट करें [ ]
11. श्रेणी : अनु. जा. [ ] अनु.ज.जा. [ ] अ.पि.व. [ ]
12. स्थानीय कोड : शहरी [ ] ग्रामीण [ ] जनजातीय [ ]
13. धर्म [ ] हिंदू [ ] मुस्लिम [ ] ईसाई [ ] सिख [ ] जैन [ ] बौद्ध [ ] पारसी [ ] यहूदी [ ] अन्य

(कृपया स्पष्ट करें)

आवेदक द्वारा घोषणा

मैं घोषणा करता हूँ कि मैं जिस कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाहता/ती हूँ मैंने उसकी पात्रका की शर्तों को पढ़ और समझ लिया है। मेरे अधिकतम ज्ञान और विश्वास से, मैं न्यूनतम पात्रता के मानदंड पूरा करता/ती हूँ और तदनुसार मैंने आवश्यक सूचना और प्रासंगिक स्व–प्रमाणित दस्तावेज इस आवेदनपत्र के साथ संलग्न कर दिए हैं। मैं यह भी घोषणा करता/ती हूँ कि मैंने किसी भी सूचना को न तो छुपाया है और न ही विकृत किया है और किसी भी सूचना अथवा स्व–प्रमाणित दस्तावेजों के असत्य, 'गलत अथवा भ्रामक पाए जाने पर विश्वविद्याय द्वारा किसी भी समय मेरी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है और मेरे द्वारा जमा कराए गए शुल्क सहित किसी भी प्रकार का दावा नहीं करूँगा/गी और मेरे द्वारा प्रयुक्त सभी लाभों को तत्काल वापस लिया जा सकेगा। मैं घोषणा करता/ती हूँ कि मैंने विवरणिका में मुद्रित विश्वविद्यालय के नियमों को पढ़ लिया है और उन्हें पूर्ण रूप से स्वीकार कर लिया है और मैं इस पर कोई भी विवाद उत्पन्न नहीं करूंगा/गी। मैं समझ गया/ई हूँ कि पूर्व सूचना के बिना भी विश्वविद्यालय किसी भी नियम में संशोधन कर सकता है और मैं उनका पालन करूँगा/गी।

स्थान :

दिनांक :

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान : _____

दिनांक : _____

जाँच सूची

फोटो चिपकाएं और उस पर हस्ताक्षर करें, निम्नलिखित संलग्न करें:

i. कार्यक्रम शुल्क के लिए डिमांड ड्राफ्ट [ ]
ii. अपनी शैक्षणिक योग्यता के समर्थन में अनुप्रमाणित प्रमाणपत्र [ ]
iii. अनु.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों के लिए श्रेणी प्रमाणपत्र [ ]
iv. आयु प्रमाणपत्र (लागू होने पर) [ ]
v. फोटोग्राफ सहित भरा हुआ विद्यार्थी कार्ड [ ]
vi. टिकट लगा हुआ पावती कार्ड [ ]

इस भरे हुए फार्म को शुल्क के साथ निम्न पते पर भेजें
क्षेत्रीय निदेशक
इग्नू क्षेत्रीय केंद्र
.....

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग,
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068
श्रेणी में सुधार के लिए आवेदन पत्र

(नियम और विनियम इस फार्म के पीछे दिए गए हैं। कृपया फार्म को भरने से पहले उन्हें सावधानी से पढ़ लें।)

फार्म जमा कराने की निर्धारित तिथिः जून सत्रांत परीक्षा के लिए 01 से 30 अप्रैल और दिसंबर सत्रांत परीक्षा के लिए 01 से 31 अक्तूबर

1. नामः .....

2. कार्यक्रम [ ] नामांकन सं.. [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]

3. पताः .....

.....

..... पिन [ ][ ][ ][ ][ ][ ]

4. संपर्क सं./मोबाइल सं. .....

5. सत्रांत परीक्षा, जिसमें कार्यक्रम को पूरा किया गयाः जून/दिसंबर

6. कुल प्राप्त अंक/समग्र बिंदु ग्रेड ..... प्राप्त प्रतिशतता .....

(कृपया अंकों के विवरण/ग्रेड कार्ड की फोटो प्रति संलग्न करें)

7. पाठ्यक्रम जिनमें सुधार चाहिएः

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम कोड
1.....	4. .....
2.....	5. .....
3.....	

8. शुल्क का विवरणः

(श्रेणी में सुधार के लिए शुल्क भारतीय विद्यार्थियों के लिए रू. 750/– प्रति पाठ्यक्रम, सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए रु. 2000/– तथा गैर–सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए 60 डालर है, जिसका भुगतान 'इग्नू' के पक्ष में नई दिल्ली में देय डिमांड ड्राफ्ट से किया जाएगा।)

पाठ्यक्रमों की सं. : ..... × रू. 750/– अथवा ..... = कुल राशि : .....

डि.ड्रा. सं. ..... दिनांक : ..... जारीकर्ता बैंक .....

9. सत्रांत परीक्षा, जिसमें आप बैठना चाहते हैंः जून/दिसंबर

10. परीक्षा केंद्र का विवरण, जहां आप सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं :

परीक्षा केंद्र कोड ..... शहर /कस्बा .....

घोषणा

मैं एतदद्वारा घोषणा करता हूं कि मैं श्रेणी में सुधार के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का पालन करूंगा/करूंगी।

दिनांक ..... हस्ताक्षर ..... .

स्थान ..... नाम .....

श्रेणी में सुधार करने के लिए नियम और विनियमन

1. अंक / ग्रेड में सुधार केवल स्नातक / स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रमों के लिए लागू है, जिन्होंने कार्यक्रम पूरा कर लिया है। इसके लिए पात्रता निम्नानुसार है:

   ए) स्नातक / स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रमों के छात्र, जिनके द्वितीय और प्रथम श्रेणी के लिए 2 प्रतिशत अंक कम हों।

   बी) केवल स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के छात्र, जिनके 55 प्रतिशत अंक के लिए 2 प्रतिशत अंक कम हों।

2. अंकों / ग्रेड में सुधार के लिए केवल एक अवसर दिया जाएगा।

3. सुधार की अनुमति केवल सिद्धांत के पेपरों के लिए है। प्रैक्टिकल / लैब पाठ्यक्रम, परियोजनाओं, कार्यशालाओं और सत्रीय कार्य में किसी भी प्रकार के सुधार की अनुमत नहीं है।

4. सुधार के प्रावधान के तहत, किसी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक अधिकतम क्रेडिट का अधिकतम 25 प्रतिशत अनुमत होगा।

5. अंक सुधारने की इच्छा रखने वाले छात्रों को उन्हें अंक / ग्रेड कार्ड के अंतिम विवरण जारी होने की तारीख से छह महीने के भीतर आवेदन करना होगा। यह इस शर्त के अधीन है कि जिस कार्यक्रम / पाठ्यक्रम में उनके द्वारा सुधार के लिए आवेदन किया जा रहा है, उसमें उनका पंजीकरण आगामी सत्रांत परीक्षा तक वैध होना चाहिए।

6. पुनः प्रवेश की अवधि सहित कार्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि समाप्त होने पर विद्यार्थी को सुधार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. सुधार के लिए परीक्षा में उपस्थित होने के बाद, दो परीक्षाओं में से बेहतर, यानी पहले से ही प्राप्त अंक / ग्रेड और सुधार परीक्षा में प्राप्त अंक / ग्रेड पर विचार किया जाएगा।

8. सुधार के मामले में, कार्यक्रम के पूरा होने का महीना और वर्ष सत्रांत परीक्षा में बदल दिया जाएगा, जिसमें छात्र सुधार के लिए उपस्थित हुआ था।

9. छात्रों को अंकों / ग्रेड में सुधार के लिए अनुमति दी जाएगी बशर्ते उस विशेष पाठ्यक्रम की परीक्षा, जिसमें वे सुधार करना चाहते हैं, उस समय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जा रही है।

10. निर्धारित आवेदन पत्र वाले लिफाफे के ऊपर, कृपया ^fMoh tu@J.kh e l/kkj d fy, vkonu i=^ लिखें।

11. आवेदन पत्र निर्धारित तारीख तक निम्नलिखित पते पर पहुंच जाना चाहिए:

कुलसचिव,
विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग,
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,
ब्लॉक –12, मैदान गढ़ी,
नई दिल्ली –110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग,
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

सत्रांत परीक्षा का परीक्षाफल शीघ्र घोषित करने के लिए आवेदन–प्रपत्र

(नियम और विनियम इस फार्म के पीछे दिए गए हैं। कृपया फार्म को भरने से पहले उन्हें सावधानी से पढ़ लें)।

1. नाम : .....

2. कार्यक्रम : [ ] नामाकन सं. [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]

3. पता :..... . पिन. [ ][ ][ ][ ][ ][ ]

4. संपर्क सं. (मोबाइल सं.) : ..... फोन सं. .....

5. शीघ्र परीक्षाफल घोषित करवाने का कारण : .....

.....

(शीघ्र परीक्षाफल घोषित करवाने के लिए कारण बताते हुए दस्तावेजी साक्ष्य की प्रति संलग्न करें)

6. शीघ्र परीक्षाफल घोषित करवाने के लिए पाठ्यक्रमों का विवरण:

क.सं.	पाठ्यक्रम का कोड	परीक्षा की तारीख
1.	.....	.....
2.	.....	.....
3.	.....	.....
4.	.....	.....

7. परीक्षा केंद्र का विवरण, जहॉ से आप सत्रात परीक्षा देना चाहते हैं:

परीक्षा केंद्र का कोड : [ ]

परीक्षा केंद्र का पता : .....

...

.....

8. शुल्क का विवरण:

शीघ्र परीक्षाफल घोषित करवाने के लिए शुल्क भारतीय विद्यार्थियों के लिए रू. 1000/– प्रति पाठ्यक्रम, सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए रु.1200/– तथा गैर–सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए 50 डालर है, जिसका भुगतान 'इग्नू' के पक्ष में नई दिल्ली में देय डिमांड ड्राफ्ट से किया जाएगा।

पाठ्यक्रमों की सं.: ..... × रु. 1200/– अथवा ..... = कुल राशि: .....

डि.ड्रा. सं. ..... दिनांक ..... जारीकर्ता बैंक .....

दिनांक ..... विद्यार्थी के हस्ताक्षर .....

शीघ्र परीक्षाफल की घोषणा के लिए नियम और विनियमन

1. परिणामों की शीघ्र घोषणा के अनुरोध पर विचार केवल अंतिम सेमेस्टर/वर्ष या अधिकतम 4 बैकलॉग पाठ्यक्रमों के लिए ही निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जाएगा:

   क) छात्र को उच्च अध्ययन/रोजगार के लिए चुना गया हो और किसी विशेष तिथि तक संस्थान को अंक/ग्रेड कार्ड का विवरण देना आवश्यक हो, जो कि विश्वविद्यालय के परिणामों की घोषणा की निर्धारित तिथियों से पहले हो।

   ख) छात्र ने पाठ्यक्रमों की सत्रांत परीक्षा को छोड़कर अन्य सभी निर्धारित घटकों को पूरा कर लिया है, जिसके लिए शीघ्र मूल्यांकन मांगा गया है।

2. भर्ती/उच्च अध्ययन/पद और पदोन्नति आदि के लिए आवेदन करने के लिए शीघ्र परीक्षाफल की घोषणा के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. शीघ्र परीक्षाफल की घोषणा के कारण को विनिर्दिष्ट करते हुए दस्तावेजी साक्ष्य संलग्न किए बिना आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. जिस पाठ्यक्रम (ओं) के लिए भीघ्र मूल्यांकन चाहते हैं, उसका आवेदन पत्र परीक्षा की तारीख से पहले निम्नलिखित पते पर भेजें।

Ø-l-	eY;kdu dæ dk irk	eY;kdu dæ dk {k=
1.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भवन, कलूर, कोच्चि–682 017 केरल	कोच्चि, त्रिवेंद्रम, वटाकरा, चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, बेंगलुरू, बीजापुर, पणजी, पोर्ट ब्लेयर
2.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र, ब्लॉक –5, इग्नू, मैदान गढ़ी नई दिल्ली –110068	दिल्ली–1, दिल्ली–2, दिल्ली–3, मुख्यालय में सभी विद्यापीठ, प्रभाग, केंद्र, इकाइयां और संस्थान, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग और अन्य मूल्यांकन केंद्रों/ स्रोतों से प्राप्त उत्तर पुस्तिका, जब कभी कोई हो।
3.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, भवन सनीलॉज, नोंगथिम्मी, नोगथशिलियांग, शिलांग –793014 मेघालय	शिलांग, गुवाहाटी, जोरहाट, इटानगर, इम्फाल, अगरतला, गंगटोक, कोहिमा, आइजल
4.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, भवन सी/1, संस्थागत क्षेत्र, भुवनेश्वर –751013 उड़ीसा	भुवनेश्वर, कोरापुट, कोलकाता, सिलीगुड़ी रघुनाथगंज, पटना, भागलपुर, दरभंगा, सहारसा, देवघर
5.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, भवन, नजदीक निरमा विश्वविद्यालय, सर्खेज– गांधी नगर राजमार्ग छारोदी, अहमदाबाद –382 481	अहमदाबाद, राजकोट, मुंबई, नागपुर, पुणे, जोधपुर, जयपुर
6.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भवन, 12, अरेरा हिल्स, भोपाल –462 011 मध्य प्रदेश	भोपाल, जबलपुर, रायपुर, रांची
7.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भवन, बी –1/33, सेक्टर–एच, अलीगंज, लखनऊ –226 024	लखनऊ, वाराणसी, अलीगढ़, नोएडा, करनाल, चंडीगढ़, खन्ना, देहरादून, जम्मू, श्रीनगर, शिमला

* सीपीई और डीपीई कार्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनःमूल्यांकन के लिए आवेदन प्रपत्र संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजें।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग,
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

उत्तर पुस्तिका का फिर से मूल्यांकन करवाने हेतु आवेदन–प्रपत्र

(नियम और विनियम इस फार्म के पीछे दिए गए हैं। कृपया फार्म को भरने से पहले उन्हें सावधानी से पढ़ लें)।

1. नाम : .....

2. कार्यक्रम : [ ] नामाकन सं. [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]

3. पताः ..... पिन [ ][ ][ ][ ][ ][ ]

4. संपर्क सं. (मोबाइल सं.) : ..... फोन सं.ण .....

5. परीक्षा का महीना और वर्ष : .....

6. परीक्षा केंद्र का कोड : [ ]

7. परीक्षा केंद्र का पता : .....

8. पाठ्यकम, जिसमें फिर से मूल्यांकन करवाना है :

पाठ्यक्रम कोड	प्राप्त अंक / ग्रेड
.....	.....
.....	.....
.....	.....

9. **शुल्क का विवरण** ¼

उत्तर पुस्तिका का फिर से मूल्यांकन करवाने के लिए शुल्क भारतीय विद्यार्थियों के लिए रु. 750/– प्रति उत्तर पुस्तिका, सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए रु. 1200/– तथा गैर–सार्क देशों के विद्यार्थियों के लिए 75 डालर है, जिसका भुगतान 'इग्नू' के पक्ष में नई दिल्ली में देय डिमांड ड्राफ्ट से किया जाएगा।

पाठ्यक्रमों की सं.: ..... × रु. 750/– अथवा ..... = कुल राशिः .....
डि.ड्रा. सं. ..... दिनांक ..... जारीकर्ता बैंक .....

दिनांक ..... विद्यार्थी के हस्ताक्षर .....

उत्तर पुस्तिका का फिर से मूल्यांकन करवाने हेतु नियम एवं विनियम

1. छात्र द्वारा पुनः मूल्यांकन के लिए अनुरोध परिणाम की घोषणा के एक महीने के भीतर किया जाना चाहिए।
2. परिणाम की घोषणा की तारीख की गणना उस तारीख से की जाएगी, जिस तारीख को इग्नू वेबसाइट पर परिणाम दिए गए हैं।
3. पुनर्मूल्यांकन के बाद, मूल अंक / ग्रेड और पुनर्मूल्यांकन के बाद प्राप्त अंकों / ग्रेड में से बेहतर अंकों / ग्रेड पर विचार किया जाएगा।
4. पुनर्मूल्यांकन के बाद संशोधित अंक / ग्रेड के बारे में छात्र को पुनर्मूल्यांकन का परिणाम प्राप्त होने पर सूचित किया जाएगा और पुनर्मूल्यांकन के परिणाम को इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.in. पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन के लिए अपेक्षित न्यूनतम समय आवेदन की प्राप्ति की तारीख से 30 दिन होगा।
5. पुनःमूल्यांकन केवल सत्रांत परीक्षा के लिए किया जाएगा। परियोजना / शोध निबंध / प्रैक्टिकल / लैब पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं, सत्रीय कार्य और संगोष्ठी आदि के लिए नहीं कराया जाएगा।
6. निर्धारित आवेदन पत्र वाले लिफाफे के ऊपर कृपया 'उत्तर पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन पत्र' लिखें।
7. सीपीई और डीपीई कार्यक्रमों को छोड़कर विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र निम्नलिखित पते पर भेजें:

क्र.सं.	मूल्यांकन केंद्र का पता	मूल्यांकन केंद्र का क्षेत्र
1.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भवन, कलूर, कोच्चि–682 017 केरल	कोच्चि, त्रिवेंद्रम, वटाकरा, चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, बेंगलुरू, बीजापुर, पणजी, पोर्ट ब्लेयर
2.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र, ब्लॉक –5, इग्नू, मैदान गढ़ी नई दिल्ली –110068	दिल्ली–1, दिल्ली–2, दिल्ली–3, मुख्यालय में सभी विद्यापीठ, प्रभाग, केंद्र, इकाइयां और संस्थान, अंतरराष्ट्रीय प्रभाग और अन्य मूल्यांकन केंद्रों / स्रोतों से प्राप्त उत्तर पुस्तिका, जब कभी कोई हो।
3.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, भवन सनीलॉज, नोंगथिम्मी, नोगथशिलियांग, शिलांग –793014 मेघालय	शिलांग, गुवाहाटी, जोरहाट, इटानगर, इम्फाल, अगरतला, गंगटोक, कोहिमा, आइजल
4.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, भवन सी / 1, संस्थागत क्षेत्र, भुवनेश्वर –751013 उड़ीसा	भुवनेश्वर, कोरापुट, कोलकाता, सिलीगुड़ी रघुनाथगंज, पटना, भागलपुर, दरभंगा, सहारसा, देवघर
5.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, भवन, नजदीक निरमा विश्वविद्यालय, सर्खेज– गांधी नगर राजमार्ग छारोदी, अहमदाबाद –382 481	अहमदाबाद, राजकोट, मुंबई, नागपुर, पुणे, जोधपुर, जयपुर
6.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भवन, 12, अरेरा हिल्स, भोपाल –462 011 मध्य प्रदेश	भोपाल, जबलपुर, रायपुर, रांची
7.	उप कुलसचिव, क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भवन, बी –1 / 33, सेक्टर–एच, अलीगंज, लखनऊ –226 024	लखनऊ, वाराणसी, अलीगढ़, नोएडा, करनाल, चंडीगढ़, खन्ना, देहरादून, जम्मू, श्रीनगर, शिमला

* सीपीई और डीपीई कार्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनःमूल्यांकन के लिए आवेदन प्रपत्र संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजें।

अनुदेश

1. इस कार्ड की सुविधाओं का उपयोग करने के लिए इसे मांगने पर अध्ययन केन्द्र या इग्नू की किसी अन्य स्थापना में प्रस्तुत किया जा सकता है। इस कार्ड के बिना किसी भी विद्यार्थी को परीक्षा/प्रयोगात्मक परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
2. केवल उस पाठ्यक्रम या पाठयक्रमों से संबंधित सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। जिस/जिनके लिए विद्यार्थी वास्तव में पंजीकृत है।
3. डुप्लीकेट पहचान पत्र, इग्नू के पक्ष में क्षेत्रीय केन्द्र के शहर में देय 250 रु. के बैंक ड्राफ्ट से भुगतान करने पर क्षेत्रीय निदेशक द्वारा जारी किया जाएगा।
4. पहचान पत्र गुम होने पर तत्काल निकटतम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट की जानी चाहिए।
5. पहचान पत्र उक्त कार्यक्रम पूरा करने के बाद जारीकर्ता अधिकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

विद्यार्थी कार्ड

(केवल इग्नू सुविधाओं के प्रयोगार्थ)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

पावती कार्ड

प्रिय विद्यार्थी,

इग्नू कार्यक्रम में प्रवेश के लिए धन्यवाद। हमें आपका आवेदन पत्र प्राप्त हो गया है। कृपया भविष्य में विश्वविद्यालय से अपने सभी पत्र–व्यवहार में अपनी नामांकन संख्या और आवेदित पाठ्यक्रम का उल्लेख अवश्य करें।

विद्यार्थी द्वारा भरा जाए

आवेदित पाठ्यक्रम : .....

डी.डी./चालान संख्या : .....

डी.डी./चालान की तारीख: .....

राशि : .....

जारीकर्ता बैंक : .....

केवल कार्यालय प्रयोग के लिए

आपका नामांकन संख्या है

नामांकन संख्या _____

कार्यक्रम का नाम _____

नाम _____

पता (साफ–साफ अक्षरों में) _____

_____

पिन कोड _____

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर _____

अद्यतन फोटो चिपकाएँ
जिसे विश्वविद्यालय द्वारा
अनुप्रमाणित किया जाएगा

अनुप्रमाणनकर्ता
क्षेत्रीय निदेशक_____
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

कृपया निर्धारित स्थान पर अपना पूरा डाक पता लिखें।

6/– रु. की
डाक टिकट
चिपकाएं

सेवा में,

_____ शहर _____

_____ राज्य _____

_____ पिन _____

प्रेषक :
क्षेत्रीय निदेशक
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
_____
_____